रजिस्ट्री सं. डी. एल.—33004/95

REGD. NO. D.L.—33004/95

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 145] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 1995/चैत्र 10, 1917
No. 145] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 1995/CHAITRA 10, 1917

कल्याण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1995

सा. का. नि. 316 (अ).— केन्द्रीय सरकार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (1989 का 33) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) नियम, 1995 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—,

(क) "अधिनियम" से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (1989 का 33) अभिप्रेत है ;

(ख) "आश्रित" में, इसके व्याकरणिक रूपभेद और सजातीय पदों के साथ, पत्नी, बालक चाहे विवाहित हों या अविवाहित, आश्रित माता-पिता, विधवा बहन तथा अत्याचार के पीड़ित पूर्वमृत पुत्र की विधवा और बालक सम्मिलित हैं ;

(ग) "परिलक्षित क्षेत्र" से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जहां राज्य सरकार के पास यह विश्वास का कारण है कि वहां अत्याचार हो सकता है या अधिनियम के अधीन किसी अपराध के पुनः होने की आशंका है अथवा ऐसा क्षेत्र अत्याचार उन्मुख है ;

(घ) "गैर सरकारी संगठन" से सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन या दस्तावेजों या ऐसे संगठनों के रजिस्ट्रीकरण के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित कल्याण संबंधी क्रियाकलापों में लगा हुआ कोई स्वैच्छिक संगठन अभिप्रेत है ;

(ङ) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची अभिप्रेत है ;

(च) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ;

(छ) "राज्य सरकार" से, किसी संघ राज्यक्षेत्र के संबंध में, संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त उस संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक अभिप्रेत है ;

(ज) उन शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो क्रमशः अधिनियम में हैं।

3. पूर्वविधानात्मक और निवारक उपाय– राज्य सरकार, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों पर अत्याचारों के निवारण की दृष्टि से, —

(i) ऐसे क्षेत्र को परिलक्षित करेगी, जहां इसके पास विश्वास का कारण है कि अधिनियम के अधीन अत्याचार हो सकता है या किसी अपराध के पुनः होने की आशंका है ;

(ii) जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक या किसी अन्य अधिकारी को परिलक्षित क्षेत्र का दौरा करने और विधि व्यवस्था की स्थिति का पुनर्विलोकन करने के आदेश देगी ;

(iii) यदि आवश्यक समझा जाए तो परिलक्षित क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों के जो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के नहीं है, उनके निकट संबंधियों/सेवकों या कर्मचारियों और कुटुम्बीय मित्रों के आयुधों के लाइसेंसों को रद्द करेगी और ऐसे आयुधों को सरकारी शस्त्रागार में जमा करवाएगी ;

(iv) सभी अवैध अग्न्यायुधों का अभिग्रहण करेगी तथा अग्न्यायुधों के किसी अवैध विनिर्माण को प्रतिषिद्ध करेगी ;

(v) व्यक्ति और सम्पत्ति की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दृष्टि से, यदि आवश्यक समझा जाए तो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को आयुध प्रदान करेगी ;

(vi) अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन में सरकार की सहायता करने के लिए यदि उचित और आवश्यक समझा जाए तो एक उच्च शक्ति प्राप्त राज्य स्तरीय समिति, जिला तथा प्रभाग स्तरीय समितियों का गठन करेगी ;

(vii) अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन के लिए प्रभावी उपाय सुझाने के लिए एक सतर्कता और मानीटरी समिति की स्थापना करेगी ;

(viii) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों को, विभिन्न केन्द्रीय और राज्य अधिनियमितियों या नियमों, विनियमों तथा तद्धीन बनाई गई योजनाओं के उपबन्धों के अधीन उनको उपलब्ध उनके अधिकारों और संरक्षण के बारे में शिक्षित करने के लिए परिलक्षित क्षेत्र में अथवा किसी अन्य स्थान पर जागरूकता केन्द्रों की स्थापना करेगी और कार्यशालाओं का आयोजन करेगी ;

(ix) जागरूकता केन्द्रों की स्थापना और उनके रखरखाव के लिये गैर-सरकारी संगठनों को प्रोत्साहित करेगी और उन्हें आवश्यक वित्तीय तथा अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करेगी ;

(x) परिलक्षित क्षेत्र में विशेष पुलिस बल तैनात करेगी ;

(xi) प्रत्येक तिमाही के अंत में विधि व्यवस्था की स्थिति, विभिन्न समितियों के कार्यकरण, अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन और अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत मामलों के लिये उत्तरदायी विशेष लोक अभियोजकों, अन्वेषक अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के कार्यपालन का पुनर्विलोकन करेगी;

4. अभियोजन का पर्यवेक्षण और उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करना :

(1) राज्य सरकार, जिला मजिस्ट्रेट की सिफारिश पर विशेष न्यायालयों में मामलों का संचालन करने के लिये प्रत्येक जिले के लिये ऐसे विशिष्ट ज्येष्ठ अधिवक्ताओं की संख्या का एक पैनल तैयार करेगी जैसा वह उचित समझे, जो कम से कम सात वर्षों से विधि व्यवसाय में हों। इसी प्रकार, अभियोजन निदेशक/अभियोजन के भारसाधक के परामर्श से विशेष न्यायालयों में मामलों का संचालन करने के लिये लोक अभियोजकों का ऐसी संख्या में एक पैनल भी तैयार किया जायेगा, जैसा वह उचित समझे। ये दोनों पैनल राज्य के राजपत्र में भी अधिसूचित किये जाएं और तीन वर्ष की अवधि के लिये प्रवृत्त रहेंगे ।

(2) जिला मजिस्ट्रेट और अभियोजन निदेशक/अभियोजन का भारसाधक एक कलेंडर वर्ष में दो बार, जनवरी तथा जुलाई के मास में इस प्रकार विनिर्दिष्ट या नियुक्त विशेष लोक अभियोजकों के कार्यपालन का पुनर्विलोकन करेंगे और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

(3) यदि राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है या यह विश्वास करने का कारण है, इस प्रकार नियुक्त या विनिर्दिष्ट किसी विशेष लोक अभियोजक ने अपनी सर्वोत्तम योग्यता से तथा सम्यक सावधानी और सतर्कता से मामले का संचालन नहीं किया है तो उसका नाम, लेखबद्ध किये जाने वाले कारणों से, अधिसूचना से निकाल दिया जायेगा ।

(4) जिला मजिस्ट्रेट और जिला स्तर पर अभियोजन का भारसाधक अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत मामलों की स्थिति का पुनर्विलोकन करेंगे तथा प्रत्येक पश्चात्वर्ती मास की 20वीं तारीख को या उससे पहले अभियोजन निदेशक और राज्य सरकार को एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। इस रिपोर्ट में प्रत्येक मामले के अन्वेषण और अभियोजन के संबंध में की गई प्रस्तावित कार्रवाइयां विनिर्दिष्ट होंगी ।

(5) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी जिला मजिस्ट्रेट या उपखण्ड मजिस्ट्रेट, यदि आवश्यक समझे, अथवा अत्याचार के पीड़ित व्यक्ति ऐसा चाहें तो विशेष न्यायालयों में मामले के संचालन के लिये ऐसी फीस के भुगतान पर जैसा वह उचित समझे, एक विशिष्ट ज्येष्ठ अधिवक्ता को नियोजित कर सकेगा।

(6) विशेष लोक अभियोजक को फीस का भुगतान राज्य सरकार द्वारा राज्य में अन्य पैनल अधिवक्ताओं से उच्चतर मान पर नियत किया जाएगा ।

5. पुलिस थाने के भारसाधक पुलिस अधिकारी को सूचना :—

(1) अधिनियम के अधीन अपराध किये जाने से संबंधित प्रत्येक सूचना यदि पुलिस थाने के भारसाधक किसी अधिकारी को मौखिक रूप से दी जाती है तो उसके द्वारा या उसके निर्देश से लेखबद्ध कर ली जाएगी और सूचना देने वाले को पढ़कर सुनाई जाएगी और ऐसी प्रत्येक सूचना, चाहे लिखित में दी जाती है या यथापूर्वोक्त लेखबद्ध की जाती है, इसे देने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी और उसके सार को उस पुलिस थाने द्वारा रखी जाने वाली पुस्तिका में प्रविष्ट किया जाएगा ।]

(2) उपर्युक्त उपनियम (1) के अधीन इस प्रकार लेखबद्ध की गई सूचना की एक प्रति सूचना देने वाले को तत्काल मुफ्त दी जाएगी ।

(3) उपनियम (1) में निर्दिष्ट सूचना को लेखबद्ध करने से पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी की ओर से इंकार होने से व्यथित कोई व्यक्ति इस प्रकार की सूचना का सार लिखित रूप में डाक द्वारा संबंधित पुलिस अधीक्षक को भेज सकता है जो स्वयं अपने द्वारा या एक पुलिस अधिकारी द्वारा जो पुलिस उप अधीक्षक के रैंक से कम न हो, अन्वेषण के पश्चात् लिखित रूप में एक आदेश उस सूचना के सार को उस पुलिस थाने के द्वारा रखी जाने वाली पुस्तिका में प्रविष्टि किए जाने के लिए संबंधित पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को देगा ।

6. अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण :

(1) जब कभी जिला मजिस्ट्रेट या उपखण्ड मजिस्ट्रेट या किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी पुलिस अधिकारी को जो पुलिस उप अधीक्षक से कम की पंक्ति का न हो, किसी व्यक्ति से अथवा अपनी ही जानकारी से सूचना प्राप्त करता है कि उसकी अधिकारिता के भीतर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों पर अत्याचार किया गया है तो तुरंत वह अत्याचार से हुए जीवन हानि, सपत्ति हानि और नुकसान की सीमा को निर्धारण करने के लिए स्वंय घटना स्थल पर जाएगा और राज्य सरकार को तत्काल एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

(2) जिला मजिस्ट्रेट या उपखण्ड मजिस्ट्रेट अथवा कोई अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक उस स्थान या क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद उस स्थल पर,—

(i) राहत के इकदार पीड़ितों, उनके कुटुम्ब के सदस्यों और आश्रितों की एक सूची बनाएगा;

(ii) अत्याचार, पीड़ितों की सम्पत्ति की हानि और नुकसान की सीमा की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा;

(iii) क्षेत्र में पुलिस की गहन गश्त के आदेश देगा;

(iv) साक्षियों और पीड़ितों से सहानुभूति रखने वालों को सुरक्षा प्रदान करने के प्रभावी और आवश्यक उपाय करेगा;

(v) पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान करेगा ।

7. अन्वेषक अधिकारी :

(1) अधिनियम के अधीन किए गए किसी अपराध का अन्वेषण ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा किया जाएगा जो पुलिस उप-अधीक्षक के रैंक से कम का न हो । अन्वेषक अधिकारी की नियुक्ति राज्य सरकार /पुलिस अधीक्षक द्वारा उसके पूर्व अनुभव, मामले की विविक्षाओं को समझने और मामले का अन्वेषण सही दिशा में कम से कम समय के भीतर करने की योग्यता और न्याय की भावना को ध्यान में रख-कर की जाएगी ।

(2) उपनियम (1) के अधीन इस प्रकार नियुक्त अन्वेषक अधिकारी अन्वेषण उच्च प्राथमिकता पर तीस दिन के भीतर पूरा करेगा और पुलिस अधीक्षक को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जो उसके पश्चात् उसे उस राज्य सरकार के पुलिस महानिदेशक को तत्काल भेज देगा ।

(3) राज्य सरकार के गृह सचिव और समाज कल्याण सचिव अभियोजन निदेशक/अभियोजन के भारसाधक अधि-कारी तथा पुलिस महानिदेशक प्रत्येक तिमाही के अन्त में अन्वेषण अधिकारियों द्वारा किए गए सभी अन्वेषणों की स्थिति का पुनर्विलोकन करेंगे ।

8. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संरक्षण कक्ष की स्थापना :

(1) राज्य सरकार, पुलिस महानिदेशक/पुलिस महा-निरीक्षक के भारसाधन में एक अनुसूचित जाति और अनु-सूचित जनजाति संरक्षण कक्ष की स्थापना करेगी । यह कक्ष निम्नलिखित कार्य करने के लिए उत्तरदायी होगा :—

(i) परिलक्षित क्षेत्र का सर्वेक्षण करना ;

(ii) परिलक्षित क्षेत्र में लोक व्यवस्था और प्रशांति बनाए रखना;

(iii) परिलक्षित क्षेत्र में विशेष पुलिस बल तैनात करने के लिए या विशेष पुलिस चौकी की स्थापना के लिए राज्य सरकार को सिफारिश करना;

(iv) अधिनियम के अधीन अपराध होने के सम्भावित कारणों के बारे में अन्वेषण करना;

(v) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों में सुरक्षा की भावना को लाना;

(vi) परिलक्षित क्षेत्र में विधि व्यवस्था की स्थिति के बारे में नोडल अधिकारी और विशेष अधिकारी को सूचित करना;

(vii) विभिन्न अधिकारियों द्वारा किए गए अन्वेषण और स्थल पर किए गए निरीक्षणों के बारे में पूछताछ करना;

(viii) नियम 5 के उपनियम (3) के अधीन उन मामलों में, जहां पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी द्वारा उस थाने में रखी जाने वाली पुस्तिका में प्रविष्टि करने से इंकार किया है, पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में पूछताछ करना;

(ix) किसी लोक सेवक द्वारा जानबूझकर की गई उपेक्षा के बारे में पूछताछ करना;

(x) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत मामलों की स्थिति का पुनर्विलोकन करना;

(xi) उपर्युक्त के संबंध में राज्य सरकार/नोडल अधिकारी को की गई/की जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई के बारे में एक मासिक रिपोर्ट प्रत्येक पश्चात्वर्ती मास की 20 तारीख को या उससे पूर्व प्रस्तुत करना।

9. नोडल अधिकारी का नामनिर्देशन :

राज्य सरकार, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक या उनके द्वारा प्राधिकृत अन्य अधिकारियों के अधिनियम के उपबन्धों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार अन्वेषण अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के कार्यकरण का समन्वय करने के लिए, राज्य सरकार के सचिव के स्तर के अधिकारी को, जो अधिमानतः अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित हो, नोडल अधिकारी नामनिर्देशित करेगी। प्रत्येक तिमाही के अन्त में नोडल अधिकारी निम्नलिखित का पुनर्विलोकन करेगा :—

(1) नियम 4 के उपनियम (2) और उपनियम (4), नियम 6, नियम 8 के खंड (xi) के अधीन राज्य सरकार द्वारा प्राप्त रिपोर्ट ;

(2) अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत मामलों की स्थिति;

(3) परिलक्षित क्षेत्र में विधि व्यवस्था की स्थिति;

(4) अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों या उसके आश्रित को नकद या वस्तु रूप में अथवा दोनों में तत्काल राहत उपलब्ध कराने के लिए अपनाए गए विभिन्न उपाय;

(5) अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों या उसके आश्रितों को राशन, वस्त्र, आश्रय, चिकित्सा सहायता, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता तथा परिवहन सुविधाओं जैसी तत्काल दी जाने वाली सुविधाओं की पर्याप्तता;

(6) अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार गैर-सरकारी संगठनों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संरक्षण कक्ष, विभिन्न समितियों और लोक सेवकों का कार्यपालन।

10. विशेष अधिकारी की नियुक्ति :

परिलक्षित क्षेत्र में अपर जिला मजिस्ट्रेट के रैंक से अन्यून का एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति, जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक या अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदारी अन्य अधिकारियों, विभिन्न समितियों और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संरक्षण कक्ष के साथ समन्वय करने के लिए की जाएगी। विशेष अधिकारी निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी होगा :—

(1) अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल राहत और अन्य सुविधाएं प्रदान करना और अत्याचार के पुनः होने को निवारित करने या उससे बचने के आवश्यक उपाय करना;

(2) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित व्यक्तियों को उनके अधिकारों और विभिन्न केन्द्रीय और राज्य सरकारों की अधिनियमितियों या नियमों और तद्धीन तैयार की गई योजनाओं के उपबंधों के अधीन उन्हें प्राप्त संरक्षण के बारे में शिक्षित करने के लिए परिलक्षित क्षेत्र में चेतना केन्द्र की स्थापना तथा कार्यशालाओं का आयोजन करना;

(3) गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय करना और केन्द्रों के रख-रखाव या कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए गैर-सरकारी संगठनों को आवश्यक सुविधाओं वित्तीय तथा अन्य प्रकार की सहायता प्रदान करना;

11. अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति उसके आश्रित तथा साक्षियों को यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, भरण पोषण व्यय और परिवहन सुविधाएं :

(1) अत्याचार से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति उसके आश्रित और साक्षियों को उसके आवास अथवा ठहरने के स्थान से अधिनियम के अधीन अपराध के अन्वेषण या सुनवाई या विचारण के स्थान तक का एक्सप्रेस/मेल/यात्री ट्रेन में द्वितीय श्रेणी का आने-जाने का रेल भाड़ा अथवा वास्तविक बस या टैक्सी भाड़े का संदाय किया जाएगा।

(2) जिला मजिस्ट्रेट या उपखंड मजिस्ट्रेट अथवा कोई अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट, अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों और साक्षियों को, अन्वेषण अधिकारी, पुलिस अधीक्षक/पुलिस उप अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट या किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट के पास जाने के लिए परिवहन सुविधाएं देने अथवा उसके पूरे संदाय की प्रतिपूर्ति की आवश्यक व्यवस्था करेंगे।

(3) प्रत्येक महला साक्षी, अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति या उसकी आश्रित महला या अवयव व्यक्ति साठ वर्ष की आयु से अधिक का व्यक्ति और 40 प्रतिशत या उससे अधिक की निःशक्त व्यक्ति अपनी पसंद का परिचर अपने साथ लाने का हकदार होगा। परिचर को भी इस अधिनियम के अधीन किसी अपराध की सुनवाई, अन्वेषण और विचारण के दौरान बुलाए जाने पर साक्षी अथवा अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति को देय यात्रा और भरणपोषण व्यय का संदाय किया जाएगा।

(4) साक्षी, अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति या उसका/उसकी आश्रित तथा परिचर को अपराध के अन्वेषण, सुनवाई और विचारण के दौरान उसके आवास अथवा ठहरने के स्थान से दूर रहने के दिनों के लिए ऐसी दरों पर दैनिक भरण पोषण व्यय का संदाय किया जाएगा जो उस न्यूनतम मजदूरी से जैसा कि राज्य सरकार ने कृषि श्रमिकों के लिए नियत की हो, कम नहीं होगा।

(5) साक्षी, अत्याचार से पीड़ित व्यक्ति (अथवा उसका/उसकी आश्रित) और परिचर को दैनिक भरण-पोषण व्यय के अतिरिक्त आहार व्यय का भी ऐसी दरों पर संदाय किया जाएगा जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय समय पर नियत करे।

(6) पीड़ित व्यक्तियों, उनके आश्रितों/परिचर तथा साक्षियों को अन्वेषण अधिकारी या पुलिस थाना के भारसाधक अथवा अस्पताल प्राधिकारियों या पुलिस अधीक्षक/उप पुलिस अधीक्षक अथवा जिला मजिस्ट्रेट या किसी अन्य संबंधित अधिकारी के पास अथवा विशेष न्यायालय जाने के दिनों के लिए यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता, भरणपोषण व्यय तथा परिवहन सुविधाओं की प्रतिपूर्ति जिला मैजिस्ट्रेट अथवा उप खंड मजिस्ट्रेट अथवा किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा तुरंत अथवा अधिक से अधिक तीन दिनों में किया जाएगा।

(7) जब अधिनियम की धारा 3 के अधीन कोई अपराध किया गया है तो जिला मजिस्ट्रेट या उप खंड मजिस्ट्रेट अथवा कोई अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट, अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों के लिए औषधियों, विशेष परामर्श रक्ताधान बदलने के लिए आवश्यक वस्त्र; भोजन और फलों के लिए संदाय की प्रतिपूर्ति करेंगे।

12. जिला प्रशासन द्वारा किए जाने वाले उपाय :

(1) जीवन हानि और सम्पत्ति के हुए नुकसान का निर्धारण करने और राहत के लिए पात्र पीड़ित व्यक्तियों उनके कुटुम्ब के सदस्यों और आश्रितों की एक सूची तैयार करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक उस स्थान या क्षेत्र में जाएंगे जहां अत्याचार किया गया है।

(2) पुलिस अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रथम इत्तिला रिपोर्ट संबंधित पुलिस थाने की बही में रजिस्ट्रीकृत की गई है और अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

(3) पुलिस अधीक्षक, मौके पर निरीक्षण के पश्चात् तत्काल एक अन्वेषण अधिकारी नियुक्त करेगा और उस क्षेत्र में ऐसा पुलिस बल तैनात करेगा और ऐसे अन्य निवारक उपाय करेगा जिन्हें वह उचित और आवश्यक समझे।

(4) जिला मजिस्ट्रेट या उप खंड मैजिस्ट्रेट अथवा कोई अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट, इन नियमों (उपाबंध 2 के साथ पठित उपाबंध 1) से उपाबद्ध अनुसूची में दिए गए मान के अनुसार अत्याचारों से पीड़ितों, व्यक्तियों उनके कुटुम्ब के सदस्यों और आश्रितों को नकद या वस्तु अथवा दोनों रूप में तत्काल राहत देने की व्यवस्था करेगा। ऐसी राहत में भोजन, जल, कपड़े, आश्रय, चिकित्सा सुविधा, परिवहन सुविधा और अन्य आवश्यक मदें भी सम्मिलित होगी जो मानव के लिए आवश्यक हैं।

(5) उप नियम (4) के अधीन अत्याचार पीड़ित व्यक्ति या उसके/उसकी आश्रित को मृत्यु, या क्षति अथवा सम्पत्ति को नुकसान के लिए राहत तत्काल प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन प्रतिकर का दावा करने किसी अन्य अधिकार के अतिरिक्त होगा।

(6) उप नियम 4 में उल्लिखित राहत और पुनर्वास सुविधाएं जिला मजिस्ट्रेट अथवा किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा इन नियमों की उपाबद्ध अनुसूची में दिए गए मान के अनुसार प्रदान की जाएगी।

(7) जिला मजिस्ट्रेट या उप खंड मजिस्ट्रेट अथवा अधीक्षक द्वारा पीड़ित व्यक्तियों को राहत और पुनर्वास सुविधाओं की एक रिपोर्ट विशेष न्यायालय को अग्रेषित की जाएगी। यदि विशेष न्यायालय का समाधान हो जाता है कि राहत का संदाय पीड़ित व्यक्ति अथवा उसका/उसकी आश्रित को समय पर नहीं किया गया अथवा राहत या प्रतिकर पर्याप्त नहीं था अथवा राहत और प्रतिकर के केवल एक भाग का संदाय किया गया तो यह राहत अथवा कोई अन्य प्रकार की सहायता का पूर्ण अथवा आंशिक संदाय करने का आदेश दे सकेगा।

13. अत्याचार से संबंधित कार्य को पूरा करने के लिए अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों का चयन :

(1) राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अत्याचार प्रवण क्षेत्र में नियुक्त किए जाने वाले प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों की अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं के प्रति सही प्रवृत्ति और समझ है।

(2) राज्य सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों का प्रशासन तथा पुलिस बल में सभी स्तरों पर विशेष रूप से पुलिस चौकियों और पुलिस थाने में पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व हो।

14. राज्य सरकार का विनिर्दिष्ट दायित्व : राज्य सरकार अपने वार्षिक बजट में अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को राहत और पुनर्वास सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए आवश्यक उपबंध करेगी। यह एक कलेन्डर वर्ष में कम से कम दो बार जनवरी और जुलाई के मास में अधिनियम की धारा 15 के अधीन विनिर्दिष्ट अथवा नियुक्त विशेष लोक अधियोजक के कर्यपालन जिला मजिस्ट्रेट, उप खंड मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त विभिन्न रिपोर्ट किए गए अन्वेषण और निवारण के लिए उठाए गए कदमों, दी गई राहत और पुनर्वास सुविधाओं तथा संबंधित अधिकारियों की ओर से की गई गलतियों के संबंध में रिपोर्टों का पुनर्विलोकन करेगी।

15. राज्य सरकार द्वारा आकस्मिकता योजना :—

(1) राज्य सरकार, अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए एक आदर्श आकस्मिकता योजना तैयार करेगी और उसे राज्य सरकार के राजपत्र में अधिसूचित करेगी। इसे विभिन्न विभागों और विभिन्न स्तरों पर उनके अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारी, ग्रामीण/शहरी स्थानीय निकायों और गैर सरकारी संगठनों की भूमिका और जिम्मेदारी को विनिर्दिष्ट करना चाहिए। इस योजना में अन्य बातों के साथ साथ निम्नलिखित को शामिल करके राहत कार्यों का एक पैकेज होगा :—

(क) नकद या वस्तु रूप में अथवा इन दोनों में तत्काल राहत, प्रदान करने की योजना,

(ख) कृषि भूमि तथा गृह स्थलों का आबंटन;

(ग) पुनर्वास पैकेज;

(घ) सरकार और सरकारी उपक्रमों में पीड़ित व्यक्ति के आश्रित अथवा कुटुम्ब के सदस्यों में से एक को रोजगार के लिए स्कीम;

(ङ) विधवाओं, मृतक के आश्रित बालकों, विकलांग व्यक्तियों या अत्याचार से पीड़ित वृद्धों के लिए पेंशन स्कीम;

(च) पीड़ितों के लिए आज्ञापरक प्रतिकर;

(छ) पीड़ित की सामाजिक और आर्थिक हालत को सुदृढ़ करने के लिए स्कीम;

(ज) पीड़ित व्यक्तियों को ईंट/पत्थर चिनाई गृहों के लिए उपबंध;

(झ) स्वास्थ्य की देखभाल, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, विद्युतीकरण, पर्याप्त पेयजल सुविधा, अन्त्येष्टि स्थल तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के प्राकृतिक वास तक संपर्क मार्ग जैसी सुविधाएं।

(2) राज्य सरकार, आकस्मिकता योजना की अथवा उसके सार की एक प्रति और इस स्कीम की एक प्रति यथाशीघ्र कल्याण मंत्रालय, केन्द्रीय सरकार तथा सभी जिला मजिस्ट्रेटों उपखंड मजिस्ट्रेटों, पुलिस महानिरीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को अग्रेषित करेगी।

16. राज्य स्तरीय सतर्कता और मानीटरी समिति का गठन:

(1) राज्य सरकार अधिक से अधिक 25 सदस्यों की एक उच्च शक्ति प्राप्त समिति गठित करेगी जिसमें निम्नलिखित होंगे:—

(i) मुख्य मंत्री प्रशासक—अध्यक्ष
(राष्ट्रपति शासन के अधीन राज्य की दशा में राज्यपाल अध्यक्ष होगा) :

(ii) गृह मंत्री, वित्त मंत्री और कल्याण मंत्री—सदस्य
(राष्ट्रपति शासन के अधीन राज्य की दशा में सलाहकार सदस्य होंगे) :

(iii) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित संसद, राज्य विधान सभा और विधान परिषद् के सभी चुने गए सदस्य—सदस्य ;

(iv) मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, निदेशक/उप निदेशक, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग—सदस्य

(v) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण और विकास के प्रभारी सचिव—संयोजक

(2) उच्च शक्ति प्राप्त सतर्कता और मानीटरी समिति की बैठक, अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन, पीड़ित व्यक्तियों को दी गई राहत और पुनर्वास सुविधा तथा उससे सम्बद्ध अन्य मामले, अधिनियम के अधीन मामलों का अभियोजन अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेवार विभिन्न अधिकारियों और अभिकरणों की भूमिका और राज्य सरकार द्वारा प्राप्त विभिन्न रिपोर्टों पर विचार करने के लिए एक कलेण्डर वर्ष में कम से कम दो बार जनवरी और जुलाई के मास में होंगी।

17. जिला स्तरीय सतर्कता और मानीटरी समिति का गठन :

(1) राज्य के अन्तर्गत प्रत्यक जिले में जिला मजिस्ट्रेट, अधिनियम के विभिन्न उपबंधों के कार्यान्वयन, पीड़ित व्यक्तियों को दी गई राहत और पुनर्वास सुविधाएं तथा उससे सम्बद्ध अन्य मामलों, अधिनियम के अधीन मामलों का अभियोजन, अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार विभिन्न अधिकारियों/अभिकरणों की भूमिका तथा जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त विभिन्न रिपोर्टों के पुनर्विलोकन के लिए अपने जिले में सतर्कता और मानीटरी समिति की स्थापना करेगा।

(2) जिला स्तरीय सतर्कता और मानिटरी समिति में संसद, राज्य विधान सभा तथा विधान परिषद् के चुने गए सदस्य; पुलिस अधीक्षक, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित राज्य सरकार के तीन समूह "क" अधिकारी/राजपत्रित अधिकारी तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित अधिक से अधिक 5 गैर-सरकारी सदस्य तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से भिन्न प्रवर्ग के ऐसे अधिक से अधिक 3 सदस्य होंगे जो गैर सरकारी संगठनों से सहबद्ध हैं। जिला मजिस्ट्रेट तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी क्रमशः, अध्यक्ष और सदस्य-सचिव होंगे।

(3) जिला स्तरीय समिति की, तीन मास में कम से कम एक बार बैठक होगी।

18. वार्षिक रिपोर्ट के लिए सामग्री :

राज्य सरकार, प्रत्येक वर्ष 31 मार्च से पहले केन्द्रीय सरकार को अधिनियम के उपबंधों के कार्यान्वयन के लिए किए गए उपायों और इसके द्वारा पिछले कलेंडर वर्ष के दौरान तैयार की गई विभिन्न स्कीमों/योजनाओं के बारे में रिपोर्ट अग्रेषित करेगी।

[फा. सं. 11012/12/89 पी सी आर (डेस्क)]
गंगा दास, संयुक्त सचिव

उपाबंध I
अनुसूची

[नियम 12(4) देखिए]

राहत राशि के लिए मापदण्ड.

क्रम सं.	अपराध का नाम	राहत की न्यूनतम राशि
1	2	3
1.	अखाद्य या घृणाजनक पदार्थ पीना या खाना [धारा 3(1)(i)]	प्रत्येक पीड़ित को अपराध के स्वरूप और गंभीरता को देखते हुए 25,000 रु. या उससे अधिक और पीड़ित व्यक्ति द्वारा अनादर, अपमान, क्षति तथा मानहानि सहने के अनुपात में भी होगा। दिया जाने वाला भुगतान निम्नलिखित होगा: 1. 25 प्रतिशत जब आरोप-पत्र न्यायालय को भेजा जाए। 2. 75 प्रतिशत जब निचले न्यायालयों द्वारा दोषसिद्ध ठहराया जाए।
2.	क्षति पहुंचाना, अपमानित करना या क्षुब्ध करना [धारा 3(1)(ii)]	
3.	अनादरसूचक कार्य [धारा 3(1)(iii)]	
4.	सदोष भूमि अभिभोग में लेना या उस पर कृषि करना, आदि [धारा 3(1)(iv)]	अपराध के स्वरूप और गंभीरता को देखते हुए कम से कम 25,000 रु. या उससे अधिक भूमि/परिसर/जल की आपूर्ति जहां आवश्यक हो, सरकारी खर्च पर पुनः वापस की जाएगी। जब आरोपपत्र न्यायालय को भेजा जाए पूरा भुगतान किया जाए।
5.	भूमि, परिसर या जल से संबंधित [धारा 3(1)(v)]	
6.	बेगार या बलात्श्रम या बुंधआ मजदूरी [धारा 3(1)(vi)]	प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को कम से कम 25000 रु./ प्रथम सूचना रिपोर्ट की स्टेज पर 25 प्रतिशत और 75 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोष सिद्ध होने पर।

1	2	3
7.	मतदान के अधिकार के संबंध में [धारा 3(1)(vii)]	प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को 20,0000 रु. तक जो अपराध के स्वरूप और गंभीरता पर निर्भर है ।
8.	मिथ्या, द्वेष पूर्ण या तंग करने वाली विधिक कार्यवाही [धारा 3(1)(viii)]	25000 रु. या वास्तविक विधिक व्यय और क्षति की प्रतिपूर्ति या अभियुक्त के विचारण की समाप्ति के पश्चात जो भी कम हो ।
9.	मिथ्या या तुच्छ जानकारी [धारा 3(1)(ix)]	
10.	अपमान, अभित्रास [धारा 3(1)(x)]	अपराध के स्वरूप पर निर्भर करते हुए प्रत्यक पीड़ित व्यक्ति को 25,0000/रु. तक 25 प्रतिशत उस समय जब आरोप पत्र न्यायालय को भेजा जाए और शेष दोष-सिद्ध होने पर ।
11.	किसी महिला की लज्जा भंग करना [धारा 3(1)(xi)]	अपराध के प्रत्येक पीड़ित को 50,000 रु. । चिकित्सा जांच के पश्चात 50 प्रतिशत का भुगतान किया जाए और शेष 50 प्रतिशत का विचारण की समाप्ति पर भुगतान किया जाए ।
12.	महिला का लैंगिक शोषण [धारा 3(1)(xii)]	
13.	पानी गन्दा करना [धारा 3(1)(xiii)]	1,00,000 रु. तक जब पानी को गन्दा कर दिया जाए तो उस साफ करने सहित या सामान्य सुविधा को पुनः बहाल करने की पूरी लागत । उस स्तर पर जिस पर जिला प्रशासन द्वारा ठीक समझा जाए भुगतान किया जाए ।
14.	मार्ग के रुढ़िजन्य अधिकार से वंचित करना [धारा 3(1)(xiv)]	1,00,000 रु. तक या मार्ग के अधिकार को पुनः बहाल करने की पूरी लागत और जो नुकसान हुआ है, यदि कोई हो, उसका पूरा प्रतिकर । 50 प्रतिशत जब आरोप पत्र न्यायालय को भेजा जाए और 50 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोष सिद्ध होने पर ।
15.	किसी को निवास स्थान छोड़ने पर मजबूर करना [धारा 3(1)(xv)]	स्थल बहाल करना । ठहराने का अधिकार और प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को 25,000 रु. का प्रतिकर तथा सरकार के खर्च पर मकान का पुनर्निर्माण, यदि नष्ट किया गया हो । पूरी लागत का भुगतान जब निचले न्यायालय में आरोप पत्र भेजा जाए ।
16.	मिथ्या साक्ष्य देना [धारा 3(2)(i) और (ii)]	कम से कम 1,00,000 रु. या उठाए गए नुकसान या हानि का पूरा प्रतिकर । 50 प्रतिशत का भुगतान जब आरोपपत्र न्यायालय में भेजा जाए और 50 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर ।
17.	भारतीय दंड संहिता के अधीन 10 वर्ष या उससे अधिक की अवधि के कारावास से दंडनीय अपराध करना [धारा (2)]	अपराध के स्वरूप और गम्भीरता को देखते हुए प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को या उसके आश्रित को कम से कम 50,000 रु. यदि अनुसूची में विशिष्ट । अन्यथा प्रावधान किया हुआ हो तो इस राशि में अन्तर होगा ।
18.	किसी लोकसेवक के हाथों उत्पीड़न [धारा 3(2)(vii)]	उठाई गई हानि या नुकसान का पूरा प्रतिकर । 50 प्रतिशत का भुगतान जब आरोप पत्र न्यायालय में भेजा जाए और 50 प्रतिशत का भुगतान जब निचले न्यायालय में दोष सिद्ध हो जाए, किया जाएगा ।

1	2	3
19.	निर्योग्यता। कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं. 4-2-83 एच. डब्ल्यू–3 तारीख 6-8-1986 में शारीरिक और मानसिक निर्योग्यताओं का उल्लेख किया गया है। अधिसूचना की एक प्रति अनुबन्ध–2 पर है।	
	(क) 100 प्रतिशत असमर्थतता	
	(i) परिवार का न कमाने वाला सदस्य	अपराध के प्रत्येक पीड़ित को कम से कम 1,00,000 रु.। 50 प्रतिशत प्रथम सूचना रिपोर्ट पर और 25 प्रतिशत आरोप-पत्र पर और 25 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर।
	(ii) परिवार का कमाने वाला सदस्य	अपराध के प्रत्येक पीड़ित को कम से कम 2,00,0000 रु., 50 प्रतिशत का प्रथम सूचना रिपोर्ट/चिकित्सा जांच पर भुगतान किया जाए और 25 प्रतिशत जब आरोप पत्र न्यायालय को भेजा जाए तथा 25 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर।
	(ख) जहां असमर्थतता 100 प्रतिशत से कम है।	उपर्युक्त क (i) और (ii) में निर्धारित दरों को उसी अनुपात में कम किया जाएगा, भुगतान के चरण भी वहीं रहेंगे। तथापि न कमाने वाले सदस्य को 15,000 रु. से कम नहीं और परिवार के कमाने वाले सदस्य को 30,000रु. से कम नहीं होगा।
20.	हत्या/मृत्यु	प्रत्येक मामले में कम से कम 1,00,000 रु.। 75
	(क) परिवार का न कमाने वाला सदस्य	प्रतिशत पोस्टमार्टम के पश्चात और 25 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर।
	(ख) परिवार का कमाने वाला सदस्य	प्रत्येक मामले में कम से कम 2,00,000 रु.। 75 प्रतिशत का भुगतान पोस्टमार्टम के पश्चात और 25 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर।
21.	हत्या, मृत्यु, नरसंहार, बलात्संग, सामूहिक बलात्संग, गैंग द्वारा किया गया बलात्संग, स्थायी असमर्थतता और डकैती।	उपर्युक्त मदों के अन्तर्गत भुगतान की गई राहत की रकम के अतिरिक्त, राहत की व्यवस्था अत्याचार की तारीख से तीन माह के भीतर निम्नलिखित रूप से की जाए:— (i) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मृतक की प्रत्येक विधवा और/या अन्य आश्रितों को 1,000 रु. प्रति मास की दर से, या मृतक के परिवार के एक सदस्य को रोजगार या कृषि भूमि, एक मकान यदि आवश्यक हो तो तत्काल खरीद द्वारा। (ii) पीड़ितों के बच्चों की शिक्षा और उनके भरण-पोषण का पूरा खर्चा/बच्चों को आश्रम, स्कूलों/ आवासीय स्कूलों में दाखिल किया जाए। (iii) तीन माह की अवधि तक बर्तनों, चावल, गेंहूं, दालों, दलहनों आदि की व्यवस्था।
22.	पूर्णतया नष्ट करना/जला हुआ मकान।	जहां मकान को जला दिया गया हो या नष्ट कर दिया गया हो। वहां सरकारी खर्च पर ईंट पत्थर के मकान का निर्माण किया जाए या उसकी व्यवस्था की जाए।

अनुबन्ध - 2

सं. 4-2/83-एच. डब्ल्यू.-3
भारत सरकार
कल्याण मंत्रालय
दिनांक 6 अगस्त, 1986

विषय:—शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की एकसमान परिभाषाएं ।

इस समय केन्द्रीय और सरकारों की अनेक योजनाओं/कार्यक्रमों में विभिन्न श्रेणियों के विकलांगों के लिए अलग-अलग परिभाषाएं अपनाई जा रही हैं । कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में मानक परिभाषाओं, प्राधिकृत प्रमाणीकरण प्राधिकारियों और वस्तुनिष्ठ प्रमाणीकरण हेतु मानक परीक्षणों के लिए तीन समितियां क्रमश: दृष्टि विकलांगताओं, वाणी व श्रवण विकलांगताओं तथा चलन सम्बन्धी विकलांगताओं के लिए और एक अलग समिति मानसिक विकलांगताओं के लिए गठित की है ।

2. इन समितियों की रिपोर्टों पर विचार कर लिए जाने के पश्चात् और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों तथा संबंधित मंत्रालयों/विभागों की सहमति से मुझे निम्नलिखित श्रेणियों के शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की परिभाषाएं अधिसूचित करने की राष्ट्रपति की स्वीकृति सूचित करने का निदेश हुआ है :—

1. दृष्टि विकलांगता
2. चलन विकलांगता
3. वाणी और श्रवण विकलांगता
4. मानसिक विकलांगता

समिति की रिपोर्ट अनुबन्ध-1 में दी गई है ।

3. प्रत्येक श्रेणी के विकलांग व्यक्तियों को चार समूहों अर्थात् हल्की विकलांगता, मध्यम विकलांगता, उग्र विकलांगता तथा गम्भीर/पूर्ण विकलांगता में बांटा गया है। यह निर्णय किया गया है कि प्रमाणकर्त्ता प्राधिकारी जिला स्तर पर एक चिकित्सा बोर्ड होगा । इस बोर्ड में जिले का मुख्य चिकित्सा अधिकारी/उप प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी तथा विनिर्दिष्ट क्षेत्र में एक अन्य विशेषज्ञ तथा दृष्टि विकलांगों के आर्थोपेडिक सर्जन, वाणी और श्रवण विकलांगों के मामले में एक ई.एन.टी. सर्जन या आडियोलिजिस्ट, चलन विकलांगों के मामले में एक आर्थोपेडिक सर्जन या फिजिकल मेडीसन तथा पुनर्वास में विशेषज्ञ, मानसिक विकलगों के मामले में एक मनश्चिकित्सक या क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक या विशेष शिक्षा में एक प्रशिक्षक ।

5. अनुबन्ध में उल्लिखित विनिर्दिष्ट परीक्षण, चिकित्सा बोर्ड द्वारा प्रमाण-पत्र दिए जाने से पूर्व किए जाने चाहिएं और रिकार्ड किए जाने चाहिएं ।

6. प्रमाण-पत्र तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा ।

7. राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन उपर्युक्त पैरा 4 में किए गए उल्लेख के अनुसार चिकित्सा बोर्डों का तत्काल गठन करें ।

हस्ता./-
(एम. सी. नरसिम्हन)
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त अधिसूचना भारत के राजपत्र में सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित की जाए। गजट अधिसूचना की प्रतियां केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, लोक सभा—राज्य सभा सचिवालय को सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी जाए।

हस्ता./-
(एम. सी. नरसिम्हन)
संयुक्त सचिव, भारत सरकार

मानक परिभाषाओं, प्राधिकृत प्रमाणीकरण प्राधिकारियों और दृष्टि, श्रवण, वाणी तथा चलन विकलांगताओं के मानक परीक्षणों की सिफारिश करने के लिए गठित तीन समितियों की संयुक्त रिपोर्ट।

समितियों के सदस्यों की सूची अनुबन्ध-I पर है ।

परिचय

भारत एक विशाल देश है और इसकी विविधता वाली सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक तथा आर्थिक पृष्ठभूमि है। स्वास्थ्य सेवाओं में उन्नति के बावजूद, पोलियो संक्रमण और जन्मजाति बीमारियां अब भी होती रहती हैं। बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण और यांत्रिकीकरण, वाहनों के यातायात से चलन संबंधी विकलांगताएं होती हैं। विटामिन "ए" की कमी, मोतियाबिन्द और संक्रमण, चोटें, पोषक तत्वों की कमी से दृष्टि कमजोर होती है, कान का संक्रमण, बाहरी चोटों, शोर-प्रदूषण से कान में श्रवण शक्ति की कमी आती है। ये तीन प्रमुख विकलांगताएं हैं जो ऐसे किसी एक या अधिक घटकों के परिणामस्वरूप स्वयं ही प्रकट होती हैं।

2. भारत सरकार, विकलांग व्यक्तियों को अनेक सुविधाएं और रियायतें प्रदान कर रही है। इन सुविधाओं और रियायतों को प्रदान करने के लिए यह जरूरी है कि इन विकलांगताओं के बारे में एक परिभाषा निश्चित कर ली जाए। राष्ट्रीय विकलांग कल्याण परिषद् की सिफारिशों के अनुसरण में, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में, परिभाषाओं का एक ऐसा मानक सैट तैयार करने के लिए समिति की बैठक हुई जिसे एक समान रूप से पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए ।

तथापि, परिभाषाओं के एक समान सैट को तैयार करने का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि इस समय कोई परिभाषा ही नहीं है। इस समय विकलांगों को विभिन्न रियायतें और सुविधाएं दिए जाने के लिए प्रचलित इन तीन प्रमुख विकलांगताओं की परिभाषाएं अनुबन्ध-2 में दी गई हैं ।

शारीरिक क्षति से कार्यात्मक प्रतिबन्ध होता है और कार्यात्मक प्रतिबन्ध से विकलांगता होती है। शारीरिक क्षति, कार्यात्मक प्रतिबन्ध और विकलांगता की परिभाषा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की है और यह समिति इस वर्गीकरण को अपनाने की सिफारिश करती है, जो इस प्रकार है :—

(1) क्षति :—क्षति एक स्थाई या अल्पकालिक मनोवैज्ञानिक अथवा शरीर रचना संबंधी हानि और/या असामान्यता है। उदारहण के लिए शरीर का कोई अंग या प्रभावी भाग, टिशू अंग या "तंत्र" जैसे कटा हुआ अंग, पोलियोपरान्त पक्षाघात, मांसपोशी रोधगलन, प्रमस्तिष्क संवहनी, सीमित पुलोनरी क्षमता, मधुमेह, मायोपिया, विरूपण, मानसिक मन्दता, हाइपरटैंशन, बाधात्मक परेशानी।

(2) कार्यात्मक प्रतिबन्ध :—क्षति से कार्यात्मक प्रतिबन्ध हो सकते हैं और उनसे चलन, संवेदनात्मक अथवा मानसिक कार्यों को उस दायरे में और तरीके से करने की आंशिक अथवा पूर्ण असमर्थता है जिन्हें, कर पाने में एक मनुष्य सामान्य रूप से समर्थ हैं जैसे चलना, बोझ उठाना, देखना, बोलना, सुनना, पढ़ना, लिखना, गणना करना और अपने चारों ओर के परिवेश के प्रति रुचि रखना और सम्पर्क स्थापित करना। कार्यात्मक प्रतिबन्ध, दीर्घकालिक, प्रतिबन्ध, अल्पकालिक, स्थायी अथवा प्रतिवर्ती हो सकता है। जहां तक सम्भव हो इसे परिमाणन योग्य होना चाहिए। प्रतिबन्धों का वर्णन "प्रगामी" या "प्रतिगामी" के रूप में किया जा सकता है ।

(3) विकलांगता :—विकलांगता को एक अथवा अधिक कार्यकलापों को सम्पन्न करने में विद्यमान कठिनाई के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो व्यक्ति की अवस्था, लिंग और मोरेटिव सामाजिक भूमिका के अनुसार दिन-प्रतिदिन के जीवन जैसे आत्म देखभाल, सामाजिक संबंधी और आर्थिक कार्यकलापों के आवश्यक मूलभूत घटकों के रूप में सामान्यतः स्वीकार की जाती है। आंशिक रूप से कार्यात्मक प्रतिबन्ध की अवधि के आधार पर विकलांगता अल्पकालिक, दीर्घकालिक अथवा स्थायी हो सकती है । चिकित्सा की दृष्टि से विकलांगता शारीरिक क्रियाएं सामान्य रूप से कर पाने में शारीरिक क्षति और असमर्थता की स्थिति का नाम है। कानूनी दृष्टि से विकलांगता शरीर की स्थाई क्षति है जिसके लिए व्यक्ति को क्षतिपूर्ति की जानी अथवा नहीं की जानी चाहिए।

विकलांगता को 3 अवधियों में विभाजित किया जा सकता है। ।

(1) अस्थाई पूर्ण विकलांगता उस अवधि को कहते हैं जिसमें प्रभावित व्यक्ति कार्य करने की दृष्टि से पूर्णतः असमर्थ हो । इस अवधि के दौरान वह अस्थि, नेत्र, श्रवण और वाणी से संबंधित अथवा कोई अन्य चिकित्सा उपचार प्राप्त कर सकता है।

(2) अस्थाई आंशिक विकलांगता उस अवधि को कहते हैं जब स्वास्थ्य लाभ की स्थिति सुधार की उस अवस्था तक पहुंच चुकी हो जिसमें व्यक्ति कुछ लाभप्रद व्यवसाय शुरू कर सके।

(3) स्थाई अयोग्यता से अभिप्राय शरीर के कुछ भाग/भागों की स्थाई क्षति अथवा प्रयोग हानि की स्थिति से है जब किसी चिकित्सा उपचार के माध्यम से अधिकतम सुधार की अवस्था तक पहुंच चुकी हो और स्थिति स्थिर हो। इस प्रकार के वर्गीकरण और विभिन्न रियायतें जिनकी सिफ़ारिशें की जा रही हैं वे केवल अस्थाई विकलांगता के लिए हैं।

दृष्टि विकलांगता का मूल्यांकन और निर्धारण

इस दल द्वारा दृष्टि संबंधी क्षति/विकलांगता के वर्गीकरण की सिफारिश को दृष्टि विकलांगों के लिए विभिन्न रियायतों पर विचार करने की दृष्टि से चार श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है ।

एक नेत्र वाले व्यक्ति से संबंधित मुद्दे पर विस्तार पूर्वक विचार किया गया। समिति का विचार है कि उन व्यक्तियों की दृष्टिहीनता के मूल्यांकन हेतु जिन मार्गदर्शी सिद्धान्तों की सिफारिशें स्पष्ट होनी चाहिए जो एक आंख से लाचार किन्तु दूसरे से सामान्यतः देख सकते हैं। समिति यह महसूस करती है कि ऐसे व्यक्तियों को अन्य दृष्टि विकलांग व्यक्तियों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए ताकि उग्र/गम्भीर दृष्टि विकलांग व्यक्तियों और पूर्णतः दृष्टि हीन व्यक्तियों को प्राप्त सुविधाएं/रियायतें कटें नहीं। यदि किसी नेत्र वाले व्यक्तियों को उग्र/गम्भीर दृष्टि विकलांगों एवं पूर्णतः दृष्टिहीन विकलांगों के साथ मिला दिया जाता है तो ऐसे में समिति महसूस करती है कि दृष्टिहीन व्यक्तियों को दी जाने वाली अधिकांश रियायतें खासकर उनके लिए आरक्षित नौकरियां एक नेत्र वाले व्यक्तियों को मिल जाएंगी क्योंकि अन्य श्रेणियों की तुलना में उनकी दृष्टिहीनता कम है और इस प्रकार सरकारी कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में उनका कोटा तो भर जाएगा लेकिन वास्तविक अर्थों में हम पूर्णतया दृष्टिहीन व्यक्तियों व उग्र दृष्टि विकलांग व्यक्तियों को नौकरियां नहीं दे पाएंगे। तथापि, समिति यह महसूस करती है कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह चिकित्सा के आधार पर एक नेत्र का न होना तब तक अयोग्यता नहीं मानी जाए जब तक कोई पद उस तकनीकी प्रकृति का न हो कि दोनों नेत्रों का प्रयोग आवश्यक हो। समिति यह भी सिफारिश करती है कि यदि किसी व्यक्ति को कुछ अस्थाई दृष्टिहीनता/दोष के कारण अयोग्य करार कर दिया गया हो तो इसकी व्याख्या चिकित्सा बोर्ड द्वारा एक विकलांग के रूप में तब

तक नहीं की जानी चाहिए जब तक इस प्रकार की अस्थाई क्षति को उपचार अथवा दृश्य सहायक यंत्रों की सहायता से दूर किया जा सकता हो।

दृष्टि विकलांगताओं के मूल्यांकन एवं श्रेणीकरण संबंधी दिशानिर्देश परिशिष्ट–3 में दिए गए हैं।

2. श्रवण एवं वाणी विकलांगता का मूल्यांकन और निर्धारण

समिति ने सिफारिश की है कि श्रवण और वाणी संबंधी क्षति के मूल्यांकन एवं श्रेणीकरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय रूप से स्वीकृत और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अपनाई गई परिभाषाएं इस देश में भी अपनाई जा सकती हैं।

श्रवण संबंधी क्षति के मूल्यांकन के बारे में संस्तुत वर्गीकरण और दिशानिर्देश परिशिष्ट – 2 में दिए गए हैं। समिति ने श्रवण विकलांग व्यक्तियों को दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं/रियायतों पर भी विचार किया। पुनर्वास के लिए श्रवण विकलांगों को दी जाने वाली सुविधाओं संबंधी सुझाव भी परिशिष्ट–2 में दिए गए हैं।

3. अस्थि विकलांगता का मूल्यांकन और निर्धारण

समिति यह सिफारिश करती है कि अस्थि विकलांगता के मूल्यांकन के लिए एक सामान्य मार्गदर्शी सिद्धान्तस्वरूप केसलर विधि को अपनाया जा सकता है। चूंकि विकलांगता की श्रेणी के निर्धारण के बारे में कई मुद्दे उठाए गए हैं इसलिए प्राधिकृत चिकित्सा बोर्ड किसी अन्य उपयुक्त विधि से भी परामर्श कर सकता है और केसलर विधि को एक आधारभूत दिशानिर्देश के रूप में मान सकता है। समिति को यह मालूम है कि निर्धारण की ऐसी अन्य विधियां भी हैं जो केसलर के दिशानिर्देशों के प्रतिकूल हैं। तथापि, विकलांगता की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यांकन की दृष्टि से केसलर के मार्गदर्शी सिद्धान्त/जैसी कि आशा है, अधिक समय तक उपयोगी होंगे। कोई चिकित्सा बोर्ड विशेष, उन अन्य विधियों पर भी विचार कर सकता है जिनसे किसी व्यक्तिगत मामले में विकलांगता के मूल्यांकन में सहायता प्राप्त हो सके।

प्राधिकारियों द्वारा प्रमाण-पत्र दिया जाना

स्थाई विकलांगता संबंधी प्रमाण-पत्र किसी ऐसे बोर्ड द्वारा जारी किया जायेगा जो केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा विधिवत् गठित किया गया हो। सिफारिश की जाती है कि विकलांगता मूल्यांकन संबंधी चिकित्सा बोर्ड कम से कम जिला स्तर पर उपलब्ध हो। यह भी सिफारिश की जाती है कि बोर्ड में कम से कम 3 सदस्य हों जिनमें से कम से कम एक चलन/दृष्टि/श्रवण एवं वाणी विकलांगता जैसी भी स्थिति हो के निर्धारण के क्षेत्र विशेष में विशेषज्ञ हो।

यह भी सिफारिश की जाती है कि सक्षम प्राधिकारी एक अपीलीय मैडिकल बोर्ड भी स्थापित कर सकता है ताकि किसी विवाद का निपटारा किया जा सके।

विकलांग व्यक्तियों को दी जाने वाली रियायतें/सुविधाएं

सिफारिश की जा रही परिभाषाओं और श्रेणीकरण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मंत्रालयों/विभागों एवं राज्य सरकारों को वे सुविधाएं और रियायतें विनिर्दिष्ट करनी होंगी जो विभिन्न श्रेणियों के विकलांगों को उपलब्ध कराई जायेंगी। समिति सिफारिश करती है कि यदि किसी विशेष मामले में किसी व्यक्ति की विकलांगता 40% से कम हो तो उसे इस प्रकार का कोई भी लाभ/रियायत नहीं दिया जाये। अन्य सभी श्रेणियों को छात्रवृत्ति, नौकरी म आरक्षण, सहायक यंत्रों एवं उपकरणों से संबंधित रियायतें/सुविधाएं या तो निःशुल्क या रियायती दरों पर प्रदान की जायें। साथ ही वाहन भत्ते इत्यादि प्रदान किये जायें। श्रवण विकलांगों के लिये यह समिति सिफारिश करती है कि त्रिभाषा सूत्र में संशोधन किया जाये ताकि श्रवण विकलांगों को केवल एक भाषा का अध्ययन करना पड़े। सामाजिक और महिला कल्याण मंत्रालय इन सिफारिशों के आधार पर त्रिभाषा फार्मूला नीति में आवश्यक संशोधन संबंधी प्रस्ताव उपयुक्त मंत्रालय को प्रस्तुत कर सकता है।

समिति ने यह भी सिफारिश की कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय सभी श्रेणियों के हल्के विकलांग व्यक्तियों के लिये आवश्यक रियायतों के संबंध में चिकित्सा मानदंडों म संशोधन भी कर सकता है ताकि हल्की विकलांगता के आधार पर वे उस स्थिति में न छोड़ दिये जायें कि एक ओर जहां उन्हें नौकरी में आरक्षण की सुविधा प्राप्त न हो सके तो दूसरी ओर अन्यथा वे सामान्य श्रेणी की सेवाओं में प्रवेश करने से वंचित रह जायें। चिकित्सा नियमों को भी यहां स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करना होगा कि एक नेत्र का न होना किसी पद विशेष के लिये तब तक अयोग्यता न मानी जाये जब तक वह पद उस तकनीकी प्रकृति का न हो जिसमें किसी व्यक्ति के दोनों आंखों का प्रयोग अथवा त्रिआयमी दृष्टि आवश्यक हो। जिला स्तरीय चिकित्सा बोर्ड किसी पद विशेष के लिये एक नेत्र से हीन व्यक्ति की उपयुक्तता का परीक्षण कर सकता है।

तीनों प्रकार की विकलांगताओं अर्थात् दृष्टि, श्रवण और अस्थि संबंधी विकलांगताओं की मात्रा और सीमा निम्न प्रकार विनिर्दिष्ट है :—

(क) हल्की 40% से कम

(ख) मध्यम 40% और इससे अधिक

(ग) उग्र 75% और इससे अधिक

(घ) गम्भीर/कुल 100 %

फेफड़े के रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिये नौकरियों में कोई आरक्षण नहीं होगा। तथापि, ऐसे लोगों के लिये टंकण इत्यादि से छूट जैसी अन्य रियायतों पर विचार किया जा सकता है।

परिभाषाओं/वर्गीकरणों/मूल्यांकन जांचों आदि के संबंध में किसी विवाद/सन्देह के उत्पन्न होने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय अन्तिम प्राधिकारी होगा।

केवल 40% और इससे अधिक विकलांगता वाले व्यक्ति ही रोजगार कार्यालयों में विकलांगों की श्रेणी में पंजीकरण कराने के पात्र होंगे और सार्वजनिक क्षेत्र में शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये आरक्षित नौकरियों के सम्मुख इन्हीं लोगों पर विचार किया जायगा।

अनुबन्ध–I

डा. डी. बी. बिष्ट, अध्यक्ष
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, (तीनों उप-समितियों के लिये)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली।

दृष्टि विकलांगों पर

1. डा. मदन मोहन, सदस्य
आपथालमोलॉजी के विभागाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

2. डा. जी.एच. गिवानी, सदस्य
स्वास्थ्य सेवा सहायक महानिदेशक,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली

3. श्री आर. एस. श्रीवास्तव, सदस्य
संयुक्त निदेशक,
रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय,
श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली

4. निदेशक, सदस्य
राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान, राजपुर रोड,
देहरादून (प्रतिनिधित्व श्री एस.आर. शुक्ला,
सहायक निदेशक द्वारा)

5. डा.जी. वेंकटास्वामी, सदस्य
अरविन्द नेत्र हास्पिटल, मदुराई,
तमिलनाडु

6. डा. जे. एम. पाहवा, सदस्य
मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गांधी नेत्र अस्पताल,
अलीगढ़

7. श्री हरचरणजीत सिंह, सदस्य-सचिव
अवर सचिव,
समाज और महिला कल्याण मंत्रालय,

श्रवण विकलांगता पर

1. डा. जी.एच. गिवानी, सदस्य
स्वास्थ्य सेवा सहाय महानिदेशक,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महानिदेशालय,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली

2. श्री आर.एस. श्रीवास्तव सदस्य
संयुक्त निदेशक,
रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय,
श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली

3. डा.एस.के. कचेर, सदस्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

4. डा. एम. निथ्या शीलन, सदस्य
निदेशक,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

5. डा. एन. रत्ना, सदस्य
निदेशक,
अली यावर जंग श्रवण विकलांग संस्थान,
हाजी अली पार्क, महालक्ष्मी, बम्बई
(दिनांक 25–6–94 को डा. एम.एन.
नागराजन, उप निदेशक द्वारा प्रतिनिधित्व)

6. श्री हरचरणजीत सिंह, सदस्य-सचिव
अवर सचिव
समाज और महिला कल्याण मंत्रालय,
नई दिल्ली

अस्थि विकलांग पर

1. डा. जी.एच. गिडवानी, सदस्य
स्वास्थ्य सेवा सहायक महानिदेशक,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
निर्माण भवन, नई दिल्ली

2. आर. एस. श्रीवास्तव, सदस्य
संयुक्त निदेशक,
रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय,
श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली

3. डा. नरेन्द्र कुमार सदस्य
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्,
अंसारी नगर, नई दिल्ली

4. निदेशक, सदस्य
राष्ट्रीय अस्थि विकलांग सस्थान,
बी.टी. रोड, बोन हुगली, कलकत्ता

5. डा. ए.के. मुखर्जी, सदस्य
निदेशक,
आल इंडिया फिजीकल मैडीसीन एंड रिहैब्लीटेशन, हाजी अली पार्क, बम्बई

6. डा. एस. के. वर्मा, सदस्य
फिजीकल मैडीसिन एड रिहैब्लीटेशन के विभागाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

7. डा. बी.पी. यादव, विशेष आमंत्रित
अध्यक्ष, पुनर्वास विभाग,
सफदरजंग हास्पिटल, नई दिल्ली

8. डा. जे. एस. गुलेरिया, विशेष आमंत्रित
प्रोफेसर एंड हैड आफ डिपार्टमेंट आफ मैडिसीन,
डीन, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली

9. श्री हरचरण जीत सिंह, सदस्य-सचिव
अवर सचिव,
समाज एवं महिला कल्याण मंत्रालय

अनुबंध-2

1. दृष्टि विकलांग :

रियायत, छात्रवृत्तियां, समन्वित शिक्षा प्रणाली में दाखिला, रोजगार में आरक्षण, सहायक यंत्रों एवं उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए सहायता प्रदान करने की दृष्टि से दृष्टि विकलांगता की परिभाषा इस प्रकार स्वीकार की गई है :—

दृष्टिहीन वे लोग हैं जो निम्नलिखित में से किसी से पीड़ित हों :

(क) संपूर्ण दृष्टिहीनता

(ख) बेहतर नेत्र में दोषनिवारक लेंसों सहित दृष्टि दोष 6/60 अथवा 20/200 (स्नेलेन) से अधिक न हो—

(ग) दृष्टि अथवा डिग्री संबंधी कोण का सीमित होना अथवा बदतर स्थिति में होना

छात्रवृत्तियों की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत श्रवण विकलांग की परिभाषा

बधिर वे लोग हैं जिनकी श्रवण क्षमता जीवन के सामान्य उद्देश्यों के लिए अक्रियाशील होती है। वे जोर से कही गई बात भी सुन/समझ नहीं सकते हैं। इस श्रेणी के तहत शामिल मामलों में वे हैं जिनकी श्रवण संबंधी क्षति बेहतर कान (गम्भीर क्षति) में 70 डेसिबल्स से अधिक हो अथवा दोनों ही कानों से बिल्कुल सुनाई न पड़ता हो।

सहायक यंत्रों/उपकरणों की खरीद/फिटिंग के लिए विकलांग व्यक्तियों को सहायता :

आंशिक रूप से बधिर व्यक्ति वे हैं जो निम्न विनिर्दिष्ट श्रेणियों में से किसी एक के अंतर्गत आते हैं :—

श्रेणी	श्रवण दोष
मामूली क्षति	बेहतर कान में 30 से अधिक लेकिन 45 डेसिबल्स से अधिक नहीं
गम्भीर क्षति	बेहतर कान में 45 से अधिक लेकिन 60 डेसिबल्स से अधिक नहीं
उग्र क्षति	बेहतर कान में 60 से अधिक किंतु 90 डेसिबल्स से अधिक नहीं

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा जारी किए गए आरक्षण संबंधी आदेश

बधिर वे लोग हैं जिनकी श्रवण क्षमता जीवन के सामान्य उद्देश्यों के लिए अक्रियाशील होती है। वे जोर से कही गई बात भी सुन/समझ नहीं सकते हैं। इस श्रेणी के तहत शामिल मामलों में वे लोग हैं जिनकी श्रवण संबंधी क्षति बेहतर काम (गम्भीर क्षति) में 90 डेसिबल्स से अधिक हो अथवा दोनों ही कानों से बिल्कुल सुनाई न पड़ता हो।

चलन विकलांगता

इसी प्रकार अस्थि विकलांग व्यक्तियों के लिए स्वीकृत परिभाषा एक समान नहीं है क्योंकि सभी अस्थि विकलांग व्यक्ति छात्रवृत्ति प्राप्त करने के पात्र हैं। लेकिन नौकरियों में आरक्षण की सुविधा केवल उन अस्थि विकलांग व्यक्तियों को दी जाती है जिनकी विकलांगता न्यूनतम 40 प्रतिशत हो।

राज्य सरकारों में स्थिति

विभिन्न राज्य सरकारों ने भी विभिन्न प्रकार की परिभाषाएं अपना रखी हैं। उदाहरणार्थ तमिलनाडु सरकार ने एक नेत्र से हीन व्यक्तियों को दृष्टिहीनों की ही श्रेणी में रखा है और राज्य सरकार के अधीन नौकरियों में आरक्षण सहित अन्य रियायतें एक नेत्र से हीन व्यक्तियों को भी प्रदान की हैं। दूसरी ओर केन्द्र सरकार ने घोषणा की है कि एक आंख वाला व्यक्ति जबकि उसकी दूसरी आंख की दृष्टि अच्छी हो, तो चिकित्सा की दृष्टि से अयोग्य नहीं माना जाएगा और उन नौकरियों के लिए उस पर विचार किया जा सकता है जिनमें नौकरियों की अपेक्षानुसार त्रिआयामी दृष्टि का होना अपेक्षित न हो।

परिशिष्ट 3

दृष्टि क्षति विकलांगता की इसकी तीव्रता पर आधारित श्रेणियां तथा प्रस्तावित प्रतिशतताएं

	सभी शुद्धियों के साथ		
	अच्छी दृष्टि	खराब दृष्टि	प्रतिशतता क्षति
श्रेणी 0	6/9-6/8	6/24 से 6/36	20 प्रतिशत
श्रेणी 1	6/18-6/36	6/60 से शून्य	40 प्रतिशत
श्रेणी 2	6/60-4/60 या फील्ड ऑफ वीजन 110-20	3/60 से शून्य	75 प्रतिशत
श्रेणी 3	3/60 से 1/60 या फील्ड ऑफ वीजन 100	एफ. सी. 1 फुट पर शून्य तक	100 प्रतिशत
श्रेणी 4	एफ. सी 1 फुट पर शून्य तक या फील्ड ऑफ वीजन 100	एफ. सी. 1 फुट पर शून्य तक फील्ड ऑफ वीजन 100	100 प्रतिशत
एक नेत्र वाले व्यक्ति	6/6	एफ. जी 1 फुट पर	30 प्रतिशत

मूल्यांकन विधि वही होगी जिसकी चिकित्सा जांचों की हैंड बुक सिफारिश की गई है।

केवल 20 प्रतिशत से 40 प्रतिशत और उससे कम की क्षति यंत्रों और उपकरणों के लिए पात्र बनाएगी।

अनुबंध 4

क. श्रेणियों और अपेक्षित परीक्षणों के बारे में सिफारिशें

1. संस्तुत वर्गीकरण

क्रम सं.	श्रेणी	क्षति की किस्म	डी बी स्तर और/या	वाणी विभेद	क्षति की प्रतिशतता
1.	1	हल्की श्रवण क्षति	डी बी 26 से 40 डी बी बेहतर कान में	80 से 100 प्रतिशत अच्छे कान में	40 प्रतिशत से कम
2.	2	मध्यम श्रवण क्षति	41 से 55 डी बी बेहतर कान में	50 से 80 प्रतिशत बेहतर कान में	40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत
3.	3	उग्र श्रवण क्षति	56 से 70 श्रवण क्षति बेहतर कान में	40 से 50 प्रतिशत	50 से 75 प्रतिशत
4.	4	(क) पूरा बहरापन	बिल्कुल नहीं सुनता	कोई विभेद नहीं	100 प्रतिशत
		(ख) पूरे बहरेपन के समीप	91 डी बी तथा बेहतर कान में इससे अधिक	—वही—	100 प्रतिशत
		(ग) गम्भीर श्रवण क्षति	71 से 90 डी बी	बेहतर कान में 40 प्रतिशत से कम	75 प्रतिशत से 100 प्रतिशत

(परीक्षण सिफारिशों के अनुसार एयर-कंडीशन द्वारा 500, 1000 तथा 2000 Hz में श्रवण का औसत शुद्ध टोन को आधार रूप में लेना चाहिए।)

इसके अतिरिक्त इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि—

(क) बेहतर कान एक या दो फ्रीक्वेंसियों में जब श्रवण का केवल एक आइलैंड हो तो इसे कुल श्रवण क्षति समझा जाना चाहिए।

(ख) जब भी 3 फ्रीक्वेंसियों (500, 1000, 2500, Hz) में से किसी में कोई प्रत्युत्तर नहीं (एन आर) हो तो इसे विकलांगता के वर्गीकरण के प्रयोजन के लिए तथा औसत को निकालने में 130 डी बी के बराबर समझा जाना चाहिए। यह इस तथ्य पर आधारित है कि अधिकांश आडियोमीटरों में अधिकतम तीव्रता सीमाएं 110 डी बी की हैं और कुछ आडियोमीटरों में परीक्षण के लिए + 20 डी बी की अतिरिक्त सुविधाएं हैं।

2. विकलांगता की श्रेणियों के बारे में सिफारिशें (श्रवण क्षति-केवल शारीरिक पहलू—संस्तुत परीक्षण)

(क) शुद्ध टोन आडियोमीटर (आई एस ओ आर 82—1970) जिसे अधिकांश आडियोमीटरों में वर्तमान में आडियोमीट्रिक मानक के रूप में प्रयोग में लाया जा रहा है। इसलिए परीक्षण में उपयोग किए जाने वाले आडियोमीटरों को तदनुसार होना चाहिए। श्रेणीकरण के लिए एयर-कंडीशनरों (ए.सी.) द्वारा 500, 1000 तथा 2000 पर तीन फ्रीक्वेंसी औसत का प्रयोग किया जाएगा।

(ख) जब कभी संभव हो, विशुद्ध टोन आडियोमीट्रिक परिणामों का संपूर्ण वाली विभेद स्कोर—जिसकी जांच सनसनी स्तर (ए एन एल) जैसे वाणी विभेद संबंधी जांच रोगी के कर्णद्वार के—डीबी ऊपर को जाती है, द्वारा किया जाना चाहिए। प्रयुक्त उत्प्रेरक या तो भाषा विशेष का दूरभाषीय सतुलन शब्द हो अथवा इसके समकक्ष सामग्री के रूप में हो। इस समय जांच की दृष्टि से केवल कुछ भारतीय भाषाओं को ही मानक वाणी सामग्री प्राप्त है। अतः जहां कहीं मानकीकृत सामग्री अनुपलब्ध हो, तो ऐसी स्थिति में अंग्रेजी जाने वाली जनसंख्या के लिए मानकीकृत भारतीय अंग्रेजी जांच अथवा पी बी के लिए समकक्ष सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

(ग) जहां कहीं बच्चों की जांच की जा रही हो और प्योर टोन आडियोमेट्री सम्भव न हो तो मुक्त क्षेत्र जांच का प्रयोग किया जाना चाहिए।

ख. पुनर्वास के लिए विकलांगों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में सुझाव

श्रेणी 1 कोई विशेष लाभ नहीं

श्रेणी 2 निःशुल्क अथवा रियायती दरों पर केवल श्रवण सहायक यंत्रों पर विचार

श्रेणी 3 श्रवण सहायक यंत्र निःशुल्क अथवा रियायती दरों पर—नौकरी में आरक्षण—विशेष रोजगार कार्यालयों के लाभ, स्कूल में छात्रवृत्ति—एकल भाषा फार्मूला।

श्रेणी 4 श्रवण सहायक यंत्र—आरक्षण के लाभ—विशेष रोजगार कार्यालय—स्कूलों में छात्रवृत्ति की विशेष सुविधाएं, श्रवण सहायक यंत्र—त्रिभाषा फार्मूले से छूट (संस्तुत एकल भाषा में अध्ययन हेतु)

यह महसूस किया जाता है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई टी आई) एवं अन्य संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों की विशेष श्रेणी के अंतर्गत प्रवेश पर विचार के मामले में सीटों पर आरक्षण का विचार केवल 1 और 2 श्रेणियों के लिए किया जाना चाहिए बशर्ते कि पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अन्य शैक्षिक मानदंड पूरा करते हों।

हमने विभिन्न प्रकार के श्रवण संबंधी दोषों यथा कार्यात्मक बनाम संवेदनात्मक न्यूरल पर विचार किया है और इस बात पर सहमति व्यक्त करते हैं कि विकलांगता का निर्णय रेफरल और परीक्षण के समय रोगी में मौजूद स्थितियों के अनुसार किया जाएगा। शल्य चिकित्सा अथवा अन्य उपचारात्मक कार्य-कलापों के असफल होने की स्थिति में रोगी पर विचार किया जाएगा और उसका श्रेणीकरण संस्तुत जांचों के आधार किया जाएगा।

परिशिष्ट 5

विकलांगताओं के मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश

(1) चलन विकलांगता

1.1 ऊपरी अंग

1. स्थायी क्षति का आकलन कार्यात्मक क्षति की मापन पर निर्भर करता है और यह एक व्यक्तिगत राय की अभिव्यक्ति रही है।

2. जब रोग विषयक स्थिति स्थिर तथा अपरिवर्तनीय हो तब आकलन तथा मापन किया जाना चाहिए।

3. ऊपरी अग्रांग को दो घटक हिस्सों—भुजा घटक तथा हस्त घटक में बांटा जाता है।

4. भुजा घटक के कार्य-हानि मापन में गति क्षमता, पेशी तथा समन्वित कार्य शामिल हैं।

5. हस्त घटक के कार्य-हानि का मापन बोध, अनुभूति और शक्ति का निर्धारण करने में होती है। बोध के आंकलन के लिए प्रतिकूलता, पार्श्विक चुटकी, सिलिन्डरी पकड़, गोलीय पकड़ तथा हुक पकड़ का मूल्यांकन करना पड़ता है जैसाकि प्रोफार्मा के "बोध घटक" के कालम में दर्शाया गया है।

6. सम्पूर्ण अग्रांग की क्षति दोनों घटकों की कार्यात्मक क्षति (कमी) पर निर्भर रहती है।

भुजा घटक

भुजा घटक का कुल मान 90 प्रतिशत है।

जोड़ों की गतिशक्ति के दायरे के मूल्यांकन के सिद्धान्त :

1. भुजा घटक में अधिकतम आर. ओ. एम. का मान 90 प्रतिशत है।

2. भुजा के तीनों जोड़ों में से प्रत्येक जोड़ का भार बराबर (30 प्रतिशत) है।

उदाहरण :

दाहिने कंधे के जोड़ का एक अस्थिभंग (फ्रैक्चर) गतिशक्ति के दायरे को प्रभावित कर सकता है इसलिए वह सक्रिय अपवर्तन 90 प्रतिशत है। बायां कंधा 180 प्रतिशत के एक दायरे को प्रदर्शित करता है। इसलिए

दाहिने कंधे के अपवर्तन संचालन में 50 प्रतिशत की क्षति होती है। भुजा घटक की प्रतिशतता क्षति 50 × 0.30 अथवा भुजा घटक के लिए गतिशक्ति 15 प्रतिशत है।

यदि एक से अधिक जोड़ शामिल हैं जो वही पद्धति लागू की जाती है तथा प्रभावित जोड़ों में से प्रत्येक जोड़ की क्षतियों को जोड़ दिया जाता है। अर्थात् :—

कंधे के अपवर्तन की क्षति = 60 प्रतिशत

कलाई के विस्तार की क्षति = 40 प्रतिशत

अत: भुजा के लिए गतिशक्ति के दायरे की

क्षति = (60 × 0.30) + (40. × 0.30)

= 30 प्रतिशत

पेशियों की शक्ति के मूल्यांकन का सिद्धान्त

1. पेशियों की शक्ति का परीक्षण 0.—5 श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) जैसे हस्त-परीक्षण द्वारा किया जा सकता है।

2. हस्त-पेशी श्रेणीकरणों को प्रतिशतता दी जा सकती है, जैसे :

0	=	100 प्रतिशत
1	=	80 प्रतिशत
2	=	60 प्रतिशत
3	=	40 प्रतिशत
4	=	20 प्रतिशत
5	=	0 प्रतिशत

3. पेशी शक्ति क्षति की मध्य प्रतिशतता को 0.30 से गुणा किया जाता है।

4. यदि एक जोड़ से अधिक की पेशी शक्ति में क्षति रही है तो मानो को जोड़ लिया जाता है जैसा कि गति-शक्ति के दायरे की क्षति के लिए बताया गया है।

समन्वित कार्यों के मूल्यांकन के सिद्धान्त :

1. समन्वित कार्यों के लिए कुल मान 90 प्रतिशत होता है।

2. दस अलग-अलग समन्वित कार्यों का परीक्षण करना होता है, जैसा कि प्रोफार्मा में दिया गया है।

3. प्रत्येक कार्य का मान 90 प्रतिशत होता है।

भुजा घटक के लिए मानों को मिलाना :

1. भुजा घटक की कार्य-शक्ति की क्षति का मान संचलन के दायरे के कार्य की हानि का मूल्य के मानों, पेशी शक्ति तथा समन्वित कार्यों को मिलाकर प्राप्त किया जाता है और इसके लिए मिलाने वाले निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है :—

$$\text{क} = \frac{\text{ख}\ (90 - \text{क})}{90}$$

जिसमें क = उच्चतर मान

तथा ख = निम्नतर मान

उदाहरण :

हम कल्पना करें कि दाहिने कंधे के जोड़ में अस्थिभंग (फ्रेक्चर) वाले एक व्यक्ति की भुजा में 16.5 प्रतिशत गतिशक्ति के अतिरिक्त 8.3 प्रतिशत पेशी शक्ति की क्षति और 5 प्रतिशत समन्वय-क्षति है। हम इन मानों को इस प्रकार मिला लेते हैं :—

संचलन का दायरा : 16.4 प्रतिशत

$$16.5 - \frac{8.3(90 - 16.5)}{90} = 23.—3 \text{ प्रतिशत}$$

पेशियों की शक्ति : 8.3 प्रतिशत

समन्वय : 5 प्रतिशत $23.3 + \frac{5\ (90 - 23.3)}{90} = 27.0$ प्रतिशत

अत: भुजा घटक का कुल मान = 27.0 प्रतिशत

हस्त घटक

हस्त घटक का कुल मान 90 प्रतिशत है।

हाथ की कार्यात्मक क्षति को बोध की क्षति के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

बोध के मूल्यांकन के सिद्धान्त :

बोध का कुल मान 30 प्रतिशत है। इसमें शामिल है :

(क) प्रतिकूलता (8 प्रतिशत) जिसका परीक्षण निम्नलिखित अंगुलियों से किया जाता है :—

तर्जनी (8 प्रतिशत) मध्यमा (2 प्रतिशत)
अनामिका (2 प्रतिशत) तथा
कनिष्ठिका (2 प्रतिशत)

(ख) पार्श्व चुटकी (5 प्रतिशत) जिसका परीक्षण रोगी को एक चाबी पकड़ने से किया जा सकता है।

(ग) सिलिन्डरी पकड़ (6 प्रतिशत) जिसका परीक्षण निम्नलिखित के लिए किया जाता है :—

(क) 4 इंच के आकार की बड़ी वस्तु (3 प्रतिशत)

(ख) एक इंच के आकार की छोटी वस्तु (3 प्रतिशत)

(घ) गोलीय पकड़ (6 प्रतिशत) जिसका परीक्षण निम्नलिखित के लिए किया जाता है :—

(क) 4 इंच के आकार की बड़ी वस्तु (3 प्रतिशत)

(ख) 1 इंच के आकार की छोटी वस्तु (3 प्रतिशत)

(ड़) हुक पकड़ (5 प्रतिशत) जिसका परीक्षण रोगी से एक थैला उठाने के लिए कहकर किया जाता है।

अनुभूतियों के मूल्यांकन के सिद्धान्त :

अनुभूति का कुल मान 30 प्रतिशत है। इसमें शामिल हैं :

1. अंगूठे के बाहर की ओर (4.8 प्रतिशत)
2. अंगूठे के अन्दर की ओर (1.2 प्रतिशत)
3. प्रत्येक अंगुली की बाहर की ओर (4.8 प्रतिशत)
4. प्रत्येक अंगुली के अन्दर की तरफ (1.2 प्रतिशत)

शक्ति के मूल्यांकन के सिद्धान्त

शक्ति का कुल मान 30 प्रतिशत है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

1. पकड़ शक्ति (20 प्रतिशत)
2. चुटकी शक्ति (10 प्रतिशत)

शक्ति का परीक्षण हाथ से डायनामोमीटर या चिकित्सीय पद्धति (पकड़ पद्धति) द्वारा किया जाएगा।

निम्नलिखित बातों को 10 प्रतिशत अधिक महत्व दिया जाना होता है :—

1. संक्रमण
2. विकृति
3. अलाइनमेंट का ठीक न होना
4. सिकुड़नें
5. असामान्य गतिशीलता
6. प्रभावी अग्रांग (4 प्रतिशत)

हस्त घटकों के मानों को जोड़ना

हस्त घटक के कार्य की क्षति का अन्तिम मान, बोध की क्षति के मानों को जोड़कर प्राप्त किया जाता है।

अग्रांग के लिए मानों को जोड़ना

भजा घटक की क्षति तथा हस्त टक की क्षति के मानों को मिलाने के सूत्र का प्रयोग करके जोड़ा जाता है।

उदाहरण :

भजा की क्षति —27.0 प्रतिशत

$$64 \frac{27.(90-64)}{90} = 71.8 \text{ प्रतिशत}$$

रक्त क्षति—64 प्रतिशत

निचले अंगों में स्थायी शारीरिक क्षति के मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश

निचले अग्रांग को दो घटकों अर्थात् गतिशीलता घटक और स्थिरता घटक में विभाजित किया जाता है।

गतिशीलता घटक

गतिशीलता घटक का कुल मान 90 प्रतिशत है। इसमें संचलन का दायरा और पेशी शक्ति शामिल है।

संचलन के दायरे के मूल्यांकन सिद्धान्त :

1. गतिशीलता के घटक में संचलन के अधिकतम दायरे का मान 90 प्रतिशत है।

2. तीनों जोड़ों अर्थात् कूल्हा, घुटना, टखना घटक में प्रत्येक का भार बराबर है — 0.30

उदाहरण :

दाहिने कूल्हे के जोड़ के अस्थिभंग (फ्रैक्चर) संचलन के दायरे को प्रभावित कर सकता है इसलिए वह सक्रिय अपवर्तन 27 है। बायां कूल्हा 54 के सक्रिय अपवर्तन के दायरे को प्रदर्शित करता है। इसलिए दाहिने कूल्हे के अपवर्तन संचलन में 50 प्रतिशत की क्षति होती है। कूल्हे में गतिशीलता घटक की प्रतिशतता क्षति 50. × 0.30 या गतिशीलता घटक के लिए गतिशक्ति की 15 प्रतिशत क्षति है। यदि एक से अधिक जोड़ शामिल हो, तो वही प्रक्रिया अपनाई जाए तथा प्रत्येक प्रभावित जोड़ों की क्षतियों को जोड़ लिया जाता है।

उदाहरण के लिए :

कूल्हे के अपवर्तन की क्षति	= 60 प्रतिशत
घुटने के विस्तार म क्षति	= 40 प्रतिशत
गतिशीलता घटक के लिए गति-	= (60 × 0.30)—
शक्ति के मूल्यांकन का सिद्धान्त	(40 × 0.30) = 3%

पेशियों की शक्ति के मूल्यांकन के सिद्धान्त

1. पैर में अधिकतम पेशी शक्ति के लिए मान 90 प्रतिशत है।

2. पेशियों की शक्ति का परीक्षण 0—5 श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) जैसे हस्त-परीक्षण द्वारा किया जा सकता है

3. हस्त-पेशी श्रेणीकरणों को प्रतिशतता दी जा सकी है, जैसे :

श्रेणी 0	= 100 प्रतिशत
श्रेणी 1	= 80 प्रतिशत
श्रेणी 2	= 60 प्रतिशत
श्रेणी 3	= 40 प्रतिशत
श्रेणी 4	= 20 प्रतिशत
श्रेणी 5	= 0 प्रतिशत

4. पेशी शक्ति क्षति की माध्य प्रतिशतता को 0.30 से गुणा किया जाता है।

5. यदि एक जोड़ से अधिक की पेशी शक्ति में क्षति रही है, तो मानों को जोड़ लिया जाता है जैसाकि गति शक्ति के दायरे की क्षति के लिए बताया गया है।

गतिशीलता घटक के लिए मानों को मिलाना :

हम कल्पना करें कि दाहिने कूल्हे के जोड़ में अस्थि-भंग (फ्रैक्चर) वाले व्यक्ति के पैर में 16 प्रतिशत गतिशक्ति के अतिरिक्त 8 प्रतिशत पेशी शक्ति की क्षति है।

इन मानों को मिलाकर

गतिशक्ति 16 प्रतिशत $16 + \frac{8\ (90-16)}{90} = 22.6$ प्रतिशत

शक्ति 8 प्रतिशत

जब क = उच्चतर मूल्य,

ख = निम्नतर मूल्य

स्थिरता घटक :

1. स्थिरता घटक का कुल मूल्य 90 प्रतिशत है।
2. इसका परीक्षण दो पद्धतियों से किया जाता है।
   (1) स्केल पद्धति पर आधारित
   (3) चिकित्सीय पद्धति पर आधारित

कुल शरीर के भार को तोलने के लिए तीन विभिन्न रीडिंगें (किलोग्राम में) की जाती हैं। स्केल "क" तथा स्केल "ख" रीडिंग।

मेरुदण्ड (स्पाइन) की स्थायी शारीरिक क्षति के मूल्यांकन के लिए दिशा निर्देश :

मेरुदण्ड की क्षतियों के स्थानीय प्रभागों को क्षतिज और गैर-क्षतिज क्षतियों में बांटा जा सकता है।

क्षतिज क्षतियां

ग्रीवा मेरुदण्ड अस्थिभंग (फ्रेक्चर)

	प्रतिशत सम्पूर्ण शरीर में स्थायी शारीरिक क्षति तथा सम्पूर्ण शरीर के शारीरिक कार्य की क्षति
क. कशेरुक संपीडन (वर्टेब्रल कॉम्प्रेशन) 25 प्रतिशत, एक या दो कशेरुक आसन्न, वस्तुए, कोई विखंडन नहीं, पश्च अवयव शामिल नहीं, कोई तंत्रिका मूल शामिल नहीं, सामान्य ग्रीवा दृढ़ता तथा लगातार दर्द।	20
ख. सामान्य आंशिक विस्थापन के पश्च अवयव एक्स-रे प्रमाण के साथ	
(क) कोई तंत्रिका मूल नहीं	15
(ख) लगातार दर्द के साथ, चलन तथा संवेदी अभिव्यक्ति	25
(ग) विलयन (फ्यूजन) के साथ, ठीक हो जाना, कोई स्थायी चलन या संवेदी परिवर्तन नहीं	20
ग. तीव्र विस्थापन, शल्य विलयन के साथ सामान्य से अच्छा घटाव।	
(क) कोई अपशिष्ट चलन या संवेदी परिवर्तन नहीं	25
(ख) विलयन के साथ मामलू घटाव, लगातार यूलांकुरीय दर्द, केवल चलन उलझाव, थोड़ी सी कमजोरी तथा सुन्नता	35
(ग) जैसाकि उपर्युक्त (ख) में दिया है तथा अग्रांगों तथा अवरोधिनियों के प्रयोग की हानि के लिए अतिरिक्त रेटिंग निर्धारित करना।	

ग्रीवा अंतराकशेरुक डिस्क

1. क्रियात्मक, सफलतापूर्वक डिस्क को हटाना, तीव्र पीड़ा से आराम, कोई विलयन नहीं, कोई तंत्रिका संबंधी अवशिष्ट नहीं।	10
2. जैसा कि उपर्युक्त (1) में दिया गया है, तंत्रिकीय अभिव्यक्तियां, लगातार दर्द, सुन्नता अंगुलियों में कमजोरी	20

वसीय तथा पृष्ठ-कटि मेरुदण्ड डिस्क अस्थिभंग

	प्रतिशत संपूर्ण शरीर में स्थायी शारीरिक क्षति तथा सम्पूर्ण शरीर के शारीरिक कार्य की क्षति
क. संपीडन 25 प्रतिशत, एक या दो कशेरुक वस्तुएं, मंद, कोई विखंडन नहीं, रोग मुक्त कोई तंत्रिकीय अभिव्यक्तियां नहीं	10
ख. संपीडन 25 प्रतिशत, कोई तंत्रिका मूल शामिल नहीं, लगातार दर्द, विलयन, निर्दिष्ट	20
ग. पीठ में जैसा कि उपर्युक्त (ख) में दिया गया है, विलयन के साथ, केवल भारी प्रयोग की स्थिति में दर्द	20
घ. पूर्ण लकवा	100
ङ. पार्श्व अवयन, विलयन रहित अथवा सहित, आंशिक लकवा, अग्रांगों और अवरोधनियों के प्रयोग की क्षति के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए	

कमर के नीचे :

1. अस्थिभंग (फ्रेक्चर)

क. कशेरुक संपीडन 25 प्रतिशत, एक या दो आसन्न कशेरुक वस्तुएं, कम या खंडन, कोई विशिष्ट दंत अथवा तंत्रिकीय परिवर्तन	15

ख. संपीडन पार्श्व अवयन खंडन सहित, लगातार दर्द, कमजोरी और सख्ती, रोग मुक्त, कोई विलयन नहीं, 25 पौण्ड से अधिक भार नहीं 40

ग. जैसा कि (ख) में दिया गया है, विलयन सहित रोग मुक्त, हल्का दर्द 25

घ. जैसा कि (ख) में दिया गया है, निचले अग्रांगों को तंत्रिका मूल शामिल, अग्रांगों को औद्योगिक क्षति के लिए अतिरिक्त मूल्यांकन निर्धारित करना।

ङ. जैसा कि (ग) में दिया गया है, पार्श्व अवयवों के खंडन सहित, विलयन के पश्चात् लगातार दर्द, तंत्रिका संबंधी कोई लक्षण नहीं 35

च. जैसाकि (ग) में दिया गया है निचले अग्रांग्रों को तंत्रिका मूल शामिल, अग्रांगों की क्षति के साथ मूल्यांकन

छ. सम्पूर्ण अधरांगघात 100

ज. पश्च अवयव, विलयन सहित या रहित, आंशिक पक्षाघात, अग्रांगों तथा अवरोधिनियों के प्रयोग की क्षति के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

2. तंत्रिका जनित पीठ के निचले हिस्से में दर्द-डिस्क क्षति

क. शारीरिक परिसीमा और तेज दर्द के साथ तेज एपिसोड तथा लगातार शरीर में झुकाव, नितम्ब दर्द के लिए परीक्षण, 5 से 8 दिन में अस्थायी आरोग्यता 5

ख. डिस्क का शल्य क्रिया विधि से उच्छेदन कोई विलियन नहीं, अच्छे परिणाम, कोई नितम्ब दर्द नहीं 10

ग. डिस्क का शल्य क्रिया विधि से उच्छेदन, कोई विलयन नहीं, भारी बोझ उठाए जाने के फलस्वरूप लगातार हल्का दर्द और सख्ती, कार्यकलापों में आवश्यक वृद्धि 20

घ. विलयन सहित डिस्क का शल्य क्रिया विधि से उच्छेदन, भार उठाए जाने संबंधी गतिविधियों में मामूली सुधार 15

ङ. विलयन सहित डिस्क का शल्य क्रिया विधि से उच्छेदन, भारी बोझ उठाए जाने के फलस्वरूप लगातार दर्द और सख्ती में वृद्धि, भारी बोझ उठाए जाने संबंधी सभी कार्यकलापों में सुधार की आवश्यकता 25

गैर क्षतिज क्षतियां

मेरुदण्ड की पार्श्वकुब्जता

सम्पूर्ण मेरुदण्ड को 100 प्रतिशत की मूल्यांकन दर प्रदान की गई है और क्षेत्रवार प्रतिशतता निम्न प्रकार दी गई है :-

पृष्ठ मेरुदण्ड	– 50 प्रतिशत
कटि मेरुदण्ड	– 30 प्रतिशत
ग्रैव मेरुदण्ड	– 20 प्रतिशत

खड़ी स्थिति में वक्र कोण को नापने के लिए कोब की विधि का उपयोग किया जाना है। ये वक्र तीन उप समूहों में बांटे गए हैं :—

	ग्रैव मेरुदण्ड	वक्षीय मेरुदण्ड	कटि मेरुदण्ड
30% से कम (सामान्य)	2%	5%	5%
31 से 61 (मध्यम)	3%	15%	12%
80 से अधिक (गम्भीर)	5%	25%	33%

60 से अधिक वक्र होने पर, कार्डियो पुलमोनरी समस्याओं को अलग से श्रेणीबद्ध किया जाना है। वक्र के शीर्ष के स्तर पर निर्भर रहते हुए संधि वक्रों को वह श्रेणी दी जानी है। उदाहरण के लिए यदि पृष्ठ-कटि वक्र का शीर्ष पृष्ठ मेरुदंड में पड़ता है तो वक्र को पृष्ठ वक्र के रूप में माना जा सकता है। मेरुदंड की पार्श्वकुब्जता की पर्याप्त रूप से क्षतिपूर्ति हो जाती है तो अंतिम मूल्यांकन में 5% की कमी की जाए (सभी मूल्यांकनों के लिए प्राथमिक वक्रों पर मूल्यांकन हेतु विचार किया जाता है)।

काईफोसिस

वही कुल मूल्यांकन (100%) जैसा कि पार्श्वकुब्जता हेतु सुझाया गया है, कोईफोसिस हेतु किया जाए। शारीरिक रूप से विकलांगता की क्षेत्रवार प्रतिशतता इस प्रकार है :—

पृष्ठ मेरुदंड	50%
ग्रीवा मेरुदंड	30%
कटि मेरुदंड	20%

पृष्ठ मेरुदंड के लिए निम्नलिखित श्रेणियां हैं :—

20 से कम	10%
21 – 40	15%
41 – 60	25%

कटि तथा ग्रैव मेरुदंड के काइफोसिस के लिए क्रमशः 5% तथा 7% निर्धारित किया गया है।

पृष्ठ तथा कटि मेरुदंड का फ्लेक्सोर्स और एक्टेन्सोर्स का पक्षाघात

इन पेशियों की प्रेरक शक्ति निम्नानुसार वर्गीकृत की जाए :—

सामान्य	–
दुर्बल	5%
पक्षाघात	10%

ग्रीवा मेरुदंड की पेशियों का पक्षाघात ग्रीवा मेरुदण्ड के लिए प्रेरक शक्ति की मूल्यांकन दर निम्नानुसार है :—

	सामान्य	दुर्बल	पक्षाघात
फ्लेक्शंस	0	5%	10%
एक्स्टेंसेर्स	0	5%	10%
रोटेटर्स	0	5%	10%
एक ओर झुकाव	0	5%	10%

विविध

मेरुदंड की उन स्थितियों को, जो सख्ती तथा दर्द इत्यादि का कारण होती हैं, का मूल्यांकन नीचे दिया गया है :—

	शारीरिक विकलांगता का प्रतिशत
(क) दर्द के वास्तविक लक्षण, गैर स्वैच्छिक पेशी में कोई आकुंचन नहीं प्रमाण्य संरचनात्मक पेथोलाजी द्वारा प्रमाणित नहीं किया जा सकता	1 प्रतिशत
(ख) दर्द, पेशी में लगातार आकुंचन और मेरुदंड की अकड़न, सामान्य रेडियो-लॉजीकल परिवर्तनों द्वारा प्रमाणित किया जा सकता है।	10 प्रतिशत
(ग) जैसा कि (ख) में दिया गया है, तथा सामान्य रेडियोलॉजीकल परिवर्तनों के साथ	10 प्रतिशत
(घ) जैसाकि (ख) में दिया गया है, गम्भीर रेडियोलॉजीकल परिवर्तन शामिल तथा मेरुदंड के किसी एक हिस्से में (ग्रीवा, पृष्ठ अथवा कटि)	20%
(ङ) जैसा कि "घ" में दिया गया है, पूरा मेरुदण्ड शामिल	30 प्रतिशत

काइफो-पार्श्वकुब्जता में दोनों वक्षों का अलग से मूल्यांकन किया जाए और फिर विकलांगता की प्रतिशतता को जोड़ा जाए।

छिन्नांगों (एम्पुटीज) में स्थायी शारीरिक विकलांगता के मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश

मूल दिशा निर्देश

1. अनेक छिन्नांगों के मामले में, यदि स्थायी शारीरिक विकलांग प्रतिशतता का कुल योग 100 प्रतिशत से अधिक है तो इसे 100 प्रतिशत मानना चाहिए।

2. कृत्रिम अंगों को शरीर में लगाने और उनका उपयोग करने पर ठीक न होने वाली विकलांगता से किसी स्तर पर अंगोच्छेदन को 100 प्रतिशत स्थायी शारीरिक विकलांगता मानना चाहिए।

3. एक से अधिक अंग में अंगोच्छेदन करने के मामले में प्रत्येक अंग की प्रतिशतता को गिना जाता है तथा उसमें 10 प्रतिशत और जोड़ दिया जाता है लेकिन जब केवल पैर का अंगूठा अथवा अंगुलियां शामिल हों तो वहां केवल 5 प्रतिशत जोड़ना होगा।

4. अकड़न, तंत्रिका, संक्रमण इत्यादि के रूप में किसी समस्या के लिए कुल 10 प्रतिशत अतिरिक्त और जोड़ा जाना है।

5. प्रमुख ऊपरी अंग के लिए 4 प्रतिशत की अधिक प्रतिशतता दी गई है।

ऊपरी अंग का विच्छेदन

	स्थायी शारीरिक विकलांगता तथा प्रत्येक अंग के वास्तविक रूप से कार्य करने में कमी का प्रतिशतता
1. अग्र-चौथाई छिन्नांगता	100 प्रतिशत
2. कंधे में अस्थि भंग	90 प्रतिशत
3. कुहनी से ऊपर भुजा के 1/3 ऊपर तक	85 प्रतिशत
4. कुहनी से ऊपर भुजा के 1/3 नीचे तक	80 प्रतिशत
5. कुहनी में अस्थिभंग	75 प्रतिशत
6. कुहनी से नीचे अग्र भुजा के 1/3 ऊपर तक	70 प्रतिशत
7. कुहनी के नीचे अग्र भुजा के 1/3 नीचे तक	65 प्रतिशत
8. कुहनी में अस्थि भंग	60 प्रतिशत
9. कार्पल अस्थियों द्वारा हाथ	55 प्रतिशत
10. एम.सी. द्वारा अथवा प्रथम एम.सी. जोड़ द्वारा अंगूठे में अस्थिभंग	30 प्रतिशत
11. इंटर-मेटाकार्पलिंगियल जोड़ द्वारा अथवा समीपस्थ अंगुलास्थि द्वारा अंगूठे में अस्थिभंग	25 प्रतिशत
12. अंतर-अंगुलास्थि जोड़ अथवा दूरस्थ अंगुलास्थि द्वारा अंगूठे में अस्थिभंग	15 प्रतिशत

	तर्जनी	मध्यमा	अना-मिका	कनि-ष्ठिका
13. मध्य अंगुलास्थि द्वारा अंगो-छेदन अथवा एम.पी. जोड़ द्वारा अस्थि-भंग	15%	5%	3%	2%
14. मध्य अंगुलास्थि द्वारा अंगोच्-छेदन अथवा पी.आई.पी. जोड़ के द्वारा अस्थिभंग	10%	4%	2%	1%
15. दूरस्थ अंगुलास्थि द्वारा अंगोच्-छेदन अथवा डी.आई.पी. जोड़ द्वारा अस्थिभंग	5%	2%	1%	1%

निचले अंग का अंगोच्छेदन

1. पश्च चौथाई	100%
2. निप अस्थिभंग	90%
3. घुटने से ऊपर जांघ के 1/3 ऊपर तक	85%
4. घुटने से ऊपर जांघ के 1/3 नीचे तक	80%
5. घुटने द्वारा	75%
6. बी.के. 8 से.मी. तक	70%
7. बी.के. टांक के 1/3 नीचे तक	60%
8. टखने द्वारा	55%
9. साइमेज	50%
10. मध्य पैर तक	40%
11. अग्र पैर तक	30%
12. सभी पैर की अंगुलियां	20%
13. पैर की पहली अंगुली की क्षति	10%
14. पैर की दूसरी अंगुली की क्षति	5%
15. पैर की तीसरी अंगुली की क्षति	4%
16. पैर की चौथी अंगुली की क्षति	3%
17. पैर की पांचवीं अंगुली की क्षति	2%

तंत्रिका संबंधी परिस्थितियों में शारीरिक रूप से विकलांगता का मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देश

1. तंत्रिका संबंधी परिस्थितियों में मूल्यांकन करना बीमारी का मूल्यांकन नहीं है। परन्तु यह प्रभावों अर्थात् क्लीनिकल अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन है।

2. कोई तंत्रिका संबंधी मूल्यांकन प्रारम्भ से छः माह तक करना पड़ता है।

3. इन दिशा निर्देशों का प्रयोग केवल मध्य तथा ऊपरी मोटर तंत्रिका संबंधी क्षतियों के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।

4. प्रोफार्मा "क" तथा "ख" का उपयोग निचले मोटर तंत्रिका संबंधी क्षतियों तथा पेशी का अव्यवस्थित होने तथा अन्य चलन संबंधी परिस्थितियों के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।

5. तंत्रिका संबंधी स्थितियों में शारीरिक रूप से विकलांगता की कुल प्रतिशतता 100% से अधिक नहीं होगी।

6. मिश्रित मामलों में उच्चतम स्कोर पर विचार किया जाएगा। निम्नतम स्कोर इसमें जोड़ा जाएगा और गणना इस सूत्र द्वारा की जाएगी :—

$$\text{क} + \frac{\text{ख}\ (100-\text{क})}{100}$$

7. 4% की अतिरिक्त दर प्रधान अग्रांगों के लिए दी जाएगी।

8. 10% की अतिरिक्त प्रत्येक अग्रांग में संवेदन के लिए अतिरिक्त 10% दिया गया है किन्तु अधिकतम कुल शारीरिक विकलांगता 100% से अधिक नहीं होगी।

मोटर प्रणाली विकलांगता

	विकलांगता दर
मोनोपरेजित	25%
मोनोप्लेजिया	50%
हेमीपटेसिस	
पेरापेसिस	75%
पेराप्लेजिया	100%
हेमीप्लेजिया	75%
क्वाड्री परेसिस	
क्वाड्री प्लेजिया	

संवेदन प्रणाली विकलांगता

	विकलांगता दर
एनीस्थेसिया, रेप्सीएथेसिस, पेरास्थेसिस	प्रत्येक अंग 10%
शामिल करने के लिए हाथ/हाथों/पैर/पैरों को शामिल करने के लिए	25%

तंत्रिका संबंधी परिस्थितियों में शारीरिक रूप से विकलांगता का मूल्यांकन करने के लिए दिशानिर्देश

1. तंत्रिका संबंधी परिस्थितियों में मूल्यांकन करना बीमारी का मूल्यांकन नहीं है। परन्तु यह प्रभावों अर्थात् क्लीनिकल अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन है।

2. कोई तंत्रिका संबंधी मूल्यांकन प्रारम्भ से छः माह तक करना पड़ता है।

3. इन दिशा-निर्देशों का प्रयोग केवल मध्य तथा ऊपरी मोटर तंत्रिका संबंधी क्षतियों के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।

4. प्रोफार्मा "क" तथा "ख" का उपयोग निचले मोटर तंत्रिका संबंधी क्षतियों तथा पेशी का अव्यवस्थित होने तथा अन्य चलन संबंधी परिस्थितियों के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा।

5. तंत्रिका संबंधी स्थितियों में शारीरिक रूप से विकलांगता की कुल प्रतिशतता 100% से अधिक नहीं होगी।

6. मिश्रित मामलों में उच्चतम स्कोर पर विचार किया जाएगा। निम्नतम स्कोर इसमें जोड़ा जाएगा और गणना इस सूत्र द्वारा की जाएगी :—

$$\text{क} + \frac{\text{ख}\ (100 - \text{क})}{100}$$

7. 4% की अतिरिक्त दर प्रधान अंगों के लिए दी जाएगी।

8. 10% की अतिरिक्त प्रत्येक अंग में संवेदन के लिए अतिरिक्त 10% दिया गया है किन्तु अधिकतम कुल शारीरिक विकलांगता 100% से अधिक नहीं होगी।

वाणी विकलांगता

	विकलांगता दर
सामान्य	25%
मध्यम	50%
गम्भीर	75%
बहुत गम्भीर	100%

100 शब्दों के पाठ्य द्वारा परीक्षा जाए। पढ़ने (शिक्षितों में) की योग्यता, पढ़ने के बाद उसको समझना, पाठ्य से प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर देना तथा उसे संक्षेप में लिखने की योग्यता (शिक्षितों में)

कार्डियो पुल्मोनरी बीमारियों के कारण शारीरिक विकलांगता के मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देश

मूलभूत दिशा-निर्देश

1. मोडीफाइड न्यू यार्क हार्ट एसोसिएशन वास्तविक श्रेणीकरण को कार्यात्मक विकलांगता के मूल्यांकन के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

2. चिकित्सक को, इस तथ्य के प्रति सतर्क होना चाहिए कि वे मरीज जो विकलांगता का दावा करते हैं वे अपने लक्षणों को बढ़ा-चढ़ा कर कहते हैं। यदि कोई संदेह हो तो मरीज को विस्तृत मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए भेजा जाना चाहिए।

3. कार्डियो पुल्मोनरी मरीजों की विकलांगता का मूल्यांकन उपलब्ध पूरी चिकित्सा, शल्य चिकित्सा तथा पुनर्वास उपचार के बाद किया जाना चाहिए क्योंकि इन अधिकांश बीमारियों की उपचार किए जाने की संभावना है।

4. कार्डियो पुल्मोनरी विकलांगता का मूल्यांकन उन बीमारियों में भी करना चाहिए जो कार्डियो पुल्मोनरी समस्याओं उदाहरणार्थ छिन्नांग, मायोपेथीज इत्यादि से सम्बद्ध हैं।

प्रस्तावित संशोधित श्रेणीकरण नीचे दिया गया है:—

समूह 0: कार्डियो पुल्मोनरी बीमारी से पीड़ित मरीज जो एक लाक्षणिक होता है (अर्थात् जिसमें सांस की कमी, धड़कन, थकान और छाती के दर्द का कोई लक्षण नहीं है)
समूह 1 : कार्डियो पुल्मोनरी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति जो अपने सामान्य शारीरिक कार्यकलापों के दौरान लाक्षणिक हो जाता है लेकिन उसके सामान्य शारीरिक कार्यकलापों में थोड़ा सा अवरोध (25%) आ जाता है।
समूह 2 : कार्डियो पुल्मोनरी बीमारी से पीड़ित व्यक्ति जो अपने सामान्य शारीरिक कार्यकलापों के दौरान लेकिन उसकी लाक्षणिक हो जाता है और उसके सामान्य शारीरिक कार्यकलापों में 25—50% अवरोध आ जाता है।

अनुबंध—5

मानसिक विकृतियां

स्रोत : उनके वर्गीकरण की शब्दावली तथा मार्गदर्शन विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा एक प्रकाशन।

"मानसिक मंदता": मस्तिष्क के अवरुद्ध अथवा अपूर्ण विकास की वह स्थिति है जिसे विशेष रूप से बुद्धि की असामान्यता कहा जाता है। कोटि निर्धारण व्यक्ति के कामकाज के वर्तमान स्तर पर इसके कारण-कार्य संबंध के स्वभाव जैसे कि मनःस्थिति, सांस्कृतिक वंचन, डाउन के संलक्षण आदि का ध्यान रखे बिना किया जाना चाहिए। जहां कहीं विशेष ज्ञानात्मक विकलांगता हो जैसे कि वाणी में, वहां चार अंकों का कोटि निर्धारण ज्ञान के मूल्यांकनों पर विशेष विकलांगता का बाहरी क्षेत्र, आधारित होना चाहिए। बौद्धिक स्तर का मूल्यांकन क्लीनिकल प्रमाण, अनुकूली व्यवहार तथा मनोमितीय निष्कर्ष सहित जो भी सूचना उपलब्ध हो इस पर आधारित होना चाहिए। दिए गए आई.क्यू. स्तर 100 के माध्य तथा 15 के मानक विचलन जैसे वेच्सल स्केलों के साथ एक परीक्षण पर आधारित है। वे केवल मार्गदर्शन के रूप में दिए गए हैं अतः इन्हें दृढ़तापूर्वक लागू नहीं करना चाहिए। मानसिक मंदता में अक्सर मनोव्यवधान शामिल हैं तथा किसी शारीरिक बीमारी अथवा चोट के परिणामस्वरूप विकसित होते हैं। इन मामलों में सम्बद्ध परिस्थिति मनोमितीय अथवा शारीरिक बीमारी की पहचान करने के लिए एक अतिरिक्त कोड अथवा कोडों का प्रयोग करना चाहिए। विकृति तथा विकलांगता के कोडों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

(ख) सामान्य मानसिक मन्दता

कमजोर विचार	मोरोन
उच्च ग्रेड कमी	आई क्यू 50-70
सामान्य मानसिक अवसामान्यता	

(ग) अन्य विशिष्ट मानसिक मन्दता

(1) सामान्य मानसिक मन्दता इम्बेसिल आई.क्यू. 35–49	कम मानसिक अवसामान्यता
(2) गम्भीर मानसिक मंदता आई.क्यू. 20–34	गंभीर मानसिक अवसामान्यता
(3) अति गम्भीर मानसिक मंदता आई.क्यू. 20 से कम	अति गंभीर मानसिक अवसामान्यता

(घ) अविनिर्दिष्ट मानसिक मंदता

मानसिक कमी एन.ओ. एस. मानसिक अवसामान्यता एव.ओ.एस.

MINISTRY OF WELFARE

New Delhi, the 31st March, 1995

NOTIFICATION

G.S.R. 316(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (33 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (33 of 1989) ;

(b) "dependent", with its grammatical variations and cognate expressions, includes wife, children, whether married or unmarried, dependent parents, widowed sister, widow and children of pre-deceased son of a victims of atrocity ;

(c) "identified area" means such area where State Government has reason to believe that atrocity may take place or there is an apprehension of reoccurrence of an offence under the Act or an area prone to victim of atrocity ;

(d) "Non-Government Organisation" means a voluntary organisation engaged in the welfare activities relating to the scheduled castes and the scheduled tribes and registered under the Societies Registration Act, 1866 (21 of 1960) or under any law for the registration of documents or such organisation for the time being in force ;

(e) "Schedule" means the Schedule annexed to these rules ;

(f) "Section" means section of the Act ;

(g) "State Government", in relation to a Union territory, means the Administrator of that Union Territory appointed by the President under Article 239 of the Constitution ;

(h) words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Precautionary and Preventive Measures.—(1) With a view to prevent atrocities on the Scheduled Castes and the Sceduled Tribes, the State Government shall :—

(i) identify the area where it has reason to believe that atrocity may take place or there is an apprehension of reoccurrence of an offence under the Act ;

(ii) order the District Magistrate and Superintendent of Police or any other officer to visit the identified area and review the law and order situation ;

(iii) if deem necessary, in the identified area cancel the arms licences of the persons, not being member of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, their near relations, servants or employees and family friends and get such arms deposited in the Government Armoury ;

(iv) seize all illegal fire arms and prohibit any illegal manufacture of fire arms ;

(v) with a view to ensure the safety of person and property, if deem necessary, provide arms licences to the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes ;

(vi) Constitute a high power State-level committee, district and divisional level committees or such number of other committees as deem proper and necessary for assisting the Government in implementation of the provisions of the Act ;

(vii) set-up a vigilance and monitoring committee to suggest effective measures to implement the provisions of the Act ;

(viii) set-up Awareness Centres and organise Workshops in the identified area or at some other place to educate the persons belonging to the Sceduled Castes and the Scheduled Tribes about their rights and the protection available to them under the provisions of various Central and State enactments or rules, regulations and schemes framed thereunder ;

(ix) encourage Non-Government Organisations for establishing and maintaining Awareness Centres and organising Workshops and provide them necessary financial and other sort of assistance ;

(x) deploy special police force in the identified area ;

(xi) by the end of every quarter, review the law and order situation, functioning of different committees, performance of Special Public Prosecutors, Investigating Officers and other Officers responsible for implementing the provsions of the Act and the cases registered under the Act.

4. SUPERVISION OF PROSECUTION AND SUBMISSION OF REPORT :—

(1) The State Government on the recommendation of the District Magistrae shall prepare for each Distric a panel of such number of eminent senior advocates who has been in practice for not less than seven years, as it may deam necessary for conducting cases in the Special Courts. Similarly, in consultation with the Director Prosecution|inoharge of the prosecuiotn, a panel of such number of Public Prosecutors as it may deem necessary for conducting cases in the Special Courts, shall also be specified. Both these panels

shall be notified in the Official Gazette of the State and shall remain in force for a period of three years.

(2) The District Magistrate and the Director of prosecution/in-charge of the prosecution shall review at least twice in a calendar year, in the month of January and July, the performance of Special Public Prosecutors so specified or appointed and submit a report to the State Government.

(3) If the State Government is satisfied or has reason to believe that a Special Public Prosecutor so appointed or specified has not conducted the case to the best of the ability and with due care and caution, his name may be, for reasons to be recorded in writing, denotified.

(4) The Distric Magistrate and the officer-in-charge of the prosecution at the District level, shall review the position of cases registered under the Act and submit a monthly report on or before 20th day of each subsequent month to the Director of Prosecution and the State Government. This report shall specify the actions taken/proposed to be taken in respect of investigation and prosecution of each case.

(5) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate may, if deem necessary or if so desired by the victims of atrocity engage an eminent Senior Advocate for conducting cases in the Special Courts on such payment of fee as he may consider appropriate.

(6) Payment of fee to the Special Public Prosecutor shall be fixed by the State Government on a scale higher than the other panel advocates in the State.

5. INFORMATION TO POLICE OFFICER IN-CHARGE OF A POLICE STATION :

(1) Every information relating to the commission of an offence under the Act, if given orally to an officer in-charge of a police station shall be reduced to writing by him or under his direction, and be read over to the informant, and every such information, whether given in writing or reduced to writing as aforesaid, shall be signed by the persons giving it, and the substance thereof shall be entered in a book to be maintained by that police station.

(2) A copy of the information as so recorded under sub-rule (1) above shall be given forthwith, free of cost, to the informant.

(3) Any person aggrieved by a refusal on the part of an officer in-charge of a police station to record the information referred to in sub-rule (1) may send the substance of such information, in writing and by post, to the Superintendent of Police concerned who after investigation either by himself or by a police officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police, shall make an order in writing to the officer in-charge of the concerned police station to enter the substance of that information to be entered in the book to be maintained by that police station.

6. Spot inspection by officers.—(1) Whenever the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other executive Magistrate or any police officer not below the rank of Deputy Superintendent of Police receives an information from any person or upon his own knowledge that an atrocity has been committed on the members of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes within his jurisdiction, he shall immediately himself visit the place of occurance to assess the extent of atrocity, loss of life, loss and damange to the property and submit a report forthwith to the State Government.

(2) The District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other executive Magistrate and the Superintendent of Police|Deputy Superintendent of Police after inspecting the place or area shall on the spot :—

(i) draw a list of victims, their family members and dependents entitled for relief;

(ii) prepare a detailed report of the extent of atrocity loss and damange to the property of the victims;

(iii) order for intensive police patrolling in the area;

(iv) take effective and necessary steps to provide protection to the witnesses and other sympathisers of the victims;

(v) provide immediate relief to the victims.

7. INVESTIGATING OFFICER :

(1) An offence committed under the Act shall be investigated by a police officer not below the rank of a Deputy Superintendent of Police. The investigating officer shall be appointed by the State Government|Director General of Police|Superintendent of Police after taking into account his past experience, sense of ability and justice to perceive the implications of the case and investigate it along with right lines within the shortest possible time.

(2) The investigating officer so appointed under sub-rule (1) shall complete the investigation on top priority within thirty days and submit the report to the Superintendent of Police who in turn will immediately forward the report to the Director General of Police of the State Government.

(3) The Home Secretary and the Social Welfare Secretary to the State Government, Director of Prosecution the officer in-charge of Prosecution and the Director General of Police shall review by the end of every quarter the position of all investigations done by the investigating officer.

8. SETTING UP OF THE SCHEDULED CASTES AND THE SCHEDULED TRIBES PROTECTION CELL :

(1) The State Government shall set up a Scheduled Castes and the Scheduled Tribes Protection Cell at the State head quarter under the charge of Director of Police|Inspector General of Police. This Cell shall be responsible for :—

(i) conducting survey of the identified area;

(ii) maintaining public order and tranquility in the identified area;

(iii) recommending to the State Government for deployment of special police force or establishment of special police post in the identified area;

(iv) making investigations about the probable causes leading to an offence under the Act;

(v) restoring the feeling of security amongst the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;

(vi) informing the nodal officer and special officer about the law and order situation in the identified area;

(vii) making enquiries about the investigation and spot inspections conducted by various officers;

(viii) making enquiries about the action taken by the Superintendent of Police in the cases where an officer in-charge of the police station has refused to enter an information in a book to be maintained by that police station under sub-rule (3) of rule 5;

(ix) making enquiries about the wilful negligence by a public servant;

(x) reviewing the position of cases registered under the Act; and

(xi) submitting a monthly report on or before 20th day of each subsequent month to the State Government|nodal officer about the action taken|proposed to be taken in respect of the above.

9. NOMINATION OF NODAL OFFICER :

The State Government shall nominate a nodal officer of the level of a Secretary to the State Government preferably belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, for co-ordinating the functioning of the District Magistrates and Superintendent of Police or other officers authorised by them investigating officers and other officers responsible for implementing the provisions of the Act. By the end of the every quarter, the nodal officer shall review :—

(i) the reports received by the State Government under sub-rule (2) and (4) of rule 4, rule 6, clause (xi) of rule 8,

(ii) the position of cases registered under the Act;

(iii) law and order situation in the identified area;

(iv) various kinds of measures adopted for providing immediate relief in cash or kind or both to the victims of atrocity or his or her dependent;

(v) adequacy of immediate facilities like rationing, clothing, shelter, legal aid, travelling allowance, daily allowance and transport facilities provided to the victims of atrocity or his|her dependants;

(vi) performance of non-Governmental organisations, the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes Protection Cell, various committees and the public servants responsible for implementing the provisions of the Act.

10. APPOINTMENT OF A SPECIAL OFFICER :

In the identified area a Special Officer not below the rank of a Additional District Magistrate shall be appointed to co-ordinate with the District Magistrate, Superintendent of Police or other officers responsible for implementing the provisions of the Act. various committees and the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes Protection Cell.

The Special Officer shall be responsible for :

(i) providing immediate relief and other facilities to the victims of atrocity and initiate necessary measures to prevent or avoid re-occurrence of atrocity;

(ii) setting up an awareness centre and organising workshop in the identified area or at the district head quarters to educate the persons belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes about their rights and the protection available to them under the provisions of various Central and State enactments or rules and schemes etc. framed therein :

(iii) co-ordinating with the Non Governmental organisations and providing necessary facilities and financial and other type of assistance to non-Governmental Organisation for maintaining centres or organising workshops ;

11. TRAVELLING ALLOWANCE, DAILY ALLOWANCE, MAINTENANCE EXPENSES AND TRANSPORT FACILITIES TO THE VICTIM OF ATROCITY, HIS OR HER DEPENDENT AND WITNESSES :

(1) Every victim of atrocity or his/her dependent and witnesses shall be paid to and fro rail fare by second class in expressimailipassenger train or actual bus or taxi fare from his/hee- place of residence or actual bus or taxi fare from his|hcer place of residence or place of stay to the place of investigation or hearing of trial of an offence under the Act.

(2) The District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other Executive Magistrate shall make necessary arrangements for providing transport facilities or reimbursement of full payment thereof to the victims of atrocity and witnesses for visiting the investigating officer, superintendent of Police|Deputy Superintendent of Police, District Magistrate or any other Executive Magistrate.

(3) Every woman witness, the victim of atrocity or her dependent being a woman or a minor, a person more than sixty years of age and a person having 40 percent or more disability shall be entitled to be accompanied by an attendant of her|his choice. The attendant shall also be paid travelling and maintenance expenses as applicable to the witness or the victim of atrocity when called upon during hearing, investigation and trial of an offence under the Act.

(4) The witness, the victims of atrociy or his|her dependent and the attendant shall be paid daily maintenance expenses, for the days he|she is away from the place of his|her residence or stay during investigation, hearing and trial of an offence, at such rates but not less than the minimum wages, as may be fixed by the State Government for the agricultural labourers.

(5) In addition to daily maintenance expenses the witness, the victim of atrocity (or his|her dependant) and the attendant shall alsc be paid diet expenses at such rates as may be fixed by the State Government from time to time.

(6) The payment of travelling allowance, daily allowance, maintenance expenses and reimbursement of transport facilities shall be made immediately or not later than three days by the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other Executive Magistrate to the victims their dependents|attendant and witnesses for the days they visit the investigating officer or in-charge police station or hospital authorities or Superintendent of Police|Deputy Superintendent of Police or District Magistrate or any other officer concerned or the Special Court.

(7) When an offence has been committed under Section 3 of the Act, the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other Executive Magisrate shall reimburse the payment of medicines, special medical consultation, blood transfufsion, replacement of essential clothing, meals and fruits provided to the victim(s) of atrocity.

12. MEASURES TO BE TAKEN BY THE DISTRICT ADMINISTRATION :—

(1) The District Magistrate and the Superintendent of Police shall visit the place or area where the atrocity has been committed to assess the loss of life and damage to the property and draw a list of victim, their family members and dependents entitled for relief.

(2) Superintendent of Police shall ensure that the First Information Report is registered in the book of the concerned police station and effective measures for apprehending the accused are taken.

(3) The Superintendent of Police, after spot inspection, shall immediately appoint an investigation officer and deploy such police force in the area and take such other preventive measures as he may deem proper and necessary.

(4) The District Magistrate or the SubDivisional Magistrate or any other Executive Magistrate shall make arrangements for providing immediate relief in cash or in kind or both to the victims of atrocity their family members and dependents according to the scale as in the schedule annexed to these Rules (Annexure-I read with Annexure-II). Such immediate relief shall also include food, water, clothing, shelter, medical aid, transport facilities and other essential items necessary for human beings.

(5) The relief provided to the victim of the atrocity or his|her dependent under sub-rule (4) in respect of death, or injury to, or damage to property shall be in addition to any other right to claim compensation in respect there of under any other law for the time being in force.

(6) The relief and rehabilitation facilities mentioned in sub-rule (4) above shall be provided by the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or any other Executive Magistrate in accordance with the scales proided in the Schedule annexed to these rules.

(7) A report of the relief and rehabilitation facilities provided to the victims shall also be forwarded to the Special Court by the District Magistrate or the Sub-Divisional Magistrate or the Executive Magistrate or Superintendent of Police. In case the Special Court is satisfied that the payment of relief was not made to the victim or his|her dependent in time or the amount of relief or compensation was not sufficient or only a part of payment of relief or compensation was made, it may order for making in full or part the payment of relief or any other kind of assistance.

13. SELECTION OF OFFICERS AND OTHER STAFF MEMBERS FOR COMPLETING THE WORK RELATING TO ATROCITY :

(1) The State Government shall ensured that the administrative officers and other staff members o be appointed in an area prone to atrocity shall have the right aptitude and understanding of the problems of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.
posts and police station.

(2) It shall also be ensured by the State Government that person from the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes are adequately represented in the administration and in the police force at all levels, particularly at the level of police posts and police station.

14. SPECIFIC RESPONSIBILITY OF THE STATE GOVERNMENT :

The State Government shall make necessary provisions in its annual budget for providing relief and rehabilitation facilities

victims of atrocity. It shall review atleast twice in a calendar year, in the month of January and July the performance of the Special Public Prosecutor specified or appointed under Section 15 of the Act, various reports received, investigation made and preventive steps taken by the District Magistrate, Sub-Divisional Magistrate and Superintendent of Police, relief and rehabilitation facilities provided to the victims and the reports in respect of lapses on behalf of the concerned officers.

15. CONTINGENCY PLAN BY THE STATE GOVERNMENT :

(1) The State Government shall prepare a model contingency plan for implementing the provisions of the Act and notify the same in the Official Gazette of the State Government. It should specify the role and responsibility of various departments and their officers a different levels, the role and responsibility of Rural/Urban Local Bodies and Non-Government Organisations. Inter alia this plan shall contain a package of relief measures including the following.

(a) scheme to provide immediate relief in cash or in kind or both;

(b) allotment of agricultural land and house sites;

(c) the rehabilitation packages;

(d) scheme for employment in Government or Government undertaking to the dependant or one of the family members of the victim;

(e) pension scheme for widows, dependant children of the deceased, handicapped or old age victims of atrocity;

(f) mandatory compensation for the victims;

(g) scheme for strengthening the socio-economic condition of the victim;

(h) provisions for providing brick/stone masonary house to the victims;

(i) such other elements as health care, supply of essential commodities, electrification, adequate drinking water facility, burial/cremation ground and link roads to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes habitats.

(2) The State Government shall forward a copy of the contingency plan or a summary thereof and a copy of the scheme, as soon as may be, to the Central Government in the Ministry of Welfare and to all the District Magistrates, Sub-Divisional Magistrates, Inspectors General of Police and Superintendents of Police.

16. CONSTITUTION OF STATE-LEVEL VIGILANCE AND MONITORING COMMITTEE :

(1) The State Government shall constitute a high power vigilance and monitoring committee of not more than 25 members consisting of the following:

(i) Chief Minister/Administrator-Chairman (in case of a State under Presient's Rule Governor-Chairman).

(ii) Home Minister, Finance Minister and Welfare Minister-Members (in case of a State under the President's Rule Advisors—Members);

(iii) all elected Members of Parliament and State Legislative Assembly and Legislative Council from the State belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes—Members.

(iv) Chief Secretary, the Home Secretary, the Director General of Police, Director/Deputy Director National Commission for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes—Members;

(v) the Secretary in-charge of the welfare and development of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes—convenor.

(2) The high power vigilance and monitoring committee shall meet at least twice in a calendar year, in the month of January and July to review the implementation of the provisions of the Act, relief and rehabilitation facilities provided to the victims and other matters connected therewith, prosecution of cases under the Act, role of different officers/agencies responsible for implementing the provisions of the Act and various reports received by the State Government.

17. CONSTITUTION OF DISTRICT LEVEL VIGILANCE AND MONITORING COMMITTEE :

(1) In each district within the State, the District Magistrate shall set up a vigilance and monitoring committee in his district to review the implementation of the provisions of the Act, relief and rehabilitation facilities provided to the victims and other matters connected therewith, prosecution of cases under the Act, role of different officers/agencies responsible for implementing the provisions of the Act and various reports received by the District Administration.

(2) The district level vigilance and monitoring committee shall consist of the elected Members of the Parliament and State Legislative Assembly and Legislative Council, Superintendent of Police, three group 'A' officers/Gazetted officers of the State Government belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, not more than 5 non official members belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and not more than 3 members from the categories other than the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes having association with Non-Government Organisations. The District Magistrate and Distt. Social Welfare Officer shall be chairman and Member Secretary respectively.

(3) The district level committee shall meet at least once in three months.

18. MATERIAL FOR ANNUAL REPORT :

The State Government shall every, before the 31st March, forward the report to the Central Government about the measures taken for implementing provisions of the Act and various schemes/plans framed by it during the previous calendar year.

[File No. 11012/1/89-PCR (Desk)]
GANGA DAS, Jt. Secy.

ANNEXURE-I
SCHEDULE

(See Rule 12(4)

NORMS FOR RELIEF AMOUNT

Sl. No.	Name of offence	Minimum amount of relief
1.	Drink or eat inedible or obnoxious substance [Section 3(1)(i)]	Rs. 25,000 or more depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and also commensurate with the indigenity, insult, injury and defamation sufferened by the victim. Payment to be made as follows :
2.	Causing injury insult or annoyance [Section 3(1)(ii)	
3.	Derogatory act [Sec. 3(1)(iii)]	

	I. 25% when the chargesheet is sent to the court. II. 75% when accused are convicted by the lower court
4. Wrongful occupation or cultivation of land, etc. [Section 3(1)(iv)] 5. Relating to land, premises and water [Section 3(1)(v)]	Atleast Rs. 25 ,000 or more depending upon the nature and gravity of the offence. The land/premises/water supply shall be restored where necessary at Government cost, Full payment to be made when charge-sheet is sent to the Court.
6. Begar or forced or bonded labour [Section 3(1)(vi)]	Atleast Rs. 25,000/- to each victim. payment of 25% at FIR stage and 75% on conviction in the lower court.
7. Relating to right to franchise [Section 3(1)(vii)]	Upto Rs. 20,000/-to each victim depending upon the nature and gravity of the offence.
8. False, malicious or vexatious legal proceedings [Section 3(1) (viii)] 9. False and frivolous information [Section 3(1) (ix)]	Rs. 25,000/-or reimbursement of actual legal expenses and damages or whichever is less after conclusion of the trial of the accused.
10. Insult, intimidation and humiliation [Section 3(1)(x)]	Upto Rs. 25,000/- to each victim depending upon the nature of the offence. Payment of 25% when charge-sheet is sent to the court and rest on conviction.
11. Outraging the modesty of a woman [Section 3(1)(xi)] 12. Sexual exploitation of a woman [Section 3(1)(xii)]	Rs. 50,000/- to each victim of the offence. 50% of the amount may be paid after medical examination and remaining 50% at the conclusion of the trial.
13. Fouling of water [Section 3(1) (xiii)]	Upto Rs. 1,00,000 or full cost of restoration of normal facility, including cleaning when the water is fouled. Payment may be made at the stage as deemed fit by District Administration.
14. Denial of customary rights of passage [Section 3(1) (xiv)]	Upto Rs. 1.00,000 or full cost of restoration of right of passage and full compensation of the loss suffered, if any. Payment of 50% when charge sheet is sent to the court and 50% on conviction in lower-court.
15. Making one desert place of residence [Section 3(1) (xv)]	Restoration of the site/right tostay and compensation of Rs. 25,000/-to each victim and reconstruction of the house at Govt. cost, it destroyed, To be paid in full when charge sheet is sent to the lower court.
16. Giving false evidence [Section 3(2) (1) and (ii)]	At least Rs. 1,00,000 or full-ompensation of the loss or harm sustained. 50% to be paid when charge sheet is sent to Court and 50%on conviction by the lower court.
17. Committing offences under the Indian Penal Code punishable with imprisonment for a term of 10 years or more [Section 3(2)]	Atleast Rs. 50,000 depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and or his dependents. The amount would vary if specifically otherwise provided in the Schedule.

1	2
18. Victimization at the hands of a public servant (Section 3(2) (vii)	Full compensation on account of damages or loss or harm sustained. 50% to be paid when charge-sheet is sent to the Court and 50% on conviction by lower court.
19. Disability. The definitions of physical & mental disabilities are contained in the Ministry of Welfare, G.O.I. notification No. 4-2/83—HW.III dated 6-8-1986 as amended from time to time. A copy of the notification is at Annexure-II.	
(a) 100% incapacitation	
(i) Non earning Member of a family	At least Rs. 1,00,000 to each victim of offence. 50% on FIR and 25% at chargesheet and 25% on conviction by the lower court.
(ii) Earning Member of a family	At least Rs. 2,00,000 to each victim of offence, 50% to be paid on FIR/Medical examination stage, 25% when charge-sheet sent to court and 25% at conviction in lower court.
(b) Where incapacitation is less than 100%	The rates as laid down in a(i) and (ii) above shall be reduced in the same proportion, the stages of payments also being the same. However, not less than Rs. 15,000 to non earning member and not less than Rs. 30,000 to a earning member of a family.
20. Murder/Death	
(a) Non-earning Member of a family	At least Rs. 1,00,000 to each case. Payment of 75% after postmortem and 25% on conviction by the lower court.
(b) Earning Member of a family	At least Rs. 2,00,000/- to each case. Payment of 75% after Postmortem and 25% on conviction by the lower Court.
21. Victim of murder, death, massacre, rape, mass rape and gang rape, permanent incapacitation and dacoity	In addition to relief amounts paid under above items, relief may be arranged within three months of date of atrocity as follows:—
	(i) Pension to each widow and/or other dependents of deceased SC and ST @ Rs. 1,000/- per month, *or* Employment to one member of the family of the deceased, or provision of agricultural land, an house, if necessary by outright purchase.
	(ii) Full cost of the education and maintenance of the children of the victims. Children may be admitted to Ashram Schools/residential schools.
	(iii) Provision of utensils, rice, wheat, dals, pulses, etc. for a period of three months.
22. Complete destruction/burnt houses.	Brick/stone masonery house to be constructed or provided at Government cost where it has been burnt or destroyed.

ANNEXURE-II

NO. 4-2|83-HW. III

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF WELFARE

New Delhi, the 6th August, 1986

Subject : Uniform Definitions of the Physically Handicapped.

At present, different difinitions for various categories of handicapped are adopted in various schemes| programmes of the Central and State Governments. In order to have a standard set of definitions, authorised certification authorities and standard tests for purpose of objective certification, Government of India in Ministry of Welfare set up three committees under the Chairmanship of Director General of Health Services—one each in the area of visual handicaps; speech and hearing disorders and locomotor disabilities and a separate Committee for mental handicaps.

2. After having considered the reports of these committees and with the concurrence of the State Governments|UTs and the concerned Ministries|Departments the undersigned is directed to convey the approval of the President to notify the definitions of the following categories of physically handicapped :—

1. Visually handicaps
2. Locomotor handicaps
3. Speech and hearing handicaps
4. Mental handicaps.

Report of the Committee as indicated in the Annexure I.

3. Each category of handicapped persons has been divided into four groups viz. mild moderate, severe and profound|total. It has been decided that various concessions|benefits would in future be available only to the moderate, severe and profound|total groups; and not to the mild groups. The minimum degree of disability should be 40 per cent in order to be eligible for any concession|benefits.

4. It has been decided that the authorised certifying authority will be a medical board at the district level. The board will consist of the Chief Medical Officer|Sub-Divisional Medical Officer in the District and another expert in the specified field viz. opthalmic surgeon in case of visual handicaps, either an ENT Surgeon or an audiologist in case of speech and hearing handicaps; an orthopaedic surgeon or a specialist in physical medicine and rehabilitation in case of locomotor handicaps, a psychiatrist or a clinical psychologist or a teacher in special education in case of mental handicaps.

5. Specified tests as indicated in Annexure should be conducted by the medical board and recorded before a certificate is given.

6. The certificate would be valid for a period of three years.

7. The State Govts.|UT Admn. may constitute the medical boards indicated in para 4 above immediately.

M. C. NARSIMHAN, Jt. Secy.
to the Govt. of India.

ORDER

Ordered that the above notification be published in the Gazette of India for general information. Copies of the Gazette notification may be sent to all Ministries| Deptt. of the Central Govt. all State Govts|UT Admn. President Sectt. P. M.'s Office, Lok Sabha, Rajya Sabha Sectt. for information and necessary action.

M. C. NARSIMHAN, Jt. Secy.
to the Govt. of India.

COMBINE REPORT OF THREE COMMITTEES RECOMMENDING UNIFORM SET OF DEFINITIONS, AUTHORITIES FOR CERTIFICATION AND STANDARD TESTS FOR VISUAL. HEARING AND SPEECH AND LOCOMOTOR DISABILITIES

List of the Members of the Committees at Annexure I.

Introduction

India is a vast country with variable social, cultural, geographical and economic back ground. Despite breakthrough in health services, a number of disabilities continue to appear due to polio communicable and congenitial diseases, increased industralisation and mechanisaion vehicular traffic leading to locomotor disabilities; vitamin-A deficiency, cataract and infectious injuries, nutritional deficiency leading to visual loss; ear infection, external injuries, noise pollution contributing to hearing loss. These are the three major disabilities which manifest themselves as a result of one or more of such factors.

2. Government of India are providing a large number of facilities and concessions to disabled persons. In order to provide these facilities and concessions it is imperative that standard definition of these disabilities is decided upon. Consequent to recommendation of the National Council for Handicapped Welfare the Committees under the chairmanship of Director General of Health Services met for the adoption of standard set of definitions which should be uniformly applicable through out the country.

The exercise of evolving a uniform set of definition should not be however to construed to mean that no definitions have been set forth at present. Definitions of these three major disabilities which are prevalent at present for extending various concessions and facilities to handicapped are given in Annexure II.

Recommended Definitions

Physical impairment leads to functional limitation and functional limitation leads to disability. Physical impairment, functional limitation and disability have been defined by WHO and this Committee would recommend adopting this classification, which is as follows :—

(i) Impairment : An impairment is a permanent or transitory psychological or anatomical loss and|or abnormality. For example a missing or effective part, tissue organ or "Mechanism" of the body such as an amputated limb. paralysis after polio, myocardial infarotion, cerebrovascular thrombosis, restricted pulmonary capacity, diabetes, myopia, disfigurement. mental retardation, hypertension, perceptual disturbance.

(ii) Functional limitation : Impairment may cause functional limitations which are the partial or total inability to perform those activities necessary for motor, sensory, or mental functions within the range and manner of which a human being is normally capable such as walking, lifting loads, seeing, speaking, hearing, reading, writing, counting, taking interest in and making contact with surroundings. A functional limitation may last for a short time a long time be permanent or reversible. It should be quantifiable whenever possible. Limitations may be described as "Progressive" or "regressive".

(iii) Disability : Disability is defined as an existing difficulty in performing one or more activities which, in accordance with the subject's age, sex and morative social role, are generally accepted as essential, basic components of daily living, such as self-care, social relations and economic activity. Depending in part on the duration of the functional limitation disability may be short-term, long-term or permanent.

Medically, disability is physical impairment and inability to perform physical functions normally. Legally, disability is a permanent injury to body for which the person should or should not be compensated.

The disability can be divided into 3 periods.

(i) Temporary total disability is that period in which the affected person is totally unable to work. During this time he may receive orthopaedic, opthalmological auditory or speech or any other medical treatment.

(ii) Temporary partial disability is that period when recovery has reached the stage of improvement so that person may begin some kind of gainful occupation.

(iii) Permanent disability, applies to permanent damage or loss of use of some part| parts of the body after the stage of maximum improvement from any medical treatment has been reached and the condition is stationary.

The classifications & various concessions being recommended are for the permanent disability only.

Evaluation and Assessment of Visual Disabilities

The group recommended the classification of visual impairment|disability may be categorised in four groups for considering various concessions to visually handicapped.

The quesiton regarding one eyed person was considered at length. The Committee is of the view that the guidelines recommended for evaluation of visual loss of persons who have lost one eye but have the other eye normal should be totally unambiguous. The Committee feels that such persons may not be clubbed with other visually handicapped so that facilities|concessions available to severely|profoundly visually handicapped and totally blind are not eroded. If one eyed persons are clubbed with severely|profoundly visually handicapped and totally blind persons, the Committee feels that most of the concessions especially jobs reserved for the blind persons shall go to one-eyed persons as their visual loss is minimal compared to other 2 categories and in this manner most of the Government offices|public sector undertakings will be fulfilling the quota but in actual practice will not be giving jobs to totally blind and persons with severe visual loss. The Committee, however feels that it should be made clear that loss of one eye will not be considered as a disqualification on medical grounds unless a particular post is of such a technical nature that it requires of a person the use of both the eyes or 3 dimensional vision. The Committee also recommends that if a person has been declared unfit due to some temporary visual loss|defect, it should not be construed to mean as disabled if such a temporary impairment in the opinion of a Medical Board can be overcome with treatment or visual aids.

Guidelines for evaluation & categorisation of visual disabilities are given in Appendix III.

2. Evaluation & Assessment of Hearing & Speech Disability

The Committee recommended that the definitions which are internationally accepted and have been adopted by WHO may be adopted in this country also for evaluation and categorisation of hearing & speech loss.

The recommended classification and guidelines for evaluation of hearing loss are given in Appendix II. The Committee also considered various facilities| concessions which may be given to hearing handicapped persons and suggestions of the facilities which may be offered to the hearing handicapped for rehabilitation are also given in Appendix II.

3. Evaluation & Assessment of Orthopaedic Disabilities

The Committee recommends that Kessler's method may be taken as a general guideline for evaluating orthopaedic disability. Since issues have been raised regarding the quantification of degree of disability, the authorised Medical Board may also consult any other suitable method and use Kessler's method as a basic guideline.

The Committee is aware that there are other methods of quantification which are at variance with the Kessler's guidelines. However, Kessler's guidelines for evaluation of various degrees of disability. It is expected, would hold good for most of the time. The individual Medical Board could take into consideration other methods which may help the board in evaluating disability in an individual case.

The Authorities to give Certification

A permanent disability certificate will be issued by a board duly constituted by the Central and the State Governments. It is recommended that a Medical Board for evaluation of disability should be available minimum at the district level. It is also recommended to have atleast 3 members in the board, out of which

atleast one should be a specialist in the particular field for assessing locomotor|visual|hearing & speech disability as the case may be.

It is also recommended that the competent authority may also appoint an appellate medical board to resolve any dispute.

Concessions|Facilities which may be Offered to Disabled Persons

Keeping in view the set of definitions and the categorisation being recommended, various Ministries| Departments and the State Governments shall have to also specify the facilities and concessions which would be available to different categories of the handicapped. The Committee recommends that if a person has the degree of disability below 40 per cent in a particular category, no such benefits|concessions may be given to such a person. All other categories may be extended concessions|facilities like scholarships, job reservation, aids and appliances either free of cost or at concessional rates, conveyance allowance etc. For hearing handicapped, the Committee recommends that 3 language formula may be revised so that the hearing handicapped have to study one language only.

Ministry of Social & Women's Welfare may make out proposals based on these recommendations with the appropriate Ministry for necessary modifications in the policy of 3 language formula.

The Committee also recommended that Ministry of Health and Family Welfare may also take up amending medical standards for necessary relaxations in respect of mild handicapped in all the categories so that on account of their mild disability, they are not put in a position that neither they are able to get the facility of job reservations nor are eligible otherwise for entering into services in the general category. The medical rules may also indicates in clear terms that loss of one eye will not be considered a disqualification unless the particular post is of such a technical nature that it requires of a person the use of both the eyes or three-dimentional vision. The some medical board at the district level may examine suitability or otherwise of a one eyed person for a particular post.

The degree and extent of disability of the 3 types, namely visual, hearing and orthopaedic will be indicated as follows :—

(a) mild—less than 40 per cent

(b) moderate—40 per cent & above

(c) Severe—75 per cent & above

(d) profound|total 100 per cent

For persons suffering from cardo pulmonary diseases, there may be no reservations in jobs. These persons may, however, be considered for extending other concessions such as exemption in typing etc.

The Director General of Health Services, Ministry of Health and Family Welfare will be the final authority, should there arise any controversy|doubt regarding the interpretation of the definitions|classifications|evaluation tests etc.

Only those persons who have disability more than 40 per cent and above shall be eligible for registration in Employment Exchanges in the category of handicapped and considered against jobs in public sector reserved for the physically handicapped.

Annexure—I

Composition of Committees to recommend standard definitions of Disabilities

Dr. D.B. Bisht, Director General of Health Services Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi. On Visually Handicapped	Chairman (Of all the three Committees)
1. Dr. Madan Mohan Head Deptt. of Opthalmoloty, All India Insitute of Medical Sciences New Delhi.	Member
2. Dr. G.H. Gidwani, Assistant Director General of Health Services, Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi	Member
3. Shri R.S. Srivastava, Joint Director, Director General of Employmzt & Training, Ministry of Labour, Sharam Shahti Bhvan, New Delhi.	Member
4. Director, National Institute for the Visually Handicapped, Rajpur Road, Dehradun, (Represented by Shri S.R. Shuhla, Asstt. Director).	Member
5. Dr. G. Venhataswami, Arvind Eye Hospital, Madurai, Tamilnadu	Member
6. Dr. J.M. Pahwa, Chief Medical Officer, Gandhi Eye Hospital, Aligarh.	Member
7. Shri Harcharanjit Singh, Under Secretary, Ministry of Social & Women's Welfare	Member Secretary
On Hearing Handicapped	
1. Dr. G.H. Gidwani, Assistant Director General of Health Services, Ministry of Health and Family Welfzle, Nirman Bhavan, New Delhi.	Member
2. Shri R.S. Srivastava, Joint Director, Director, General of Employment & Training, Ministry of Labour, Sharam Shahti Bhavan New Delhi	Member

	Dr. S.K. Kacher, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.	Member
4.	Dr. M. Nithya Seelan, Director, All India Institute of Speech & Hearing, Mysore.	Member
5.	Dr. N. Rathna, Director, All Yavar Jung Institute of Hearing Handicapped, Haji Ali Parh, Mahalaxmi, Bombay-400034. (Represented by Dr. M.N. Nagaraja, Dy. Director in the meeting on 25-6-84)	Member
6.	Shri Harcharanjit Singh, Under Secretary, Ministry of Social & Women's Welfare New Delhi.	Member Secretary

On Orthopaedically Handicapped

1.	Dr. G.H. Gidwani, Assistant Director General of Health Servics, Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi.	Member
2.	Shri R.S. Srivastava, Joint Director, Director General of Employment & Training, Ministry of Labour, Sharam Shahti Bhavan, New Delhi.	Member
3.	Dr. Narendra Kumar, Indian Council of Medical Research, Ansari Nagar, New Delhi.	Member
4.	Director, National Institute of Orthopaedically Handicapped B.T. Road, Bon Hooghly, Calcutta.	Member
5.	Dr. A.K. Mukherjee, Director, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Haji Ali Parh, Bombay.	Member
6.	Dr. S.K. Varma, Head of Deptt. of Physical Medicine and Rehabilitation, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.	Member
7.	Dr. B.P. Yadav, Head Rehabilitation Department, Safdarjung Hospital New Delhi.	Special Invitee
8.	Dr. J.S. Guleria, Prof. & Head of Deptt. of Medicine, Dean, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.	Special Invitee
7.	Shri Harcharanjit Singh, Under Secretary Ministry of Soci al & Women's Welfare.	Member-Secretary

ANNEXURE-II

(1) Visually Handicapped

The definition adopted for visual handicapped for extending the concession, scholarships admission to Integrated education system, reservation in jobs, assistance for purchase|fitting of aids and appliances :—

The blind are those who suffer from either of the following conditions .—

(a) Total absence of sight.

(b) Visual acquity not exceeding 6|60 or 20|200 (snellen) in the better eye with correcting lences.

(c) Limitation of the field of vision substanding and angle of degree or worse.

Definition of Hearing Handicapped under various Schemes

SCHOLARSHIPS

The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear|understand sound at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 70 decibles in the better ear (profound impairment) or total loss of hearing in both ears.

Assistance to Disabled Persons for Purchase|Fitting of Aids|Appliances

The partially hearing are those falling under any one of the categories indicated below :—

Category	Hearing aquity
Mild impairment	More then 30 but not more than 45 decibles in better ear.
Serious impairment	More than 45 but not more than 60 decibles in better ear.
Severe impairment	More than 60 but not more than 90 decibless in the better ear.

Reservation Orders Issued by Department of Personnel and Administrative Reforms

The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear|understand sounds at all events with emplifield speech. The cases included in this category will be whose having loss more than 90 decibles in the better ear (profound impairment) or total loss of hearing in both ears.

Locomotor Handicapped

Similarly the definition adopted for orthopaedically handicapped is not uniform as all orthopaedically handicapped are eligible for getting a scholarship but only those orthopaedically handicapped person can get the facility of reservation in jobs as have a minimum of 40% disability.

Situation in State Governments

Various state Governments have also adopted different sets of definition. For example, Govt. of Tamil Nadu declared one eyed persons in the same category as blind persons and have extended various concessions including the reservation in jobs under the State Government to one eyed person also. The Central Government on the other hand has declared that a one eyed person with one eye good vision is not medically unfit and can be considered for jobs which do not require a three dimentional vision to the specific requirement of the jobs.

Appendix-III

Visual Impairment disability Categories bases on its severity and proposed disability percentages

	All with corrections		Percentage impairment
	Better eye	Worse eye	
Category O	6/9—6/18	6/24 to 6/36	20%
Category I	6/18—6/36	6/60 to Nil	40%
Category II	6/60—4/60 or Field of vision 110—20	3/60 to Nil	75%
Category III	3/60 to 1/60 or Field of vision 100	F.C. at 1 ft. to Nil	100%
Category IV	F.C. at 1 ft. to Nil or Field of vision 100	F.C. at 1 ft. to Nil Field of vision 100	100%
One eyed persons	6/6	F.C. at 1 ft. to Nil	30%

The method of evaluation shall be the same as recommended in Hand Book of Medical examination.

Impairment of 20%-40% or less may only be entitled to aids and appliances.

Annexure—IV

A. Recommendations about the Categories and the Tests Required

1. Recommended classification

S. No.	Category	Type of impairment	DB level and/or	Speech discrimination	Percentage of impairment
1.	I.	Mild Hearing impairment	dB 26 to 40 dB in better ear	80 to 100% in better ear	Less than 40%
2.	II.	Moderate hearing Impairment	41 to 55 dB in better ear	50 to 80% better ear	40%-50%
3.	III.	Severe hearing impairment	56 to 70 Hearing Impairment in better ear	40 to 50%	50 to 75%
4.	IV.	(a) Total deafness	No hearing	No discrimination	100%
		(b) Near total deafness	91 dB and above in better ear	-do-	100%
		(c) Profound hearing impairment	71 to 90 dB	Less then 40% in better ear	75%-100%

(Pure tone average of hearing in 500, 1000 and 2000 Hz by air conduction should be taken as basis for consideration as per the test recommendations).

Further it should be noted that —

(a) When there is only an Island of hearing present in one or two frequencies in better ear, it should be considered as total loss of hearing.

(b) Wherever there is no response (NR) at any of the 3 frequencies (500, 1000, 2000 Hz), it should be considered as equivalent to 130 dB loss for the purposes of classification of disability and in arriving at the average. This is based on the fact that maximum intensity limits in most of the Audiometers is 110 dB's and some audiometers has additional facilities for +20 dB for testing.

II. Recommendations about the categories of diability (Hearing Impairment—Physical aspect only—Test recommended).

(a) Pure tone audiometry (ISO R 382-1970 at present, is being used as Audiometric Standard in most of the audiometers. Hence the audiometers used in testing should be accordingly celiberated). Three frequency average at 500, 1000 and 2000 Hz by Air Conditions (A.C.) will be used for categorization.

(b) Wherever possible the pure tone audiometric results should be supplemented by the Speech discrimination score—Tested at Sensation level (S.L.) i.e. the speech discriminations test is conducted at —dB above the patient's hearing threshold. The stimuli used be either phonetically balance words (Pb) of the particular language or its equivalent material. At present only a few Indian languages have standard speech material for testing. Hence wherever the standardised test material is not available, either standardised Indian English Test could be made use of, with English knowing population or equivalent material to Pb. be used.

(c) Wherever children are tested and pure tone audiometry becomes not possible free field testing should be employed.

Suggestions of the Facilities to be Offered to the Disabled for Rehabilitation

Category I. No. special benefits.

Category II. Considered for Hearing Aids at free or concessional costs only.

Category III. Hearing aids free of cost or at concessional rates. Job reservation-benefit of special Employment Exchange.
Scholarships at School : Single language formula.

Category IV. Hearing Aids—facilities of reservation—special employment exchange. Special facilities in schools like Scholarship. Hearing aids—Exemption from 3 language formula (to study in recommended single language).

It is felt that for consideration of admission under special category for courses conducted by institutions like Indian Institute of Technology (IIT). Industrial Training Institute (ITI) and others, categories 1 & 2 only should be considered for reservation of seats, provided they fulfill the other educational stipulations for the course.

We have considered the different type of hearing affection i.e. conductive VS Sensory neural, and agree that the disability will be judged by the conditions prevalent in the patient at the time of referral and examination. In case of failure of surgery or other therapeutic interventions, the patient will be considered and categorized on the basis of the recommended tests.

Appendix-V

1. Guidelines for Evaluation of Various Disabilities

(1) Locomotor Disability

1.1 UPPER LIMB

1. The estimation of permanent impairment depends upon the metsurement of functional impairment and is not expression of a personal opinion.

2. The estimation and measurement must be made when the clinical condition is fixed and unchangeable.

3. The upper extermity is divided into two component parts, the arm component and the hand component.

4. Measurement of the loss of function of arm component consists in measuring the loss of motion, muscle strength and co-ordinated activities.

5. Measurement of the loss of function of hand component consists in determining the Prehension, Sensation & Strength. For estimation of Prehension Opposition, lateral pinch, cylindrical grasp spherical grasp and hook grasp have to be assessed as shown in the column of "prehension component" in the proforma.

6. The impairment of the entire extremity depends on the combination of the functional impairment of both components.

ARM COMPONENT

Total value of arm component is 90%.

Principles of Evaluation of range of motion of joints —

1. The value of maximum R.O.M. in the arm component is 90%.
2. Each of the three joints of the arm is weighed equally (30%).

Example :

A fracture of the right shoulder joint may affect range of motion so that active abduction is 90%. The left shoulder exhibits a range of active abduction of 180%. Hence there is loss of 50% of abduction movement of the right shoulder. The percentage loss of arm component in the shoulder is 50×0.30 or 15 per cent loss of motion for the arm component.

If more than one joint is involved, same method is applied and the losses in each of the affected joints are added. Say,

Loss of abduction of the shoulder = 60%

Loss of extension of the wrist = 40%

Then, Loss of range of motion for the arm =

$(60 \times 0.30) + (40 \times 0.30)$ = 30%

Principles of Evaluation of Strength of muscles

1. Srength of muscles can be tested by manual testing like 0—5 grading.

2. Manual muscle gradings can be given percentages like —

0.	—	100%
1.	—	80%
2.	—	60%
3.	—	40%
4.	—	20%
5.	—	0%

3. The mean percentage of muscle strength loss is multiplied by 0.30.

4. If there has been a loss of muscle strength of more than one joint, the values are added as has been described for loss of range of motion.

Principles of Evaluation of co-ordinated activities

1. The total value for co-ordinated activities is 90%.

2. Ten different co-ordinated activities are to be tested as given in the Proforma.

3. Each activity has a value of 9%.

Combining value for the Arm Component

1. The value of loss of function of arm component is obtained by combining the value of range of movement, muscle strength & co-ordinated activities, using the combining formula —

$$a = b + \frac{b(90-a)}{90}$$

where a = higher value
& b = lower value

Example :

Let us assume that an individual with a fracture of the right shoulder joint has in addition to 16.5% of motion his arm, 8.3% loss of strength of muscles, and 5% loss of coordination. We combine these values as :

Range of motion : 16.5%
Strength of Muscles : 8.3%

$$16.5 + \frac{8.3(90-16.5)}{90} = 23.3\%$$

Co-ordination : 5% $23.3 + \frac{5(90-23.3)}{90} = 27.0\%$

So total value of arm component = 27.0%.

Hand Component

Total value of hand component is 90%.

The functional impairment of hand is expressed as loss of prehension, loss of sensation, loss of strength.

Principles of Evaluation of Prehension.

Total value of Prehension is 30%. It includes :

(A) Opposition (8%). Tested against
Index finger (2%), Middle finger (2%)
Ring finger (2%) & Little finger (2%)

(B) Lateral Pinch (5%). Tested by asking the patient to hold a key.

(C) Cylindrical Grasp (6%). Tested for
(a) Large object of 4 inch size (3%)
(b) Small object of 1 inch size (3%)

(D) Spherical Grasp (6%). Tested for
(a) Large object 4 inch size (3%)
(b) Small object 1 inch size (3%)

(E) Hook Grasp (5%). Tested by asking the patient to lift a bag.

Principles of Evaluation of Sensations

Total value of sensation is 30%. It includes :

1. Radial side of thumb (4.8%)
2. Ulnar side of thumb (1.2%)
3. Radial side of each finger (4.8%)
4. Ulnar side of each finger (1.2%)

Principles of Evaluation of Strength

Total value of strength is 30%. It includes :

1. Grip Strength (20%)
2. Pinch Strength (10%)

Strength will be tested with hand dynamo-meter or by clinical method (Grip Method).

10% additional weightage to be given to the following factors :

1. Infection
2. Deformity
3. Malalignment
4. Contractures
5. Abnormal Mobility
6. Dominant Extremity (4%)

Combining value of the hand component

The final value of loss of function of hand component is obtained by summing up values of loss of prehension, sensation and strength.

Combining Values for the Extremity

Values of impairment of arm component and impairment of hand component are combined by using the combining formula.

Example :

Impairment of the arm = 27.0%

Impairment of the hand = 64%

$$64 \frac{27(90-64)}{90} - 71.8\%$$

Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment in Lower Limbs

The lower extremity is divided into two component and Stability component.

Mobility Component

Total value of mobility component is 90 per cent. It includes range of movement and muscle strength.

Principles of Evaluation of Range of Movement

1. The value of maximum range of movement in the mobility component is 90 per cent.

2. Each of the three joints i.e. hip knee, foot-ankle component, is weighed equally—0.30.

Example

A fracture of the right hip joint may affect range of motion so that active abduction is 27 degree. The left hip exhibits a range of active abduction of 54 degree. Hence, there is loss of 50 per cent of abduction movement of the right hip. The percentage loss of mobility component in the hip is 50×0.30 or 15 per cent loss of motion for the mobility component.

If more than one joint is involved, same method is applied and the losses in each of the affected joints are added.

For Example:—

Loss of abduction of the hip = 60%
Loss of extension of the knee = 40%
Loss of range of motion for mobility component $(60 \times 0.30) = (40 \times 0.30) = 30\%$

Principles of Evaluation of Muscle Strength

1. The value for maximum muscle strength in the leg is 90 per cent.

2. Strength of muscles can be tested by manual testing like 0-5 grading.

3. Manual muscle gradings can be given percentages like

Grade 0	= 100%
Grade 1	= 80%
Grade 2	= 60%
Grade 3	= 40%
Grade 4	= 20%
Grade 5	= 0%

4. Mean percentage of muscle strength loss is multiplied by 0.30.

5. If there has been a loss of muscle strength of more than one joint, the values are added as has been described for loss of range of motion.

Combining Values for the Mobility Component

Let us assume that the individual with a fracture of the right hip joint has in addition to 16 per cent loss of motion, 8 per cent loss of strength of muscles.

Combining Values

Motion 16%
Strength 8%

$$16 + \frac{8(90-16)}{90} = 22.6\%$$

Where a = higher value b = lower value

Stability Component

1. Total value of stability component is 90 per cent.

2. It is tested by 2 methods.

(i) Based on scale method.

(ii) Based on clinical method.

Three different readings (in kilograms) are taken measuring the total body weight(W). Scale 'A' reading and scale 'B' read.

Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment of Trunk (Spine)

The local effects of lesions of spine can be divided into traumatic and non-traumatic lesions.

TRAUMATIC LESIONS

Cervical Spine Fracture

	Percent Whole Body Permanent Physical Impairment and Loss of Physical Function to Whole Body
A. Vertebral compression 25 per cent, one or two vertebral adjacent bodies, no fragmentation, no involvement of posterior elements, no nerve root involvement, moderate neck rigidity and persistent soreness.	20
B. Posterior elements with X-ray evidence of moderate partial dislocation.	
(a) No nerve root involvement, healed	15
(b) with persistent pain, with mild motor and sensory manifestations	25
(c) With fusion, healed, no permanent motor or sensory changes.	20
C. Severe dislocation, fair to good reduction with surgical fusion.	
(a) No residual motor or sensory changes.	25
(b) Poor reduction with fusion, persistent radicular pain, motor involvement only slight weakness and numbness.	35
(c) Same as (b) with partial paralysis, determine additional rating for loss of use of extremities and sphincters.	

Cervical Intervertebral Disc

1. Operative, successful removal of disc, with relief of acute pain, no fusion, no neurologic residual.	10
2. Same as (1) with neurological manifestations, persistent pain, numbness, weakness in fingers.	20

Thoracic and Dorsolumbar Spine Fracture

	Percent Whole Body Permanent Physical Impairment and Loss of Physical Function to Whole Body.
A. Compression 25 per cent, involving one or two vertebral bodies, mild, no fragmentation, healed, no neurological manifestations.	10
B. Compression 50 per cent, with involvement posterior elements, healed, no neurologic manifestations, persistent pain, fusion, indicated.	20

C. Same as (B) with fusion, pain only on heavy use of back. 20

D. Total paraplegia 100

E. Posterior elements, partial paralysis with or without fusion, should be rated for loss of use of extremities and sphincters.

Low Lumbar

1. Fracture

A. Vertebral compression 25 per cent one or two adjacent vertebral bodies little or fragmentation, no definite pattern or neurologic changes. 15

B. Compression with fragmentation posterior elements, persistent pain, Weakness and stiffness, healed, no fusion, no lifting over 25 pounds. 40

C. Same as (B), healed with fusion, mild pain. 25

D. Same as (B), nerve root involvement to lower extremities, determine additional rating for loss of industrial function to extremities.

E. Same as (C), with fragmentation of posterior elements, with persistent pain after fusion, no neurologic findings. 35

F. Same as (C), with nerve root involvement to lower extremities, rate with functional loss to extremities.

G. Total paraplegia. 100

H. Posterior elements, partial paralysis with or without fusion, should be rated for loss of use of extremities and sphincters.

2. Neurogenic Low Back Pain-Disc Injury

A. Periodic acute episodes with acute pain and persistent body list, test, tests for sciatic pain positive, temporary recovery 5 to 8 weeks. 5

B. Surgical excision of disc, no fusion, good results, no persistent sciatic pain. 10

C. Surgical excision of disc, no fusion, moderate persistent pain and stiffness aggravated by heavy lifting with necessary modification of activities 20

D. Surgical excision of disc with fusion, activities of lifting moderately modified. 15

E. Surgical excision of disc with fusion, persistent pain and stiffness aggravated by heavy lifting, necessitating modification of all activities requiring heavy lifting. 25

Non-Traumatic Lesions

Scoliosis

The whole Spine has been given rating of 100 per cent and regionwise the following percentages are given :

Dorsal Spine—50 per cent
Lumbar Spine—30 per cent
Cervical Spine—20 per cent

Kobb's method for measurement of angle of curve in standing position is to be used. The curves have been divided into three sub groups.

	Cervical Spine	Thoracic Spine	Lumbar Spine
Less than 30° (Mild)	2%	5%	5%
31°—60° (Moderate)	3%	15%	12%
Above 60° (Severe)	5%	25%	33%

In the curves ranging above 60 degree, cardio-pulmonary complications are to be graded separately. The junctional curves are to be given that rating depending upon level of apex of curve. For example, if apex of dorso-lumbar curve falls in the dorsal spine the curve can be taken as a dorsal curve. When the scoliosis is adequately compensated, 5 per cent reduction is to be given from final rating (for all assessment primary curves are considered for rating).

Kyphosis

The same total rating (100 per cent) as that suggested for scoliosis is to be given for kyphosis. Region-wise percentages of physical impairment are :

Dorsal	50 per cent
Cervical Spine	30 per cent
Lumbar Spine	20 per cent

For dorsal spine the following further grading are :

Less than 20 degree	10 per cent
21 degree—40 degree	15 per cent
41 degree—60 degree	20 per cent
Above 60 degree	25 per cent

For kyphosis of lumbar and cervical spine 5 per cent and 7 per cent respectively have been allocated.

Paralysis of Flexors and Extensors of Dorsal and Lumbar Spine.

The motor power of these muscles to be grouped as follows :—

Normal	—
Weak	5 per cent
Paralysed	10 per cent

Paralysis of Muscles of Cervical Spine

For cervical spine the rating of motor power is as follows :

	Normal	Weak	Paralysed
Flexors	0	5%	10%
Extensors	0	5%	10%
Rotators	0	5%	10%
Side bending	0	5%	10%

Miscellaneous

Those conditions of the spine which cause stiffness and paid etc., are rated as follows :

	% physical impairment
A. Subjective symptoms of pain. No involuntary muscle spasm. Not substantiated by demonstrable structural pathology.	0%
B. Pain, Persistent muscle spasm and stiffness of spine, substantiated by demonstrable mild radiological charges.	10%
C. Same as B, with moderate radiological changes.	15%
D. Same as B, with severe radiological changes involving and one of the region of spine (cervical, dorsal or lumbar).	20%
E. Same as D, involving whole spine.	30%

In kypho-scoliosis, both curves to be assessed separately and then percentage of disability to be summed.

Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment in Amputees

Basic Guidelines

1. In case of multiple amputees, if the total sum of percentage permanent physical impairment is above 100 per cent, it should be taken as 100 per cent.

2. Amputation at any level with uncorrectable inability to wear and use prosthesis, should be given 100 per cent permanent physical impairment.

3. In case of amputation in more than one limb percentage of each limb is counted and another 10 per cent will be added, but when only toes or fingers are involved only another 5 per cent will be added.

4. Any complication in form of stiffness, neuroma, infection etc. has to be given a total of 10 per cent additional weightage.

5. Dominant upper limb has been given 4 per cent extra percentage.

Upper Limb Amputations

	Per cent Permanent Physical Impairment and loss of physical function of each limb
1. Fore-quarter amputation	100 per cent
2. Shoulder Disarticulation	90 per cent
3. Above Elbow upto upper 1|3 of arm	85 per cent
4. Above Elbow upto lower 1|3 of arm	80 per cent
5. Elbow disarticulation	75 per cent
6. Below Elbow upto upper 1|3 of forearm	70 per cent
7. Below Elbow upto lower 1|3 of forearm	65 per cent
8. Wrist disarticulation	60 per cent
9. Hand through carpal bones	55 per cent
10. Thumb through C.M. or through 1st MC Joint	30 per cent
11. Thumb disarticulation through metacarpophalangeal Joint or through proximal phalanx	25 per cent
12. Thumb disarticulation through inter phalangeal Joint or through distal phalanx.	15 per cent

	Index Finger (15%)	Middle Finger (5%)	Ring Finger (3%)	Lit Fin (2%
13. Amputation through proximal phalanx or disarticulation hrough MP joint	15%	5%	3%	2%
14. Amputation through middle phalanx or disarticulation through PIPj oint.	10%	4%	2%	1%
15. Amputation through distal phalanx or disarticulation through DIP joint.	5%	2%	1%	1%

Lower Limb Amputations

1. Hind quarter	100 per cent
2. Nip disarticulation	90 per cent
3. Above knee upto upper 1|3 of thigh	85 per cent
4. Above knee upto lower 1|3 of thigh	80 per cent
5. Through knee	75 per cent
6. B. K. upto 8 cm	70 per cent
7. B. K. upto lower 1|3 of leg	60 per cent
8. Through Ankle	55 per cent
9. Syme's	50 per cent
10. Upto mid-foot	40 per cent
11. Upto fore-foot	30 per cent
12. All toes	20 per cent
13. Loss of first toe	10 per cent
14. Loss of second toe	5 per cent
15. Loss of third toe	4 per cent
16. Loss of fourth toe	3 per cent
17. Loss of fifth toe	2 per cent

Guidelines for Assessment of Physical Impairment in Neurological Conditions

1. Assessment in neurological conditions is not the assessment of disease but it is the assessment of the effects, i.e. clinical manifestations.

2. Any neurological assessment has to be done after six months of onset.

3. These guidelines will only be used for Central and upper motor neurone lesions.

4. Proforma A & B will be utilized for assessment of lower motor neurone lesions, muscular disorders and other locomotor conditions.

5. Total percentage of physical impairment in neurological conditions will not exceed 100 per cent.

6. In the mixed cases the highest score will be taken into consideration. The lower score will be added to it and calculations will be done by the formula :

$$a + \frac{b\,(100-a)}{100}$$

7. Additional rating of 4 per cent will be given for dominant upper extremity.

8. Additional 10 per cent has been given for sensation in each extremity, but the maximum total physical impairment will not exceed 100 per cent.

Motor System Disability

	Disability Rate
Monoparesis	25 per cent
Monoplegia Hemiparesis	50 per cent
Paraparesis	75 per cent
Paraplegia	100 per cent
Hemiplegia Quadriparesis	75 per cent
Quadriplegia	100 per cent

Sensory System Disability

		Disability Rate
Aneesthesia Rypoaesthesia Paraesthesia	Each Limb	10 per cent

FOR INVOLVEMENT

for involvement of hand|hands	25 per cent
foot|feet	

Guidelines for Assessment of Physical Impairment in Neurological Conditions

1. Assessment in neurological conditions is not the assessment of disease but it is the assessment of the effects, i.e. clinical manifestation.

2. Any neurological assessment has to be done after six months of on set.

3. These guidelines will only be used for Central and upper motor neurone lesions.

4. Proforma A & B will be utilized for assessment of lower motor neurone lesions, muscular disorders and other locomotor conditions.

5. Total percentage of physical impairment in neurological conditions will not exceed 100 per cent.

6. In the mixed cases the highest score will be taken into consideration. The lower score will be added to it and calculations will be done by the formula :

$$a + \frac{b\,(100-a)}{100}$$

7. Additional rating of 4 per cent will be given for dominant upper extremity.

8. Additional 10 per cent has given for sensation in each extremity, but the maximum total physical impairment will not exceed 100 per cent.

Speech disability

	Disability Rate
Mild	25 per cent
Moderate	50 per cent
Severe	75 per cent
Very Severe	100 per cent

Tested by a 100 word text. Ability to read (in educated), comprehend when read out, answer question on text clearly and ability to write a synopsis (in educated).

Guidelines for Evaluation of Physical Impairment due to Cardio Pulmonary Diseases

Basic Guidelines

1. Modified New York Heart Association subjective classification should be utilised to assess the functional disability.

2. The physician should be alert to the fact that patients who come for disability claims are likely to exaggregate their symptoms. In case of any doubt patients should be referred for detailed physiological evaluation.

3. Disability evaluation of cardiopulmonary patients should be done after full medical, surgical and rehabilitative treatment available, because most of these diseases are potentially treatable.

4. Assessment of a cardiopulmonary impairment should also be done in diseases which might have associated cardiopulmonary problems, e.g. amputees, myopathies etc.

The proposed modified classification is as follows :—

Group 0 : A patient with cardiopulmonary disease who is a symptomatic (i.e. has no symptems of breath-lessness palpitation, fatigue or chest pain).

Group 1 : A patient with cardiopulmonary disease who becomes symptomatic during his ordinary physical activity but has mild restriction (25 per cent) of his ordinary physical activities.

Group 2 : A patient with cardiopulmonary disease who becomes symptomatic during his ordinary physical activity and has 25-50 per cent restriction of his ordinary physical activity.

Annexure-V

Mental Disorders

Source : Glossary and guide to their classification.

A publication by W.H.O.

"MENTAL RETARDATION" . A condition of arrested or incomplete development of mind which is especially characterized by subnormality of intelligence. The coding should be made on the individual's current level of functioning without regard to its nature of causation-such as psychosis, cultural deprivation. Down's syndrome etc., where there is a specific cognitive handicap—such as in speech—the four digit coding should be based on assessments of cognition outside the area of specific handicap. The assessment of intellectual level should be based on whatever information is available, including clinical evidence, adaptive behaviour and psychometric findings. The IQ levels given are based on a test with a mean of 100 and a standard deviation of 15—such as the Wechsle scales. They are provided only as a guide and should not be applied rigidly. Mental retardation often involves psychiatric disturbances and may often develop as a result of some physical disease or injury. In these cases, an additional code or codes should be used to identify and associated condition, psychiatric or physical. The impairment and Handicap codes should also be consulted.

(b) MILD MENTAL RETARDATION
Feeble-minded Moron
High Grade defect IQ 50-70
Mild mental subnormality

(c) OTHER SPECIFIED MENTAL RETARDATION

(i) Moderate mental retardation Imbecile IQ 35-49—Moderate mental subnormality

(ii) Severe mental retardation IQ 20-34—Severe mental subnormality

(iii) Profound mental retardation Idiocy IQ under 20—Profound mental subnormality.

(d) UNSPECIFIED MENTAL RETARDATION
Mental deficiency NOS Mental subnormality NOS.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1995

GOVERNMENT OF KERALA

Law (Legislation Publication) Department

NOTIFICATION

No. 9122/Leg.Pbn.4/2015/Law. *Dated, Thiruvananthapuram, 11th May, 2015.*

The following Rules of Government of India, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 23rd day of June, 2014 is hereby republished for general information.

By order of the Governor,

B. G. HARINDRANATH,
Law Secretary.

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

(Department of Social Justice and Empowerment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd June, 2014

G.S.R. 416 (E).– In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (33 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995, namely:—

1. (1) These rules may be called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) (Amendment) Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995, for the Schedule and Annexure-I, the following Schedule and Annexure-I shall be substituted, namely:—

"SCHEDULE

Annexure-I

[*see* rule 12 (4)]

NORMS FOR RELIEF AMOUNT

Sl. No.	*Name of the Offence*	*Minimum amount of Relief*
(1)	(2)	(3)
1	Drink or eat inedible or obnoxious substance [Section 3 (1) (i)]	Ninety thousand rupees or more depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and also commensurate with the indignity, insult, injury and defamation suffered by the victim.

(1)	(2)	(3)
2	Causing injury insult or annoyance [Section 3 (1) (ii)]	
3	Derogatory act [Section 3 (1) (iii)]	Payment to be made as follows— I. 25 per cent when the charge sheet is sent to the court II. 75 per cent when accused are convicted by the lower court
4	Wrongful occupation or cultivation of land, etc. [Section 3 (1) (iv)]	At least Ninety thousand rupees or more depending upon the nature and gravity of the offence. The land or premises or water supply shall be restored where necessary at Government cost. Full payment to be made when charge-sheet is sent to the court.
5	Relating to land, premises and water [Section 3 (1) (v)]	
6	Begar or forced or bonded labour [Section 3 (1) (vi)]	At least Ninety thousand rupees to each victim. Payment of 25 per cent at First Information Report stage and 75 per cent on conviction in the lower court.
7	Relating to right to franchise [Section 3 (1) (vii)]	Upto Seventy five thousand rupees to each victim depending upon the nature and gravity of the offence.
8	False, malicious or vexatious legal proceedings [Section 3 (1) (viii)]	Ninety thousand rupees or reimbursement of actual legal expenses and damages or whichever is less after conclusion of the trial of the accused.
9	False and frivolous information [Section 3 (1) (ix)]	
10	Insult, intimidation and humiliation [Section 3 (1) (x)]	Upto Ninety thousand rupees to each victim depending upon the nature of the offence. Payment of 25 per cent when charge-sheet is sent to the court and rest on conviction.

(1)	(2)	(3)
11	Outraging the modesty of a woman [Section 3 (1) (xi)]	One lakh eighty thousand rupees to each victim of the offence 50 per cent of the amount may be paid after medical examination and remaining 50 per cent at the conclusion of the trial.
12	Sexual exploitation of a woman [Section 3 (1) (xii)]	
13	Fouling of water [Section 3 (1) (xiii)]	Upto Three lakh seventy five thousand rupees or full cost of restoration of normal facility, including cleaning when the water is fouled. Payment may be made at the stage as deemed fit by District Administration.
14	Denial of customary rights of passage [Section 3 (1) (xiv)]	Upto Three lakh seventy five thousand or full cost of restoration of right of passage and full compensation of the loss suffered, if any. Payment of 50 per cent when charge sheet is sent to the court and 50 per cent on conviction in lower-court.
15	Making one desert place of residence [Section 3 (1) (xv)]	Restoration of the site or right to stay and compensation of Ninety thousand rupees to each victim and reconstruction of the house at Government cost, if destroyed. To be paid in full when charge sheet is sent to the lower court.
16	Giving false evidence [Section 3 (2) (i) and (ii)]	At least Three lakh seventy five thousand rupees or full-compensation of the loss or harm sustained. 50 per cent to be paid when charge sheet is sent to Court and 50 per cent on conviction by the lower court.

(1)	(2)	(3)
17	Committing offences under the Indian Penal Code punishable with imprisonment for a term of ten years or more [Section 3 (2) (v)]	At least One lakh eghty thousand rupees depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and or his dependents. The amount shall vary if specifically otherwise provided in the Schedule.
18	Victimization at the hands of a public servant [Section 3 (2) (vii)]	Same as the compensation payable, if the accused was not a public servant.
19	Disability. The definition of disability shall be as given in section 2 of the Persons With Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, and guidelines for their assessment shall be as contained in the Ministry of Social Justice and Empowerment, Government of India Notification No. 154, dated the 1st June, 2001, as amended from time to time. A copy of the notification is at Annexure-II to the Schedule.	
	(a) 100 per cent incapacitation	
	(i) Non-earning Member of a family	At least Three lakh seventy five thousand rupees to each victim of offence. 50 per cent on First Information Report and 25 per cent at charge sheet and 25 per cent on conviction by the lower court.

(1)	(2)	(3)
	(ii) Earning Member of a family	At least Seven lakh fifty thousand rupees to each victim of offence, 50 per cent to be paid on First Information Report or Medical examination stage, 25 per cent when charge sheet sent to court and 25 per cent at conviction in lower court.
	(b)Where incapacitation is less than 100 per cent	Provided that an amount of not less than sixty thousand rupees from the amount payable to non-earning member of a family and an amount of not less than one lakh twenty thousand rupees from the amount payable to an earning member of a family may be reduced.
20	Murder or Death	
	(a) Non-earning Member of a family	At least three lakh seventy five thousand rupees to each case. Payment of 75 per cent after postmortem and 25 per cent on conviction by the lower court.
	(b) Earning Member of a family	At least Seven lakh fifty thousand rupees to each case. Payment of 75 per cent after postmortem and 25 per cent on conviction by the lower court.
21	Victim of murder, death, massacre, rape, mass rape and gang rape, permanent incapacitation and dacoity.	In addition to relief amounts paid under above items, relief may be arranged within three months of date of atrocity as follows--- (i) Pension to each widow and/or other dependents of deceased Scheduled Castes and Scheduled Tribes @ Four thousand five hundred rupees per month, or employment to one member of the family of the deceased, or provision of agricultural land, an house, if necessary by outright purchase.

(1)	(2)	(3)
		(ii) Full cost of the education and maintenance of the children of the victims. Children may be admitted to Ashram Schools or Residential Schools.
		(iii) Provision of utensils, rice, wheat, dals, pulses etc. for a period of three month.
22	Complete destruction of burnt houses	Brick or stone masonary house to be constructed or provided at Government cost where it has been burnt or destroyed".

[F. No. 11012/03/2013-PCR(Desk)]

SANJEEV KUMAR,
Jt. Secretary.

Note:—The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary vide notification number G. S. R. 316 (E), dated the 31st March, 1995 and subsequently amended vide notification G. S. R. 896(E), dated the 23rd December, 2011.

रजिस्ट्री सं० डी०एल०-33004/95

REGD. NO. D.L.-33004/95

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3-- उप-खण्ड (i)
PART II--Section 3 --Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 352] नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 29, 1995/ भाद्र 7, 1917
No. 352] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 29, 1995/BHADRA 7, 1917

कल्याण मंत्रालय

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1995

साo काo निo 604(अ).—भारत के राजपत्र, भाग II , खण्ड 3, उप-खण्ड (i) दिनांक 31 मार्च, 1995 में प्रकाशित कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना सं० साo काo निo 316(अ) दिनांक 31 मार्च, 1995 में निम्नलिखित संशोधन किए गए :—

पृष्ठ सं०	खंड	उप-खंड	पंक्ति	के स्थान पर	पढ़ें
1	2(ज)	—	1	मदों के	पदों के
2	4	(1)	11	किए जाएं	किए जाएंगे
4	10	—	4	जिम्मेदारी	जिम्मेदार
5	11	(3)	1	महला	महिला
5	11	(3)	2	महला या अवयव	महिला या अवयस्क
5	12	(5)	1	अत्याचार पीडित	अत्याचार से पीडित
5	12	(6)	3	नियमों की	नियमों से
6	14	—	7	अधियोजक के कार्यपालक	अभियोजक के कार्यपालक
8	उपाबंध-1 अनुसूचि क्रम संख्या 7 कालम 3		1	20,0000 रुपये	20,000 रुपये (बीस हजार रुपये)
8	उपाबंध-1 क्रम संख्या-10 का कालम-3		2	25,0000 रुपये	25,000 रुपये (पच्चीस हजार रुपये)
8	उपाबंध 1 करम सं० 1 7 का कालम 3		3	विशिष्टि 1 अन्यथा	विशिष्ट रूप से अन्यथा

पृष्ठ सं॰	खंड	उप-खंड	पंक्ति	के स्थान पर	पढ़ें
9	उपाबंध 1 क्रम सं॰ 19		4	अनुबंध 2	उपाबंध-2
9	उपाबंध 1 क्रम सं॰ 19 का कालम-3 (क) (11)		1	2,00,0000 रुपय	2,00,000 रुपये दो लाख रुपये
9	उपाबंध 1 क्रम सं॰ 19 का (ख)		4	कमाने याले	कमाने वाले
10	प्रथम पंक्ति 5	—	—	अनुबंध-2	उपाबंध-2
10	पैरा-2 अंतिम पंक्ति	—	—	अनुबंध-1	उपाबंध-1
10	पैरा 7 अंतिम पंक्ति	—	—	अनुबंध	उपाबंध
16	—	—	—	6	16

[फाइल संख्या 11012/1/89 पी॰सी॰आर॰ (डेस्क)]
गंगा दास, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF WELFARE

CORRIGENDUM

New Delhi, the 28th August, 1995

G.S.R. 604(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Welfare No. G.S.R. 316(E), dated the 31st March, 1995, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India G.S,R. 316(E), dated the 31st March, 1995 the following corrections are made.

Page	Para/Sub-Para	Line	For	*Read*
24	2(c)	5	Victim of	Delete
24	2(d)	5	1866 (21 of 1960)	1860 (21 of 1860)
25	4(3)	3	best of the ability	best of his ability
25	6	1	Spol	Spot
25	8(1)	3	Director of Police	Director General of Police
26	11(1)	4	his/hee	his/her
26	13(1)	1	ensured	ensure
26	13(1)	2	o be	to be
26	13(1)	6	posts and police station	Omit posts and police station
27	15(1)	5	officers a different	officers at different
27	18	2	every before	every year before
28	16	1	(Section 3(2) (1) and (ii)	(Section 3(2)(i) and (ii)
28	17	3	(Section 3(2)·)	(Section 3(2) (v))
32	Annexure-I 3	6	Shahti	Shakti
32	4	4	Shuhla	Shukla
32	5	1	Venhataswami	Venkataswamy
32	Last line	5	Shahti	Shakti
33		29	Shahti	Shakti

[F. No. 11012/1/89-PCR (Desk)]
GANGA DAS, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1995

CS43

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 568] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 5, 2014/कार्तिक 14, 1936
No. 568] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 5, 2014/KARTIKA 14, 1936

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
(सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2014

सा.का.नि. 774(अ).—केंद्रीय सरकार, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (1989 का 33) की धारा 23 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) नियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन नियम, 2014 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) नियम, 1995 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के, नियम 17 के उप-नियम (2क) का लोप किया जाएगा।

3. उक्त नियमों के, नियम 17क में,-

(क) उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :--"(2) उप खंडस्तरीय सतर्कता और मानीटरिंग समिति में उप-खंड से राज्य विधान सभा और राज्य विधान परिषद् के सदस्य, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से संबंधित पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित सदस्य, पुलिस उप-अधीक्षक, तहसीलदार, ब्लॉक विकास अधिकारी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से संबंधित दो से अनधिक अशासनिक सदस्य और गैर सरकारी संगठनों से सहयुक्त अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से भिन्न प्रवर्गों से दो से अनधिक सदस्य होंगे।";

(ख) उप-नियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :--

"(3) उप खंड स्तरीय सतर्कता और मानीटरिंग समिति के अध्यक्ष और सदस्य सचिव क्रमश: उपखंड मजिस्ट्रेट और ब्लॉक विकास अधिकारी होंगे ।";

(ग) उपनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम अंत:स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :--

"(4) उपखंड स्तरीय सतर्कता और मानीटरिंग समिति तीन मास में कम से कम एक बार बैठक करेगी" ।

[फा. सं. 11012/2/2008/पीसीआर(डेस्क)]

संजीव कुमार, संयुक्त सचिव

टिप्पण: मूलनियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उप-खंड (i)में अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 316(अ) तारीख 31 मार्च, 1995 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन अधिसूचना सा.का.नि. 416(अ), तारीख 23 जून, 2014 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

(Department of Social Justice and Empowerment)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th November, 2014

G.S.R. 774(E).---In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 23 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (33 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995, namely:-

1. (1)These rules may be called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Amendment Rules, 2014.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the said rules) in rule 17, sub-rule (2A) shall be omitted.

3. In the said rules, in rule 17A,--

(a) for sub-rule(2), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

" (2) The sub-division level vigilance and monitoring committee shall consist of members of State Legislative Assembly and State Legislative Council from the sub-division, elected members of Panchayati Raj Institutions belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, Deputy Superintendent of Police, Tehsildar, Block Development Officer, not more than two non -official members belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, and not more than two members from the categories other than the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes having association with non-Government organisations.";

(b) for sub-rule(3), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(3) The Sub-Divisional Magistrate shall be the Chairperson and the Block Development Officer, the Member Secretary, respectively of the sub-division level vigilance and monitoring committee.";

(c) after sub-rule(3), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

"(4) The sub-division level vigilance and monitoring committee shall meet at least once in three months".

[F. No. 11012/2/2008-PCR (Desk)]

SANJEEV KUMAR, Jt. Secy.

Note: The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, Sub-section(i) *vide* notification number G.S.R. 316(E), dated the 31st March, 1995 and lastly amended vide notification G.S.R. No. 416(E), dated the 23rd June, 2014.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054

Kerala Gazette No. 32 dated 12th August 2014.

PART I **Section ii**

GOVERNMENT OF KERALA

Law (Legislation-Publication) Department

NOTIFICATION

No. 10894/Leg.Pbn.4/2014/Law. *Dated, Thiruvananthapuram, 4th June, 2014.*

The following Rules of Government of India, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 23rd day of December, 2011 is hereby republished for general information.

By order of the Governor,

C. P. RAMARAJA PREMA PRASAD,
Law Secretary.

G. 28/2014/DTP.

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd December, 2011

G. S. R. 896(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (33 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995, namely:—

1. *(1)* These rules may be called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) (Amendment) Rules, 2011.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the principal rules), in clause (iv) of sub-rule (1) of rule 16, for the words and figure "Director/Deputy Director, National Commission for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes", the words, "representatives of the National Commission for Scheduled Castes and the National Commission for Scheduled Tribes" shall be substituted.

3. In the principal rules, for the schedule and Annexure-I, the following shall be substituted, namely:—

"SCHEDULE

Annexure-I

[*See* rule 12(4)]

NORMS FOR RELIEF AMOUNT

Sl. No.	*Name of the Offence*	*Minimum amount of Relief*
(1)	(2)	(3)
1	Drink or eat inedible or obnoxious substance [Section 3 (1) (i)]	Rs. 60,000 or more depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and also commensurate with the indignity, insult, injury and defamation suffered by the victim.

(1)	(2)	(3)
2	Causing injury insult or annoyance [Section 3(1) (ii)]	Payment to be made as follows: I. 25% when the charge sheet is sent to the Court II. 75% when accused are convicted by the lower court.
3	Derogatory act [Sec. 3 (1) (iii)]	
4	Wrongful occupation or cultivation of land, etc. [Section 3 (1) (iv)]	At least Rs. 60,000 or more depending upon the nature and gravity of the offence. The land/premises/water supply shall be restored where necessary at Government cost, Full payment to be made when charge-sheet is sent to the court.
5	Relating to land, premises and water [Section 3 (1) (v)]	
6	Begar or forced or bonded labour [Section 3 (1) (vi)]	At least Rs. 60,000 to each victim, payment of 25% at FIR stage and 75% on conviction in the lower court.
7	Relating to right to franchise. [Section 3(1) (vii)]	Upto Rs. 50,000 to each victim depending upon the nature and gravity of the offence.
8	False, malicious or vexatious legal proceedings [Section 3(1) (viii)]	Rs. 60,000 or reimbursement of actual legal expenses and damages or whichever is less after conclusion of the trial of the accused.
9	False and frivolous information [Section 3(1)(ix)]	
10	Insult, intimidation and humiliation [Section 3 (1) (x)]	Upto Rs. 60,000 to each victim depending upon the nature of the offence. Payment of 25% when charge-sheet is sent to the court and rest on conviction.
11	Outraging the modesty of a woman [Section 3 (1) (xi)]	Rs. 1,20,000 to each victim of the offence. 50% of the amount may be paid after medical examination and remaining 50% at the conclusion of the trial.
12	Sexual exploitation of a woman [Section 3 (1) (xii)]	

(1)	(2)	(3)
13	Fouling of water [Section 3 (1) (xiii)]	Upto Rs. 2,50,000 or full cost of restoration of normal facility, including cleaning when the water is fouled. Payment may be made at the stage as deemed fit by District Administration.
14	Denial of customary rights of passage [Section 3(1) (xiv)]	Upto Rs. 2,50,000 or full cost of restoration of right of passage and full compensation of the loss suffered, if any. Payment of 50% when charge sheet is sent to the court and 50% on conviction in lower-court.
15	Making one desert place of residence [Section 3(1) (xv)]	Restoration of the site/right to stay and compensation of Rs. 60,000 to each victim and reconstruction of the house at Govt. cost, if destroyed, To be paid in full when charge sheet is sent to the lower court.
16	Giving false evidence [Section 3(2) (i) and (ii)]	At least Rs. 2,50,000 or full-compensation of the loss or harm sustained. 50% to be paid when charge sheet is sent to Court and 50% on conviction by the lower court.
17	Committing offences under the Indian Penal Code punishable with imprisonment for a term of 10 years or more [Section 3 (2)]	Atleast Rs. 1,20,000 depending upon the nature and gravity of the offence to each victim and or his dependents. The amount would vary if specifically otherwise provided in the Schedule.
18	Victimization at the hands of a public servant [Section 3(2) (vii)]	Full compensation on account of damages or loss or harm sustained. 50% to be paid when charge-sheet is sent to the Court and 50% on conviction by lower court.

(1)	(2)	(3)
19	Disability. The definition of disability shall be as given in Section 2 of the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, and guidelines for their assessment shall be as contained in the Ministry of Social Justice & Empowerment, G. O. I. Notification No. 154, dated 1-6-2001, as amended from time to time. A copy of the Notification is at Annexure-II to the Schedule.	
	(a) 100% incapacitation	
	(i) Non-earning Member of a family	At least Rs. 2,50,000 to each victim of offence. 50% on FIR and 25% at charge sheet and 25% on conviction by the lower court.
	(ii) Earning Member of a family	At least Rs. 5,00,000 to each victim of offence, 50% to be paid on FIR/Medical examination stage, 25% when charge-sheet sent to court and 25% at conviction in lower court.
	(b) Where incapacitation is less than 100%	The rates as laid down in a (i) and (ii) above shall be reduced in the same proportion, the stages of payments also being the same. However, not less than Rs. 40,000 to non earning member and not less than Rs. 80,000 to an earning member of a family.

(1)	(2)	(3)
20	Murder/Death	
	(a) Non-earning Member of a family	At least Rs. 2,50,000 to each case. Payment of 75% after postmortem and 25% on conviction by the lower court.
	(b) Earning Member of a family	At least Rs. 5,00,000 to each case. Payment of 75% after postmortem and 25% on conviction by the lower Court.
21	Victim of murder, death, massacre, rape mass rape and gang rape, permanent incapacitation and dacoity	In addition to relief amounts paid under above items, relief may be arranged within three months of date of atrocity as follows:—
		(i) Pension to each widow and/or other dependents of deceased SC and ST @ Rs. 3,000 per month, or Employment to one member of the family of the deceased, or provision of agricultural land, an house, if necessary by outright purchase.
		(ii) Full cost of the education and maintenance of the children of the victims. Children may be admitted to Ashram Schools/ residential schools.
		(iii) Provision of utensils, rice, wheat, dals, pulses, etc. for a period of three month.
22	Complete destruction/burnt houses	Brick/stone masonary house to be constructed or provided at Government cost where it has been burnt or destroyed."

4. In the principal rules, for the existing Annexure-II, the following Annexure-II, shall be substituted, namely:—

"Annexure–II

[*See* rule 12(4) & 19]

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st June, 2001

Subject :—Guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification.

No. 16-18/97-NI. I.—In order to review the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification as given in the Ministry of Welfare's 'O.M. No. 4-2/83-HW.-III, dated the 6th August, 1986 and to recommend appropriate modifications/alterations keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, Government of India in Ministry of Social Justice and Empowerment, vide Order No. 16-18/97-NI. I, dated 28-8-1998, set up four committees under the Chairmanships of Director General of Health Services-one each in the area of mental retardation, Locomotor/ Orthopaedic disability, Visual disability and Speech & Hearing disability. Subsequently, another Committee was also constituted on 21-7-1999 for evaluation, assessment of multiple disabilities and categorization and extent of disability and procedures for certification.

2. After having considered the reports of these committees the undersigned is directed to convey the approval of the President to notify the guidelines for evaluation of following disabilities and procedure for certification:—

1. Visual impairment
2. Locomotor/Orthopaedic disability
3. Speech & hearing disability
4. Mental retardation
5. Multiple Disabilities.

Copy of the Report is enclosed herewith as **Annexure.**

3. The minimum degree of disability should be 40% in order to be eligible for any concessions/benefits.

4. According to the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Rules, 1996 notified on 31-12-1996 by the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 73 of the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995 (1 of 1996), authorities to give Disability Certificate will be a Medical Board duly constituted by the Central and the State Government. The State government may constitute a Medical Board consisting of at least three members out of which at least one shall be a specialist in the particular field for assessing locomotor/Visual including low vision/hearing and speech disability, mental retardation and leprosy cured, as the case may be.

5. Specified test as indicated in **Annexure** should be conducted by the medical board and recorded before a certificate is given.

6. The certificate would be valid for a period of five years for those whose disability is temporary. For those who acquire permanent disability, the validity can be shown as 'Permanent'.

7. The State Governments/UT Administrations may constitute the medical boards indicated in para 4 above immediately, if not done so far.

8. The Director General of Health Services Ministry of Health and Family Welfare will be the final authority, should there arise any Controversy/doubt regarding the interpretation of the definitions/classifications/evaluations tests etc.

GAURI CHATTERJI,

Jt. Secretary.

Annexure

Reports of the Committee set UP to review the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification and to recommend appropriate modifications/alternations keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act 1995.

In order to review the definitions of various types of disability, the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification as given in the Ministry of Welfare's O.M. No. 4-2/83-HW.III, dated the 6th August, 1986 and to recommend appropriate modifications/alterations keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, five Sub-Committees were constituted in the areas of Mental Retardation, Orthopedic/Locomotor Disability, Visual Disability, Speech & Hearing and Multiple Disabilities, under the Chairmanship of Dr. S. P. Agarwal, Director General of Health Services, vide the Ministry of Social Justice & Empowerment's Order No.16-18/97-NI.I, dated 28-8-1998 and 21-7-1999. A copy each of the Order is at **Appendix-I.**

2. These Sub-Committees, after detailed deliberations, have submitted their reports. List of-participants of the meetings taken by the Committee is at Appendix-II. The reports of the Committees set up to review the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification on each of the area of the disabilities are given in **Appendix-III.**

Appendix–I

No. 16-18/97-NI. I

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Social Justice & Empowerment

New Delhi, Dated 28th August 1998.

ORDER

In order to review the definitions of various types of disability, the guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification as given in the Ministry of Welfare's O.M. No. 4-2/83-HW. III, dated the 6th August, 1986 and to recommend appropriate modifications/alterations keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, the following. Sub-Committees are hereby constituted in the areas of Mental Retardation, Orthopedic/Locomotor Disability, Visual Disability and Speech & Hearing Disability:

I. Sub-Committee on Mental Retardation :

1. Dr. S. P. Aggarwal, Director General, Health Services, Ministry of Health and Family Welfare, Nirman Bhawan, New Delhi-11 : Chairperson
2. Dr. R. Srinivastava Murthy, Prof. & Head, Deptt. of Psychiatry, NIMHANS, Bangalore-22. : Co-Chairperson
3. Dr. G. G. Prabhu, Workchil Court, Mysore. : Member
4. Dr. (Mrs.) Neena Vohra, Consultant & HOD, Psychiatry, Dr. R.M.L. Hospital, New Delhi. : Member

5. Dr. Anand Pandit, : Member
   Hony. Prof. & Director,
   KEM Hospital, Pune-11.

6. Dr. D. K. Menon, : Member-Secretary
   Director,
   National Instt. for Mentally
   Handicapped, Secunderabad.

II. Sub-Committee on Locomotor/Orthopaedic Disability :

1. Dr. S. P. Aggarwal, : Chairperson
   DGHS,
   Ministry of Health,
   Nirman Bhavan, New Delhi-11

2. Dr. K. K. Singh, : Co-Chairperson
   Prof. & Head, AHMS, New Delhi.

3. Dr. Balu Sankaran, : Member
   FX-DOHS FX-Chairman,
   ALIMCO, New Delhi

4. Dr. Suranjan Bhattacharji, : Member
   HOD, Deptt. of PMR,
   CMC Hospital, Vellore.

5. Dr. R. K. Srivastava, : Member
   Medical Superintendent,
   Safdarjung Hospital, New Delhi.

6. Dr. B. P. Yadav, : Member
   Ex-Chairman,
   Rehab Council of India, New Delhi.

7. Dr. B. R. Avadhani, : Member-Secretary
   Director IPH, New Delhi.

III. Sub-Committee on Visual Disability:

1.	Dr. S. P. Aggarwal, D.G.H.S., Ministry of Health, New Delhi	: Chairperson
2.	Dr. V. K. Dada, Head, Dr. R. P. Centre, AIIMS, New Delhi.	: Co-Chairperson
3.	Dr. Hari Mohan, Director, Mohan Eve Institute, Rajender Nagar, New Delhi	: Member
4.	Shri Lal Advani, Consultant, Saket, New Delhi	: Member
5.	Dr. Bhushabn Punani, Blind Men's Association, Ahmedabad	: Member
6.	Shri S. A. Datrange, National Association for the Blind, Mumbai.	: Member
7.	Dr. S. R. Shukla, Director, NIVH, Dehradun.	: Member-Secretary

IV. Sub-Committee on Speech & Hearing Disability:

1.	Dr. S. P. Aggarwal, D.G.H.S., Ministry of Health, New Delhi.	: Chairperson
2.	Dr. S. K. Kacker, Ex-Director, AIIMS, New Delhi.	: Co-Chairperson

3. Dr. S. Nikam, : Member
   Director, AIIMS, Mysore

4. Dr. J. M. Hans, : Member
   Sr. ENT Surgeon,
   Dr. RML Hospital, New Delhi

5. Dr. M. Raghunath, : Member
   Professor in Audiology,
   PGIMER, Chandigarh

6. Dr. (MRS) Rekha Roy, : Member-Secretary
   Director,
   AYJNIHH Mumbai-400050.

2. The terms of reference for the Committees are as follows:

   (a) Providing uniform definitions and categorisation of degree and extent of the disability.

   (b) Recommending authorities competent to give certification.

   (c) The Committees will submit their report in two months.

3. TA/DA to the members of the Committee will be borne by the concerned Institute whose Director is included as Member-Secretary of the Sub-Committee.

(GAURI CHATTERJEE),
Joint Secretary to Govt. of India,
Tele No. 3381641

To,

All Members of the Committees.

Copy for information to :
PSs to Secretary (SJ & E)/AS (SJ & E), JS (DD).

No. 16-18-97-NI. I

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Social Justice & Empowerment

Shastri Bhavan,
New Delhi Dated 21st July, 1999.

ORDER

It has been decided to constitute a Sub-Committee in the sector of Multiple Disability, in order to have standard definitions and guidelines for evaluation and procedure for certification, arid to make appropriate recommendations keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995. Accordingly, a Sub-Committee is hereby constituted in the sector of multiple disability, with the following Members:

1. Dr. S. P. Aggarwal, Director General of Health Services, Ministry of Health & Family Welfare, Nirman Bhavan, New Delhi. : Chairman
2. Smt. Aloka Guha, Director, Spastics Society of Tamil Nadu, Opp.TTTI, Taramani Road, Chennai-13 : Member
3. Dr. H. C. Goyal, Consultant, Rehabilitation Department Safdarjung Hospital, New Delhi. : Member
4. Dr. Uma Tuli, General Secretary, Amar Jyoti Charitable Trust, N-192, Greater Kailash-1, New Delhi-110 048. : Member
5. Dr. D. K. Menon, Director, National Institute for the Mentally Handicapped, Manovikasnagar, Secunderabad-500 009 : Member-Secretary

3. The terms of reference for the Committee are as follows:—

(a) Providing uniform definitions and categorisation of degree and extent of the disabilities.

(b) Recommending authorities competent to give certification.

(c) The Committee will submit its report in two months.

4. TA/DA to the members of the Committee will be borne by the National Institute for the Mentally Handicapped, Secunderabad.

(GAURI CHATTERJI)
Joint Secretary to the Government of India.
Tele No. 3381641

To:

All Members of the Committees

Copy for information to:—

PSs to Secretary (SJ & E)/AS (SJ & E)/JS (DD).

Appendix-II

List of participants of the meeting held on 29-2-2000 under the Chairmanship of Dr. S. P. Agarwal, Director General of Health Services with the Members of Subcommittee constituted vide Order No. 16-18/96-NI. I (PWD) dated 28-8-1998 of Ministry of Social Justice & Empowerment.

1. Dr. R. K. Srivastava. Addl.Director General of Health Services.
2. Dr. V. K. Dada, Head, R.P. Centre, AIIMS, New Delhi.
3. Dr. R. Srinivasa Murthy, Prof. & HOD, Deptt. of Psychiatry, NIMHANS, Bangalore.
4. Dr. O.K. Menon, Director, NIMH, Hyderabad.
5. Dr. Rekha Roy, Director, NIHH, Mumbai.
6. Dr. S.R. Shukla, Director, NIVH, Dehradun.
7. Dr. Dharmendra Kumar, Officiating Director, NIRTAR, Cuttack.
8. Dr. A. S. Bais, Deputy Director General (Medical).
9. Dr. S.Chug, Consultant in Medicine & Chairman, Medical Board, Dr. RML Hospital.
10. Dr. LS. Chauhan, ADG (IH),
11. Dr. A. N. Sinha, CMO (HA).

List of participants of the meeting held on 17-8-2000 under the Chairmanship of Dr. S. P. Agarwal, Director General of Health Services with the Members of Subcommittee constituted vide Order No. 16-18/96-NI. I (PWD) dated 21-7-1999 of Ministry of Social Justice & Empowerment.

1. Dr. R. K. Srivastava, Addl. Director General of Health Services.
2. Dr. H. C. Goyal, Consultant & HOD, Rehabilitation, S.J.Hospital, New Delhi.
3. Dr. O. K. Menon, Director, National Institute for the Mentally Handicapped, Secunderabad.
4. Smt. Aloka Guha, Director, Spastic Society of Tamil Nadu, Opp. TTTI, Taramani Road, Chennai-13.
5. Dr. A.N. Sinha, CMO (HA).

Appendix-III

A. Mental Retardation

1. *Definition*:—Mental retardation is a condition of arrested or incomplete development of the mind, which is especially characterised by impairment of skills manifested during the development period which contribute to the over all level of intelligence, i.e., cognitive, language, motor and social abilities.

2. *Categories of Mental Retardation*:—

2.1 *Mild Mental Retardation*:—The range of 50 to 69 (standardised IQ test) is indicative of mild retardation. Understanding and use of language tend to be delayed to a varying degree and executive speech problems that interfere with the development of independence may persist into adult life.

2.2 *Moderate Mental Retardation*:—The IQ is in the range of 35 to 49. Discrepant profiles of abilities are common in this group with some individuals achieving higher levels in visuo-spatial skills than in tasks dependent on language while others are markedly clumsy by enjoy social interaction and simple conversation. The level of development of language in variable: some of those affected can take part in simple conversations while others have only enough language to communicate their basic needs.

2.3 *Severe Mental Retardation*:—The IQ is usually in the range of 20 to 34. In this category, most of the people suffer from a marked degree of motor impairment or other associated deficits indicating the presence of clinically significant damage to or mal-development of the central nervous system.

2.4 *Profound Mental Retardation*:—The IQ in this category estimated to be under 20. The ability to understand or comply with requests or instructions are severally limited. Most of such individuals are immobile or severally restricted in mobility, incontinent and capable at most of only very rudimentary forms of non-verbal communication. They posses little or no ability to care for their own basic needs and require constant help and supervision

3. *Process of Certifications*:—

3.1 A disability certificate shall be issued by a Medical Board consisting of three members duly constituted by the Central/State Government. At least, one shall be a Specialist in the area of mental retardation, namely. Psychiatrist, Paediatrician and clinical Psychologist.

3.2 The examination process will consist of three components, namely, clinical assessment, assessment of adaptive behaviour and intellectual functioning

B. Visual Disability

1. *Definition*:—Blindness refers to a condition where a persons suffers from any of the condition, namely:—

(i) total absence of sight; or

(ii) visual acuity not exceeding 6/60 or 20/200(snellen) in the better eye with best correcting lenses; or

(iii) limitation of field of vision subtending an angle of 20 degree or worse;

2. *Low Vision*:—Persons with low vision means a person a with impairment of vision of less than 6/18 to 6/60 with best correction in the better eye or impairment of field in any one of the following categories:—

(a) reduction of fields less than 50 degrees

(b) Heminaopia with macular involvement

(c) Altitudinal defect involving lower fields.

Categories of Visual Disability:
All with correction

Category	*Better eye*	*Worse eye*	*% age impairment*
Category 0	6/9-6/18	6/24 to 6/36	20 %
Category I	6/18-6/36	6/60 to Nil	40 %
Category II	6/40-4/60 or field of vision 10°-20°	3/60 to Nil	75 %
Category III	3/60 to 1/60 or field of vision 10°	F.C. at 1ft. to Nil	100 %
Category IV	F.C. at 1ft. to Nil or field of vision 10°	F.C. at 1ft. to Nil	100 %
One eyed persons	6/6	F.C. at 1ft. to Nil or field of vision 10°	30 %

Note:—F.C. means Finger Count.

4. *Process of Certification*

A disability certificate shall be issued by a Medical Board duly constituted by the Central/State Government having, at least three members. Out of which, at least one member shall be a specialist in ophthalmology.

B. Speech & Hearing Disability

1. *Definition of Hearing*:—A person with hearing Impairment having difficulty of various degrees in hearing sounds is an impaired person.

2. *Categories of Hearing Impairment.*

Category	*Type of Impairment*	*D B Level*	*Speech discrimination*	*% age of impairement*
I	Mild hearing Impairment	DB 26 to 40 dB in better ear	80 to 100 % in better ear	Less than 40% to 50%
II (a)	Moderate hearing	41 to 60 dB in better ear	50 to 80 % in better ear	40% to 50%
II (b)	Serve hearing Impairment	61 to 70 dB hearing Impairment in better ear	40 to 50 % in better ear	51% to 70%
III	(a) Profound hearing Impairment	71 to 90 dB	Less than 40% in better ear	71% to 100%
	(c) Total deafness	91 db and above/in better ear/to hearing	Very Poor discrimination	100 %

(i) Pure tone average of learning in 500, and 2000 HZ, 4000 HZ by conduction (AC and BC) should be taken as basis for consideration as per the test recommendations.

(ii) When there is only as island of hearing present in one or two frequencies in better ear, it should be considered as total loss of hearing.

(iii) Wherever there is no response (NR) at any of the 4 frequencies (500, 1000, 2000 and 4000 HZ), it should be considered as equivalent to 100 dB loss for the purpose of classification of disability and in arriving at the average.

3. *Process of Certification*

A disability certificate shall be issued by a Medical Board duly constituted by the Central and the State Government. Out of which, at least, one member shall be a specialist in the field of ENT.

C. Locomotor Disability

1. *Definition.—*

(i) Impairment: An impairment in any loss or abnormality of psychological, physiological or anatomical structure or function in a human being.

(ii) Functional Limitations: Impairment may cause functional limitations which are partial or total inability to perform those activities, necessary for motor, sensory or mental function within the range or manner of which a human being is normally capable.

(iii) Disability: A disability, is any restriction or lack (resulting from an impairment) of ability to perform an activity in the manner or within the range considered normal for a human being.

(iv) Locomotor Disability: Locomotor disability is defined as a persons inability to execute distinctive activities associated with moving both himself and objects, from place to place and such inability resulting from affliction of musculoskeletal and/or nervous system.

2. *Categories of Locomotor Disability*

The categories of locomotor disabilities are enclosed at Annexure-A.

3. *Process of Certification*

A disability certificate shall be issued by a Medical Board of three members duly constituted by the Central and the State Government, out of which, at least, one member shall be a specialist from either the field of Physical Medicine and Rehabilitation or Orthopaedics.

Two specimen copies of the disability certificate for mental retardation and others (visual disability, speech and hearing disability and locomotor disability) are enclosed at Annexure-B.

It was also decided that whenever required the Chairman of the Board may co-opt other experts including that of the members constituted for the purpose by the Central and the State Government.

On representation by the applicant, the Medical Board may review its decision having regard to all the facts and circumstances of the case and pass such order in the matter as it thinks fit.

Annexure—A

Locomotor Disability Revised Guidelines for Evaluation of the Permanent Physical Impairment

1.1 Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment of Upper Limb.

1. The estimation of permanent impairment depends upon the measurement of functional impairment and is expression of a personal opinion.

2. The estimation and measurement should be made when the clinical condition has reached the stage of maximum improvement from the medical treatment. Normally the time period is to be decided by the medical doctor who is evaluating the case for issuing the PPI Certificate as per standard format of the certificate.

3. The upper limb is divided into two component parts; the arm component and the hand component.

4. Measurement of the loss of function of arm component consists of measuring the loss of motion, muscle strength and co-ordinated activities.

5. Measurement of loss of function of hand component consists of determining the prehension, sensation and strength. For estimation of prehension opposition, lateral pinch cylindrical grasp, spherical grasp and hook grasp have to be assessed as shown in Hand Component of Form A Assessment Proforma for upper extremity.

6. The impairment of the entire extremity depends on the compination of the functional impairments of both components.

1.2 *ARM Component*

Total value of arm component is 90%

1.2.1 *Principles of evaluation of range of motion (ROM) of joints*

1. The value of maximum ROM in the arm component is 90%
2. Each of the three joints of the arm is weighed equally (30%)

Example :

The intra articular fractures of the bones of right shoulder joint may affect range of motion even after healing. The loss of ROM should be calculated in each arc of motion as envisaged in the Assessment Form A (Assessment Proforma for Upper Extremity).

Arc of ROM	*Normal value*	*Active ROM*	*Loss of ROM*
Shoulder Flexion-	0-220	110	50%
Rotation	0-180	90	50%
Abduction-Adduction	0-180	90	50%

Hence the mean loss of ROM of shoulder will be 50+50+50/3 =150/3 = 50%

Shoulder movements constitute 30% of the motion of the arm component, therefore the loss of motion for arm component will be 50 × 0.3d = 15%. If more than one joint of the arm is involved the loss of percentage in each joint is calculated separately as above and then added together.

1.2.2. *Principles of evaluation of strength of muscles:*

1. Strength of muscles can be tested by manual method and graded from 0-5 as advocated by Medical Research Council of Great Britain depending upon the strength of the muscles.

2. Loss of muscle power can be given percentages as follows:

Manual muscle Strength grading	*Loss of Strength in percentage*
0	100%
1	80%
2	60%
3	40%
4	20%
5	0%

3. The mean percentage of loss of muscle strength around a joint is multiplied by 0.30.

4. If loss of muscle strength involves more than one joint the mean loss of percentage in each joint is calculated separately and then added together as has been described for loss of motion.

1.2.3 *Principles of evaluation of coordinated activities*:

1. The total value for coordinated activities is 90%
2. Ten different coordinated activities should be tested as given in Form A. (Appendix. I of Annexure-A)
3. Each activity has a value of 9%

1.2.4 *Combining values for the Arm component*:

The total value of loss of function of arm component is obtained by combining the value of loss of ROM, muscle strength and coordinated activities, using the combing formula.

$$\frac{a + b\,(90-a)}{90}$$

where a = higher value

b = lower value

EXAMPLE

Let us assume that an individual with an intra articular fracture of bones of shoulder joint in addition to 16.5% loss of motion in arm has 8.3% loss of strength of muscles and 5% loss of coordination. These values should be combined as follows:

Loss of ROM - 16.5% $16.5 + \frac{8.3(90-16.5)}{90}$

Loss of strength of muscles - 8.3% $= 23.33\%$

To add

Loss of coordination - 5% $23.3 + \frac{5(90-23.3)}{90} = 27.0\%$

So the total value of loss of function in Arm component will be 27.0%

1.3 *Hand Component:*

1. Total value of hand component is 90%
2. The functional impairment of hand is expressed as loss of prehension, loss of sensation and loss of strength

1.3.1 *Principles of evaluation of prehension*:

1. Total value of prehension is 30% it includes

(a) Opposition - 8%

Tested against—Index finger-2%
Middle finger-2 %
Ring-2%
Little finger - 2%

(b) Lateral pinch -5%—Tested by asking the patient to hold a key between the thumb and lateral side of index finger.

(c) Cylindrical grasp - 6% Tested for

(i) Large object of 4 inches size -3%

(ii) Small object of 1 inch size - 3%

(d) Spherical grasp -6% Tested for

(i) Large object of 4 inches size - 3%

(ii) Small object of 1 inch size - 3%

(e) Hook grasp - 5% -Tested by asking the patient to lift a bag

1.3.2. *Principles of Evaluation of sensation*:

1. Total value of sensation in hand is 30%
2. It should be assessed according to the distribution given below:
   (i) Complete loss of sensation
   Thumb ray 9%
   Index finger 6%
   Middle finger 5%
   Ring finger 5%
   Little finger 5%
   (ii) Partial loss of sensation: Assessment should be made according to percentage of loss of sensation in thumb/finger(s)

1.3.3. *Principles of Evaluation of strength*

1. Total value of strength is 30%
2. It includes:
   (i) Grip strength 20%
   (ii) Pinch strength 10%

Strength of hand should be tested with hand dynamo-meter or by clinical method (grip method).

Additional weightage—A total of 10% additional weightage can be given to following accompanying factors if they are continuous and persistent despite treatment.

1. Pain
2. Infection
3. Deformity
4. Mat-alignment
5. Contractures
6. Cosmetic disfiguration
7. Dominant extremity-4%
8. Shortening of upper limb

   First 1"—No weightage
   For each 1" beyond first 1"—2%

The extra points should not exceed 10% of the total Arm Component and total PPI should not exceed 100% in any case.

1.3.4. *Combining values of hand component*:

The final value of loss of function of hand component is obtained by summing up values of loss of prehension, sensation and strength.

1.3.5. *Combining values for the Extremity*:

Values of impairment of arm component and impairment of hand component should be added by using combining formula:

$$a + \frac{b\,(90-a)}{90}$$

a = higher value
b = lower value

Example:

Impairment of Arm - 27% $64+\frac{27(90-64)}{90}$

Impairment of Hand - 64% = 71.8%

The total value can also be obtained by using the Ready Reckoner Table for combining formula given at *Appendix II of Annexure A.*

2. *Guidelines for Evaluation of permanent physical Impairment in Lower Limb*

The measurement of loss of function in lower extremity is divided into two components: Mobility and standing components.

2.1 *Mobility Component:*—

1. Total value of mobility component is 90%
2. It includes range of movement (ROM) and muscle strength

2.1.1. *Principles of Evaluation of Range of Movement*:

1. The value of maximum range of movement in mobility component is 90%.
2. Each of three joints i.e. hip, knee and foot-ankle component is weighed equally-30%.

Example:

A fracture of right hip joint bones may affect range of motion of the hip joint. Loss of ROM of the affected hip in different are should be assessed as given in Form B (Assessment Proforma for lower extremity). *(Appendix I of Annexure A)*

Affected Joint-Rt. Hip: Arc of Movement	*Normal ROM*	*Active ROM*	*Loss in percentage*
Flexion-Extension	0-140	70	50%
Abduction-Adduction	0-90	60	33%
Rotations	0-90	30	66%

$$\text{Mean loss of ROM of Rt. Hip} = \frac{50 + 33 + 66}{3} = 50\%$$

Since the hip constitute 30% of the total mobility component of the lower limb the loss of motion in relation to the lower limb will be 50 x 0.30=15%.

If more than one joint of the limb is involved the mean loss of ROM in percentage should be calculated in relation to individual joint separately and then added together as follows to calculate the loss of mobility component in relation to that particular limb.

For example:

Mean loss of ROM of Rt. Hip 50%

Mean loss of ROM Rt. Knee 40%

Loss of mobility component of Rt. Lower Limb will be

$$(50 \times 0.30)+(40 \times 0.30) = 27\%$$

2.1.2. *Principle of Evaluation of Muscle Strength:*

1. The value for maximum muscle strength in the limb is 90%
2. Strength of muscles can be tested by Manual Method and graded 0-5 as advocated by MRC of Great Britain depending upon the residual strength in the muscle group.
3. Manual muscle grading can be given percentage like below:

Power Grade of Ms	*Loss of strength in percentage*
0	100%
1	80%
2	60%
3	40%
4	20%
5	0%.

4. Mean percentage of muscle strength loss around a joint is multiplied by 0.30 to calculate loss in relation to limb.

5. If there has been a loss muscle strength involving more than one joint the values are added as has been described for loss of ROM.

2.1.3. *Combining values for mobility component:*

1. The values of loss of ROM and loss of muscle strength should be combined with the help of combining formula: $a+b\frac{(90-a)}{90}$

(a = higher value, b = lower value)

Example:—Let us assume that the individual with a fracture of right hip bones has in addition to 16% loss of motion, 8% loss of muscle strength also.

Combined values

Motion-16% $16 + 8\frac{(90-16)}{90}$

Strength-8% = 22.6%

2.2 *Stability component:*

1. Total value of the stability component is 90%.

2. It should be tested by clinical method as given in Form B (Assessment Proforma for lower extremity). There are nine activities, which need to be tested, and each activity has a value of ten per cent. (10%). The percentage valued in relation to each activity depends upon the percentage of loss stability in relation to each activity.

2.3 *Extra points*:

Extra points have been given for pain, deformities, contractures, loss of sensations and shortening Maximum points to be added are 10% (excluding shortening). Details are as following:

(i) Deformity	In functional position	3%
	In non-functional position	6%
(ii) Pain	Severe (grossly interfering with function)	9%
	Moderate (moderately interfering with function)	6%
	Mild (mildly interfering with function)	3%
(iii) Loss of sensation	Complete Loss	9%
	Partial Loss	6%
(iv) Shortening	First 1/2"	Nil
	Every 1/2" beyond first 1/2"	4%
(v) Complications	Superficial complications	3%
	Deep complications	

3. *Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment of Trunk (Spine) Basic guidelines*:

1. As permanent physical impairment caused by spinal deformity tends to change over the years, the certificate issued in relation to spine should be reviewed as per the standard format of the certificate given at *Annexure-B of Appendix III.*

2. Permanent physical impairment should be awarded in relation to spine and not in relation to whole body.

3. Permanent physical impairment due to neurological deficit in addition to spinal impairment should be added by combining formula. The local effects of the lesions of the spine can be conventionally divided into traumatic and non-traumatic. The percentage of PPI in relation to each situation should be valued as follows:

3.1 *Traumatic Lesions:*

3.1.1 *Cervical spine injuries*

	Percentage of PPI in relation to Spine
(i) 25% or more compression of one or two adjacent vertebral bodies with No involvement of posterior elements, No nerve root involvement, moderate Neck rigidity and persistent	20% Soreness

(ii) Posterior element damage with radiological Evidence of moderate parties dislocation/ subluxation including whiplash injury:

(a) With fusion healed, No permanent motor or sensory changes. 10%

(b) Persistent pain with radiologically demonstrable instability. 25%

(iii) Severe Dislocation:

(a) Fair to good reduction with or without fusion with no residual motor or sensory involvement; 10%

(b) Inadequate reduction with fusion and persistent radicular pain 15%

3.1.2. *Cervical Intervertebral Disc Lesions*	*Percentage of PPI in relation to Spine*
(i) Treated case of disc lesion with persistent pain and no neurological deficit	10%
(ii) Treated case with pain and instability	15%

3.1.3. *Thoracic and Thoracolumbar Spine Injuries*:

(i) Compression of less than 50% involving one vertebral body with no neurological manifestation 10%

(ii) Compression of more than 50% involving single vertebra or more with involvement of posterior elements, healed, no neurological manifestations persistent pain, fusion indicated 20%

(iii) Same as (b) with fusion, pain only on heavy use of back 15%

(iv) Radiologically demonstrable instability with fracture or fracture dislocation with persistent pain. 30%

	Percentage of PPI in relation to Spine
3.1.3. *Thoracic and Thoracolumbar Spine Injuries*:	
(i) Compression of less than 50% involving one vertebral body with no neurological manifestation	10%
(ii) Compression of more than 50% involving singlevertebra or more with involvement of posterior elements, healed, no neurological manifestations persistent pain, fusion indicated	20%
(iii) Same as (b) with fusion, pain only on heavy use of back	15%
(iv) Radiologically demonstrable instability with fracture or fracture dislocation with persistent pain.	30%
3.1.4 *Lumbar and Lumbosacral Spine: Fracture*:	
(a) Compression of 25% or less of one or two adjacent Vertebral bodies, No definite pattern or neurological Deficit	15%
(b) Compression of more than 25% with disruption of Posterior elements, persistent pain and stiffness healed with or without fusion, inability to lift more than 10kgs.	30%
(c) Radiologically demonstrable instability in low lumbar or Lumbosacral spine with pain	35%
3.1. 5. *Disc lesion*:	
(a) Treated case with persistent pain	15%
(b) Treated case with pain and instability	20%
(c) Treated case of disc disease with pain activities of lifting moderately modified	25%
(d) Treated case of disc disease with persistent pain and stiffness, aggravated by heavy lifting necessitating modification of all activities requiring heavy weight lifting	30%

3.2 *NON TRAUMATIC LESIONS*:

3.2.1 *Scoliosis*:

Basic guidelines - following modification is suggested.

-The largest structural curve should be accounted for while calculating the PPI and not the compensatory curve or both structural curves.

3.2.2 *Measurement of Spine Deformity*:

Cobb's method for measurement, of angle of curve in the radiograph taken in standing position should be used. The curves have been divided into following groups depending upon the angle of major structural scoliotic deformity.

Group	*Cobb's Angle*	*PPI in relation to Spine*
I	0-20	Nil
II	21-50	10%
III	51-100	20%
IV	101 & above	30%

3.2.3 *Torso Imbalance*:

In addition to the above PPI should also be evaluated in relation the torso imbalance. The torso imbalance should be measured by dropping a plumb line from C7 spine and measuring the distance of plumb line from gluteal crease.

Deviation of Plumb line	*PPI*
Upto 1.5 cm	4%
1.6 - 30 cm	8%
3.1 - 50 cm	16%
5.1 and above	32%

3.2.4 *Head Tilt over C7 spine PPI*

Upto 15	4%
More than 15	10%

3.2.5 *Cardiopulmonary Test:*

In cases with scoliosis of severe type cardiopulmonary function tests and percentage deviation from normal should be assessed by one of the following method whichever seems more reliable clinically at the time of assessment. The value thus obtained may be added by combining formula.

(a) Chest Expansion	*PPI*
4 - 5 cm	Normal
Less than 4 cm	5% for each cm
reduction in Chest expansion	
No expansion	25%

(b) Counting in one breathe:

Breathe Count	*PPI*
More than 40	Normal
0-40	5%
0-30	10%
0-20	15%
0-10	20%
Less than 5	25%

3.2.6 *Associated Problems*: To be added directly but the total value of PPI in relation to spine should not exceed 100%.

(a) Pain

-mildly interfering with ADL	4%
-moderately restricting ADL	6%
-severely restricting ADL	10%

(b) Cosmetic Appearance:

-No obvious disfiguration with clothes on	Nil
-mild disfigurement	2%
-severe disfigurement	4%

(c) Leg Length Discrepancy

-First ½" shortening	Nil
-Every ½" beyond first ½"	4%

(d) Neurological deficit-Neurological deficit should be calculated as per established method of evaluation of PPI in such cases. Value thus obtained should be added telescopically using combining formula.

3.3 *KYPHOSIS:*

Evaluation should be done on the similar guidelines as use for scoliosis with the following modifications:

3.3.1 *Spinal Deformity*	*PPI*
Less than 20	Nil
21-40	10%
41-60°	20%
Above 60	30%

3.3.2 *Torso Imbalance*—Plumb line dropped from external ear normally falls at ankle level. The deviation from normal should be measured from ankle anterior joint line to the plumb line.

Less than 5 cm in front of ankle	4%
5 to 10 cm in front of ankle	8%
10 to 15 cm in front of ankle	16%
More than 15 cm in front of ankle (Add directly)	32%

Miscellaneous conditions:

Those conditions of the spine which cause stiffness and pain etc. are rated as follows.

	Conditions	*Percentage PPI*
A	Subjective symptoms of pain, no involuntary muscle spasm not substantiated by demonstrable structural pathology	-0%
B	Pain, persistent muscles spasm and stiffness of spine, substantiated by mild radiological change	-20%
C	Same as B with moderate radiological changes	-25%
D	Same as B with severe radiological changes involving anyone of the regions of spine	-30%
E	Same as D involving whole spine	-40%

4. *Guidelines for Evaluation of PPI in cases of Short Stature/Dwarfism*:

1. Recumbent length or longitudinal height below 3rd percentile or less than 2 Standard Deviation from the mean is considered to have short stature.

2. The evaluation of a Short Statured person should be considered only when it is of disproportionate variety and is accompanied by an underlying pathological conditions, e.g., Achondroplasia, Chandrodysplasia Punctata, spondyloepiphysical dysplasia,mucopoly and acchrydosis, etc.

3. The ICMR norms as enclosed at Appendix III of Annexure A should be used as a guideline for the height.

4. Every 1" vertical height reduction should be valued as 4% permanent physical impairment.

5. Associated skeletal deformities should be evaluated, separately and total percentage of both should be added by combining formula.

5. *Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment in Amputees*:

Basic Guidelines:

1. In cases of multiple amputees if the total sum of permanent physical impairment is above 100%, it should be taken as 100% only.

2. If the stump is unfit for fitting the prosthesis additional weightage of 5% should be added to the value.

3. In case of amputation in more than one limb percentage of each limb is added by combining formula and another 10% will be added but when only toes or fingers are involved only 5% will be added.

4. Any complication in form of stiffness of proximal joint, neuroma infection, etc., should be given upto a total of 10% additional weightage.

5. Dominant upper extremity should be given 4% additional weightage.

Upper Limb Amputations	*PPI & loss of physical function of each limb*
1. Fore-Quarter amputations	100%
2. Shoulder disarticulation	90%
3. Above Elbow upto upper 1/3 of arm	85%
4. Above Elbow upto lower 1/3 of forearm	80%
5. Elbow disarticulation	75%
6. Below Elbow upto upper 1/3 of forearm	70%
7. Below Elbow upto lower 1/3 of forearm	65%
8. Wrist disarticulation	60%
9. Hand through carpal bones	55%
10. Thumb through C.M. or though 1st MC joint	30%
11. Thumb disarticulation through metacarpophalangeal Joint or through Proximal Phalanx.	25%
12. Thumb disarticulation through inter phalangeal joint or through distal phalanx.	15%

	Index Finger (15%)	*Middle Finger (5%)*	*Ring Finger (3%)*	*Little Finger (2%)*
13. Amputation through Proximal phalanx or Disarticulation through M.P. Joint	15%	5%	3%	2%
14. Amputation through Middle phalanx or Disarticulation through PP joint.	10%	4%	2%	1%
15. Amputation through Distal phalanx or disarticulation through DIP joint.	5%	2%	1%	1%

6. 1.3 *Lower Limb Amputations*:

1.	Hind quarter	100%
2.	Hip disarticulation	90%
3.	Above knee upto upper 1/3 of thigh	85%
4.	Above knee upto lower 1/3 of thigh	80%
5.	Through keen	75%
6.	B.K. upto 8 cm	70%
7.	B.K. upto lower 1/3 of leg	60%
8.	Through ankle	55%
9.	Syme's	50%
10.	Upto mid-foot	40%
11.	Upto fore-foot	30%
12.	All toes	20%
13.	Loss of first toe	10%
14.	Loss of second toe	5%
15.	Loss of third toe	4%
16.	Loss of fourth toe	3%
17.	Loss of fifth toe	2%

6. *Guidelines for Evaluation of Permanent Physical Impairment of Congenital deficiencies of the limbs.*

6.1 *Transverse Deficiencies*:

1. Functionally congenital transverse limb deficiencies are comparable to acquired amputations and can be called synonymously as congenital amputation, however, in some cases revision of amputation is required to fit in a prosthesis.

2. The transverse limb deficiencies therefore should be assessed on basis of the guidelines applicable to the evaluation of PPI in cases of amputees as given in the preceding chapter.

For example:	*PPI*
Transverse deficiency Rt. Arm complete (shoulder disarticulation)	90%
Transverse deficiency at thigh complete (hip disarticulation)	90%
Transverse deficiency Proximal Upper arm (Above elbow Amp.)	85%
Transverse deficiency at lower thigh (Above knee Amp. Lower 1/3)	80%
Transverse deficiency forearm complete (elbow disarticulation)	75%
Transverse deficiency lower forearm (Below Elbow Amp.)	65%
Transverse deficiency carpal complete (wrist disarticulation)	60%
Transverse deficiency Metacarpal complete (Disarticulation through carpal bones)	55%

6.2 *Longitudinal Deficiencies*:

6.2.1 *Basic Guidelines*

1. In cases of longitudinal deficiencies of limbs due consideration should be given to functional impairment.

2. In upper limb, loss of ROM loss muscular strength and hand functions like prehension, etc. should be tested while assessing the case for PPI.

3. In lower limb clinical method of stability component and shortening of lower limb should be given due weightage.

4. Apart from functional assessment the lost joint/part of body should also be valued as per distribution given in chapter Guidelines for Evaluation of PPI in upper extremity and lower extremity. The values so obtained should be added with the help of combing formula.

Example:

Congenital Absence of humorous where forearm bones directly articulate with scapula.

There will be miled reduction in ROM and strength of muscles in the existing joints apart from loss of body part.

Loss of shoulder joint can be given - 30%

Loss of ROM of Elbow/Shoulder & Wrist

All the components should be added together by the combining formula of

$$\frac{a + b\ (90-a)}{90}$$

6.2.2 In cases of loss of single bone in forearm the evaluation should be based on the principles of evaluation of Arm component which include Evaluation of ROM, Muscle strength-and coordinated activities. The values so obtained should be added together with the help of combining formula.

6.2.3 In cases of loss of single bone in leg the evaluation should be based on the principles of evaluation of mobility component and stability components of the lower extremity. The values obtained should be added together with the help of combining formula.

7. Guidelines for Evaluation of Physical Impairments in Neurological conditions.

7.1 *Basic Guidelines:*

1. Assessment in neurological conditions is not the assessment of disease but the assessment of its effects, i.e. clinical manifestations.

2. These guidelines should only be used for central and upper motor neurone lesions.

3. Proformas (form A & B) will be utilized for assessment of lower motor neurone lesions, muscular disorders and other locomotor conditions.

4. Normally any neurological assessment for the purpose of certification has to be done six months after the onset of disease however exact time period is to be decided by the Medical Doctor who is evaluating the case and has to recommend the review of certificate as given in the standard format of certificate.

5. Total percentage of physical impairment in any neurological condition should not exceed 100%.

6. In mixed cases the highest score will be taken into consideration. The lower score will be added telescopically to it by the help of combining formula:

$$a + \frac{b\,(90-a)}{90}$$

7. Additional rating of 4% will be given for dominant upper extremity.

8. Additional weightage up to 10% can be given for loss of sensation in each extremity but the total physical impairment should not exceed 100%.

7.2 *Table-I*

Neurological Status	*Physical Impairment*
Altered sensorium	100%

7.3 *Table-II*

Intellectual Impairment (to be assessed by Clinical Psychologist)

Degree of Mental Retardation	*IQ Range*	*Intellectual Impairment*
Border line	70-79	25%
Mild	50-69	50%
Moderate	35-49	75%
Serve	20-34	90%
Profound	Less than 20	100%

7.4 *Table-III*

Speech defect	*Physical Impairment*
Mild dysarthria	Nil
Moderate dysarthria	25%
Servere dysarthria	50%

7.5 *Table - IV*

Type of Cranial Nerve Involvement	*Physical Impairment*
Motor cranial nerve	20% for each nerve
Sensory cranial nerve	10% for each nerve

Sensory cranial nerve 10% for each nerve

7.6 *Table-V*

Motor System Disability

Neurological Involvement	*Physical Impairment*
Hemiparesis:—	
-Mild.	25%
-Moderate	50%
-Severe	75%

7.7 *Table-VI*

Sensory System Disability

Extent of Sensory Deficit	*Physical Impairment*
Anaesthesia	Up to 10% for each limb
Hypoaesthesia	Depending upon % of
Paraestheis	Loss of sensation up to 30% depending
Hands/feet sensory loss	Upon % of loss sensation

7.8 *Table-VII*

Bladder disability due to neurogenic Involvement

Bladder Involvement	*Physical Impairment*
Mild (Hesitancy/Frequency)	25%
Moderate (precipitancy)	50%
Severe (occasional but recurrent Incontinence)	75%
Very Severe (Retention/Total Incontinence	100%

7.9 *Table-VIII*

Post Head Injury Fits and Epileptic Convulsions

Frequency/Severity of Convulsions	*Physical Impairment*
Mild-occurrence of one convulsion only	Nil
Moderate 1-5 Convulsions/month on adequate-Medication	25%
Severe 6-10 Convulsions/month on adequate-medication	50%
Very Severe more than 10 fits/months on adequate-Medication	75%

7.10 *Table-IX*

Ataxia (Sensory or Cerebellar)

Severity of Ataxia	*Physical Impairment*
Mild (Detected on examination)	25%
Moderate	50%
Severe	75%
Very Severe	100%

8. Guidelines for Evaluation of Physical Impairment due to Cardiopulmonary Diseases.

8.1 Basic Guidelines:—

1. Modified New York Heart Association subjective classification should be utilised to assess the functional disability.

2. The assessing physician should be alert to the fact that patients who come for disability claims are likely to exaggerate their symptoms. In case of any doubt patients should be referred for detailed physiological evaluation.

3. Disability evaluation of cardiopulmonary patients should be done after full medical, surgical and rehabilitative treatment available, because most of these diseases are potentially treatable.

4. Assessment of cardiopulmonary impairment should also be done in diseases which might have associated cardiopulmonary problems, eg. amputees, myopathies etc.

5. For respiratory assessment, routine respiratory functions test should be done, however, in cases of interstitial lung diseases, diffusion studies may be done.

6. In cases of Angina pectoris (chest pain) base line studies in resting ECG should be done. When there is persistence of symptoms, exercise or stres test should be done.

8.2 The proposed classification with loss of function is as follows:—

Group 0: A patient with cardiopulmonary disease who is asymptomatic (i.e. has no symptoms of breathlessness, palpitation, fatigue or chest pain).

Group 1: A patient with cardiopulmonary disease who becomes symptomatic during his ordinary physical activity but has mild restriction (25%) of his physical activities.

Group 2: A patient with cardiopulmonary disease who becomes symptomatic during his ordinary physical activity and has 25-50% restriction of his ordinary physical activities.

Group 3: A patient with cardiopulmonary disease who becomes symptomatic during less than ordinary physical activity so that his ordinary physical activities are 50-75% restricted.

Group 4: A patient with cardiopulmonary disease who is symptomatic even at rest or on mildest exertion so that his ordinary physical activities are severely or completely restricted (75-100%).

Group 5: A patient with cardiopulmonary disease who gets intermittent symptoms at rest (i.e. patients with bronchial asthma, paroxysmal nocturnal dyspnoea, etc.)

1. Definition of Multiple Disabilities:

Multiple disabilities means a combination of two or more disabilities as defined in clause (i) of Section (2) of the Persons with Disabilities. (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995, namely—

I Locomotor disability including leprosy cured

II Blindness/low vision

III Speech and hearing impairment

IV Mental retardation

V Mental illness.

2. *Guidelines for Evaluation:*—

In order to evaluate the multiple disability, the same guidelines shall be used as have been developed by the respective sub-committees of various single disability, viz. Mental retardation, locomotor disability, visual disability, and speech and hearing disability and recommended in the meeting held on 29-2-2000 under the Chairmanship of Dr. S.P. Agarwal, Director General of Health Services, Government of India, with reference to Order No. 16-18/96-NI.I, dated 28th August, 1998 and communicated to Ministry of Social Justice & Empowerment, Government of India, vide letter No.S-13020/4/98-MH, dated 16th March, 2000.

However, in order to arrive at the total percentage of multiple disability, the combining formula

$$a + \frac{b\,(90-a)}{90}$$

as given in the "Manual for Doctors to Evaluate Permanent Physical Impairment, Developed by Expert Group meeting on Disability Evaluation", shall be used, where "a" will be the higher score and "b" will be the lower score. However, the maximum total percentage of multiple disabilities shall not exceed 100%.

For example, if the percentage of hearing disability is 30% and visual disability is 20%, then by applying the combining formula given above, the total percentage of multiple disability will be calculated as follows:—

$$30 + \frac{20(90-30)}{90} = 43\%$$

3. *Procedure for Certification of Multiple Disability:*—

The procedure will remain the same as has been developed by the respective sub-committees on various single disabilities and finalized in a meeting under the Chairpersonship of Dr. S.P. Agarwal held on 29-2-2000. The final disability certificate for multiple disability will be issued by Disability Board which has given higher score of disability by combining the score of different disabilities using the combining formula, i.e., $a + \frac{b\,(90-a)}{90}$. In case, where two scores of disability are equal, the final certificate of multiple disability will be issued by anyone of them as decided by Local authority.

Appendix-I of Annexure-A

FORM A

ASSESSMENT PERFORMA FOR UPPER EXTREMITY

Name.....Age.....Sex.....Diagnosis.....

Address.....O.P.D.....Deptt. .....

ARM Component (Total Value 90%)

Summary value for upper extremity is calculated from component and hand component values Add 4% for dominant extremity 10%. Additional weightage to be given to infection, deformity, malalignment, contracture, cosmetic appearance and abnormal mobility.

Appendix-I of Annexure-A

FORM B

ASSESSMENT PROFORMA FOR LOWER EXTREMITY

Name.....Age.....Sex.....Diagnosis.....

Address.....O.P.D. No.....Dept.....

Diagnosis.....

MOBILITY COMPONENT [Total value (90%)]

Joint	*Component*	*Normal Value*	*Rt. Side*	*Lt. Side*	*Loss of % Rt. Side*	*Loss of % Lt Side*	*Mean % Rt. Lt.*	*Mean 0.30 Rt. Lt.*	*Combing Value Rt. Lt.*	*% Summary Value for mobility component* $a+b\ \frac{(90+a)}{90}$
Range of Movement (Active)	1. Flexion-Extension arc	0-140°								
	2. Abduction Adduction	0-90° 0-90°								
HIP	3. Rotation arc									
Range of Movement (Active) KNEE	1. Flexion Extension are	0-125°								
Range of Movement (Active)	1. Dors flexion Panterlexion are	0-70° 0-60°								
ANKLE & FOOT	2. Invesior Extension									

Arm Component	*Component*	*Normal Value (Degrees)*	*Rt. Side*	*Lt. Side*	*Loss of % Rt. Side*	*Loss of % Lt. Side*	*Mean % Loss Rt. Lt.*	*Sum of % Loss Rt. Lt.*	*Combining Value Rt. Lt.*	*% summary Value for component*
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
Range of Movement (Active) Value 90 % Elbow	1. Flexion-Extension Arc	0-220°								
	2. Rotation Arc	0-180°								
	3. Abduction-Adduction Arc	0-180°								
Shoulder Range of Movement (Active) Value 90% Wrist	1. Flexion-Extension Arc	0-160°								
	2. Radial-Ulnaardeviatior Arc	0-55°								
Muscle Strength Value 90% Shoulder	1. Flexion									
	2. Extension									
	3. Rotation-Ext									
	4. Rotation-Int									
	5. Abduction									
	6. Adduction									

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
Muscle Strength Value 90%	1. Flexion									
	2. Extension									
	3. Pronation									
	4. Supination									
Muscle Strength Value 90%	1. Dors Flexion									
	2. Palmar Flexion									
	3. Radial Deviation									
	4. Ulnardeviatior									
Coordinated Activities Value 90%	1. Lifting Overhead objects remove and placing at the same place							9%		
	2. Touching nose with end of extremity							9%		
	3. Eating Indian Style							9%		
	4. Combing and Plaiting							9%		
	5. Puting on a shirt/kurta							9%		
	6. Ablution glass of water							9%		
	7. Drinking Glass of water							9%		
	8. Buttoning							9%		
	9. Tie Nara Dhoti							9%		
	10. Writing							9%		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
HAND COMPONENT (TOTAL VALUE 90%)										
30% prehension	Movement	Normal Value								
1. Hand	1. Index	2]								
Component	2. Middle	2] 8%								
A.	3. Ring	2]								
Opposition (8%)	4. Little	2]								
B.Lateral Pinch (5%)	Key Holding									
C. Cylindrical Grasp	a. Large Object (4°) b. Small Object (1°)	5%								
	a. Large Object (4°) b. Small Object (1°)	3}								
	Lifting Bag	3} 6%								
D. Spherical Grasp		3}								
E. Hook Grasp		3}6% 5%								
2. Sensation 30%	1.Radial Side} 2. Ulnar Side} Thumb 3. Radial} Fingers 4. Ulnar}	4:1 (4.8:1.2)								
3.	Strength 30%	1. Grip Strenth 20% 2. Pinch Strength 10%								

Appendix -II of Annexure.A

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(1)	B(2)	B(3)	B(4)	B(5)	B(6)	B(7)	B(8)	B(9)	B(10)	B(11)	B(12)	B(13)	B(14)	B(15)
A(1)	1.99	3.98	3.97	4.96	5.94	6.93	7.92	8.91	9.90	10.89	11.88	12.87	13.86	14.84	15.83
A(2)	2.98	3.96	4.93	5.91	6.89	7.87	8.84	9.82	10.80	11.78	12.76	13.73	14.71	15.69	16.67
A(3)	3.97	4.93	5.90	6.87	7.83	8.80	9.77	10.73	11.70	12.67	13.63	14.60	15.57	16.53	16.67
A(4)	4.96	5.91	6.87	7.82	8.78	9.73	10.69	11.64	12.65	13.50	14.44	15.39	16.33	17.28	18.33
A(5)	5.94	6.89	7.83	8.78	9.72	10.67	11.61	12.56	13.50	14.44	15.39	16.33	17.28	18.22	19.17
A(6)	6.93	7.87	8.80	9.73	10.67	11.60	12.50	13.46	14.38	15.30	16.27	17.20	18.13	19.07	20.00
A(7)	7.92	8.84	9.77	10.69	11.61	12.53	13.46	14.38	15.29	16.20	17.11	18.07	18.99	19.91	20.83
A(8)	8.91	9.82	10.73	11.64	12.56	13.47	14.38	15.29	16.20	17.10	18.02	18.93	19.84	20.76	21.67
A(9)	9.90	10.80	11.70	12.60	13.50	14.40	15.30	16.20	17.10	18.00	18.90	19.80	20.70	21.60	22.50
A(10)	10.89	11.87	12.67	13.56	14.44	15.33	16.22	17.11	18.00	18.89	19.78	20.67	21.56	22.44	23.33
A(11)	11.88	12.76	13.63	14.51	15.39	16.27	17.14	18.02	18.90	19.78	20.66	21.53	22.41	23.29	24.17
A(12)	12.87	13.73	14.60	15.47	16.33	17.20	18.07	18.93	19.80	20.67	21.53	22.40	23.27	24.13	25.00
A(13)	13.86	14.71	15.57	16.42	17.28	18.13	18.99	19.84	20.70	21.56	22.41	23.27	24.12	24.98	25.83
A(14)	14.84	15.69	16.53	17.38	18.22	19.07	19.91	20.76	21.60	22.44	23.29	24.13	24.98	25.82	26.67
A(15)	15.83	16.67	17.50	18.33	19.17	20.00	20.83	21.67	22.50	23.33	24.17	25.00	25.83	26.67	27.50
A(16)	16.82	17.64	18.47	19.20	20.11	20.93	21.76	22.58	23.40	24.22	25.04	25.87	26.69	27.51	28.33

	B(1)	B(2)	B(3)	B(4)	B(5)	B(6)	B(7)	B(8)	B(9)	B(10)	B(11)	B(12)	B(13)	B(14)	B(15)
A(17)	17.81	18.62	19.37	20.24	21.06	21.87	22.68	23.49	24.30	25.11	25.92	26.73	27.54	28.36	29.17
A(18)	18.80	19.60	22.33	21.20	22.00	22.80	23.60	24.40	25.20	26.00	26.80	27.60	28.40	29.20	30.00
A(19)	19.79	20.58	23.30	22.16	22.94	23.73	24.52	25.31	26.10	26.89	27.68	28.47	29.26	30.04	30.83
A(20)	20.78	21.56	24.27	23.11	23.89	24.67	25.44	26.22	27.00	27.78	28.56	29.33	30.11	30.89	31.67
A(21)	21.77	22.53	25.23	24.07	24.83	25.60	26.37	27.13	27.90	28.67	29.43	30.20	30.97	31.73	32.50
A(22)	22.76	23.51	26.20	25.02	25.78	26.33	27.29	28.04	28.80	29.56	30.31	31.07	31.82	32.58	33.33
A(23)	23.44	24.49	27.17	25.08	26.72	27.47	28.21	28.96	29.70	30.44	31.19	31.93	32.68	33.42	34.17
A(24)	24.73	25.47	28.13	26.93	27.67	28.40	29.13	29.87	30.60	31.33	32.07	32:80	33.57	34.27	35.00
A(25)	25.72	26.44	29.10	27.89	28.61	29.33	30.06	30.78	31.50	32.22	32.94	33.67	34.39	35.11	35.83
A(26)	26.71	27.42	30.07	28.84	29.56	30.27	30.98	31.69	32.40	33.11	33.82	34.53	35.21	35.96	36.67
A(27)	27.70	28.40	31.03	29.80	30.50	31.20	31.90	32.60	33.30	34.00	34.40	25.40	36.10	36.80	37.50
A(28)	28.69	29.38	32.00	30.76	31.44	32.13	32.80	33.51	34.40	34.89	35.58	36.27	36.96	37.64	38.33
A(29)	29.68	30.36	32.97	31.71	32.39	33.07	33.74	24.42	35.10	35.78	36.46	37.13	37.81	38.49	39.17
A(30)	30.67	31.33	32.00	32.67	33.33	34.67	35.33	36.00	36.67	36.67	37.33	38.00	38.67	39.33	40.00
A(31)	31.66	32.31	34.97	33.62	34.28	34.93	35.59	36.24	36.90	37.96	38.21	38.87	39.50	40.18	40.83
A(32)	32.64	33.29	33.93	34.58	35.22	35.87	36.51	37.16	37.80	38.44	39.09	39.73	40.38	11.02	11.67
A(33)	33.63	34.27	34.90	35.53	36.17	36.80	37.43	38.07	38.70	39.33	39.97	40.60	41.23	41.87	42.50
A(34)	34.62	35.24	35.87	36.49	37.11	37.73	38.36	38.98	39.60	40.22	40.84	41.47	42.09	42.71	43.33
A(35)	35.61	36.22	36.83	37.44	38.06	38.67	39.28	39.89	40.50	41.11	41.72	42.33	42.94	43.56	44.17

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(1)	B(2)	B(3)	B(4)	B(5)	B(6)	B(7)	B(8)	B(9)	B(10)	B(11)	B(12)	B(13)	B(14)	B(15)
A(36)	36.60	37.20	37.80	38.40	39.00	39.60	40.20	40.80	41.40	42.00	42.60	43.20	43.80	44.40	45.00
A(37)	37.59	38.18	38.77	39.36	39.94	40.53	41.12	41.71	'42.30	42.89	43.48	44.07	44.66	45.24	45.83
A(38)	38.58	39.16	39.73	40.31	40.89	41.47	42.04	42.62	43.20	43.78	44.36	44.93	45.51	46.09	46.67
A(39)	39.57	40.13	40.70	41.27	41.83	42.40	42.97	43.53	44.10	44.67	45.23	44.80	46.37	46.93	47.50
A(40)	40.56	41.11	41.67	42.22	42.78	43.33	43.89	44.44	45.00	45.56	46.11	46.67	47.22	47.78	48.33
A(41)	40.54	40.09	42.62	43.18	43.72	44.27	44.81	45.36	'45.90	46.44	46.99	47.53	48.08	48.62	49.17
A(42)	42.53	43.07	43.60	44.13	44.67	45.20	45.73	46.27	46.80	47.33	47.87	48.40	48.93	49.47	50.00
A(43)	43.52	44.04	44.57	45.09	45.61	46.13	46.66	47.18	47.70	48.22	48.74	49.24	49.79	50.13	50.83
A(44)	44.51	45.02	44.53	46.04	46.56	47.07	47.58	48.09	48.60	49.11	49.62	50.13	50.64	51.61	51.67
A(45)	45.50	46.00	46.50	47.00	47.50	48.00	48.50	49.00	49.50	50.00	50.50	51.00	51.50	52.00	52.50
A(46)	46.49	46.98	47.47	47.96	48.44	48.93	49.42	49.91	50.40	50.89	51.38	51.87	52.36	52.84	53.33
A(47)	47.48	47.96	48.43	48.91	49.39	49.87	50.34	50.82	51.30	51.78	52.26	52.73	53.21	53.69	54.17
A(48)	48.47	48.93	49.40	49.87	50.33	50.80	51.27	51.73	52.20	52.67	53.13	53.60	54.07	54.53	55.00
A(49)	49.46	49.91	50.37	50.82	51.28	51.73	52.19	52.64	53.10	53.56	54.01	54.47	54.92	55.38	55.83
A(50)	50.44	50.89	51.33	51.78	52.22	52.67	53.11	53.56	54.00	54.44	54.89	55.33	55.78	56.22	56.67
A(51)	51.43	51.87	52.30	52.73	53.17	53.60	54.03	54.47	54.90	55.33	55.77	56.20	56.63	57.07	57.50
A(52)	52.42	52.84	53.27	53.69	54.11	54.53	54.96	55.38	55.80	56.22	56.64	57.07	57.49	57.91	58.33
A(53)	53.41	53.82	54.23	54.64	55.06	55.47	55.88	56.29	56.70	57.11	57.52	57.93	58.34	58.76	59.17
A(54)	54.40	54.80	55.20	55.60	56.00	56.40	56.80	57.20	57.60	58.00	58.40	58.80	59.20	59.60	60.00

	B(1)	B(2)	B(3)	B(4)	B(5)	B(6)	B(7)	B(8)	B(9)	B(10)	B(11)	B(12)	B(13)	B(14)	B(15)
A(55)	55.39	55.78	56.17	56.56	56.94	57.33	57.72	58.11	58.50	58.89	59.28	59.67	60.06	60.44	60.83
A(56)	56.38	56.76	57.13	57.51	57.89	58.27	58.64	59.02	59.40	59.78	60.16	60.53	60.91	61.21	61.67
A(57)	57.37	57.73	58.10	58.47	58.83	59.20	59.57	59.93	60.30	60.67	61.03	61.40	61.77	62.13	62.50
A(58)	58.36	58.71	59.07	59.42	59.78	60.13	60.49	60.84	61.20	61.56	61.91	62.26	62.62	62.98	63.33
A(59)	59.34	59.69	60.03	60.38	60.72	61.07	61.41	61.76	62.10	62.44	62.79	63.13	63.48	63.82	64.17
A(60)	60.33	60.67	61.00	61.33	61.67	62.00	62.33	62.67	63.00	63.00	63.67	64.00	64.33	64.67	65.00
A(61)	61.32	61.64	61.97	62.29	62.61	62.93	63.26	63.58	63.90	64.22	64.54	64.87	65.19	65.51	65.83
A(62)	62.31	62.62	62.93	63.24	63.56	63.87	64.18	64.49	64.80	65.11	65.42	65.73	66.04	66.36	66.67
A(63)	63.30	63.60	63.90	64.20	64.50	64.80	65.10	65.40	65.70	66.00	66.30	66.60	66.90	67.20	67.50
A(64)	64.29	64.58	64.87	65.16	65.44	65.73	66.02	66.31	66.60	66.89	69.18	67.47	67.76	68.04	68.33
A(65)	65.28	65.56	65.83	66.11	66.39	66.67	66.94	67.22	67.50	67.78	68.06	68.33	68.61	68.89	69.17
A(66)	66.27	66.53	66.80	67.07	67.33	67.60	67.87	68.13	68.40	68.67	68.93	69.20	69.47	69.73	70.00
A(67)	67.26	67.51	67.77	68.02	68.28	68.53	68.79	69.04	69.30	69.56	69.81	70.07	70.32	70.58	70.83
A(68)	68.24	68.49	68.73	68.98	69.22	69.47	69.71	69.96	70.20	70.14	70.69	71.93	71.18	71.42	71.67
A(69)	69.23	69.47	69.70	69.93	70.17	70.40	70.63	70.87	71.10	71.33	71.57	71.80	72.03	72.27	72.50
A(70)	70.22	70.44	70.67	70.89	71.11	71.33	71.56	71.78	72.00	72.22	72.44	72.67	72.89	73.11	73.33
A(71)	71.21	71.42	71.63	71.84	72.06	72.27	72.48	72.69	72.90	73.11	73.32	73.53	73.74	73.96	74.17
A(72)	72.20	72.40	72.60	72.80	73.00	73.20	73.40	73.60	73.80	74.00	74.20	74.40	74.60	74.80	75.00
A(73)	73.19	73.38	73.57	73.76	73.94	74.13	74.32	74.51	74.70	74.89	75.08	75.27	75.46	75.64	75.83

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(1)	B(2)	B(3)	B(4)	B(5)	B(6)	B(7)	B(8)	B(9)	B(10)	B(11)	B(12)	B(13)	B(14)	B(15)
A(74)	74.18	74.36	74.53	74.71	74.89	75.07	75.24	75.42	75.60	75.78	75.96	76.13	76.31	76.49	76.67
A(75)	75.17	75.33	75.50	75.67	75.83	76.00	76.17	76.33	76.50	76.67	76.83	77.00	77.17	77.33	77.50
A(76)	76.16	76.31	76.47	76.62	76.78	76.93	77.09	77.24	77.40	77.56	77.71	77.87	78.02	78.18	78.33
A(77)	77.14	77.29	77.43	77.58	77.72	77.87	78.01	78.16	78.30	78.44	78.59	78.73	78.88	79.02	79.17
A(78)	78.13	78.27	78.40	78.53	78.67	78.80	78.93	79.07	79.20	79.33	79.47	79.60	79.73	79.87	80.00
A(79)	79.12	79.24	79.37	79.49	79.61	79.73	79.86	79.98	80.10	80.22	80.34	80.47	80.59	80.71	80.83
A(80)	80.11	80.22	80.33	80.44	80.56	80.67	80.78	80.89	81.00	81.11	81.22	81.33	81.44	81.56	81.67
A(81)	81.10	81.20	81.30	81.40	81.50	81.60	81.70	81.80	81.90	82.00	82.10	82.20	82.30	82.40	82.50
A(82)	82.09	82.18	82.27	82.36	82.44	82.53	82.62	82.71	82.80	82.89	82.98	83.07	83.16	83.24	83.33
A(83)	83.08	83.16	83.23	83.31	83.39	83.47	83.54	83.62	83.70	83.78	83.86	83.93	84.01	84.09	84.17
A(84)	84.07	84.13	84.20	84.27	84.33	84.40	84.47	84.53	84.60	84.67	84.73	84.80	84.87	84.93	85.00
A(85)	85.06	85.11	85.17	85.22	85.28	85.33	85.39	85.44	85.50	85.56	85.61	85.67	85.72	85.78	85.83
A(86)	86.04	86.09	86.13	86.18	86.22	86.27	86.31	86.36	86.40	86.44	86.49	86.53	86.58	86.62	86.67
A(87)	87.03	87.07	87.10	87.13	87.17	87.20	87.23	87.27	87.30	87.33	87.37	87.40	87.43	87.47	87.50
A(88)	88.02	88.04	88.07	88.09	88.11	88.13	88.16	88.18	88.20	88.22	88.24	88.27	88.29	88.13	88.33
A(89)	89.01	89.02	89.03	89.04	89.06	89.07	89.08	89.09	89.10	89.11	89.12	89.13	89.14	89.16	89.17
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

	B(16)	B(17)	B(18)	B(19)	B(20)	B(21)	B(22)	B(23)	B(24)	B(25)	B(26)	B(27)	B(28)	B(29)	B(30)
A(l)	16.82	17.81	18.80	19.79	20.78	21.77	22.76	23.74	24.73	25.72	26.71	27.70	28.69	29.68	30.67
A(2)	17.64	18.62	19.60	20.58	21.56	22.53	23.51	24.49	25.47	26.44	27.42	28.40	29.38	30.36	31.33
A(3)	18.47	19.43	20.40	21.37	22.33	23.30	24.27	25.23	26.20	27.17	28.13	29.10	30.07	31.03	32.00
A(4)	19.29	20.24	21.20	22.16	23.11	24.07	25.02	25.98	26.93	27.89	28.84	29.80	30.76	31.71	32.67
A(5)	20.11	21.06	22.00	22.94	23.89	24.07	25.78	26.72	27.67	28.61	29.56	30.50	31.44	32.39	33.33
A(6)	20.93	21.87	22.80	23.73	24.67	24.83	26.53	27.47	28.40	29.33	30.27	31.20	32.13	33.07	34.00
A(7)	21.76	22.68	23.60	24.52	25.60	25.60	27.13	28.04	29.13	30.06	30.98	31.90	32.82	33.74	34.67
A(8)	22.58	23.49	24.40	25.31	26.37	26.37	27.90	28.80	29.87	30.78	31.69	32.60	33.51	34.42	35.33
A(9)	23.40	24.30	25.20	26.10	27.00	27.90	28.80	29.70	30.60	31.50	32.40	33.30	34.20	35.10	36.00
A(10)	24.22	25.11	26.00	26.89	27.78	28.67	29.56	30.44	31.33	32.22	33.11	34.00	34.89	35.78	36.67
A(11)	25.04	25.92	26.80	27.68	28.56	29.56	30.31	31.39	32.07	32.94	33.82	34.70	35.58	36.46	37.33
A(12)	25.87	26.73	27.60	28.47	29.33	30.20	31.07	31.93	32.80	33.67	34.53	35.40	36.27	37.13	38.00
A(13)	26.69	27.54	28.40	29.26	30.11	30.97	31.82	32.68	33.53	34.39	35.24	36.10	36.96	37.81	38.67
A(14)	27.51	28.36	29.20	30.04	30.89	31.73	32.58	33.42	34.27	35.11	35.96	36.80	37.64	38.49	39.33
A(15)	28.33	29.17	30.00	30.83	31.67	32.50	33.33	34.17	35.00	35.83	36.67	37.50	38.33	39.17	40.00
A(16)	29.16	29.98	30.80	31.62	32.44	33.27	34.09	34.91	35.73	36.56	37.38	38.20	39.02	39.84	40.67
A(17)	29.98	30.79	31.60	32.41	32.22	34.03	34.84	35.66	36.47	37.28	38.09	38.90	39.71	40.52	41.33
A(18)	30.80	31.60	32.40	32.20	34.00	34.80	35.60	36.40	37.20	38.00	38.80	39.60	40.40	41.20	42.00

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(16)	B(17)	B(18)	B(19)	B(20)	B(21)	B(22)	B(23)	B(24)	B(25)	B(26)	B(27)	B(28)	B(29)	B(30)
A(19)	31.62	32.41	33.20	33.99	34.78	35.57	36.36	37.14	37.93	38.72	39.51	40.30	41.09	41.88	42.67
A(20)	32.44	33.22	34.00	34.78	35.56	36.33	37.11	37.89	38.67	39.44	40.22	41.00	41.78	42.56	43.33
A(21)	33.27	34.03	34.80	35.57	36.33	37.10	37.87	38.63	39.40	40.17	40.93	41.70	42.47	43.23	44.00
A(22)	34.09	34.84	35.60	36.36	37.11	37.87	38.62	39.38	40.13	40.89	41.64	42.40	43.16	43.91	44.67
A(23)	34.91	35.66	36.40	37.14	37.89	38.63	39.38	40.12	40.87	41.61	42.36	43.10	43.84	44.59	45.33
A(24)	35.73	36.47	37.20	37.93	38.67	39.40	40.13	40.87	41.60	42.33	43.07	43.80	44.53	45.27	46.00
A(25)	36.56	37.28	38.00	38.72	39.44	40.17	40.89	41.61	42.33	43.06	43.78	44.50	45.22	45.94	46.67
A(26)	37.38	38.09	38.80	39.51	40.22	40.93	41.64	42.36	43.07	43.78	44.49	45.20	45.91	46.62	47.33
A(27)	38.20	38.90	39.60	40.30	41.00	41.70	42.40	43.10	43.80	44.50	45.20	45.90	46.60	47.30	48.00
A(28)	39.02	39.71	40.40	41.09	41.78	42.47	43.16	43.84	44.53	45.22	45.91	46.60	47.29	47.98	48.67
A(29)	39.84	40.52	41.20	41.88	42.56	43.23	43.91	44.59	45.27	45.94	46.62	47.30	47.98	48.66	49.33
A(30)	40.67	41.33	42.00	42.67	43.33	44.00	44.67	45.33	46.00	46.67	47.33	48.00	48.67	49.33	50.00
A(31)	41.49	42.14	42.80	43.46	44.11	44.77	45.42	46.08	46.73	47.39	48.04	48.70	49.36	50.01	50.67
A(32)	42.31	42.96	43.60	44.24	44.89	45.23	46.18	46.82	47.47	48.11	48.76	49.40	50.04	50.69	51.33
A(33)	43.13	43.77	44.40	45.03	45.67	46.30	46.93	47.57	48.20	48.83	49.47	50.10	50.73	51.37	52.00
A(34)	43.96	44.58	45.20	45.82	46.44	47.07	47.69	48.31	48.93	49.56	50.18	50.80	51.42	52.04	52.67
A(35)	44.78	45.39	46.00	46.61	47.22	47.83	48.44	49.06	49.67	50.28	50.89	51.50	52.11	52.72	53.33
A(36)	45.60	46.20	46.80	47.40	48.00	48.60	49.20	49.80	50.40	51.00	51.60	52.20	52.80	53.40	54.00

	B(16)	B(17)	B(18)	B(19)	B(20)	B(21)	B(22)	B(23)	B(24)	B(25)	B(26)	B(27)	B(28)	B(29)	B(30)
A(37)	46.42	47.01	47.60	48.19	48.78	49.37	49.96	50.54	51.13	51.72	52.31	52.90	53.40	54.08	54.67
A(38)	47.24	47.82	48.40	48.98	49.56	50.13	50.71	51.29	51.87	52.44	53.02	53.60	54.18	54.76	55.33
A(39)	48.07	48.63	49.20	49.77	50.33	50.90	51.47	52.03	52.60	53.17	53.73	54.30	54.87	55.43	56.00
A(40)	48.89	49.44	50.00	50.56	51.11	51.67	52.22	52.78	53.33	53.89	54.44	55.00	55.56	56.11	56.67
A(41)	49.71	50.26	50.80	51.34	51.89	52.43	52.98	53.52	54.07	54.61	55.16	55.70	56.24	56.79	57.33
A(42)	50.53	51.07	51.60	52.13	52.67	53.20	53.73	54.27	54.80	55.33	55.87	56.40	56.93	57.47	58.00
A(43)	51.36	51.88	52.40	52.92	53.44	23.97	54.49	55.01	55.53	56.06	56.58	57.10	57.62	58.14	58.67
A(44)	52.18	52.69	53.20	53.71	54.22	54.73	55.24	55.76	56.27	56.78	57.29	57.80	58.31	58.82	59.33
A(45)	53.00	53.50	54.00	54.50	55.00	55.50	56.00	56.50	57.00	57.50	58.00	58.50	59.00	59.50	60.00
A(46)	53.82	54.31	54.80	55.29	55.78	56.27	56.76	57.24	57.73	58.22	58.71	59.20	59.69	60.18	60.67
A(47)	54.64	55.12	55.60	56.08	56.56	57.03	57.51	57.99	58.47	58.94	59.42	59.90	60.38	60.86	61.33
A(48)	55.47	55.93	56.40	56.87	57.33	57.80	58.27	58.73	59.20	59.67	60.13	60.60	61.07	61.53	62.00
A(49)	56.29	56.74	57.20	57.66	58.11	58.57	59.02	59.48	59.93	60.39	60.84	61.30	61.76	62.21	62.67
A(50)	57.11	57.56	58.00	58.44	58.89	59.33	59.78	60.22	60.67	61.11	61.56	62.00	62.44	62.89	63.33
A(51)	57.93	58.37	58.80	59.23	59.67	60.10	60.55	60.97	61.40	61.83	62.27	62.70	63.13	63.57	64.00
A(52)	58.76	59.18	59.60	60.02	60.44	60.87	61.29	61.71	62.13	62.56	62.98	63.40	63.82	64.26	64.67
A(53)	59.58	59.99	60.40	60.81	61.22	61.63	62.04	62.46	62.87	63.28	63.69	64.10	64.51	64.92	65.33
A(54)	60.40	60.80	61.20	61.60	62.00	62.40	62.80	63.20	63.60	64.00	64.40	64.80	65.20	65.60	66.00
A(55)	61.22	61.61	62.00	62.39	62.78	63.17	63.56	63.94	64.33	64.72	65.11	65.50	65.89	66.28	66.67

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(16)	B(17)	B(18)	B(19)	B(20)	B(21)	B(22)	B(23)	B(24)	B(25)	B(26)	B(27)	B(28)	B(29)	B(30)
A(56)	62.04	62.42	62.80	63.18	63.56	63.93	64.31	64.69	65.07	65.44	65.82	66.20	66.58	66.96	67.33
A(57)	62.87	63.23	63.60	63.97	64.33	64.70	65.07	65.43	65.80	66.17	66.53	66.90	67.27	67.63	68.00
A(58)	63.69	64.04	64.40	64.76	65.11	65.47	65.82	66.18	66.53	66.89	67.24	67.60	67.96	68.31	68.67
A(59)	64.51	64.86	65.20	65.54	65.89	66.23	66.58	66.92	67.27	67.61	67.96	68.30	68.64	68.99	69.33
A(60)	65.33	65.67	66.00	66.33	66.67	67.00	67.33	67.67	68.00	68.33	68.67	69.00	69.33	69.67	70.00
A(61)	66.16	66.48	66.80	67.12	67.44	67.77	68.09	68.41	68.73	69.06	69.38	69.70	70.02	70.34	70.67
A(62)	66.98	67.29	67.60	67.91	68.22	68.53	68.84	69.16	69.47	69.78	70.09	70.40	70.71	71.02	71.33
A(63)	67.80	68.10	68.40	68.70	69.00	69.30	69.60	69.90	70.20	70.50	70.80	71.10	71.40	71.70	72.00
A(64)	68.62	68.91	69.20	69.49	69.78	70.07	70.36	70.64	70.93	71.22	71.51	71.80	72.09	72.38	72.67
A(65)	69.44	69.72	70.00	70.28	70.56	70.83	71.11	71.39	71.67	71.94	72.22	72.50	72.78	73.06	73.33
A(66)	70.27	70.53	70.80	71.07	71.33	71.60	71.87	72.13	72.40	72.67	72.93	73.20	73.47	73.73	74.00
A(67)	71.09	71.34	71.60	71.86	72.11	72.37	72.62	72.88	73.13	73.39	73.64	73.90	74.16	74.41	74.67
A(68)	71.91	72.16	72.40	72.64	72.89	73.13	73.38	73.62	73.87	74.11	74.36	74.60	74.84	75.09	75.33
A(69)	72.73	72.97	73.20	73.43	73.67	73.90	74.13	74.37	74.60	74.83	75.07	75.30	75.53	75.77	76.00
A(70)	73.56	73.78	74.00	74.22	74.44	74.67	74.89	75.11	75.33	75.56	75.78	76.00	76.22	76.44	76.67
A(71)	74.38	74.59	74.80	75.01	75.22	75.43	75.64	75.86	76.07	76.28	76.49	76.70	76.91	77.12	77.33
A(72)	75.20	75.40	75.60	75.80	76.00	76.20	76.40	76.60	76.80	77.00	77.20	77.40	77.60	77.80	78.00
A(73)	76.02	76.21	76.40	76.59	76.78	76.97	77.16	77.34	77.53	77.72	77.91	78.10	78.29	78.48	78.67
A(74)	76.84	77.02	77.20	77.38	77.56	77.73	77.91	78.09	78.27	78.44	78.62	78.80	78.98	79.16	79.33

	B(16)	B(17)	B(18)	B(19)	B(20)	B(21)	B(22)	B(23)	B(24)	B(25)	B(26)	B(27)	B(28)	B(29)	B(30)
A(75)	77.67	77.83	78.00	78.17	78.33	78.50	78.67	78.83	79.00	79.17	79.33	79.50	79.67	79.83	80.00
A(76)	78.49	78.64	78.80	78.96	79.11	79.27	79.42	79.58	79.73	79.89	80.04	80.20	80.36	80.51	80.67
A(77)	79.31	79.46	79.60	79.74	79.89	80.03	80.18	80.32	80.47	80.61	80.76	80.90	81.04	81.19	81.33
A(78)	80.13	80.27	80.27	80.40	80.67	80.80	80.93	81.07	81.20	81.33	81.47	81.60	81.73	81.87	82.00
A(79)	80.96	81.08	81.20	81.32	81.44	81.57	81.69	81.81	81.93	82.06	82.18	82.30	82.42	82.54	82.67
A(80)	81.76	81.89	82.00	82.11	82.22	82.33	82.44	82.56	82.67	82.78	82.89	83.00	83.11	83.22	83.33
A(81)	82.60	82.70	82.80	82.90	83.00	83.10	83.20	83.30	83.40	83.50	83.60	83.70	83.80	83.90	84.00
A(82)	83.42	83.51	83.60	83.69	83.78	83.87	83.96	84.04	84.13	84.22	84.31	81.40	84.90	84.58	84.67
A(83)	84.24	84.24	84.40	84.48	84.56	84.63	84.71	84.79	84.87	84.89	85.02	85.10	85.18	85.26	85.33
A(84)	85.07	85.07	85.20	85.27	85.33	85.40	85.47	85.53	85.60	85.67	85.73	85.80	85.87	85.93	86.00
A(85)	85.89	85.89	86.00	86.06	86.11	86.17	86.22	86.28	86.33	86.39	86.44	86.50	86.56	86.61	86.67
A(86)	86.71	86.76	86.80	86.84	86.89	86.89	86.98	87.02	87.07	87.11	87.16	87.20	87.24	87.29	87.33
A(87)	87.53	87.57	87.57	87.60	87.63	87.67	87.73	87.77	87.80	87.83	87.87	87.90	87.93	87.97	88.00
A(88)	88.36	88.38	88.38	88.40	88.42	88.44	88.49	88.51	88.53	88.56	88.59	88.60	88.62	88.64	88.67
A(89)	89.18	89.13	89.19	89.20	89.21	89.23	89.24	89.26	89.27	89.28	89.29	89.30	89.31	89.32	89.33
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

Ready Reckoner Table for A+ B(90-A)
90

	B(31)	B(32)	B(33)	B(34)	B(35)	B(36)	B(37)	B(38)	B(39)	B(40)	B(41)	B(42)	B(43)	B(44)	B(45)
A(l)	31.66	32.64	33.63	34.62	35.61	36.60	37.59	38.58	39.57	40.56	41.54	42.53	42.52	44.51	45.50
A(2)	32.31	33.29	34.27	35.24	36.22	37.20	38.18	39.16	40.13	41.11	42.09	43.07	44.04	45.02	46.00
A(3)	32.97	33.93	34.90	35.87	36.83	37.80	38.77	39.73	40.70	47.67	42.63	43.60	44.57	45.53	46.50
A(4)	33.62	34.58	35.53	36.49	37.44	38.40	39.36	40.31	41.27	42.22	43.18	44.13	45.09	46.04	47.00
A(5)	34.28	35.22	36.17	37.11	38.06	39.00	39.94	40.89	41.83	42.78	43.72	44.67	45.61	46.56	47.50
A(6)	34.93	35.87	36.80	37.73	38.67	39.60	40.53	41.74	42.40	43.33	44.27	45.20	46.13	47.07	48.00
A(7)	35.59	36.51	37.43	38.36	39.28	40.20	41.12	42.04	42.97	43.89	44.81	45.73	46.66	47.58	48.50
A(8)	36.24	37.16	38.07	38.98	39.89	40.80	41.71	42.62	43.53	44.44	45.36	46.27	47.18	48.09	49.00
A(9)	36.90	37.80	38.70	39.60	40.50	41.40	42.30	43.20	44.10	45.00	45.90	46.80	47.70	48.60	49.50
A(10)	37.56	38.44	38.33	40.22	41.11	42.00	42.89	43.78	44.67	45.56	46.44	47.33	48.22	49.11	50.00
A(11)	38.21	39.09	39.97	40.84	41.72	42.60	43.48	44.36	45.23	46.11	46.99	47.87	48.74	49.62	50.50
A(12)	38.87	39.73	40.60	41.47	42.33	43.20	44.07	44.93	45.80	46.67	47.53	48.40	49.27	50.13	51.00
A(13)	39.52	40.38	41.23	42.94	43.80	44.66	45.51	46.37	47.22	48.08	48.93	49.79	50.64	50.64	51.50
A(15)	40.83	41.67	42.50	43.33	44.17	45.00	45.83	46.67	47.50	48.33	49.17	50.00	50.83	51.67	52.50
A(16)	41.49	42.31	43.13	43.96	44.78	45.60	46.42	47.24	48.07	48.89	49.71	50.53	51.36	52.18	53.00
A(17)	42.14	42.96	43.77	44.58	45.39	46.20	47.01	47.82	48.63	49.44	50.26	51.07	51.88	52.69	53.50
A(18)	42.80	43.60	44.40	45.20	46.00	46.80	47.80	47.60	48.40	49.20	50.00	51.60	52.40	53.20	54.00

	B(31)	B(32)	B(33)	B(34)	B(35)	B(36)	B(37)	B(38)	B(39)	B(40)	B(41)	B(42)	B(43)	B(44)	B(45)
A(19)	43.46	44.24	45.03	45.82	46.61	47.40	48.19	48.98	49.77	50.56	51.34	52.13	52.92	53.71	54.50
A(20)	44.11	44.89	45.67	46.44	47.22	48.00	48.78	49.56	50.33	51.11	51.89	52.67	53.44	54.22	55.00
A(21)	44.77	45.53	46.30	47.07	47.83	48.60	49.37	50.13	50.90	51.67	52.43	53.20	53.97	54.73	55.50
A(22)	45.42	46.18	46.93	47.69	48.44	49.20	49.96	50.71	51.47	52.22	52.98	53.73	54.49	55.24	56.00
A(23)	46.08	46.82	47.57	58.31	49.06	49.80	50.54	51.29	52.03	52.78	53.52	54.27	55.01	55.76	56.50
A(24)	46.73	47.47	48.20	48.93	49.67	50.40	51.13	51.87	52.60	53.33	54.07	54.80	55.53	56.27	57.00
A(25)	47.39	48.11	48.83	49.56	50.28	51.00	51.72	52.44	53.17	53.89	54.61	55.33	56.06	56.78	57.50
A(26)	48.04	48.76	49.47	50.18	50.89	51.60	52.31	53.02	53.73	54.44	55.16	55.87	56.58	57.29	58.00
A(27)	48.70	49.40	50.10	50.80	51.50	52.20	52.90	53.50	54.30	55.00	55.70	56.40	57.10	57.80	58.50
A(28)	49.36	50.04	50.73	51.42	52.11	52.80	53.49	54.18	54.87	55.56	56.24	56.93	57.62	58.31	59.00
A(29)	50.01	50.60	51.37	52.04	52.72	53.40	54.08	54.76	55.43	56.11	56.79	57.47	58.14	58.82	59.50
A(30)	50.67	51.33	52.00	53.67	53.33	54.00	54.67	55.33	56.00	56.67	57.33	58.00	58.67	59.33	60.00
A(31)	51.32	51.98	52.63	53.29	53.94	54.60	55.26	55.91	56.57	57.22	57.88	58.53	59.19	59.84	60.50
A(32)	51.98	52.62	53.27	53.91	54.56	55.20	55.84	57.13	57.13	57.78	58.42	59.07	59.71	60.36	61.00
A(33)	52.63	53.27	53.90	54.53	55.17	55.80	56.43	57.07	57.70	58.33	58.97	59.60	60.23	60.87	61.50
A(34)	53.29	53.91	54.53	55.16	55.78	56.40	57.02	57.64	58.27	58.89	59.51	60.13	60.76	61.38	62.00
A(35)	53.94	54.56	55.17	55.78	56.39	57.00	57.61	58.22	58.83	59.44	60.06	60.67	61.28	61.89	62.50
A(36)	54.60	55.20	55.80	56.40	57.00	57.60	58.20	58.80	59.40	60.00	60.60	61.20	61.80	62.40	63.00
A(37)	55.26	55.84	56.43	57.02	57.61	58.20	58.79	59.38	59.97	60.56	61.14	61.73	62.32	62.91	63.50

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(31)	B(32)	B(33)	B(34)	B(35)	B(36)	B(37)	B(38)	B(39)	B(40)	B(41)	B(42)	B(43)	B(44)	B(45)
A(38)	55.91	56.49	57.07	57.64	58.22	58.80	59.38	59.96	60.53	61.11	61.69	62.27	62.84	63.42	64.00
A(39)	56.57	57.13	57.70	58.27	58.83	59.40	59.97	60.53	61.10	61.67	62.23	62.80	63.37	63.93	64.50
A(40)	57.22	57.78	58.33	58.89	59.44	60.00	60.56	61.11	61.67	62.22	62.78	63.33	63.89	64.44	65.00
A(41)	57.88	58.42	58.97	59.51	60.06	60.60	61.14	61.69	62.27	62.78	63.32	63.87	64.41	64.96	65.50
A(42)	58.53	59.07	59.60	60.13	60.67	61.20	61.73	62.27	62.80	63.33	63.87	64.40	64.93	65.47	66.00
A(43)	59.19	59.71	60.23	60.76	61.28	61.80	62.32	63.84	63.37	63.89	64.41	64.93	65.46	65.98	66.50
A(44)	59.84	60.36	60.87	61.38	61.89	62.40	62.91	63.42	63.93	64.44	64.96	65.47	65.98	66.49	67.00
A(45)	60.50	61.00	61.50	62.00	62.50	63.00	63.50	64.00	64.50	65.00	65.50	65.50	65.50	67.00	67.50
A(46)	61.16	61.64	62.13	62.62	63.13	63.60	64.09	64.58	65.07	65.56	66.04	66.53	67.02	67.51	68.00
A(47)	61.81	62.29	62.77	63.24	63.72	64.20	64.68	65.16	65.63	66.11	66.59	67.07	67.54	68.02	68.50
A(48)	62.47	62.93	63.40	63.87	64.33	64.80	65.27	65.73	66.20	66.67	67.13	67.60	68.07	68.53	69.00
A(49)	63.12	63.58	64.03	64.49	64.94	65.40	65.86	66.3	66.77	67.22	67.68	68.13	68.59	69.04	69.50
A(50)	63.78	64.22	64.67	65.11	65.56	66.00	66.44	66.89	67.33	67.78	68.22	68.67	69.11	69.56	70.00
A(51)	64.43	64.87	65.30	65.73	66.17	66.60	67.03	67.47	67.90	68.33	68.77	69.20	69.63	70.07	70.50
A(52)	65.09	65.51	65.93	66.33	66.78	67.20	67.62	68.40	68.47	68.89	69.31	69.73	70.16	70.58	71.00
A(53)	65.74	66.16	66.57	66.98	67.39	67.80	68.21	68.62	69.03	69.44	69.86	70.27	70.68	71.09	71.50
A(54)	66.40	66.80	67.20	67.60	68.00	68.40	68.80	68.20	69.60	70.00	70.40	70.80	71.20	71.60	72.00
A(55)	67.06	67.44	67.83	68.22	68.61	69.00	69.39	69.78	70.17	70.56	70.94	71.33	71.72	72.11	72.50
A(56)	67.71	68.09	68.47	68.84	69.22	69.60	69.98	70.36	70.73	71.11	71.49	74.87	72.24	72.62	73.00

	B(31)	B(32)	B(33)	B(34)	B(35)	B(36)	B(37)	B(38)	B(39)	B(40)	B(41)	B(42)	B(43)	B(44)	B(45)
A(57)	68.37	68.73	69.10	69.47	69.83	70.20	70.57	70.93	71.30	71.67	72.03	72.40	72.77	73.13	73.50
A(58)	69.02	69.38	69.79	70.09	70.44	70.80	71.16	71.51	71.87	72.22	72.58	72.93	73.29	73.64	74.00
A(59)	69.68	70.02	70.37	70.71	71.06	71.40	71.74	72.09	72.43	72.78	73.12	73.47	73.81	74.16	74.50
A(60)	70.33	70.67	71.00	71.33	71.57	72.00	72.33	72.67	73.00	73.33	73.67	74.00	74.33	74.67	75.00
A(61)	70.99	71.31	71.63	71.96	72.28	72.60	72.92	73.24	73.57	73.89	74.21	74.53	74.86	75.18	75.50
A(62)	71.64	71.96	72.27	72.58	72.89	73.20	73.51	73.82	74.13	74.44	74.76	75.07	75.38	75.69	76.00
A(63)	72.30	72.60	72.90	73.20	73.50	73.80	74.10	74.40	74.70	75.00	75.30	75.60	75.90	76.20	76.50
A(64)	72.96	73.24	73.53	73.82	74.11	74.40	74.69	74.98	75.27	75.56	75.84	76.13	76.42	76.71	77.00
A(65)	73.61	73.89	74.17	74.44	74.72	75.00	75.28	75.56	75.83	76.11	76.39	76.67	76.94	77.22	77.50
A(66)	74.27	74.53	74.80	75.07	75.33	75.60	75.87	76.13	76.40	76.67	76.93	77.20	77.47	77.73	78.00
A(67)	74.92	75.18	75.43	75.69	75.94	76.20	76.46	76.71	76.97	77.22	77.48	77.73	77.99	78.24	78.50
A(68)	75.58	75.82	76.07	76.31	76.56	76.80	77.04	77.29	77.53	77.78	78.02	78.27	78.51	78.76	79.00
A(69)	76.23	76.47	76.70	76.93	77.17	77.40	77.63	77.87	78.10	78.33	78.57	78.80	79.03	79.27	79.50
A(70)	76.89	77.11	77.33	77.56	77.78	78.00	78.22	78.44	78.67	78.89	79.11	79.33	79.56	79.78	80.00
A(71)	77.54	77.76	77.97	78.18	78.39	78.60	78.81	79.02	79.23	79.44	79.66	79.87	80.08	80.29	80.50
A(72)	78.20	78.40	78.60	78.80	79.00	79.20	79.40	79.60	79.80	80.00	80.20	80.40	80.60	80.80	81.00
A(73)	78.86	79.04	79.23	79.42	79.61	79.80	79.99	80.18	80.37	80.56	80.74	80.93	81.12	81.31	81.50
A(74)	79.51	79.69	79.87	80.04	80.22	80.40	80.58	80.76	80.93	81.11	81.29	81.47	81.64	81.82	82.00
A(75)	80.17	80.33	80.50	80.67	80.83	81.00	81.17	81.33	81.50	81.67	81.83	82.00	82.17	82.33	82.50

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(31)	B(32)	B(33)	B(34)	B(35)	B(36)	B(37)	B(38)	B(39)	B(40)	B(41)	B(42)	B(43)	B(44)	B(45)
A(76)	80.82	80.98	81.13	81.29	81.44	81.60	81.76	81.91	82.07	82.22	82.38	82.53	82.69	82.84	83.00
A(77)	81.48	81.62	81.77	81.91	82.06	82.20	82.34	82.49	82.63	82.78	82.92	83.07	83.21	83.36	83.50
A(78)	82.13	82.27	82.40	82.53	82.67	82.80	82.93	83.07	83.20	83.33	83.47	83.60	83.73	83.87	84.00
A(79)	82.79	82.91	83.03	83.16	83.28	83.40	83.52	83.64	83.77	83.89	84.01	84.13	84.26	84.38	84.50
A(80)	83.44	83.56	83.67	83.78	86.89	84.00	84.11	84.22	84.33	84.44	84.56	84.67	84.78	78.89	85.00
A(81)	84.10	84.20	84.30	84.40	84.50	84.60	84.70	84.80	84.90	85.00	85.10	85.20	85.30	85.40	85.50
A(82)	84.76	84.84	84.93	85.02	85.11	85.20	85.29	85.38	85.47	85.56	85.64	85.73	85.82	85.91	86.00
A(83)	85.41	85.49	85.57	85.64	85.72	85.80	85.88	85.96	87.03	86.11	86.19	86.27	86.34	86.42	86.50
A(84)	86.07	86.13	86.20	86.27	86.53	86.40	86.47	86.53	87.60	86.67	86.73	86.80	86.87	86.93	87.00
A(85)	86.72	86.78	86.83	86.89	87.94	87.00	87.06	87.11	88.17	87.22	87.28	87.33	87.39	87.44	87.50
A(86)	87.38	87.42	87.47	87.51	88.56	87.60	87.64	87.69	88.73	87.78	87.82	87.87	87.91	87.96	88.00
A(87)	88.03	88.07	88.10	88.13	88.17	88.20	88.23	88.27	88.30	88.33	88.37	88.40	88.43	88.47	88.50
A(88)	88.69	88.71	88.73	88.76	89.78	88.80	88.82	88.84	88.87	88.89	88.91	88.93	88.96	88.98	89.00
A(89)	89.34	89.36	89.37	89.38	89.39	89.40	89.41	89.24	89.43	89.44	89.46	89.44	89.46	89.49	89.50
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

B(46)	B(47)	B(48)	B(49)	B(50)	B(51)	B(52)	B(53)	B(54)	B(55)	B(56)	B(57)	B(58)	B(59)	B(60)	
A(l)	46.49	47.48	48.47	49.46	50.44	51.43	52.42	53.41	54.40	55.39	56.38	57.37	58.36	59.34	60.33
A(2)	46.98	47.96	48.93	49.91	50.89	51.87	52.84	53.82	54.80	55.78	56.76	57.73	58.71	59.69	60.67
A(3)	47.47	48.43	49.40	50.37	51.33	52.30	53.27	54.23	55.20	56.17	57.12	58.10	59.07	60.03	61.00
A(4)	47.96	48.91	49.87	50.82	51.78	52.73	53.69	54.64	55.60	56.56	57.51	58.47	59.42	60.38	61.33
A(5)	48.44	49.39	50.33	51.28	52.22	53.17	54.11	55.06	56.00	56.94	57.89	58.83	59.78	60.72	61.67
A(6)	48.93	49.87	50.80	51.73	52.67	53.60	54.53	55.47	56.40	57.33	58.27	59.20	60.13	61.07	62.00
A(7)	49.42	50.34	51.27	52.19	53.11	54.03	54.96	55.88	56.80	57.72	58.64	59.57	60.49	61.41	62.33
A(8)	49.91	50.82	51.73	52.64	53.56	54.47	55.38	56.20	57.20	58.11	59.02	59.93	60.84	61.76	62.67
A(9)	50.40	51.30	52.20	53.10	54.00	54.90	55.80	56.70	57.60	58.50	59.40	60.30	61.20	62.10	63.00
A(10)	50.89	51.78	52.67	53.56	54.44	55.33	56.22	57.11	58.00	58.89	59.78	60.67	61.56	62.44	63.33
A(11)	51.38	52.26	53.13	54.01	54.83	55.77	56.64	57.52	58.40	59.28	60.16	61.03	61.91	62.79	63.67
A(12)	51.87	52.73	53.60	54.47	55.33	56.20	57.07	57.93	58.80	59.67	60.53	61.40	62.27	63.13	64.00
A(13)	52.36	53.21	54.07	54.92	55.78	56.63	57.49	58.34	59.20	60.06	60.91	61.77	62.62	63.48	64.33
A(14)	52.84	53.69	54.53	55.38	56.22	57.07	57.19	58.76	59.60	60.44	61.29	62.13	62.98	63.82	64.67
A(15)	53.33	54.17	55.00	55.83	56.67	57.50	58.33	59.17	60.00	60.83	61.67	62.50	63.33	64.17	65.00
A(16)	53.82	54.64	55.47	56.29	57.11	57.93	58.76	59.58	60.40	61.22	62.04	62.87	63.69	64.51	65.33
A(17)	54.31	55.12	55.93	56.74	57.56	58.37	59.18	59.99	60.80	61.61	62.42	63.23	64.04	64.86	65.67

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(46)	B(47)	B(48)	B(49)	B(50)	B(51)	B(52)	B(53)	B(54)	B(55)	B(56)	B(57)	B(58)	B(59)	B(60)
A(18)	54.80	55.60	56.40	57.20	58.00	58.80	59.60	60.40	61.20	62.00	62.80	63.60	64.40	65.20	66.00
A(19)	55.29	56.08	56.87	57.66	58.44	59.23	60.02	60.81	61.60	62.39	63.18	63.97	64.54	65.54	66.33
A(20)	55.78	56.56	57.33	58.11	58.89	59.67	60.44	61.22	62.00	62.78	63.56	64.33	65.11	65.89	66.67
A(21)	56.27	57.03	57.80	58.57	59.33	60.10	60.87	61.63	62.40	63.17	63.93	64.70	65.47	66.23	67.00
A(22)	56.76	57.51	58.27	59.02	59.78	60.53	61.29	62.04	62.80	63.56	64.31	65.07	65.82	66.58	67.33
A(23)	57.24	57.99	58.73	59.48	60.22	60.97	61.71	62.46	63.20	63.94	64.69	65.43	66.18	66.92	67.67
A(24)	57.73	58.47	59.20	59.93	60.67	61.40	62.13	62.87	63.60	64.33	65.07	65.80	66.53	67.27	68.00
A(25)	58.22	58.94	59.67	60.39	61.11	61.83	62.56	63.28	64.00	64.72	65.44	66.17	66.89	67.61	68.33
A(26)	58.71	59.42	60.13	60.84	61.56	62.27	62.98	63.69	64.40	65.11	65.82	66.53	67.24	67.96	68.67
A(27)	59.20	59.90	60.60	61.30	62.00	62.70	63.40	64.10	64.80	65.50	66.20	66.90	67.60	68.30	69.00
A(28)	59.69	60.38	61.07	61.76	62.44	63.13	63.82	64.51	65.20	65.89	66.58	67.27	67.96	68.64	69.33
A(29)	60.18	60.86	61.53	62.21	62.89	63.57	64.24	64.92	65.60	66.28	66.96	67.63	68.31	68.99	69.67
A(30)	60.67	61.33	62.00	62.67	63.33	64.00	64.67	65.33	66.00	66.67	67.33	68.00	68.67	69.33	70.00
A(31)	61.16	61.81	62.47	63.12	63.78	64.43	65.09	65.74'	66.40	67.06	67.71	68.37	69.02	69.68	70.33
A(32)	61.64	62.29	62.93	63.58	64.22	64.87	65.51	66.16	66.80	67.44	68.09	68.73	69.38	70.02	70.67
A(33)	62.13	62.77	63.40	64.03	64.67	65.30	65.93	66.57	67.20	67.83	68.47	69.10	69.73	70.37	71.00
A(34)	62.62	63.24	63.87	64.49	65.11	65.73	66.36	33.98	67.60	68.22	68.84	69.47	70.09	70.71	71.33
A(35)	63.11	63.72	64.33	64.94	65.56	66.17	66.78	67.39	68.00	68.61	69.22	69.83	70.44	71.06	71.67
A(36)	63.90	64.20	64.80	65.40	66.00	66.60	67.20	67.80	68.00	68.61	69.22	70.20	70.80	71.40	72.00

	B(46)	B(47)	B(48)	B(49)	B(50)	B(51)	B(52)	B(53)	B(54)	B(55)	B(56)	B(57)	B(58)	B(59)	B(60)
A(37)	64.09	64.68	65.27	65.86	66.44	67.03	67.62	68.04	68.40	69.00	69.60	70.57	71.16	71.74	72.33
A(38)	64.58	65.16	65.73	66.31	66.89	67.47	68.04	68.47	68.80	69.39	69.98	70.93	71.51	72.09	72.33
A(39)	65.07	65.63	66.20	66.27	67.33	67.90	68.47	69.03	69.60	70.17	70.73	71.30	71.87	72.43	73.00
A(40)	65.56	66.11	66.67	67.22	67.78	68.33	68.89	69.44	70.00	70.56	71.11	71.67	72.22	72.78	73.33
A(41)	66.04	66.59	67.13	67.68	68.22	68.77	69.31	69.86	70.40	70.94	71.49	72.03	72.58	73.12	73.67
A(42)	66.53	67.07	67.60	68.13	68.67	69.20	69.73	70.27	70.80	71.33	71.87	72.40	72.93	73.47	74.00
A(43)	67.02	67.54	68.07	68.59	69.11	69.63	70.16	70.68	71.20	71.72	72.24	72.77	73.29	73.81	74.33
A(44)	67.51	68.02	68.53	69.04	69.56	70.07	70.58	71.09	71.60	72.11	72.62	73.13	73.64	74.16	74.67
A(45)	68.00	68.50	69.00	69.50	70.00	70.50	71.00	71.50	72.00	72.50	73.00	73.50	74.00	74.50	75.00
A(46)	68.49	68.98	69.47	69.96	70.44	70.93	71.42	71.91	72.40	72.89	73.38	73.87	74.36	74.84	75.33
A(47)	68.98	69.46	69.93	70.41	70.89	71.37	71.84	72.32	72.80	73.28	73.76	74.23	74.71	75.19	75.67
A(48)	69.47	69.93	70.40	70.87	71.33	71.80	72.27	72.73	73.20	73.67	74.13	74.60	75.07	75.53	76.00
A(49)	69.96	70.41	70.87	71.32	71.78	72.23	72.69	73.14	73.60	74.06	74.51	74.97	75.42	75.88	76.33
A(50)	70.44	70.89	71.33	71.78	72.22	72.67	73.11	73.56	74.00	74.44	74.89	75.33	75.78	76.22	76.67
A(51)	70.93	71.37	71.80	72.23	72.67	73.10	73.53	73.97	74.40	74.83	75.27	75.70	76.13	76.57	77.00
A(52)	71.42	71.84	72.27	72.69	73.11	73.53	73.96	74.38	74.80	75.22	75.64	76.07	76.49	76.91	77.33
A(53)	71.91	72.32	72.73	73.14	73.56	73.97	74.38	74.79	75.20	75.61	76.02	76.43	73.84	77.26	77.67
A(54)	72.40	72.80	73.20	73.60	74.00	74.40	74.80	75.20	75.60	76.00	76.40	76.80	77.20	77.60	78.00
A(55)	72.89	73.28	73.67	74.06	74.44	74.83	75.22	75.61	76.00	76.39	76.78	77.17	77.56	77.94	78.33

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A 90)

	B(46)	B(47)	B(48)	B(49)	B(50)	B(51)	B(52)	B(53)	B(54)	B(55)	B(56)	B(57)	B(58)	B(59)	B(60)
A(56)	73.38	73.76	74.13	74.51	74.89	75.77	75.64	76.02	76.40	76.78	77.14	77.53	77.91	78.29	78.67
A(57)	73.87	74.23	74.60	74.97	75.33	75.70	76.07	76.43	76.80	77.17	77.53	77.90	78.27	78.63	79.00
A(58)	74.36	74.71	75.07	75.42	75.78	76.13	76.49	76.84	77.20	77.56	77.91	78.27	78.62	78.98	79.33
A(59)	74.84	75.19	77.53	75.88	76.22	76.57	76.91	77.26	77.60	77.94	78.29	78.63	78.98	79.32	79.67
A(60)	75.33	75.67	76.00	76.33	76.67	77.00	77.33	77.67	78.00	78.33	78.67	79.00	79.33	79.67	80.00
A(61)	75.82	76.14	76.47	76.79	77.11	77.43	77.76	78.08	78.40	78.72	79.04	79.37	79.69	80.01	80.33
A(62)	76.31	76.62	76.93	77.24	77.56	77.87	78.18	78.40	78.80	79.11	79.42	79.73	80.04	80.36	80.67
A(63)	76.80	77.10	77.40	77.70	78.00	78.30	78.60	78.90	79.20	79.50	79.80	80.10	80.40	80.70	81.00
A(64)	77.29	77.58	77.87	78.16	78.44	78.73	79.02	79.31	79.60	79.89	80.18	80.47	80.76	81.04	81.33
A(65)	77.78	78.06	78.33	78.61	78.89	79.17	79.44	79.72	80.00	80.28	80.56	80.83	81.11	81.39	81.67
A(66)	78.27	78.53	78.80	79.07	79.33	79.60	79.87	80.13	80.40	80.67	80.93	81.20	81.47	81.73	82.00
A(67)	78.76	79.01	79.27	79.52	79.78	80.03	80.29	80.54	80.80	81.06	81.31	81.57	81.82	82.08	82.33
A(68)	79.24	79.49	79.73	79.98	80.22	80.47	80.71	80.96	81.20	81.44	81.69	81.93	82.18	82.42	82.67
A(69)	79.73	79.97	80.20	80.43	80.67	80.90	81.13	81.37	81.60	81.83	82.07	82.30	82.53	82.77	83.00
A(70)	80.22	80.44	80.67	80.89	81.11	81.33	81.56	81.78	82.00	82.22	82.44	82.67	82.89	83.11	83.33
A(71)	80.71	80.92	81.13	81.34	81.56	81.77	81.98	82.19	82.40	82.61	82.82	83.03	83.24	83.46	83.67
A(72)	81.20	81.40	81.60	81.80	82.00	82.20	82.40	82.60	82.80	83.00	83.20	83.40	83.60	83.80	84.00
A(73)	81.69	81.88	82.07	82.26	82.44	82.63	82.82	83.01	83.20	83.39	83.58	83.77	83.96	84.14	84.33
A(74)	82.18	82.36	82.53	82.71	82.89	83.07	83.24	83.42	83.60	83.78	83.96	84.13	84.31	84.49	84.67

	B(46)	B(47)	B(48)	B(49)	B(50)	B(51)	B(52)	B(53)	B(54)	B(55)	B(56)	B(57)	B(58)	B(59)	B(60)
A(75)	82.67	82.83	83.00	83.17	83.33	83.50	83.67	83.83	84.00	84.17	84.33	84.50	84.67	84.83	85.00
A(76)	83.16	83.31	83.47	83.62	83.78	83.93	84.09	84.24	84.40	84.56	84.71	84.87	85.02	85.18	85.33
A(77)	83.64	83.79	83.93	84.08	84.22	84.37	84.51	84.66	84.80	84.94	85.09	85.23	85.38	85.52	85.67
A(78)	84.13	84.27	84.40	84.53	84.67	84.80	84.93	85.07	85.20	85.33	85.47	85.60	85.73	85.87	86.00
A(79)	84.62	84.74	84.87	84.99	85.11	85.23	85.36	85.48	85.60	85.72	85.84	85.97	86.09	86.21	86.33
A(80)	85.11	85.22	85.33	85.44	85.56	85.67	85.78	85.89	86.00	86.11	86.22	86.33	86.44	86.56	86.67
A(81)	85.60	85.70	85.80	85.90	86.00	86.10	86.20	86.30	86.40	86.50	86.60	86.70	86.80	86.90	87.00
A(82)	86.09	86.18	86.27	86.36	86.44	86.53	86.62	86.71	86.80	86.89	86.98	87.07	87.16	87.24	87.33
A(83)	86.58	86.66	86.73	86.81	86.89	86.97	87.04	87.12	87.20	87.28	87.36	87.43	87.51	87.59	87.67
A(84)	87.07	87.13	87.20	87.27	87.33	87.40	87.47	87.53	87.60	87.67	87.73	87.80	87.87	87.93	88.00
A(85)	87.56	87.61	87.67	87.72	87.78	87.83	87.89	87.94	88.00	88.06	88.11	88.17	88.22	88.28	88.33
A(86)	88.04	88.09	88.13	88.18	88.22	88.27	88.31	88.36	88.40	88.44	88.49	88.53	88.58	88.62	88.67
A(87)	88.53	88.57	88.60	88.63	88.67	88.70	88.73	88.77	88.80	88.83	88.87	88.90	88.93	88.97	89.00
A(88)	89.02	89.04	89.07	89.09	89.11	89.13	89.16	89.18	89.20	89.22	89.24	89.27	89.29	89.31	89.33
A(89)	89.51	89.52	89.53	89.54	89.56	89.57	89.58	89.59	89.60	89.61	89.62	89.63	89.64	89.66	89.67
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(61)	B(62)	B(63)	B(64)	B(65)	B(66)	B(67)	B(68)	B(69)	B(70)	B(71)	B(72)	B(73)	B(74)	B(75)
A(1)	61.32	62.31	63.30	64.29	65.28	66.27	67.26	68.24	69.23	70.22	71.21	72.20	73.19	74.18	75.17
A(2)	61.64	62.62	63.60	64.58	65.56	66.53	67.51	68.49	69.47	70.44	71.42	72.40	73.38	74.36	75.33
A(3)	61.97	62.93	63.90	64.87	65.83	66.80	67.77	68.73	69.70	70.67	71.63	72.60	73.57	74.53	75.50
A(4)	62.29	63.24	64.20	65.16	66.11	67.07	68.02	68.98	69.93	70.89	71.84	72.80	73.76	74.71	75.67
A(5)	62.61	63.56	64.50	65.44	66.39	67.33	68.28	69.22	70.17	71.11	72.06	73.00	73.94	74.89	75.83
A(6)	62.93	63.87	64.80	65.73	66.67	67.60	68.53	69.47	70.40	71.33	72.27	73.20	74.13	75.07	76.00
A(7)	63.26	64.18	65.10	66.02	66.94	67.87	68.79	69.71	70.63	71.56	72.48	73.40	74.32	75.24	76.17
A(8)	63.58	64.49	65.40	66.31	67.22	68.13	69.04	69.96	70.87	71.78	72.69	73.60	74.51	75.42	76.33
A(9)	63.90	64.80	65.70	66.60	67.50	68.40	69.30	70.20	72.10	72.00	72.90	73.80	74.70	75.60	76.50
A(10)	64.22	65.11	66.00	66.89	67.78	68.67	69.56	70.44	71.33	72.22	73.11	74.00	74.89	75.78	76.67
A(11)	64.54	65.42	66.30	67.18	68.06	68.93	69.81	70.69	71.57	72.44	73.32	74.20	75.08	75.96	76.83
A(12)	64.87	65.73	66.60	67.47	68.33	69.20	70.07	70.93	71.80	72.67	73.53	74.40	75.27	76.13	77.17
A(13)	65.19	66.04	66.90	67.78	68.61	69.47	70.32	71.18	72.03	72.89	73.74	74.60	75.46	76.49	77.33
A(14)	65.51	66.36	67.20	68.04	68.89	69.73	70.58	71.42	72.27	73.11	73.96	74.80	75.83	76.67	77.50
A(15)	65.83	66.67	67.50	68.33	69.17	70.00	70.83	71.67	72.50	73.33	74.17	75.00	76.02	76.84	77.67
A(16)	66.16	66.98	67.80	68.62	69.44	70.27	71.09	71.91	72.73	73.56	74.38	75.20	76.21	77.02	77.83
A(17)	66.68	67.29	68.10	68.91	69.72	70.53	71.34	72.16	72.97	73.78	74.59	75.40	76.40	77.20	78.00

	B(61)	B(62)	B(63)	B(64)	B(65)	B(66)	B(67)	B(68)	B(69)	B(70)	B(71)	B(72)	B(73)	B(74)	B(75)
A(18)	66.80	67.60	68.40	69.20	70.00	70.80	71.60	72.40	73.20	74.00	74.80	75.60	76.59	77.36	78.17
A(19)	67.12	67.91	68.70	69.49	70.28	71.07	71.86	72.64	73.43	74.22	75.01	75.80	76.78	77.56	78.33
A(20)	67.44	68.22	69.00	69.78	70.56	71.33	72.11	72.89	73.67	74.44	75.22	76.00	76.78	77.56	78.33
A(21)	67.77	68.53	69.30	70.07	70.80	71.60	72.37	73.13	73.90	74.67	75.43	76.20	76.97	77.73	78.50
A(22)	68.09	68.84	69.60	70.36	71.11	71.87	72.62	73.38	74.13	74.89	75.64	76.40	77.16	77.91	78.67
A(23)	68.14	69.10	69.90	70.64	71.39	72.13	72.88	73.62	74.37	75.11	75.86	76.60	77.34	78.09	78.83
A(24)	68.73	69.47	70.20	70.93	71.67	72.40	73.13	73.87	74.60	75.33	76.07	76.80	77.53	78.27	79.00
A(25)	69.06	69.78	70.50	71.22	71.94	72.67	73.39	74.11	74.83	75.56	76.28	77.00	77.72	78.44	79.17
A(26)	69.38	70.00	70.80	71.51	72.22	72.93	73.64	74.36	75.07	75.78	76.49	77.20	77.91	78.62	79.33
A(27)	69.07	75.40	71.10	71.80	72.50	73.20	73.90	74.60	75.30	76.00	76.70	77.40	78.10	78.80	79.50
A(28)	70.02	70.71	71.40	72.09	72.78	73.47	74.16	74.84	75.53	76.22	76.91	76.60	78.29	78.98	79.67
A(29)	70.34	71.02	71.70	72.38	73.06	73.73	74.41	75.09	75.77	76.44	77.12	77.80	78.48	79.6	79.83
A(30)	70.67	71.33	72.00	72.67	73.33	74.00	74.67	75.33	76.00	76.67	77.33	78.00	78.67	79.33	80.00
A(31)	70.99	71.64	72.30	72.96	73.61	74.27	74.92	75.58	76.23	76.89	77.54	78.20	78.86	79.51	80.17
A(32)	71.31	71.96	72.60	73.24	73.89	74.53	75.82	75.18	76.47	77.11	77.76	78.40	79.04	79.69	80.33
A(33)	71.69	72.27	72.90	73.53	74.17	74.80	75.43	76.07	76.70	77.33	77.97	78.60	79.23	79.87	80.50
A(34)	71.96	72.58	73.20	73.82	74.44	75.07	75.69	76.31	76.93	77.56	78.18	78.80	79.42	80.04	80.67
A(35)	72.28	72.89	73.50	74.11	74.72	75.33	75.94	76.56	77.17	77.78	78.39	79.00	79.61	80.22	80.83
A(36)	72.60	73.20	73.80	74.40	75.00	75.60	76.20	76.80	77.40	78.00	78.60	78.20	79.80	80.40	81.00

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(61)	B(62)	B(63)	B(64)	B(65)	B(66)	B(67)	B(68)	B(69)	B(70)	B(71)	B(72)	B(73)	B(74)	B(75)
A(37)	72.92	73.51	74.10	70.69	75.28	75.87	76.46	77.04	77.63	78.22	78.81	79.40	79.99	80.58	81.17
A(38)	73.24	73.82	74.40	74.99	75.56	76.13	76.71	77.29	77.87	78.44	79.02	79.60	80.18	80.76	81.33
A(39)	73.57	74.13	74.70	75.27	75.83	76.40	76.97	77.53	78.10	78.67	79.23	79.80	80.37	80.93	81.50
A(40)	73.89	74.44	75.00	75.56	76.11	76.67	77.22	77.78	78.33	78.89	79.44	80.00	80.56	81.11	81.67
A(41)	74.21	74.76	75.30	75.84	76.39	76.93	77.48	78.02	78.57	79.11	79.66	80.20	80.74	81.29	81.83
A(42)	74.43	75.07	75.60	76.13	76.67	77.20	77.73	78.27	78.80	79.33	79.87	80.40	80.93	81.47	82.00
A(43)	74.86	75.38	75.90	76.42	76.94	77.47	77.99	78.51	79.03	79.56	80.08	80.60	81.12	81.64	82.17
A(44)	75.18	75.69	76.20	76.71	77.22	77.73	78.24	78.76	79.27	79.78	80.29	80.80	81.31	81.82	82.33
A(45)	75.50	76.00	76.50	77.00	75.50	78.00	78.50	79.00	79.50	80.00	80.50	81.00	81.50	82.00	82.50
A(46)	75.82	76.31	76.80	77.29	77.78	78.27	78.76	79.24	79.73	80.22	80.71	81.20	81.69	82.18	82.67
A(47)	76.14	76.62	77.10	77.58	78.06	78.53	79.01	79.49	79.97	80.44	80.92	81.40	81.88	82.36	82.83
A(48)	76.47	76.93	77.40	77.87	78.33	78.80	79.27	79.73	80.20	80.67	81.13	81.60	82.07	82.53	83.00
A(49)	76.79	77.24	77.70	78.16	78.61	79.07	79.52	79.98	80.43	80.89	81.34	81.80	82.26	82.71	83.17
A(50)	77.11	77.56	78.00	78.44	78.89	79.33	79.78	80.22	80.67	81.11	81.56	82.00	82.44	82.89	83.33
A(51)	77.43	77.87	78.30	78.73	79.17	79.60	80.03	80.47	80.90	81.33	81.77	82.20	82.63	83.07	83.50
A(52)	77.76	78.18	78.60	79.02	79.44	79.87	80.29	80.71	81.13	81.56	81.98	82.40	82.82	83.24	83.67
A(53)	78.08	78.49	78.90	79.31	79.72	80.13	80.54	80.96	81.37	81.78	82.19	82.60	83.01	83.42	83.83
A(54)	78.40	78.80	79.20	79.60	80.00	80.40	80.80	81.20	81.60	82.00	82.40	82.80	83.20	83.60	84.00
A(55)	78.72	79.11	79.50	79.60	80.28	80.67	81.06	81.44	81.83	82.22	82.61	83.00	83.39	83.78	84.17

	B(61)	B(62)	B(63)	B(64)	B(65)	B(66)	B(67)	B(68)	B(69)	B(70)	B(71)	B(72)	B(73)	B(74)	B(75)
A(56)	79.04	79.42	79.80	80.18	80.56	80.93	81.33	81.69	82.07	82.44	82.82	83.20	83.58	83.96	84.33
A(57)	79.37	79.73	80.10	80.47	80.83	81.20	81.57	81.93	82.30	82.67	83.03	83.40	83.77	84.13	84.50
A(58)	79.69	80.04	80.40	80.76	81.11	81.47	81.82	82.18	82.53	82.89	83.24	83.60	83.96	84.31	84.67
A(59)	80.01	80.36	80.70	81.04	81.39	81.73	82.08	82.42	82.77	83.11	83.46	83.80	84.14	84.49	84.83
A(60)	80.33	80.67	81.00	81.33	81.67	82.00	82.33	82.67	83.00	83.33	83.67	84.00	84.33	84.67	85.00
A(61)	80.66	80.98	81.30	81.62	81.94	82.27	82.59	82.91	83.23	83.56	83.88	84.20	84.52	84.84	85.17
A(62)	80.98	81.29	81.60	81.91	82.22	82.53	82.84	83.16	83.47	83.78	84.09	84.40	84.71	85.02	85.33
A(63)	81.30	81.60	81.90	82.20	82.50	82.80	83.10	82.40	83.70	84.00	84.30	84.60	84.90	85.20	85.50
A(64)	81.62	81.91	82.20	82.49	82.78	83.07	83.36	83.64	83.93	84.22	84.51	84.80	85.09	85.38	85.67
A(65)	81.94	82.22	82.50	82.78	83.06	83.33	83.61	83.89	84.17	84.44	84.72	85.00	85.28	85.56	85.83
A(66)	82.27	82.53	82.80	83.07	83.33	83.60	83.87	84.13	84.40	84.67	84.93	85.20	85.47	85.73	86.00
A(67)	82.59	82.84	83.10	83.36	83.61	83.87	84.12	84.38	84.63	84.89	85.14	85.40	85.66	85.91	86.17
A(68)	82.91	83.16	83.40	83.64	83.89	84.13	84.38	84.62	84.87	85.11	85.36	85.60	85.84	86.09	86.33
A(69)	83.73	83.47	83.70	83.93	84.17	84.40	84.63	84.87	85.10	85.33	85.57	85.80	86.03	86.27	86.50
A(70)	83.56	83.78	84.00	84.22	84.44	84.67	84.89	85.11	85.33	85.56	85.78	86.00	86.22	86.44	86.67
A(71)	83.88	84.09	84.30	84.51	84.72	84.93	85.14	85.36	85.57	85.78	85.99	86.20	86.41	86.62	86.83
A(72)	84.20	84.40	84.60	84.80	85.00	85.20	85.40	85.60	85.80	86.00	86.20	86.40	86.60	86.80	87.00
A(73)	84.52	84.71	84.90	85.09	85.28	85.47	85.66	85.84	86.03	86.22	86.41	86.60	86.79	86.98	87.17
A(74)	84.84	85.02	85.20	85.38	85.56	85.73	85.91	86.09	86.27	86.44	86.62	86.80	86.98	87.16	87.33

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(61)	B(62)	B(63)	B(64)	B(65)	B(66)	B(67)	B(68)	B(69)	B(70)	B(71)	B(72)	B(73)	B(74)	B(75)
A(75)	85.17	85.33	85.50	85.67	85.83	86.00	86.17	86.33	86.50	86.67	86.83	87.00	87.17	87.33	87.50
A(76)	85.49	85.64	85.80	85.96	86.11	86.27	86.42	86.58	86.73	86.89	87.04	87.20	87.36	87.51	87.67
A(77)	85.81	85.96	86.10	86.24	86.39	86.53	86.68	86.82	86.97	87.11	87.26	87.04	87.54	87.69	87.83
A(78)	86.13	86.27	86.40	86.53	86.67	86.80	86.93	87.07	87.20	87.33	87.47	87.60	87.43	87.87	88.00
A(79)	86.16	86.58	86.70	86.82	86.94	87.07	87.19	87.31	87.73	87.56	87.68	87.80	87.92	88.04	88.17
A(80)	86.78	86.89	87.00	87.11	87.22	87.33	87.44	87.56	87.67	87.78	87.89	88.00	88.11	88.22	88.33
A(81)	87.10	87.20	87.30	87.40	87.50	87.60	87.70	87.80	87.90	88.00	88.10	88.20	88.30	88.40	88.50
A(82)	87.42	87.51	87.60	87.69	87.78	87.87	87.96	88.04	88.13	88.22	88.31	88.40	88.49	88.58	88.67
A(83)	87.74	87.82	87.90	87.98	88.06	88.13	88.21	88.29	88.37	88.44	88.52	88.60	88.68	88.76	88.83
A(84)	88.07	88.13	88.20	88.27	88.33	88.40	88.47	88.53	88.60	88.67	88.73	88.80	88.87	88.93	89.00
A(85)	88.39	88.44	88.50	88.56	88.61	88.67	88.72	88.78	88.83	88.89	88.94	89.00	89.06	89.11	89.17
A(86)	88.71	88.76	88.80	88.84	88.89	88.93	88.98	89.02	89.07	89.11	89.16	89.20	89.24	89.29	89.33
A(87)	89.03	89.07	89.10	89.13	89.17	89.20	89.23	89.27	89.30	89.33	89.37	89.40	89.43	89.47	89.50
A(88)	89.36	89.38	89.40	89.42	89.44	89.47	89.49	89.51	89.53	89.56	89.58	89.60	89.62	89.64	89.67
A(89)	89.68	89.69	89.70	89.71	89.72	89.73	89.74	89.76	89.77	89.78	89.79	89.80	89.81	89.82	89.83
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

	B(76)	B(77)	B(78)	B(79)	B(80)	B(81)	B(82)	B(83)	B(84)	B(85)	B(86)	B(87)	B(88)	B(89)	B(90)
A(1)	76.16	77.14	78.13	79.12	80.11	81.10	82.09	83.08	84.07	85.06	86.04	87.03	88.02	89.01	90.00
A(2)	76.31	77.29	78.27	79.24	80.22	81.20	82.18	83.16	84.13	85.11	86.09	87.07	88.04	89.02	90.00
A(3)	76.47	77.43	78.40	79.37	80.33	81.30	82.27	83.23	84.20	85.17	86.13	87.10	88.07	89.03	90.00
A(4)	76.62	77.58	78.53	79.49	80.44	81.40	82.36	83.31	84.27	85.22	86.18	87.13	88.09	89.04	90.00
A(5)	76.78	77.72	78.67	79.61	80.56	81.50	82.44	83.39	84.33	85.28	86.22	87.17	88.11	89.06	90.00
A(6)	76.93	77.87	78.80	79.73	80.67	81.60	82.53	83.47	84.40	85.33	86.27	87.20	88.13	89.07	90.00
A(7)	77.09	78.01	78.93	79.86	80.78	81.70	82.62	83.54	84.47	85.39	86.31	87.23	88.16	89.09	90.00
A(8)	77.24	78.16	79.07	79.98	80.89	81.80	82.71	83.62	84.53	85.44	86.36	87.27	88.18	89.09	90.00
A(9)	77.40	78.30	79.20	80.10	81.00	81.90	82.80	83.70	84.60	85.50	86.40	87.30	88.20	89.10	90.00
A(10)	77.56	78.44	79.33	80.22	81.11	82.00	82.89	83.78	84.67	85.56	86.44	87.33	88.22	89.11	90.00
A(11)	77.71	78.59	79.47	80.34	81.22	82.10	82.98	83.86	84.73	85.61	86.49	87.37	88.24	89.12	90.00
A(12)	77.87	78.73	79.60	80.47	81.33	82.20	83.07	83.93	84.80	85.67	86.53	87.40	88.27	89.13	90.00
A(13)	78.02	78.88	79.73	80.59	81.44	82.30	83.16	84.01	84.87	85.72	86.18	87.43	88.29	89.16	90.00
A(14)	78.18	79.02	79.87	80.71	81.56	82.40	83.24	84.09	84.93	85.78	86.02	87.47	88.31	89.16	90.00
A(15)	78.33	79.17	80.00	80.83	81.67	82.50	83.33	84.17	85.00	85.83	86.61	87.50	88.33	89.17	90.00
A(16)	78.49	79.31	80.13	80.96	81.78	82.60	83.42	84.24	85.07	85.89	86.71	87.53	88.36	89.81	90.00
A(17)	78.64	79.46	80.27	81.08	81.89	82.70	83.51	84.32	85.13	85.94	86.76	87.57	88.38	89.19	90.00

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(76)	B(77)	B(78)	B(79)	B(80)	B(81)	B(82)	B(83)	B(84)	B(85)	B(86)	B(87)	B(88)	B(89)	B(90)
A(18)	78.80	79.60	80.40	81.20	82.00	82.80	83.60	84.40	85.20	86.00	86.80	87.60	88.40	89.20	90.00
A(19)	78.96	79.74	80.53	81.32	82.71	82.90	83.69	84.48	85.27	86.06	86.84	87.63	88.42	89.21	90.00
A(20)	79.11	79.89	80.67	81.44	82.22	83.00	83.78	84.56	85.33	86.11	86.89	87.67	88.44	89.22	90.00
A(21)	79.27	80.03	80.80	81.57	82.33	83.10	83.87	84.63	85.40	86.17	86.93	87.70	88.47	89.23	90.00
A(22)	79.42	80.18	81.93	81.69	82.44	83.20	83.96	84.71	85.47	86.22	86.98	87.73	88.49	89.24	90.00
A(23)	79.58	80.32	81.07	81.81	82.56	83.30	84.04	84.79	85.53	86.28	87.02	87.77	88.51	89.26	90.00
A(24)	79.73	80.47	81.20	81.93	82.67	83.40	84.13	84.87	85.60	86.33	87.07	87.80	88.53	89.27	90.00
A(25)	79.89	80.61	81.33	82.06	82.78	83.50	84.22	84.94	85.67	86.39	87.11	87.80	88.56	89.28	90.00
A(26)	80.04	80.76	81.47	82.18	82.89	83.60	84.31	85.02	85.73	86.44	87.16	87.89	88.58	89.29	90.00
A(27)	80.20	80.90	81.60	82.30	83.00	83.70	84.40	85.10	85.80	86.50	87.20	87.90	88.60	89.30	90.00
A(28)	80.36	81.04	81.73	82.42	83.11	83.80	84.49	85.18	58.87	86.56	87.24	87.93	88.62	89.31	90.00
A(29)	80.51	81.19	81.87	82.54	83.22	83.90	84.58	85.26	85.93	86.61	87.29	87.97	88.64	89.32	90.00
A(30)	80.67	81.33	82.00	82.67	83.33	84.00	84.67	85.33	86.00	86.67	87.33	88.00	88.67	89.33	90.00
A(31)	80.82	81.48	82.13	82.79	83.44	84.10	84.76	85.41	86.07	86.72	87.38	88.03	88.69	89.34	90.00
A(32)	80.98	81.62	82.27	82.91	83.56	84.20	84.84	85.49	86.13	86.78	87.42	88.07	88.70	89.36	90.00
A(33)	81.13	81.77	82.40	83.03	83.67	84.30	84.93	85.57	86.20	86.83	87.47	88.10	88.73	89.37	90.00
A(34)	81.29	81.91	82.53	83.16	83.78	84.40	85.02	85.64	86.27	86.89	87.51	88.13	88.67	89.38	90.00
A(35)	81.44	82.06	82.67	83.28	83.89	84.50	85.11	85.72	86.33	86.94	87.56	88.17	88.78	89.39	90.00
A(36)	81.60	82.20	82.80	83.40	84.00	84.60	85.20	85.80	86.40	87.00	87.60	88.20	88.80	89.40	90.00

	B(76)	B(77)	B(78)	B(79)	B(80)	B(81)	B(82)	B(83)	B(84)	B(85)	B(86)	B(87)	B(88)	B(89)	B(90)
A(37)	81.76	82.34	82.93	83.53	84.11	84.70	85.29	85.88	86.47	87.06	87.64	88.23	88.82	89.41	90.00
A(38)	81.91	82.49	83.07	83.64	84.22	84.80	85.38	85.96	86.53	87.11	87.69	88.27	88.84	89.42	90.00
A(39)	82.07	82.63	83.20	83.77	84.33	84.90	85.47	86.03	86.60	87.17	87.73	88.30	88.87	89.43	90.00
A(40)	82.22	82.78	83.33	83.89	84.44	85.00	85.56	86.11	86.67	87.22	87.78	88.33	88.89	89.44	90.00
A(41)	82.38	82.92	83.47	84.01	84.56	85.10	85.64	86.19	86.73	87.82	87.28	87.82	88.37	88.91	90.00
A(42)	82.53	83.07	83.60	84.13	84.67	85.20	85.73	86.27	86.80	87.33	87.87	88.40	88.93	89.46	90.00
A(43)	83.69	83.21	83.73	84.26	84.78	85.30	85.82	86.34	86.87	87.39	87.91	88.43	88.96	89.67	90.00
A(44)	82.84	83.36	83.87	84.38	84.89	85.40	85.91	86.42	86.93	87.44	87.96	88.47	88.98	89.84	90.00
A(45)	83.00	83.50	84.00	84.50	85.00	85.50	86.00	86.50	87.00	87.50	88.00	88.50	89.00	89.50	90.00
A(46)	83.16	83.64	84.13	84.62	85.11	85.60	86.09	86.58	87.07	87.56	88.04	88.53	89.02	89.51	90.00
A(47)	83.31	83.79	84.27	84.74	85.22	85.70	86.18	86.66	87.13	87.61	88.09	88.57	89.04	89.52	90.00
A(48)	83.47	83.93	84.40	84.87	85.33	85.80	86.27	86.73	87.20	87.67	88.13	88.60	89.07	89.53	90.00
A(49)	83.62	84.08	84.53	84.99	85.44	85.90	86.36	86.81	87.27	87.72	88.18	88.63	89.09	89.54	90.00
A(50)	83.78	84.22	84.67	85.11	85.56	86.00	86.44	86.89	87.33	87.78	88.22	87.67	89.11	89.56	90.00
A(51)	83.93	84.37	84.80	85.23	85.67	86.10	86.53	86.97	87.40	87.83	88.27	88.70	89.13	89.57	90.00
A(52)	84.09	84.66	84.93	85.36	85.78	86.20	86.62	87.04	87.47	87.89	88.31	88.73	89.16	89.58	90.00
A(53)	84.24	84.66	85.07	85.48	85.89	86.30	86.71	87.12	87.53	87.94	88.36	88.77	89.18	89.59	90.00
A(54)	84.40	84.80	85.20	85.60	86.00	86.40	86.80	87.20	87.60	88.00	88.40	88.80	89.20	89.60	90.00
A(55)	84.56	84.94	85.33	85.72	86.11	86.50	86.89	87.28	87.67	88.06	88.44	88.83	89.22	89.61	90.00

Ready Reckoner Table for A+ B (90-A)

90

	B(76)	B(77)	B(78)	B(79)	B(80)	B(81)	B(82)	B(83)	B(84)	B(85)	B(86)	B(87)	B(88)	B(89)	B(90)
A(56)	84.71	85.09	85.47	85.84	86.22	86.60	86.98	87.36	87.73	88.11	88.49	88.87	89.24	89.62	90.00
A(57)	84.87	85.23	85.60	85.97	86.33	86.70	87.07	87.43	87.80	88.17	88.53	88.90	89.27	89.63	90.00
A(58)	85.02	85.38	85.73	86.09	86.44	86.80	87.16	87.51	87.87	88.22	88.58	88.93	88.29	89.64	90.00
A(59)	85.18	85.52	85.87	86.21	86.56	86.90	87.24	87.59	87.93	88.28	88.62	88.97	89.31	89.66	90.00
A(60)	85.33	85.67	86.00	86.33	86.67	87.00	87.33	87.67	88.00	88.33	88.67	89.00	89.67	89.67	90.00
A(61)	85.49	85.81	86.13	86.46	86.78	87.10	87.42	87.74	88.07	88.39	88.71	89.03	89.36	89.68	90.00
A(62)	85.64	85.96	86.27	86.58	86.89	87.20	87.51	87.82	88.13	88.44	88.76	89.07	89.38	89.69	90.00
A(63)	85.80	86.10	86.40	86.70	87.00	87.30	87.60	87.90	88.20	88.50	88.80	89.10	89.40	89.70	90.00
A(64)	85.96	86.24	86.53	86.82	87.11	87.40	87.69	87.98	88.27	88.56	88.84	89.13	89.42	89.71	90.00
A(65)	86.11	86.39	86.67	86.94	87.22	87.50	87.78	88.06	88.33	88.61	88.89	89.17	89.44	89.72	90.00
A(66)	86.27	86.53	86.80	87.07	87.33	87.60	87.87	88.13	88.40	88.67	88.93	89.20	89.47	89.73	90.00
A(67)	86.42	86.68	86.93	87.19	87.44	87.70	87.96	88.21	88.47	88.72	88.98	89.23	89.49	89.74	90.00
A(68)	86.58	86.87	87.07	87.31	87.56	87.80	88.04	88.29	88.53	88.78	89.02	89.27	89.51	89.76	90.00
A(69)	86.73	86.97	87.20	87.43	87.67	87.90	88.13	88.37	88.60	88.83	89.07	89.30	89.53	89.77	90.00
A(70)	86.89	87.41	87.33	87.56	87.78	88.00	88.22	88.44	88.67	88.89	89.11	89.33	89.56	89.78	90.00
A(71)	87.04	87.18	87.47	87.68	87.89	88.10	88.31	88.52	88.73	88.94	89.16	89.37	89.58	89.79	90.00
A(72)	87.20	87.40	87.60	87.80	88.00	88.20	88.40	88.60	88.80	89.00	89.20	89.40	89.60	89.80	90.00
A(73)	87.36	87.54	87.73	87.92	88.11	88.30	88.49	88.68	88.87	89.06	89.24	89.43	89.62	89.81	90.00
A(74)	87.51	87.69	87.87	88.04	88.17	88.33	88.50	88.67	88.93	89.11	89.29	89.47	89.64	89.82	90.00

	B(76)	B(77)	B(78)	B(79)	B(80)	B(81)	B(82)	B(83)	B(84)	B(85)	B(86)	B(87)	B(88)	B(89)	B(90)
A(75)	87.67	87.83	88.00	88.17	88.33	88.50	88.67	88.83	89.00	89.17	89.33	89.50	89.67	89.83	90.00
A(76)	87.82	87.98	88.13	88.29	88.44	88.60	88.76	88.91	89.07	89.22	89.38	89.53	89.69	89.84	90.00
A(77)	87.98	88.12	88.27	88.41	88.56	88.70	88.84	88.99	89.13	89.28	89.42	89.57	89.71	89.86	90.00
A(78)	88.13	88.27	88.40	88.53	88.67	88.80	88.93	89.07	89.20	89.33	89.47	89.60	89.73	89.87	90.00
A(79)	89.29	88.41	88.53	88.66	88.78	88.90	89.02	89.14	89.27	89.39	89.51	89.63	89.76	89.88	90.00
A(80)	88.45	88.56	88.67	88.78	88.89	89.00	89.11	89.22	89.33	89.44	89.56	89.67	89.78	89.89	90.00
A(81)	88.60	88.70	88.80	88.90	89.00	89.10	89.20	89.30	89.40	89.50	89.60	89.70	89.80	89.90	90.00
A(82)	88.76	88.84	88.93	89.02	89.11	89.20	89.29	89.38	89.47	89.56	89.64	89.73	89.82	89.91	90.00
A(83)	88.91	88.99	89.07	89.14	89.22	89.30	89.38	89.46	89.53	89.61	89.69	89.77	89.84	89.92	90.00
A(84)	89.07	89.13	89.20	89.27	89.33	89.40	89.47	89.53	89.60	89.67	89.73	89.80	89.87	89.93	90.00
A(85)	89.22	89.28	89.33	89.39	89.44	89.50	89.56	89.61	89.67	89.72	89.78	89.83	89.89	89.94	90.00
A(86)	89.38	89.42	89.47	89.51	89.56	89.60	89.64	89.69	89.73	89.78	89.82	89.87	89.91	89.96	90.00
A(87)	89.53	89.57	89.60	89.63	89.67	89.70	89.73	89.77	89.80	89.83	89.87	89.90	89.93	89.97	90.00
A(88)	89.69	89.71	89.73	89.76	89.78	89.80	89.82	89.84	89.87	89.89	89.91	89.93	89.96	89.98	90.00
A(89)	89.47	89.86	89.87	89.88	89.89	89.90	89.91	89.92	89.93	89.94	89.96	89.97	89.98	89.99	90.00
A(90)	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00	90.00

Appendix-III of Annexure–A

STANDING HEIGHTS FOR INDIAN POPULATION (IN INCHES) MEAN AND STANDARD DEVIATIONS

Age	Mean	S.D.	-2S.D.	Mean	S.D.	-2S.D.
Less than 3 months	22.13	2.32	17.49	21.65	2.13	17.39
3 months+	24.68	1.58	21.52	23.98	2.40	21.80
6 months +	25.55	3.19	19.17	25.35	1.43	22.49
9 months +	27.36	1.77	23.82	26.26	1.52	23.22
1 year +	29.09	2.07	24.95	28.54	2.04	24.46
2 year +	32.13	2.10	27.93	31.53	2.28	26.97
3 year +	34.96	2.58	29.80	34.33	2.50	29.33
4 year +	37.80	2.65	32.50	37.20	2.50	32.20
5 year +	40.19	3.16	33.84	39.92	2.90	34.12
6 year +	42.71	2.81	37.09	42.28	3.41	35.46
7 year +	44.84	3.41	38.02	44.04	3.34	37.72
8 year +	46.96	2.89	41.18	46.53	3.03	40.47
9 year +	48.70	3.65	41.40	48.38	2.96	42.46
10 year +	48.97	3.93	41.11	50.55	3.15	44.25
11 year +	52.51	3.83	44.86	52.60	3.73	45.14
12 year +	54.45	3.99	46.47	54.80	4.03	46.74
13 year +	56.93	3.84	49.25	56.65	3.63	49.39
14 year +	59.10	3.95	51.20	58.07	3.82	50.43
15 year +	61.22	3.94	53.34	58.89	3.27	52.35
16 year +	62.79	3.84	55.11	59.44	2.80	53.84
17 year +	63.54	4.11	55.32	59.64	2.95	53.74
18 year +	64.21	3.76	56.69	59.72	2.31	55.10
19 year +	64.37	3.79	56.79	59.72	2.31	55.10
20 year +	64.60	2.75	59.10	59.72	2.32	55.08
21 year +	64.64	2.40	59.84	60.24	2.24	55.76

Annexure-B

CERTIFICATE OF MENTAL RETARDATION FOR GOVERNMENT BENEFITS

This is to certify that Shri/Smt./Kum. .....

Son/Daughter of ..... of

Village/Town/City..... with particulars given below:—

(a) Age

(b) Sex

(c) Signature/Thumb impression

CATEGORISATION OF MENTAL RETARDATION

Mild/Moderate/Server/Profound

Validity of the Certificate : Permanent

Signature of the Government
Doctor/Hospital with seal
Chairperson Mental Retardation
Certification Board

Recent Attested Photograph Showing the disability affixed Here.

Dated :

Place :

Annexure-B

STANDARD FORMAT OF THE CERTIFICATE

Certificate No. .....

Date .....

CERTIFICATE FOR THE PERSONS WITH DISABILITIES

This is to certify that Shri/Smt./Kum. ..... Son/wife/daughter of Shri. ..... Age ..... old male/female, Registration No. ..... is a case of ..... He/She is physically disabled/visual disabled/speech & hearing disabled and has .....% (..... per cent) permanent (physical impairment/visual impairment/speech & hearing impairment) in relation to his/her .....

Note:—

1. This condition is progressive/non-progressive/likely to improve/not likely to improve. *
2. Re-assessment is not recommended/is recommended after a period of..... months/years. *

* Strike out which is not applicable.

Sd/- Sd/- Sd/-
(DOCTOR) (DOCTOR) (DOCTOR)
Seal Seal Seal

Signature/Thumb impression
of the patient.

Countersigned by the
Medical Superintendent/CMO/Head of
Hospital (with seal)

Recent Attested Photograph Showing the disability affixed Here."

[F. No. 11012/2/2008-PCR(Desk)]
SANJEEV KUMAR,
Joint Secretary to Government of India.

Note:—The Principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, vide Notification Number G.S.R. 316(E), dated the 31st March, 1995.

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2414] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 26, 2010/अग्रहायण 5, 1932
No. 2414] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 26, 2010/AGRAHAYANA 5, 1932

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2010

का.आ. 2848(अ).—संविधान के अनुच्छेद 338 के खंड (3) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर एवं सील के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष के संबंध में दिनांक 8 अक्तूबर, 2010 को तथा उपाध्यक्ष एवं 3 अन्य सदस्यों के संबंध में दिनांक 3 नवम्बर, 2010 को जारी किए गए नियुक्ति वारंट के अनुसरण में निम्नलिखित व्यक्तियों ने उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए अपने संबंधित कार्यालयों में कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	डॉ. पी. एल. पूनिया	अध्यक्ष	15 अक्तूबर, 2010 (पूर्वाह्न)
2.	श्री राज कुमार वेरका	उपाध्यक्ष	4 नवम्बर, 2010 (पूर्वाह्न)
3.	श्री राजू परमार	सदस्य	4 नवम्बर, 2010 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एम. शिवन्ना	सदस्य	4 नवम्बर, 2010 (पूर्वाह्न)
5.	श्रीमती लता प्रियाकुमार	सदस्य	12 नवम्बर, 2010 (पूर्वाह्न)

2. डॉ. पी. एल. पूनिया, संसद सदस्य (लोक सभा) होने के कारण, समय-समय पर यथासंशोधित, संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेंशन अधिनियम, 1994 के उपबंधों तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की बैठकों में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता के पात्र हैं ।

[फा. सं. 17016/44/2009-एस.सी.डी.-VI]

संजीव कुमार, संयुक्त सचिव

CS: 43

MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November, 2010

S.O. 2848(E).—In pursuance of Warrant of appointment issued on 8th October, 2010 in respect of the Chairperson and 3rd November, 2010 in respect of Vice-Chairperson and 3 Members by the President of India under her hand and seal by virtue of powers vested in her under clause (3) of Article 338 of the Constitution, the following persons have assumed charge of their respective offices in the National Commission for Scheduled Castes (NCSC) for a period of three years with effect from the dates shown against each of them :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of assumption of charge
1.	Dr. P. L. Punia	Chairperson	15th October, 2010 (FN)
2.	Shri Raj Kumar Verka	Vice-Chairperson	4th November, 2010 (FN)
3.	Shri Raju Parmar	Member	4th November, 2010 (FN)
4.	Shri M. Shivanna	Member	4th November, 2010 (FN)
5.	Smt. Latha Priyakumar	Member	12th November, 2010 (FN)

2. Dr. P. L. Punia, being a Member of Parliament (Lok Sabha) is entitled to get TA/DA for attending the meetings of NCSC in accordance with the provisions of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1994, as amended from time to time and the Rules made thereunder.

[F. No. 17016/44/2009-SCD-VI]

SANJEEV KUMAR, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

CS 43

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2351] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 18, 2014/कार्तिक 27, 1936
No. 2351] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 18, 2014/KARTIKA 27, 1936

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(वित्तीय बाजार प्रभाग)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2014

का.आ. 2931(अ).— भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 4 की उप-धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार की अधिसूचना सं. का.आ. 1985(अ) तारीख 24 अगस्त, 2012 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना में, क्रमांक 2 के समक्ष विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :

"2 मनोज जोशी, सदस्य"
संयुक्त सचिव,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
भारत सरकार

[फा. सं. 2/12/2012-आर.ई.]

शर्मिला चावलि, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी : मूल अधिसूचना दिनांक 21.2.92 के का.आ. 147(अ) के तहत प्रकाशित की गई थी तथा उसमें का.आ. 821(अ) दिनांक 5.11.1992, का.आ. 483(अ) दिनांक 5.7.1993, का.आ. 632(अ) दिनांक 12.7.1995, का.आ. 450(अ) दिनांक 21.6.1996, का.आ. 644(अ) दिनांक 19.09.1996, का.आ. 89(अ) दिनांक 31.01.2001, का.आ. 573(अ) दिनांक 28.05.2002, का.आ. 1805(अ) दिनांक 23.12.2005, का.आ. 2245(अ) तारीख 03.09.2010 तथा का.आ. 1985(अ) की अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(FINANCIAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 2014

S.O. 2931(E).— In exercise of powers conferred by Sub-Section 3 read with Section 4 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, number S.O. 1985(E) dated 24th August, 2012 namely:—

In the said Notification, against serial number 2 and the entries relating thereto, the following entry shall be substituted, namely:—

"2. Manoj Joshi Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Government of India	Member"

[F. No. 2/12/2012-RE]

SHARMILA CHAVALY, Jt. Secy.

Foot Note: The Principal notification was published *vide* S.O. 147(E) dated 21.2.1992 and amended *vide* notification S.O. 821(E) dated 5.11.1992, S.O. 483(E) dated 5.7.1993, S.O. 632(E) dated 12.7.1995, S.O. 450(E) dated 21.6.1996, S.O. 644(E) dated 19.9.1996, S.O. 89(E) dated 31.1.2001, S.O. 573(E) dated 28.5.2002, S.O. 1805(E) dated 23.12.2005, S.O. 2245(E) dated 03.09.2010 and S.O. 1985(E) dated 24.08.2012.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

GOVERNMENT OF KERALA

Home (C) Department

NOTIFICATIONS

I

G.O. (Rt) No. 622/90/Home Dated, Trivandrum, 29th January, 1990.

S.R.O. No. 104/90.- In exercise of the powers conferred by Section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Central Act 33 of 1989) the Government of Kerala with the concurrence of the Chief Justice of the High Court of Kerala hereby specify each of the Principal District Courts mentioned in column (1) of the schedule below to be a Special Court for the district mentioned against each in column(2) thereof to try the offences under the said Act.

SCHEDULE

Name of Court with headquarters (1)	District (2)
1. District Court, Trivandrum	Trivandrum
2. District Court, Quilon	Quilon,-
3. District Court, Pathanamthitta	Pathanamthitta
4. District Court, Alleppey	Alleppey
5. District Court, Kottayam	Kottayam
6. District Court, Thodupuzha	Thodupuzha
7. District Court, Ernakulam	Ernakulam
8. District Court, Trichur	Trichur
9. District Court, Palghat	Palghat
10. District Court, Kozhikode	Kozhikode
11. District Court, Tellicherry	Tellicherry
12. District Court, Manjeri	Manjeri
13. District Court, Wayanad	Kalpetta
14. District Court, Kasaragode	Kasaragode.

By order of the Governer,

C. RAMACHANDRAN,
Secretary to Government.

Explanatory Note

(This does not form part of the notification, but is intended to indicate its general purport.)

The Scheduled Castes and
Bill, 1989 passed by
Parliament

to specify and notify Special Courts under Section 14 of the Act with effect from 30th January 1990.

This notification is intended to achieve the above purport.

II

G.O. (Rt) No. 622/90/Home Dated, Trivandrum, 29th January, 1990

S.R.O. No. 105/90.- In exercise of the powers conferred by Section 15 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Central Act 33 of 1989), Government of Kerala hereby specify each of the Public Prosecutors mentioned in column (1) of the Schedule below to be a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting cases under the said Act in the Court specified against each in column (2) thereof.

SCHEDULE

Name of Public Prosecutor with Headquarters	Name of Court
(1)	(2)
1. District Government Pleader and Public Prosecutor, Trivandrum.	1. District Court, Trivandrum.
2. District Government Pleader and Public Prosecutor, Quilon.	2. District Court, Quilon.
3. District Government Pleader and Public Prosecutor, Alleppey.	3. District Court, Alleppey.
4. District Government Pleader and Public Prosecutor, Kottayam.	4. District Court, Pathanamthitta.
5. District Government Pleader and Public Prosecutor, Kottayam.	5. District Court, Kottayam.
6. District Government Pleader and Public Prosecutor, Thodupuzha.	6. District Court, Idukki District, Thodupuzha.
7. District Government Pleader and Public Prosecutor, Ernakulam.	7. District Court, Ernakulam.
8. District Government Pleader and Public Prosecutor, Trichur.	8. District Court, Trichur.
9. District Government Pleader and Public Prosecutor, Palghat.	9. District Court, Palghat.
10. District Government Pleader and Public Prosecutor, Kozhikode.	10. District Court, Kozhikode.
11. District Government Pleader and Public Prosecutor, Tellicherry	11. District Court, Cannanore, Tellicherry.
12. District Government Pleader and Public Prosecutor, Manjeri.	12. District Court, Malappuram, Manjeri.
13. District Government Pleader and Public Prosecutor, Kalpetta	13. District Court, Wayanadu, Kalpetta.
14. District Government Pleader and Public Prosecutor, Kasaragod.	14. District Court, Kasaragod.

By order of the Gover

C. RAMACHANDRAN.
Secretary to Go

Explanatory Note

(This does not form part of the notification, but is intended to achieve it general purport).

The Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Bill, 1989, as passed by both Houses of Parliament was assented to the President on 11.9.1989. The Act is to be brought into force with effect from 30.1.1990. The Government of India have instructed the State Government to appoint Special Public Prosecutors under section 15 of the Act with effect from 30.1.1990.

This Notification is intended to achieve the above purport.

© കേരള സർക്കാർ
Government of Kerala
2015

Regn. No. KERBIL/2012/45073
dated 5-9-2012 with RNI
Reg. No. KL/TV(N)/634/2015-17

കേരള ഗസറ്റ്
KERALA GAZETTE

cs. A3

അസാധാരണം
EXTRAORDINARY

ആധികാരികമായി പ്രസിദ്ധപ്പെടുത്തുന്നത്
PUBLISHED BY AUTHORITY

വാല്യം 4 / Vol. IV | തിരുവനന്തപുരം, തിങ്കൾ / Thiruvananthapuram, Monday | 2015 ജൂൺ 1 / 1st June 2015 | 1190 ഇടവം 18 / 18th Idavam 1190 | 1937 ജ്യേഷ്ഠം 11 / 11th Jyaishta 1937 | നമ്പർ / No. 1314

GOVERNMENT OF KERALA

Home (C) Department

NOTIFICATION

G. O. (Ms.) No. 112/2015/Home. *Dated, Thiruvananthapuram, 1st June, 2015 / 18th Idavam, 1190.*

S. R. O. No. 359/2015.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Central Act 33 of 1989), read with section 9 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Central Act 2 of 1974) the Government of Kerala, with the concurrence of the Chief Justice of the High Court of Kerala, hereby establish a Special Court for the trial of offences under the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Central Act 33 of 1989), as specified in Column (2) of the table below with local area of jurisdiction as specified in Column (4) to sit at place as specified in Column (3) with effect from 6th June, 2015.

PRINTED AND PUBLISHED BY THE SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRESSES
AT THE GOVERNMENT CENTRAL PRESS, THIRUVANANTHAPURAM, 2015.

33/2185/2015/S-9.

SCHEDULE

Name of the Judicial District	*Name of the Court*	*Place of Sitting*	*Area of Jurisdiction*
(1)	(2)	(3)	(4)
Kollam	Special Court for the trial of offences under the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989	Kottarakkara	Revenue District of Kollam

By order of the Governor,

NALINI NETTO,

Additional Chief Secretary to Government.

Explanatory Note

(This does not form part of the notification, but is intended to indicate its general purport.)

As per notification issued as G. O. (Rt.) No. 622/90/Home dated 29th January, 1990, and published as S.R.O. No. 104/90, the Government have already specified all the Principal District Courts in the State as Special Courts for the trial of offences under the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989. Considering the growing pendency of these cases in the Judicial Districts of Kollam and Palakkad it has become necessary to establish Special Court under the said Act so as to ensure speedy trial of such cases, and accordingly the Government, vide G. O. (Ms.) No. 85/2014/Home dated 5th May, 2014 have sanctioned a Special Court each in the Districts of Kollam and Palakkad. The Government have ordered that the Special Court to be established in Kollam District will be located at Kottarakkara vide G. O. (Ms.) No. 100/2015/Home dated 22nd May, 2015. It is proposed to start the functioning of the Special Court in the Kollam District at Kottarakkara with effect from 6th June, 2015. It is also proposed to fix the local limits of the area to which the jurisdiction of the court shall extend.

The notification is intended to achieve the above object.

©
കേരള സർക്കാർ
Government of Kerala
2015

Regn. No. KERBIL/2012/45073
dated 5-9-2012 with RNI
Reg. No. KL/TV(N)/634/2015-17

CS 43

കേരള ഗസറ്റ്
KERALA GAZETTE

അസാധാരണം
EXTRAORDINARY

ആധികാരികമായി പ്രസിദ്ധപ്പെടുത്തുന്നത്
PUBLISHED BY AUTHORITY

വാല്യം 4 / Vol. IV | തിരുവനന്തപുരം, വ്യാഴം / Thiruvananthapuram, Thursday | 2015 ജൂലൈ 23 / 23rd July 2015 | 1190 കർക്കടകം 7 / 7th Karkadakam 1190 | 1937 ശ്രാവണം 1 / 1st Sravana 1937 | നമ്പർ / No. 1750

GOVERNMENT OF KERALA

Home (C) Department

NOTIFICATION

G. O. (Rt.) No. 1857/2015/Home.

Dated, Thiruvananthapuram, 23rd July, 2015
7th Karkadakam, 1190.

S. R. O. No. 473/2015.—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Central Act 33 of 1989), the Government of Kerala hereby appoint Shri Dheeraj Ravi, Advocate, Roll No. K/3462/1999, Gouri Shivam, Thevally P. O., Kollam as Special Public Prosecutor for conducting cases in the Special Court for the trial of offences under the

Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 at Kottarakkara in Kollam District for a period of three years.

By order of the Governor,

NALINI NETTO,

Additional Chief Secretary to Government.

Explanatory Note

(This does not form part of the notification, but is intended to indicate its general purport.)

The Government consider it necessary to appoint Shri Dheeraj Ravi, Advocate, Gouri Shivam, Thevally P. O., Kollam as Special Public Prosecutor under section 15 of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 for conducting cases in the Special Court for the trial of offences under the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 at Kottarakkara in Kollam District.

The notification is intended to achieve the above object.

PRINTED AND PUBLISHED BY THE SUPERINTENDENT OF GOVERNMENT PRESSES
AT THE GOVERNMENT CENTRAL PRESS, THIRUVANANTHAPURAM, 2015.

रजिस्ट्री सं० डी०एल०-33004 / 2000 REGISTERED NO. DL-33004/2000

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II — खण्ड 1
PART II — Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 9, 2000 / ज्येष्ठ 19, 1922
No. 30] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 9, 2000 / JYAISTHA 19, 1922

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Legislative Department)

New Delhi, the 9th June, 2000/ *Jyaistha* 19, 1922 (*Saka*)

The following Act of Parliament received the assent of the President on the 9th June, 2000, and is hereby published for general information:—

THE CONSTITUTION (EIGHTY-FIRST AMENDMENT) ACT, 2000

[*9th June,* 2000.]

An Act further to amend the Constitution of India.

BE it enacted by Parliament in the Fifty-first Year of the Republic of India as follows:—

1. This Act may be called the Constitution (Eighty-first Amendment) Act, 2000. Short title.

2. In article 16 of the Constitution, after clause (4A), the following clause shall be inserted, namely:— Amendment of article 16.

"(4B) Nothing in this article shall prevent the State from considering any unfilled vacancies of a year which are reserved for being filled up in that year in accordance with any provision for reservation made under clause (4) or clause (4A) as a separate class of vacancies to be filled up in any succeeding year or years and such class of

Bill No. 62-F of 1989

THE SCHEDULED CASTES AND THE SCHEDULED TRIBES (PREVENTION OF ATROCITIES) ~~BILL~~ Act, 1989

(As passed by the Houses of Parliament—
Lok Sabha on 16th August, 1989
Rajya Sabha on 18th August, 1989)

Assented to on 11.SEP.1989
Act No.....39..... of 1989

~~Bill No. 62-F of 1989~~

THE SCHEDULED CASTES AND THE SCHEDULED TRIBES (PREVENTION OF ATROCITIES) ~~BILL~~ 1989

(C.A. 32/89) Act

(AS ~~PASSED BY THE HOUSES OF~~ PARLIAMENT)

A ~~BILL~~ Act

to prevent the commission of offences of atrocities against the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, to provide for Special Courts for the trial of such offences and for the relief and rehabilitation of the victims of such offences and for matters connected therewith or incidental thereto.

BE it enacted by Parliament in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

Short title, extent and commencement.

1. (1) This Act may be called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989.

(2) It extends to the whole of India except the State of Jammu and Kashmir.

(3) It shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

Definitions.

2. (1) In this Act, unless the context otherwise requires,—

(a) "atrocity" means an offence punishable under section 3;

2 of 1974.

(b) "Code" means the Code of Criminal Procedure, 1973;

(*c*) "Scheduled Castes and Scheduled Tribes" shall have the meanings assigned to them respectively under clause (24) and clause (25) of article 366 of the Constitution;

(*d*) "Special Court" means a Court of Session specified as a Special Court in section 14;

(*e*) "Special Public Prosecutor" means a Public Prosecutor specified as a Special Public Prosecutor or an advocate referred to in section 15;

(*f*) words and expressions used but not defined in this Act and defined in the Code or the Indian Penal Code shall have the meanings assigned to them respectively in the Code, or as the case may be, in the Indian Penal Code. 45 of 1860.

(*2*) Any reference in this Act to any enactment or any provision thereof shall, in relation to an area in which such enactment or such provision is not in force, be construed as a reference to the corresponding law, if any, in force in that area.

CHAPTER II

OFFENCES OF ATROCITIES

Punishments for offences of atrocities.

3. (*1*) Whoever, not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,—

(*i*) forces a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to drink or eat any inedible or obnoxious substance;

(*ii*) acts with intent to cause injury, insult or annoyance to any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe by dumping excreta, waste matter, carcasses or any other obnoxious substance in his premises or neighbourhood;

(*iii*) forcibly removes clothes from the person of a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or parades him naked or with painted face or body or commits any similar act which is derogatory to human dignity;

(*iv*) wrongfully occupies or cultivates any land owned by, or allotted to, or notified by any competent authority to be allotted to, a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or gets the land allotted to him transferred;

(*v*) wrongfully dispossesses a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe from his land or premises or interferes with the enjoyment of his rights over any land, premises or water;

(*vi*) compels or entices a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to do 'begar' or other similar forms of forced or bonded labour other than any compulsory service for public purposes imposed by Government;

(*vii*) forces or intimidates a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe not to vote or to vote to a particular candidate or to vote in a manner other than that provided by law;

(*viii*) institutes false, malicious or vexatious suit or criminal or other legal proceedings against a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(*ix*) gives any false or frivolous information to any public servant and thereby causes such public servant to use his lawful power to the injury or annoyance of a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(*x*) intentionally insults or intimidates with intent to humiliate a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe in any place within public view;

(*xi*) assaults or uses force to any woman belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe with intent to dishonour or outrage her modesty;

(*xii*) being in a position to dominate the will of a woman belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and uses that position to exploit her sexually to which she would not have otherwise agreed;

(*xiii*) corrupts or fouls the water of any spring, reservoir or any other source ordinarily used by members of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes so as to render it less fit for the purpose for which it is ordinarily used;

(*xiv*) denies a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe any customary right of passage to a place of public resort or obstructs such member so as to prevent him from using or having access to a place of public resort to which other members of public or any section thereof have a right to use or access to;

(*xv*) forces or causes a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to leave his house, village or other place of residence,

shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to five years and with fine.

(*2*) Whoever, not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,—

(*i*) gives or fabricates false evidence intending thereby to cause, or knowing it to be likely that he will thereby cause, any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to be convicted of an offence which is capital by the law for the time being in force shall be punished with imprisonment for life and with fine; and if an innocent member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe be convicted and executed in consequence of such false or fabricated evidence, the person who gives or fabricates such false evidence, shall be punished with death;

(*ii*) gives or fabricates false evidence intending thereby to cause, or knowing it to be likely that he will thereby cause, any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to be convicted of an offence which is not capital but punishable with imprisonment for a term of seven years or upwards, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years or upwards and with fine;

(*iii*) commits mischief by fire or any explosive substance intending to cause or knowing it to be likely that he will thereby cause damage to any property belonging to a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;

(*iv*) commits mischief by fire or any explosive substance intending to cause or knowing it to be likely that he will thereby cause destruction of any building which is ordinarily used as a place of worship or as a place for human dwelling or as a place for custody of the property by a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, shall be punishable with imprisonment for life and with fine;

(*v*) commits any offence under the Indian Penal Code punishable with imprisonment for a term of ten years or more against a person or property on the ground that such person is a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or such property belongs to such member, shall be punishable with imprisonment for life and with fine; 45 of 1860.

(*vi*) knowingly or having reason to believe that an offence has been committed under this Chapter, causes any evidence of the commission of that offence to disappear with the intention of screening the offender from legal punishment, or with that intention gives any information respecting the offence which he knows or believes to be false, shall be punishable with the punishment provided for that offence; or

(*vii*) being a public servant, commits any offence under this section, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than one year but which may extend to the punishment provided for that offence.

Punishment for neglect of duties.

4. Whoever, being a public servant but not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, wilfully neglects his duties required to be performed by him under this Act, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to one year.

Enhanced punishment for subsequent conviction.

5. Whoever, having already been convicted of an offence under this Chapter is convicted for the second offence or any offence subsequent to the second offence, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than one year but which may extend to the punishment provided for that offence.

Application of certain provisions of the Indian Penal Code.

6. Subject to the other provisions of this Act, the provisions of section 34, Chapter III, Chapter IV, Chapter V, Chapter VA, section 149 and Chapter XXIII of the Indian Penal Code, shall, so far as may be, apply for the purposes of this Act as they apply for the purposes of the Indian Penal Code.

45 of 1860.

Forfeiture of property of certain persons.

7. (*1*) Where a person has been convicted of any offence punishable under this Chapter, the Special Court may, in addition to awarding any punishment, by order in writing, declare that any property, movable or immovable or both, belonging to the person, which has been used for the commission of that offence, shall stand forfeited to Government.

(*2*) Where any person is accused of any offence under this Chapter, it shall be open to the Special Court trying him to pass an order that all or any of the properties, movable or immovable or both, belonging to him, shall, during the period of such trial, be attached, and where such trial ends in conviction, the property so attached shall be liable to forfeiture to the extent it is required for the purpose of realisation of any fine imposed under this Chapter.

Presumption as to offences.

8. In a prosecution for an offence under this Chapter, if it is proved that—

(*a*) the accused rendered any financial assistance to a person accused of, or reasonably suspected of, committing, an offence under this Chapter, the Special Court shall presume, unless the contrary is proved, that such person had abetted the offence;

(*b*) a group of persons committed an offence under this Chapter and if it is proved that the offence committed was a sequel to any existing dispute regarding land or any other matter, it shall be presumed that the offence was committed in furtherance of the common intention or in prosecution of the common object.

Conferment of powers.

9. (*1*) Notwithstanding anything contained in the Code or in any other provision of this Act, the State Government may, if it considers it necessary or expedient so to do,—

(*a*) for the prevention of and for coping with any offence under this Act, or

(*b*) for any case or class or group of cases under this Act,

in any district or part thereof, confer, by notification in the Official Gazette, on any officer of the State Government, the powers exercisable by a police officer under the Code in such district or part thereof or, as the case may be, for such case or class or group of cases, and in particular, the powers of arrest, investigation and prosecution of persons before any Special Court.

(*2*) All officers of police and all other officers of Government shall assist the officer referred to in sub-section (*1*) in the execution of the provisions of this Act or any rule, scheme or order made thereunder.

(3) The provisions of the Code shall, so far as may be, apply to the exercise of the powers by an officer under sub-section (1).

CHAPTER III

EXTERNMENT

Removal of person likely to commit offence.

10. (1) Where the Special Court is satisfied, upon a complaint or a police report that a person is likely to commit an offence under Chapter II of this Act in any area included in 'Scheduled Areas' or 'tribal areas', as referred to in article 244 of the Constitution, it may, by order in writing, direct such person to remove himself beyond the limits of such area, by such route and within such time as may be specified in the order, and not to return to that area from which he was directed to remove himself for such period, not exceeding two years, as may be specified in the order.

(2) The Special Court shall, along with the order under sub-section (1), communicate to the person directed under that sub-section the grounds on which such order has been made.

(3) The Special Court may revoke or modify the order made under sub-section (1), for the reasons to be recorded in writing, on the representation made by the person against whom such order has been made or by any other person on his behalf within thirty days from the date of the order.

Procedure on failure of person to remove himself from area and enter thereon after removal.

11. (1) If a person to whom a direction has been issued under section 10 to remove himself from any area—

(a) fails to remove himself as directed; or

(b) having so removed himself enters such area within the period specified in the order

otherwise than with the permission in writing of the Special Court under sub-section (2), the Special Court may cause him to be arrested and removed in police custody to such place outside such area as the Special Court may specify.

(2) The Special Court may, by order in writing, permit any person in respect of whom an order under section 10 has been made, to return to the area from which he was directed to remove himself for such temporary period and subject to such conditions as may be specified in such order and may require him to execute a bond with or without surety for the due observation of the conditions imposed.

(3) The Special Court may at any time revoke any such permission.

(4) Any person who, with such permission, returns to the area from which he was directed to remove himself shall observe the conditions imposed, and at the expiry of the temporary period for which he was permitted to return, or on the revocation of such permission before the expiry of such temporary period, shall remove himself outside such area and shall not return thereto within the unexpired portion specified under section 10 without a fresh permission.

(5) If a person fails to observe any of the conditions imposed or to remove himself accordingly or having so removed himself enters or returns to such area without fresh permission the Special Court may cause him to be arrested and removed in police custody to such place outside such area as the Special Court may specify.

Taking measurements and photographs, etc., of persons against whom order under section 10 is made.

12. (1) Every person against whom an order has been made under section 10 shall, if so required by the Special Court, allow his measurements and photographs to be taken by a police officer.

(2) If any person referred to in sub-section (1), when required to allow his measurements or photographs to be taken, resists or refuses to allow the taking of such measurements or photographs, it shall be lawful to use all necessary means to secure the taking thereof.

(3) Resistance to or refusal to allow the taking of measurements or photographs under sub-section (2) shall be deemed to be an offence under section 186 of the Indian Penal Code. 45 of 1860

(4) Where an order under section 10 is revoked, all measurements and photographs (including negatives) taken under sub-section (2) shall be destroyed or made over to the person against whom such order is made.

Penalty for non-compliance of order under section 10.

13. Any person contravening an order of the Special Court made under section 10 shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to one year and with fine.

CHAPTER IV

SPECIAL COURTS

Special Court.

14. For the purpose of providing for speedy trial, the State Government shall, with the concurrence of the Chief Justice of the High Court, by notification in the Official Gazette, specify for each district a Court of Session to be a Special Court to try the offences under this Act.

Special Public Prosecutor.

15. For every Special Court, the State Government shall, by notification in the Official Gazette, specify a Public Prosecutor or appoint an advocate who has been in practice as an advocate for not less than seven years, as a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting cases in that Court.

CHAPTER V

MISCELLANEOUS

Power of State Government to impose collective fine.

16. The provisions of section 10A of the Protection of Civil Rights Act, 1955, shall, so far as may be, apply for the purposes of imposition and realisation of collective fine and for all other matters connected therewith under this Act. 22 of 1955.

Preventive action to be taken by the law and order machinery

17. (*1*) A District Magistrate or a Sub-divisional Magistrate or any other Executive Magistrate or any police officer not below the rank of a Deputy Superintendent of Police may, on receiving information and after such inquiry as he may think necessary, has reason to believe that a person or a group of persons not belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, residing in or frequenting any place within the local limits of his jurisdiction is likely to commit an offence or has threatened to commit any offence under this Act and is of the opinion that there is sufficient ground for proceeding, declare such an area to be an area prone to atrocities and take necessary action for keeping the peace and good behaviour and maintenance of public order and tranquillity and may take preventive action.

(*2*) The provisions of Chapters VIII, X and XI of the Code shall, so far as may be, apply for the purposes of sub-section (*1*).

(*3*) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make one or more schemes specifying the manner in which the officers referred to in sub-section (*1*) shall take appropriate action specified in such scheme or schemes to prevent atrocities and to restore the feeling of security amongst the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

Section 438 of the Code not to apply to persons committing an offence under the Act.

18. Nothing in section 438 of the Code shall apply in relation to any case involving the arrest of any person on an accusation of having committed an offence under this Act.

Section 360 of the Code or the Provision of Offenders Act not to apply to persons guilty of an offence under the Act.

19. The provisions of section 360 of the Code and the provisions of the Probation of Offenders Act, 1958 shall not apply to any person above the age of eighteen years who is found guilty of having committed an offence under this Act. 20 of 1958.

Probation of

Act to override other laws.

20. Save as otherwise provided in this Act, the provisions of this Act shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other law for the time being in force or any custom or usage or any instrument having effect by virtue of any such law.

Duty of Government to ensure effective implementation of the Act.

21. (*1*) Subject to such rules as the Central Government may make in this behalf, the State Government shall take such measures as may be necessary for the effective implementation of this Act.

(*2*) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing provisions, such measures may include,—

(*i*) the provision for adequate facilities, including legal aid, to

the persons subjected to atrocities to enable them to avail themselves of justice;

(*ii*) the provision for travelling and maintenance expenses to witnesses, including the victims of atrocities, during investigation and trial of offences under this Act;

(*iii*) the provision for the economic and social rehabilitation of the victims of the atrocities;

(*iv*) the appointment of officers for initiating or exercising supervision over prosecutions for the contravention of the provisions of this Act;

(*v*) the setting up of committees at such appropriate levels as the State Government may think fit to assist that Government in formulation or implementation of such measures;

(*vi*) provision for a periodic survey of the working of the provisions of this Act with a view to suggesting measures for the better implementation of the provisions of this Act;

(*vii*) the identification of the areas where the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes are likely to be subjected to atrocities and adoption of such measures so as to ensure safety for such members.

(*3*) The Central Government shall take such steps as may be necessary to co-ordinate the measures taken by the State Governments under sub-section (*1*).

(*4*) The Central Government shall, every year, place on the table of each House of Parliament a report on the measures taken by itself and by the State Governments in pursuance of the provisions of this section.

Protection of action taken in good faith.

22. No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against the Central Government or against the State Government or any officer or authority of Government or any other person for anything which is in good faith done or intended to be done under this Act.

Power to make rules.

23. (*1*) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(*2*) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before each House of Parliament, while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the

case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

CS-43

ഭാരത സർക്കാർ

നിയമ മന്ത്രാലയം

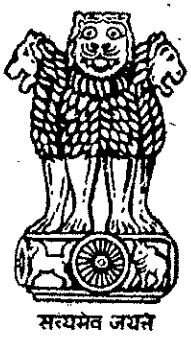

1989-ലെ പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ്

(1989-ലെ 33-ാം നമ്പർ ആക്റ്റ്)

(1992 ജൂൺ 5-ാം തീയതി നിലവിലിരുന്നപ്രകാരം)

THE SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT, 1989

(ACT No. 33 of 1989)

(As on 5th June, 1992)

വില : 35 രൂപ

©

യൂണിയൻ സർക്കാരിനുവേണ്ടി കേരള സർക്കാർ പ്രസ്സുകളുടെ സൂപ്രണ്ട് തിരുവനന്തപുരം
സർക്കാർ പ്രസ്സിൽ അച്ചടിച്ച് പ്രസിദ്ധീകരിക്കുന്നത്

2012

ആമുഖം

1992 ജൂൺ 5-ാം തീയതി നിലവിലിരുന്നപ്രകാരമുള്ള പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ്, 1989 (1989-ലെ 33-ാം നമ്പർ ആക്റ്റ്)-ന്റെ മലയാളത്തിലുള്ള ആധികാരികപാഠം ഈ പതിപ്പിൽ അടങ്ങിയിരിക്കുന്നു. 2011 ഒക്ടോബർ 19-ാം തീയതിയിലെ ഭാരത അസാധാരണ ഗസറ്റ് XI-ാം ഭാഗം 1-ാം വകുപ്പ്, 1-ാം വാല്യം, 9-ാം നമ്പരായി 1 മുതൽ 14 വരെയുള്ള പുറങ്ങളിൽ ഇത് പ്രസിദ്ധീകരിച്ചിരുന്നു.

ഈ ആധികാരിക പരിഭാഷ, ആധികാരിക പാഠങ്ങൾ (കേന്ദ്ര നിയമങ്ങൾ) ആക്റ്റ്, 1973-ന്റെ 2-ാം വകുപ്പ് (ക) ഖണ്ഡം അനുസരിച്ച് ഭാരതത്തിന്റെ രാഷ്ട്രപതി അധികാരപ്പെടുത്തിയപ്രകാരം പ്രസിദ്ധീകരിക്കുകയും അപ്രകാരം പ്രസിദ്ധീകരിച്ചതിൻമേൽ അത് ആ ആക്റ്റിന്റെ മലയാളത്തിലുള്ള ആധികാരികപാഠമായിത്തീരുകയും ചെയ്തു.

കെ. എൽ. മോഹൻപുരിയ,
ഭാരത സർക്കാരിന്റെ സെക്രട്ടറി.

PREFACE

This edition of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989 (Act No. 33 of 1989) as on 5th June, 1992 contains the authoritative text of that Act in Malayalam which was published in the Gazette of India Extraordinary Part XI, Section 1, Vol. 1, No. 9, dated 19th October, 2011 on pages 1 to 14.

This authorised translation was published under the authority of the President of India under clause (a) of Section 2 of the Authoritative Texts (Central Laws) Act, 1973 and on such publication it became the authoritative text of that Act in Malayalam.

K. L. MOHAN PURIA,
Secretary to the Government of India.

3/1439/2012/DTP.

1989-ലെ പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ്

(1989-ലെ 33-ാം നമ്പർ ആക്റ്റ്)

ഉള്ളടക്കം

വകുപ്പുകൾ		*പേജ്*
	അദ്ധ്യായം - I	
	പ്രാരംഭികം	
1.	ചുരുക്കപ്പേരും വ്യാപ്തിയും പ്രാരംഭവും	1
2.	നിർവ്വചനങ്ങൾ	1
	അദ്ധ്യായം - II	
	അതിക്രമ കുറ്റങ്ങൾ	
3.	അതിക്രമ കുറ്റങ്ങൾക്കുള്ള ശിക്ഷകൾ	2
4.	കർത്തവ്യങ്ങളിൽ ഉപേക്ഷകാണിക്കുന്നതിനുള്ള ശിക്ഷ	5
5.	പിന്നീടുള്ള കുറ്റ സ്ഥാപനത്തിനുള്ള വർദ്ധിപ്പിച്ച ശിക്ഷ	5
6.	ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയിലെ ചില വ്യവസ്ഥകൾ ബാധകമാക്കുന്നത്	6
7.	ചില ആളുകളുടെ വസ്തു കണ്ടുകെട്ടുന്നത്	6
8.	കുറ്റങ്ങൾ സംബന്ധിച്ചുള്ള അനുമാനം	6
9.	അധികാരങ്ങൾ നൽകൽ	6
	അദ്ധ്യായം - III	
	എക്സ്ക്ലേൺമെന്റ്	
10.	കുറ്റം ചെയ്യാൻ ഇടയുള്ള ആളെ നീക്കം ചെയ്യുന്നത്	7
11.	ഒരാൾ ഒരു പ്രദേശത്ത് നിന്നും സ്വയം മാറിപ്പോകാതിരിക്കുമ്പോഴും മാറിപ്പോയശേഷം അവിടെ പ്രവേശിക്കുമ്പോഴുമുള്ള നടപടിക്രമം	8
12.	10-ാം വകുപ്പിൻ കീഴിൽ ആർക്കെതിരായാണോ ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിക്കുന്നത് ആ ആളുടെ അളവുകളും ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളും മറ്റും എടുക്കുന്നത്	8
13.	10-ാം വകുപ്പിൻ കീഴിലുള്ള ഉത്തരവ് അനുസരിക്കാതിരിക്കലിനുള്ള ശിക്ഷ	9
	അദ്ധ്യായം - IV	
	സ്പെഷ്യൽ കോടതികൾ	
14.	സ്പെഷ്യൽ കോടതി	9
15.	സ്പെഷ്യൽ പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടർ	9

അദ്ധ്യായം - V

പലവക

16.	കൂട്ടപ്പിഴ ചുമത്താൻ സംസ്ഥാന സർക്കാരിനുള്ള അധികാരം	9
17.	നിയമ സമാധാന സംവിധാനോദ്യോഗസ്ഥൻമാർ സ്വീകരിക്കേണ്ട നിവാരക പ്രവർത്തനം	10
18.	ആക്റ്റിൻ കീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്യുന്ന ആളുകൾക്ക് നിയമ സംഹിതയിലെ 438-ാം വകുപ്പ് ബാധകമാകുന്നതല്ലെന്ന്	10
19.	ആക്റ്റിൻ കീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റത്തിന് അപരാധിയായുള്ള ആളുകൾക്ക് നിയമ സംഹിതയിലെ 360-ാം വകുപ്പോ കുറ്റക്കാരുടെ പ്രൊബേഷൻ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകളോ ബാധകമാകുന്നതല്ലെന്ന്	10
20.	ആക്റ്റിന് മറ്റു നിയമങ്ങളിൻമേൽ അധികപ്രഭാവം ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണെന്ന്	10
21.	ആക്റ്റിന്റെ ഫലപ്രദമായ നടത്തിപ്പ് ഉറപ്പുവരുത്തുവാൻ സർക്കാരിനുള്ള ചുമതല	11
22.	ഉത്തമവിശ്വാസപൂർവ്വം ചെയ്ത പ്രവൃത്തിക്ക് സംരക്ഷണം	12
23.	ചട്ടങ്ങൾ ഉണ്ടാക്കുന്നതിനുള്ള അധികാരം	12

1989-ലെ പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ്

(1989-ലെ 33-ാം നമ്പർ ആക്റ്റ്)

പട്ടികജാതികളിലും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളിലുംപെട്ട അംഗങ്ങൾക്ക് നേരെ അതിക്രമ കുറ്റങ്ങൾ ചെയ്യുന്നത് തടയുന്നതിനും, അങ്ങനെയുള്ള കുറ്റകൃത്യങ്ങൾ വിചാരണ ചെയ്യുന്നതിനുമുള്ള സ്പെഷ്യൽ കോടതികൾ ഏർപ്പെടുത്തുന്നതിനും അങ്ങനെയുള്ള കുറ്റകൃത്യങ്ങൾക്കിരയാകുന്നവരുടെ ആശ്വാസത്തിനും പുനരധിവാസത്തിനും വേണ്ടിയും അതിനോട് ബന്ധപ്പെട്ടതോ ആനുഷംഗികമായതോ ആയ കാര്യങ്ങൾ സംബന്ധിച്ച് വ്യവസ്ഥ ചെയ്യുന്നതിനുമുള്ള

ഒരു

ആക്റ്റ്

ഭാരത റിപ്പബ്ലിക്കിന്റെ നാൽപ്പതാം സംവത്സരത്തിൽ പാർലമെന്റ് താഴെപ്പറയും പ്രകാരം അധിനിയമം ചെയ്തിരിക്കുന്നു:—

അദ്ധ്യായം I

പ്രാരംഭികം

ചുരുക്കപ്പേരും വ്യാപ്തിയും പ്രാരംഭവും

1. (1) ഈ ആക്റ്റിന് 1989-ലെ പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ് എന്നു പേര് പറയാവുന്നതാണ്.

(2) ഇതിന് ജമ്മു-കാശ്മീർ സംസ്ഥാനമൊഴികെയുള്ള ഭാരതം മുഴുവൻ വ്യാപ്തിയുണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്.

(3) ഇത് കേന്ദ്ര സർക്കാർ, ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി നിശ്ചയിക്കുന്ന അങ്ങനെയുള്ള തീയതിയിൽ പ്രാബല്യത്തിൽ വരുന്നതാണ്.

നിർവ്വചനങ്ങൾ

2. (1) ഈ ആക്റ്റിൽ, സന്ദർഭം മറ്റുവിധത്തിൽ ആവശ്യപ്പെടാത്ത പക്ഷം,—

(ക) "അതിക്രമം" എന്നാൽ 3-ാം വകുപ്പിൻകീഴിൽ ശിക്ഷാർഹമായ ഒരു കുറ്റം എന്നർത്ഥമാകുന്നു ;

(ഖ) "നിയമസംഹിത" എന്നാൽ 1973-ലെ ക്രിമിനൽ നടപടി നിയമസംഹിത എന്നർത്ഥമാകുന്നു ; *1974-ലെ 2*

(ഗ) "പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും" എന്നതിന് ഭാരതത്തിന്റെ ഭരണഘടനയിലെ 366-ാം അനുച്ഛേദം 24-ഉം 25-ഉം ഖണ്ഡങ്ങളിൽ യഥാക്രമം നൽകിയിട്ടുള്ള അർത്ഥം ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ് ;

(ഘ) "സ്പെഷ്യൽ കോടതി" എന്നാൽ 14-ാം വകുപ്പിൽ ഒരു സ്പെഷ്യൽ കോടതിയായി വിനിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട ഒരു സെഷൻസ് കോടതി എന്നർത്ഥമാകുന്നു ;

(ങ) "സ്പെഷ്യൽ പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടർ" എന്നാൽ സ്പെഷ്യൽ പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടർ ആയി 15-ാം വകുപ്പിൽ വിനിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട ഒരു പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടറോ അല്ലെങ്കിൽ ആ വകുപ്പിൽ പരാമർശിക്കപ്പെട്ട ഒരു അഡ്വക്കേറ്റോ എന്നർത്ഥമാകുന്നു ;

1860-ലെ 45

(ച) ഈ ആക്റ്റിൽ ഉപയോഗിക്കുകയും എന്നാൽ നിർവ്വചിക്കാതിരിക്കുകയും നിയമസംഹിതയിലോ ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയിലോ നിർവ്വചിക്കുകയും ചെയ്തിട്ടുള്ള വാക്കുകൾക്കും പദപ്രയോഗങ്ങൾക്കും, അതതു സംഗതിപോലെ, നിയമസംഹിതയിലോ അല്ലെങ്കിൽ ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയിലോ അവയ്ക്ക് യഥാക്രമം നൽകിയിട്ടുള്ള അർത്ഥം ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാകുന്നു.

(2) ഏതെങ്കിലും നിയമത്തെയോ അല്ലെങ്കിൽ അതിന്റെ ഏതെങ്കിലും വ്യവസ്ഥയെയോപറ്റി, ഈ ആക്റ്റിലുള്ള ഏതെങ്കിലും പരാമർശം അങ്ങനെയുള്ള നിയമമോ അല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെയുള്ള വ്യവസ്ഥയോ പ്രാബല്യത്തിൽ ഇല്ലാത്ത ഒരു പ്രദേശത്തെ സംബന്ധിച്ച് ആ പ്രദേശത്ത് പ്രാബല്യത്തിലുള്ള തൽസ്ഥാനീയ നിയമം വല്ലതും ഉണ്ടെങ്കിൽ അതിന്റെ ഒരു പരാമർശമായി അർത്ഥം കൽപിക്കേണ്ടതാണ്.

അദ്ധ്യായം II

അതിക്രമ കുറ്റങ്ങൾ

അതിക്രമ കുറ്റങ്ങൾക്കുള്ള ശിക്ഷകൾ

3. (1) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്ര വർഗ്ഗത്തിലെയോ അംഗമല്ലാത്ത ഏതൊരാളാണോ,—

(i) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തെ കൊണ്ട് ഭക്ഷ്യയോഗ്യമല്ലാത്തതോ നിന്ദ്യമായതോ ആയ ഏതെങ്കിലും സാധനം തീറ്റിക്കുന്നതിനോ കുടിപ്പിക്കുന്നതിനോ ബലപ്രയോഗം നടത്തുന്നത്;

(ii) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഏതെങ്കിലും അംഗത്തിന് ക്ഷതിയോ അപമാനമോ അല്ലെങ്കിൽ അലട്ടലോ ഉണ്ടാക്കണമെന്ന ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടി വിസർജ്ജന വസ്തുക്കളോ പാഴ്വസ്തുക്കളോ, ജന്തുക്കളുടെ ശവശരീരങ്ങളോ മറ്റ് ഏതെങ്കിലും നിന്ദ്യമായ സാധനമോ അയാളുടെ പരിസരങ്ങളിലോ അയൽപക്കത്തോ കൂട്ടിയിടുകവഴി പ്രവർത്തിക്കുന്നത്;

(iii) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തിന്റെ ശരീരത്തിൽനിന്ന് ബലാൽക്കാരമായി വസ്ത്രങ്ങൾ മാറ്റുകയോ അല്ലെങ്കിൽ മുഖത്തോ ശരീരത്തിലോ ചായംതേച്ചോ നടത്തുന്നതോ അല്ലെങ്കിൽ മനുഷ്യന്റെ അന്തസ്സിന് ന്യൂനതയുണ്ടാക്കുന്ന അതേപോലെയുള്ള ഏതെങ്കിലും പ്രവൃത്തി ചെയ്യുകയോ ചെയ്യുന്നത്;

(iv) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തിന് ഉടമസ്ഥാവകാശം ഉള്ളതോ അലോട്ട് ചെയ്തിട്ടുള്ളതോ അല്ലെങ്കിൽ ക്ഷമതയുള്ള അധികാരസ്ഥാനത്താൽ അലോട്ട് ചെയ്യുന്നതിനുവേണ്ടി വിജ്ഞാപനം ചെയ്തിട്ടുള്ളതോ ആയ ഭൂമി അന്യായമായി കൈവശപ്പെടുത്തുകയോ കൃഷി ചെയ്യുകയോ അല്ലെങ്കിൽ അയാൾക്ക് അലോട്ട് ചെയ്ത ഭൂമി കൈമാറ്റം ചെയ്ത് എടുക്കുകയോ ചെയ്യുന്നത്;

(v) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തിന്റെ ഭൂമിയേയോ പരിസരപ്രദേശത്തെയോ അയാളുടെ കൈവശത്തിൽ നിന്നും അന്യായമായി നീക്കംചെയ്യുകയോ അല്ലെങ്കിൽ ഏതെങ്കിലും ഭൂമിയിൻമേലോ, പരിസരപ്രദേശത്തിൻമേലോ, വെള്ളത്തിൻമേലോ ഉള്ള അയാളുടെ അവകാശങ്ങൾ അനുഭവിക്കുന്നതിൽ കൈകടത്തുകയോ ചെയ്യുന്നത്;

(vi) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തെ പൊതു ആവശ്യത്തിനുവേണ്ടി സർക്കാർ ഏർപ്പെടുത്തിയിട്ടുള്ള ഏതെങ്കിലും നിർബന്ധിതസേവനം ഒഴികെ, 'ബിഗാർ' അല്ലെങ്കിൽ അതേ രൂപത്തിലുള്ള മറ്റു നിർബന്ധിത തൊഴിലോ അല്ലെങ്കിൽ അടിമപ്പണിയോ ചെയ്യാൻ നിർബന്ധിക്കുകയോ പ്രലോഭിപ്പിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(vii) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തെ വോട്ട് ചെയ്യാതിരിക്കുന്നതിനോ ഒരു പ്രത്യേക സ്ഥാനാർത്ഥിക്ക് വോട്ട് ചെയ്യുന്നതിനോ അല്ലെങ്കിൽ നിയമംമൂലം വ്യവസ്ഥ ചെയ്തിട്ടുള്ളതല്ലാത്തവിധത്തിൽ വോട്ട് ചെയ്യുന്നതിനോ നിർബന്ധിക്കുകയോ ഭയപ്പെടുത്തുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(viii) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തിനെതിരായി വ്യാജമായതോ, ദുരുദ്ദേശപരമായതോ, ശല്യപ്പെടുത്തുന്നതോ ആയ വ്യവഹാരമോ ക്രിമിനൽ നടപടികളോ മറ്റു നിയമ നടപടികളോ ആരംഭിക്കുന്നത് ;

(ix) ഏതെങ്കിലും വ്യാജമായതോ നിസ്സാരമായതോ ആയ വിവരം ഏതെങ്കിലും പബ്ലിക് സർവന്റിന് നൽകുകയും അതുവഴി അങ്ങനെയുള്ള പബ്ലിക് സർവന്റിന്റെ നിയമാനുസൃതമായ അധികാരം പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തിന് ക്ഷതിയോ അലട്ടോ ഉണ്ടാക്കത്തക്കവിധം ഉപയോഗിക്കുന്നതിന് ഇടയാക്കുകയും ചെയ്യുന്നത് ;

(x) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തെ പൊതുജനദൃഷ്ടിയിൽപ്പെടുന്ന ഏതെങ്കിലും സ്ഥലത്തുവച്ച് അവഹേളിക്കണമെന്ന ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടി ഉദ്ദേശപൂർവ്വം അപമാനിക്കുകയോ ഭയപ്പെടുത്തുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(xi) പട്ടികജാതിയിലോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലോപെടുന്ന ഏതെങ്കിലും സ്ത്രീയെ അൻാദരിക്കുകയോ മാനഭംഗപ്പെടുത്തുകയോ ചെയ്യണമെന്ന ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടി അവളുടെ നേരെ കയ്യേറ്റം നടത്തുകയോ ബലം പ്രയോഗിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(xii) പട്ടികജാതിയിലോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലോപെട്ട ഒരു സ്ത്രീയുടെ ഇച്ഛയെ സ്വാധീനപ്പെടുത്താവുന്ന ഒരു സ്ഥാനത്തായിരിക്കുകയും അങ്ങനെ അല്ലായിരുന്നെങ്കിൽ അവൾ സമ്മതിക്കില്ലായിരുന്ന ലൈംഗിക ചൂഷണത്തിന് ആ സ്ഥാനം ഉപയോഗിക്കുകയും ചെയ്യുന്നത് ;

(xiii) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ അംഗങ്ങൾ സാധാരണയായി ഉപയോഗിക്കുന്ന ഏതെങ്കിലും നിരുറവയിലെയോ ജലസംഭരണയിലെയോ അല്ലെങ്കിൽ മറ്റേതെങ്കിലും സ്രോതസ്സിലെയോ ജലം, അത് സാധാരണയായി ഉപയോഗിക്കുന്ന ആവശ്യത്തിനുള്ള അനുയോജ്യത കുറയത്തക്കവിധം ദുഷിപ്പിക്കുകയോ മലിനമാക്കുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(xiv) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരു അംഗത്തിന് ഒരു പൊതു സങ്കേത സ്ഥലത്തേക്ക് കടക്കുവാൻ കീഴ്നടപ്പു പ്രകാരമുള്ള ഏതെങ്കിലും അവകാശം നിഷേധിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെയുള്ള അംഗത്തെ പൊതുജനങ്ങളിലെ മറ്റ് അംഗങ്ങൾക്കോ അതിന്റെ ഏതെങ്കിലും

വിഭാഗത്തിലോ ഉപയോഗിക്കുവാനോ പ്രവേശിക്കുവാനോ അവകാശമുള്ള പൊതു സങ്കേത സ്ഥലം ഉപയോഗിക്കുന്നതിൽ നിന്നോ അവിടേക്ക് പ്രവേശിക്കുന്നതിൽനിന്നോ അയാളെ തടയത്തക്കവിധം പ്രതിബന്ധപ്പെടുത്തുകയോ ചെയ്യുന്നത് ;

(xv) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗത്തെ തന്റെ വീടോ ഗ്രാമമോ അല്ലെങ്കിൽ മറ്റു വാസസ്ഥലമോ വിട്ടു പോകുന്നതിന് നിർബന്ധിക്കുകയോ, ഇടയാക്കുകയോ ചെയ്യുന്നത്.

ആ ആൾ ആറുമാസത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ അഞ്ചുവർഷത്തോളമാകാവുന്നതുമായ ഒരു കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതാണ്.

(2) പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ അംഗമല്ലാത്ത ഏതൊരാളാണോ,

(i) വ്യാജമായ തെളിവു നൽകുകയോ നിർമ്മിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നതുവഴി പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഏതെങ്കിലും അംഗത്തിന്റെമേൽ തൽസമയം പ്രാബല്യത്തിലിരിക്കുന്ന നിയമപ്രകാരം മരണശിക്ഷാർഹമായ ഒരു കുറ്റം സ്ഥാപിക്കപ്പെടുവാൻ ഇടയാക്കണമെന്ന് ഉദ്ദേശിച്ചുകൊണ്ടോ ഇടയാക്കുവാൻ ഇടയുണ്ടെന്ന് അറിഞ്ഞുകൊണ്ടോ അങ്ങനെ ചെയ്യുന്നത് ആ ആൾ ജീവപര്യന്ത തടവു ശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും അങ്ങനെയുള്ള വ്യാജമോ വ്യാജനിർമ്മിതമോ ആയ തെളിവിന്റെ അനന്തരഫലമായി പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ നിരപരാധിയായ ഒരംഗത്തിന്റെമേൽ കുറ്റം സ്ഥാപിക്കപ്പെടുകയും വധശിക്ഷ നടത്തപ്പെടുകയും ചെയ്യുന്നുവെങ്കിൽ അങ്ങനെയുള്ള വ്യാജമായ തെളിവ് നൽകുകയോ നിർമ്മിക്കുകയോ ചെയ്യുന്ന ആൾ മരണശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ;

(ii) വ്യാജമായ തെളിവു നൽകുകയോ നിർമ്മിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നതുവഴി പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഏതെങ്കിലും അംഗത്തിന്റെമേൽ മരണശിക്ഷാർഹമല്ലാത്തതും എന്നാൽ ഏഴുവർഷമോ അതിൽ കൂടുതൽ കാലത്തേക്കോ ഉള്ള തടവുശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടാവുന്നതുമായ ഒരു കുറ്റം സ്ഥാപിക്കപ്പെടുവാൻ ഇടയാക്കണമെന്ന് ഉദ്ദേശിച്ചുകൊണ്ടോ ഇടയാക്കുവാനിടയുണ്ടെന്ന് അറിഞ്ഞുകൊണ്ടോ അങ്ങനെ ചെയ്യുന്നത്, ആ ആൾ ആറുമാസത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ ഏഴുവർഷത്തോളമോ അതിൽ കൂടുതലോ ആകാവുന്ന കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ;

(iii) തീയാലോ ഏതെങ്കിലും സ്ഫോടക പദാർത്ഥത്താലോ ദ്രോഹം ചെയ്യുന്നതുവഴി പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരു അംഗത്തിന്റേതായ ഏതെങ്കിലും വസ്തുവിന് നാശനഷ്ടം ഉണ്ടാക്കുവാൻ ഇടയാക്കണമെന്ന് ഉദ്ദേശിച്ചുകൊണ്ടോ ഇടയാക്കുവാനിടയുണ്ടെന്ന് അറിഞ്ഞുകൊണ്ടോ അങ്ങനെ ദ്രോഹം ചെയ്യുന്നത് ; ആ ആൾ ആറുമാസത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ ഏഴുവർഷത്തോളമാകാവുന്നതുമായ കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ;

(iv) തീയാലോ ഏതെങ്കിലും സ്ഫോടക പദാർത്ഥത്താലോ ദ്രോഹം ചെയ്യുന്നതുവഴി പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗം ഒരു ആരാധനസ്ഥലമായോ മനുഷ്യവാസ സ്ഥലമായോ വസ്തു സൂക്ഷിപ്പു സ്ഥലമായോ സാധാരണയായി ഉപയോഗിക്കുന്ന ഏതെങ്കിലും കെട്ടിടം നശിപ്പിക്കണം എന്നുള്ള ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടിയോ നശിപ്പിക്കുവാൻ ഇടയുണ്ടെന്ന് അറിഞ്ഞുകൊണ്ടോ അങ്ങനെ ദ്രോഹം ചെയ്യുന്നത്; ആ ആൾ ജീവപര്യന്ത തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ;

(v) പത്തുവർഷത്തേക്കോ അതിൽ കൂടുതൽ കാലത്തേക്കോ തടവുശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടാവുന്ന; ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതപ്രകാരം ഉള്ള ഏതെങ്കിലും കുറ്റം, ഒരാളിനെതിരായോ അല്ലെങ്കിൽ വസ്തുവിൻമേലോ അയാൾ പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരംഗമാണെന്നോ അല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെയുള്ള വസ്തു അങ്ങനെയുള്ള ഒരംഗത്തിന്റെ താണെന്നോ ഉള്ള കാരണത്തിൻമേൽ ചെയ്യുന്നത്, ആ ആൾ ജീവപര്യന്ത തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ; *1860-ലെ 45*

(vi) ഈ അദ്ധ്യായപ്രകാരമുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്തിട്ടുണ്ടെന്ന് അറിഞ്ഞുകൊണ്ടോ വിശ്വസിക്കുവാൻ കാരണമുണ്ടായിട്ടോ കുറ്റക്കാരനെ നിയമപ്രകാരമുള്ള ശിക്ഷയിൽനിന്ന് ഒഴിവാദനം ചെയ്യണമെന്ന ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടി ആ കുറ്റം ചെയ്യപ്പെട്ടതിന്റെ ഏതെങ്കിലും തെളിവ് അപ്രത്യക്ഷമാക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ ആ ഉദ്ദേശത്തോടുകൂടി ആ കുറ്റം സംബന്ധിച്ച് വ്യാജമാണെന്ന് താൻ അറിയുന്നതോ അല്ലെങ്കിൽ വിശ്വസിക്കുന്നതോ ആയ ഏതെങ്കിലും വിവരം നൽകുകയോ ചെയ്യുന്നത്, ആ ആൾ ആ കുറ്റത്തിന് വ്യവസ്ഥ ചെയ്തിട്ടുള്ള ശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും ; അല്ലെങ്കിൽ

(vii) ഒരു പബ്ലിക് സർവന്റ് ആയിരിക്കെ ഈ വകുപ്പുപ്രകാരമുള്ള ഏതെങ്കിലും കുറ്റം ചെയ്യുന്നത്, ആ ആൾ ഒരു വർഷത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ ആ കുറ്റത്തിന് വ്യവസ്ഥ ചെയ്തിട്ടുള്ള ശിക്ഷയുടെ കാലത്തോളം ആകാവുന്നതുമായ ഒരു കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതും,

ആണ്.

കർത്തവ്യങ്ങളിൽ ഉപേക്ഷ കാണിക്കുന്നതിനുള്ള ശിക്ഷ

4. ഒരു പബ്ലിക് സർവന്റ് ആയിരിക്കുകയും എന്നാൽ പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ ഒരു അംഗം അല്ലാത്തതുമായ ഏതൊരാളാണോ ഈ ആക്റ്റുപ്രകാരം അയാൾ ചെയ്യേണ്ടതാണെന്ന് ആവശ്യപ്പെട്ടിട്ടുള്ള അയാളുടെ കർത്തവ്യങ്ങളിൽ മനഃപൂർവ്വം ഉപേക്ഷ കാണിക്കുന്നത് ആ ആൾ ആറുമാസത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ ഒരു വർഷത്തോളമാകാവുന്നതുമായ ഒരു കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതാണ്.

പിന്നീടുള്ള കുറ്റ സ്ഥാപനത്തിനുള്ള വർദ്ധിപ്പിച്ച ശിക്ഷ

5. ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിൽ ഒരു കുറ്റത്തിന് നേരത്തെ കുറ്റസ്ഥാപനം ചെയ്യപ്പെട്ടതിനുശേഷം രണ്ടാമത്തെ കുറ്റത്തിനോ രണ്ടാമത്തെ കുറ്റത്തിനുശേഷമുള്ള ഏതെങ്കിലും കുറ്റത്തിനോ കുറ്റസ്ഥാപനം ചെയ്യപ്പെടുന്നത് ഏതൊരാളാണോ ആ ആൾ ഒരു വർഷത്തിൽ കുറയാത്തതും എന്നാൽ ആ കുറ്റത്തിന് വ്യവസ്ഥ ചെയ്തിട്ടുള്ള ശിക്ഷയുടെ കാലത്തോളമാകാവുന്നതുമായ ഒരു കാലത്തേക്ക് തടവുശിക്ഷ നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതാണ്.

ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാനിയമ സംഹിതയിലെ ചില വ്യവസ്ഥകൾ ബാധകമാക്കുന്നത്

6. ഈ ആക്റ്റിലെ മറ്റു വ്യവസ്ഥകൾക്ക് വിധേയമായി, ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയിലെ 34-ാം വകുപ്പ്, അദ്ധ്യായം III, അദ്ധ്യായം IV, അദ്ധ്യായം V, അദ്ധ്യായം Vക 149-ാം വകുപ്പ്, അദ്ധ്യായം XXIII, ഇവയിലെ വ്യവസ്ഥകൾ ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയുടെ ആവശ്യങ്ങൾക്ക് അവ എങ്ങനെ ബാധകമാകുന്നുവോ അതുപോലെ ഈ ആക്റ്റിന്റെ ആവശ്യങ്ങൾക്ക്, കഴിയുന്നിടത്തോളം, ബാധകമാകുന്നതാണ്. 1860-ലെ 45

ചില ആളുകളുടെ വസ്തു കണ്ടുകെട്ടുന്നത്

7. (1) ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിൽ ശിക്ഷിക്കപ്പെടാവുന്ന ഏതെങ്കിലും കുറ്റത്തിന് ഒരാൾ കുറ്റസ്ഥാപനം ചെയ്യപ്പെട്ടിരിക്കുമ്പോൾ, സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക്, ഏതെങ്കിലും ശിക്ഷ വിധിക്കുന്നതിനും പുറമേ, രേഖാമൂലമായ ഉത്തരവിനാൽ, ആ കുറ്റം ചെയ്യുന്നതിന് ഉപയോഗിക്കപ്പെട്ടിട്ടുള്ള അയാളുടെ വകയായ ഏതൊരു വസ്തുവും, ജംഗമമോ സ്ഥാവരമോ അല്ലെങ്കിൽ രണ്ടും കൂടിയോ, സർക്കാരിലേക്ക് കണ്ടുകെട്ടപ്പെട്ടിരിക്കുന്നതായി പ്രഖ്യാപിക്കാവുന്നതാണ്.

(2) ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിലുള്ള ഏതെങ്കിലും കുറ്റം ഏതെങ്കിലും ആളിൽ ആരോപിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുമ്പോൾ അയാളെ വിചാരണ ചെയ്യുന്ന സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക്, അയാളുടെ വകയായ വസ്തുക്കൾ, ജംഗമമോ സ്ഥാവരമോ അല്ലെങ്കിൽ രണ്ടും കൂടിയോ, എല്ലാമോ അവയിൽ ഏതെങ്കിലുമോ, അങ്ങനെയുള്ള വിചാരണ നടക്കുന്ന കാലയളവിലേക്ക് ജപ്തി ചെയ്യപ്പെട്ടിരിക്കുന്നതായി ഒരു ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിക്കാവുന്നതും അങ്ങനെയുള്ള വിചാരണ കുറ്റസ്ഥാപനത്തിൽ അവസാനിക്കുന്നിടത്ത് ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിൽ ചുമത്തപ്പെട്ട ഏതെങ്കിലും പിഴ ഈടാക്കുന്ന ആവശ്യത്തിന് വേണ്ടിടത്തോളം അങ്ങനെ ജപ്തി ചെയ്യപ്പെട്ട വസ്തു കണ്ടുകെട്ടപ്പെടാൻ ബാദ്ധ്യസ്ഥമായിരിക്കുന്നതുമാണ്.

കുറ്റങ്ങൾ സംബന്ധിച്ചുള്ള അനുമാനം

8. ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം സംബന്ധിച്ച ഒരു പ്രോസിക്യൂഷനിൽ,—

(ക) പ്രതി ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്തതായി ആരോപിക്കപ്പെട്ടതോ അല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെ ചെയ്തതായി ന്യായമായി സംശയിക്കപ്പെടുന്നതോ ആയ ഒരാളിന്, ഏതെങ്കിലും ധനസഹായം നൽകിയിട്ടുണ്ടെന്ന് തെളിയിക്കപ്പെടുന്നുവെങ്കിൽ, വിപരീതമായത് തെളിയിക്കപ്പെടാത്തപക്ഷം, സ്പെഷ്യൽ കോടതി, അങ്ങനെയുള്ള ആൾ ആ കുറ്റകൃത്യത്തിന് പ്രേരണ നൽകിയിരുന്നുവെന്ന് അനുമാനിക്കേണ്ടതാണ്;

(ഖ) ഈ അദ്ധ്യായത്തിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ഒരുകൂട്ടം ആളുകൾ ചെയ്തതായി തെളിയിക്കപ്പെടുകയും ആ കുറ്റം ഭൂമിയേയോ മറ്റേതെങ്കിലും സംഗതിയേയോ സംബന്ധിച്ച് നിലവിലുള്ള ഏതെങ്കിലും തർക്കത്തിന്റെ അനന്തരഫലമായിരുന്നുവെന്ന് തെളിയിക്കപ്പെടുകയും ചെയ്യുന്നപക്ഷം, ആ കുറ്റം ചെയ്യപ്പെട്ടത് പൊതുലക്ഷ്യത്തെ പുരോഗമിപ്പിക്കുന്നതിനോ അല്ലെങ്കിൽ പൊതു ഉദ്ദേശ്യം നേടുന്നതിനോ ആയിരുന്നുവെന്ന് അനുമാനിക്കേണ്ടതാണ്.

അധികാരങ്ങൾ നൽകൽ

9. (1) നിയമസംഹിതയിലോ ഈ ആക്റ്റിലെ മറ്റേതെങ്കിലും വ്യവസ്ഥയിലോ എന്തുതന്നെ അടങ്ങിയിരുന്നാലും, സംസ്ഥാന സർക്കാരിന് അപ്രകാരം ചെയ്യുന്നത് ആവശ്യമെന്നോ സമീചീനമെന്നോ അത് കരുതുന്ന പക്ഷം,—

(ക) ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഏതെങ്കിലും കുറ്റം തടയുന്നതിനോ നേരിടുന്നതിനോവേണ്ടി, അല്ലെങ്കിൽ

(ഖ) ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഏതെങ്കിലും കേസിനോ അല്ലെങ്കിൽ ഏതെങ്കിലും വിഭാഗം അഥവാ ഗ്രൂപ്പ് കേസുകൾക്കോ വേണ്ടി, ഏതെങ്കിലും ജില്ലയിലോ അതിന്റെ ഭാഗത്തോ, സംസ്ഥാന സർക്കാരിന്റെ ഏതെങ്കിലും ഉദ്യോഗസ്ഥന്, അങ്ങനെയുള്ള ജില്ലയിലോ അതിന്റെ ഭാഗത്തോ, അല്ലെങ്കിൽ അതതു സംഗതിപോലെ, അങ്ങനെയുള്ള കേസിനോ അല്ലെങ്കിൽ വിഭാഗം അഥവാ ഗ്രൂപ്പ് കേസുകൾക്കോവേണ്ടി ഒരു പോലീസ് ഉദ്യോഗസ്ഥന് നിയമസംഹിതപ്രകാരം പ്രയോഗിക്കാവുന്നതായ അധികാരങ്ങൾ, പ്രത്യേകിച്ചും അറസ്റ്റ്, അന്വേഷണം, ഏതെങ്കിലും സ്പെഷ്യൽ കോടതി മുമ്പാകെ ആളുകളെ പ്രോസിക്യൂട്ട് ചെയ്യൽ എന്നിവയ്ക്കുള്ള അധികാരങ്ങൾ, ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി നൽകാവുന്നതാണ്.

(2) എല്ലാ പോലീസുദ്യോഗസ്ഥൻമാരും സർക്കാരിന്റെ മറ്റെല്ലാ ഉദ്യോഗസ്ഥൻമാരും (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൽ പരാമർശിക്കപ്പെട്ട ഉദ്യോഗസ്ഥനെ ഈ ആക്റ്റിലെയോ അതിൻകീഴിൽ ഉണ്ടാക്കപ്പെട്ട ഏതെങ്കിലും ചട്ടത്തിലെയോ, സ്കീമിലെയോ അല്ലെങ്കിൽ ഉത്തരവിലെയോ വ്യവസ്ഥകൾ നടപ്പാക്കുന്നതിൽ സഹായിക്കേണ്ടതാണ്.

(3) നിയമസംഹിതയിലെ വ്യവസ്ഥകൾ, കഴിയുന്നിടത്തോളം, ഒരു ഉദ്യോഗസ്ഥന് (1)-ാം ഉപവകുപ്പുപ്രകാരമുള്ള അധികാരങ്ങൾ പ്രയോഗിക്കുന്നതിൽ ബാധകമാകുന്നതാണ്.

അദ്ധ്യായം III

എക്സ്റ്റേൺമെന്റ്

കുറ്റം ചെയ്യാൻ ഇടയുള്ള ആളെ നീക്കം ചെയ്യുന്നത്

10. (1) ഒരാൾ, ഭരണഘടനയിലെ 244-ാം അനുച്ഛേദത്തിൽ പരാമർശിക്കപ്പെട്ട പ്രകാരമുള്ള പട്ടികപ്രദേശങ്ങളിലും ഗോത്രവർഗ്ഗ പ്രദേശങ്ങളിലും ഉൾപ്പെട്ട ഏതെങ്കിലും പ്രദേശത്ത് ഈ ആക്റ്റിലെ II-ാം അദ്ധ്യായത്തിൻ കീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്യാനിടയുണ്ടെന്ന് ഒരു പരാതിയിൻമേലോ അല്ലെങ്കിൽ ഒരു പോലീസ് റിപ്പോർട്ടിൻമേലോ സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക് ബോദ്ധ്യപ്പെടുന്നിടത്ത്, അതിന് രേഖാമൂലമുള്ള ഉത്തരവിനാൽ, അങ്ങനെയുള്ള ആളിനോട് അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്തിന്റെ അതിർത്തികൾക്ക് പുറത്തേക്ക് ഉത്തരവിൽ വിനിർദ്ദേശിച്ചേക്കാവുന്ന മാർഗ്ഗത്തിൽകൂടിയും അങ്ങനെയുള്ള സമയത്തിനുള്ളിലും സ്വയം മാറിപ്പോകുന്നതിനും, ഏതു പ്രദേശത്തു നിന്നാണോ അയാൾ സ്വയം മാറിപ്പോകാൻ നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ടത് ആ പ്രദേശത്തേക്ക് ആ ഉത്തരവിൽ വിനിർദ്ദേശിച്ചേക്കാവുന്നതും രണ്ടു വർഷത്തിൽ കവിയാത്തതുമായ കാലത്തേക്ക് മടങ്ങിവരാൻ പാടില്ലാത്തതാണെന്നും നിർദ്ദേശിക്കാവുന്നതാണ്.

(2) സ്പെഷ്യൽ കോടതി (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൻകീഴിൽ ഉള്ള ഒരു ഉത്തരവിനോടൊപ്പം ആ ഉപവകുപ്പുപ്രകാരം നിർദ്ദേശം നൽകപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന ആളിനെ, അങ്ങനെയുള്ള ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിക്കുന്നതിനുള്ള കാരണങ്ങൾ അറിയിക്കേണ്ടതാണ്.

(3) സ്പെഷ്യൽ കോടതി (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൻകീഴിൽ പുറപ്പെടുവിച്ച ഉത്തരവ്, ഏതൊരാളിന് എതിരായാണോ അങ്ങനെയുള്ള ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിച്ചിട്ടുള്ളത് അങ്ങനെയുള്ള ആളോ അല്ലെങ്കിൽ അയാൾക്കുവേണ്ടി മറ്റേതെങ്കിലും ആളോ ആ ഉത്തരവിന്റെ തീയതി മുതൽ മുപ്പതു ദിവസത്തിനകം നൽകുന്ന നിവേദനത്തിൻമേൽ എഴുതി രേഖപ്പെടുത്തേണ്ട കാരണങ്ങളിൻമേൽ, പിൻവലിക്കുകയോ വ്യത്യാസപ്പെടുത്തുകയോ ചെയ്യാവുന്നതാണ്.

ഒരാൾ ഒരു പ്രദേശത്ത് നിന്നും സ്വയം മാറിപ്പോകാതിരിക്കുമ്പോഴും മാറിപ്പോയശേഷം അവിടെ പ്രവേശിക്കുമ്പോഴുമുള്ള നടപടിക്രമം

11. (1) ഏതെങ്കിലും പ്രദേശത്തുനിന്നും സ്വയം മാറിപ്പോകുവാൻ 10-ാം വകുപ്പിൻകീഴിൽ പുറപ്പെടുവിച്ചിട്ടുള്ള ഒരു നിർദ്ദേശം ഏതൊരാളിനാണോ നൽകിയിട്ടുള്ളത് ആ ആൾ സ്പെഷ്യൽ കോടതിയുടെ (2)-ാം ഉപവകുപ്പു പ്രകാരമുള്ള ലിഖിതമായ അനുവാദത്തോടുകൂടിയല്ലാതെ:—

(ക) വിനിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട പ്രകാരം സ്വയം മാറിപ്പോകാതിരിക്കുകയോ; അല്ലെങ്കിൽ

(ഖ) അങ്ങനെ സ്വയം മാറിപ്പോയശേഷം ഉത്തരവിൽ വിനിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട കാലത്തിനുള്ളിൽ അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്ത് പ്രവേശിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നപക്ഷം സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക്, അയാളെ അറസ്റ്റ് ചെയ്ത് പോലീസ് ബന്തവസ്സിൽ, അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്തിന് വെളിയിൽ, സ്പെഷ്യൽ കോടതി വിനിർദ്ദേശിക്കാവുന്ന അങ്ങനെയുള്ള സ്ഥലത്തേക്ക് മാറ്റാൻ ഇടയാക്കാവുന്നതാണ്.

(2) സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക്, രേഖാമൂലമായ ഉത്തരവുവഴി ഏതൊരാളിനെ സംബന്ധിച്ചാണോ 10-ാം വകുപ്പിൻകീഴിൽ ഒരു ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിച്ചിട്ടുള്ളത്, ആ ആളിനെ, ഏതു പ്രദേശത്തുനിന്നാണോ അയാൾ സ്വയം മാറിപ്പോകാൻ നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ടത്, ആ പ്രദേശത്ത്, അങ്ങനെയുള്ള ഉത്തരവിൽ വിനിർദ്ദേശിക്കാവുന്ന അങ്ങനെയുള്ള താൽക്കാലിക കാലയളവിലേക്കും അങ്ങനെയുള്ള നിബന്ധനകൾക്ക് വിധേയമായും മടങ്ങിപ്പോകാൻ അനുവദിക്കാവുന്നതും ചുമത്തപ്പെട്ട നിബന്ധനകൾ യഥാവിധി പാലിക്കപ്പെടുന്നതിന് ജാമ്യക്കാരനോടുകൂടിയോ അല്ലാതെയോ ഒരു ബോണ്ട് ഒപ്പിട്ട് പൂർത്തീകരിക്കുന്നതിന് അയാളോട് ആവശ്യപ്പെടാവുന്നതുമാണ്.

(3) സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക് അങ്ങനെയുള്ള ഏതൊരു അനുവാദവും ഏതു സമയവും പിൻവലിക്കാവുന്നതാണ്.

(4) അങ്ങനെയുള്ള അനുവാദത്തോടുകൂടി ഏതു പ്രദേശത്തുനിന്നാണോ സ്വയം മാറിപ്പോകുവാൻ നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ടിരുന്നത് ആ പ്രദേശത്തേക്ക് മടങ്ങിപ്പോകുന്ന ഏതൊരാളും ചുമത്തപ്പെട്ട നിബന്ധനകൾ പാലിക്കേണ്ടതും മടങ്ങിപ്പോകുവാൻ അയാളെ അനുവദിച്ചിരുന്നത് ഏതു താൽക്കാലിക കാലയളവിലേക്കാണോ ആ കാലയളവ് അവസാനിക്കുമ്പോൾ അല്ലെങ്കിൽ അങ്ങനെയുള്ള താൽക്കാലിക കാലയളവ് അവസാനിക്കുന്നതിന് മുമ്പായി അങ്ങനെയുള്ള അനുവാദം പിൻവലിക്കപ്പെടുമ്പോൾ, അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്തിന് പുറത്തേക്ക് സ്വയം മാറിപ്പോകേണ്ടതും, പുതുതായുള്ള ഒരു അനുവാദത്തോടുകൂടിയല്ലാതെ 10-ാം വകുപ്പുപ്രകാരം വിനിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ള കാലയളവിന്റെ കഴിയാൻ ബാക്കിയുള്ള സമയത്തിനുള്ളിൽ അവിടേക്ക് മടങ്ങാൻ പാടില്ലാത്തതുമാണ്.

(5) ഒരാൾ ചുമത്തപ്പെട്ട നിബന്ധനകളിലേതെങ്കിലും പാലിക്കാതിരിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ അതനുസരിച്ച് സ്വയം മാറിപ്പോകാതിരിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ അപ്രകാരം സ്വയം മാറിപ്പോയിട്ട് പുതുതായുള്ള അനുവാദത്തോടുകൂടിയല്ലാതെ അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്ത് പ്രവേശിക്കുകയോ അവിടേക്ക് മടങ്ങുകയോ ചെയ്യുന്നപക്ഷം സ്പെഷ്യൽ കോടതിക്ക്, അയാളെ അറസ്റ്റ് ചെയ്ത്, പോലീസ് ബന്തവസ്സിൽ, അങ്ങനെയുള്ള പ്രദേശത്തിന് വെളിയിൽ സ്പെഷ്യൽ കോടതി വിനിർദ്ദേശിക്കാവുന്ന അങ്ങനെയുള്ള സ്ഥലത്തേക്ക് മാറ്റാൻ ഇടയാക്കാവുന്നതാണ്.

10-ാം വകുപ്പിൻകീഴിൽ ആർക്കെതിരായാണോ ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിക്കുന്നത് ആ ആളുടെ അളവുകളും ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളും മറ്റും എടുക്കുന്നത്

12. (1) ആർക്കെതിരായാണോ 10-ാം വകുപ്പിൻകീഴിൽ ഒരു ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിച്ചിട്ടുള്ളത് അങ്ങനെയുള്ള ഓരോ ആളും, സ്പെഷ്യൽ കോടതി അപ്രകാരം ആവശ്യപ്പെടുന്നപക്ഷം, അയാളുടെ അളവുകളും ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളും എടുക്കുന്നതിന് ഒരു പോലീസ് ഉദ്യോഗസ്ഥനെ അനുവദിക്കേണ്ടതാണ്.

(2) (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൽ പരാമർശിച്ചിരിക്കുന്ന ഏതെങ്കിലും ഒരു ആളിനോട് അയാളുടെ അളവുകളോ ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളോ എടുക്കുവാൻ അനുവദിക്കണമെന്നാവശ്യപ്പെടുമ്പോൾ അപ്രകാരമുള്ള അളവുകളോ ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളോ എടുക്കുന്നതിനെ എതിർക്കുകയോ അവ എടുക്കുന്നത് അനുവദിക്കാൻ വിസമ്മതിക്കുകയോ ചെയ്യുന്ന പക്ഷം, അവ എടുക്കുന്നത് ഉറപ്പുവരുത്തുന്നതിലേക്ക് ആവശ്യമായ എല്ലാ മാർഗ്ഗങ്ങളും അവലംബിക്കുന്നത് നിയമാനുസൃതമായിരിക്കുന്നതാണ്.

(3) (2)-ാം ഉപവകുപ്പുപ്രകാരം അളവുകളോ ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളോ എടുക്കുന്നതിനോടുള്ള എതിർപ്പോ അല്ലെങ്കിൽ അവ എടുക്കുന്നത് അനുവദിക്കുന്നതിനുള്ള വിസമ്മതമോ ഇൻഡ്യൻ ശിക്ഷാ നിയമസംഹിതയിലെ 186-ാം വകുപ്പിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റമായി കരുതപ്പെടുന്നതാണ്. *1860-ലെ 45.*

(4) 10-ാം വകുപ്പുപ്രകാരമുള്ള ഒരു ഉത്തരവ് പിൻവലിക്കപ്പെടുന്നിടത്ത്, (2)-ാം ഉപവകുപ്പുപ്രകാരം എടുക്കപ്പെട്ട എല്ലാ അളവുകളും ഫോട്ടോഗ്രാഫുകളും (നെഗറ്റീവുകൾ ഉൾപ്പെടെ) നശിപ്പിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ ഏതൊരാളിനെതിരായാണോ അങ്ങനെയുള്ള ഉത്തരവ് പുറപ്പെടുവിക്കപ്പെട്ടത് ആ ആളിന് ഏൽപ്പിച്ചുകൊടുക്കുകയോ ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

10-ാം വകുപ്പിൻകീഴിലുള്ള ഉത്തരവ് അനുസരിക്കാതിരിക്കലിനുള്ള ശിക്ഷ

13. സ്പെഷ്യൽ കോടതിയുടെ 10-ാം വകുപ്പുപ്രകാരമുള്ള ഒരുത്തരവ് ലംഘിക്കുന്ന ഏതൊരാളും ഒരു വർഷത്തോളമാകാവുന്ന കാലയളവിലേക്ക് തടവുശിക്ഷയും പിഴശിക്ഷയും നൽകി ശിക്ഷിക്കപ്പെടുന്നതാണ്.

അദ്ധ്യായം IV

സ്പെഷ്യൽ കോടതികൾ

സ്പെഷ്യൽ കോടതി

14. സത്വരമായ വിചാരണ ഏർപ്പെടുത്തുന്ന ആവശ്യത്തിലേക്ക്, സംസ്ഥാന സർക്കാരിന് ഹൈക്കോടതിയിലെ ചീഫ് ജസ്റ്റീസിന്റെ സമ്മതത്തോടുകൂടി ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള കുറ്റങ്ങൾ വിചാരണ ചെയ്യുന്നതിലേക്ക് ഒരു സ്പെഷ്യൽ കോടതി ആയിരിക്കുന്നതിന് ഓരോ ജില്ലയിലേക്കും ഒരു സെഷൻസ് കോടതിയെ വിനിർദ്ദേശിക്കാവുന്നതാണ്.

സ്പെഷ്യൽ പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടർ

15. സംസ്ഥാന സർക്കാർ ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി ഓരോ സ്പെഷ്യൽ കോടതിയിലേക്കും ആ കോടതിയിൽ കേസുകൾ നടത്തുന്ന ആവശ്യത്തിലേക്ക് ഒരു പബ്ലിക് പ്രോസിക്യൂട്ടറെ വിനിർദ്ദേശിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ ഏഴുവർഷത്തിൽ കുറയാത്ത കാലമായി അഭിഭാഷകനായി പ്രാക്ടീസ് ചെയ്തുകൊണ്ടിരിക്കുന്ന ഒരു അഭിഭാഷകനെ ഒരു സ്പെഷ്യൽ പ്രോസിക്യൂട്ടറായി നിയമിക്കുകയോ ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

അദ്ധ്യായം V

പലവക

കൂട്ടപ്പിഴ ചുമത്താൻ സംസ്ഥാന സർക്കാരിനുള്ള അധികാരം

16. ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിൽ കൂട്ടപ്പിഴ ചുമത്തുന്നതിനും ഈടാക്കുന്നതിനും ഉള്ള ആവശ്യങ്ങൾക്കും അതുമായി ബന്ധപ്പെട്ട മറ്റെല്ലാ സംഗതികൾക്കും ആകാവുന്നിടത്തോളം, 1955-ലെ പൗരാവകാശ സംരക്ഷണ ആക്റ്റിലെ 10 ക വകുപ്പിലെ വ്യവസ്ഥകൾ ബാധകമാകുന്നതാണ്. *1955-ലെ 22.*

നിയമ സമാധാന, സംവിധാനോദ്യോഗസ്ഥൻമാർ സ്വീകരിക്കേണ്ട നിവാരക പ്രവർത്തനം

17. (1) ഒരു ജില്ലാ മജിസ്ട്രേട്ടിനോ അല്ലെങ്കിൽ ഒരു സബ് ഡിവിഷണൽ മജിസ്ട്രേട്ടിനോ അല്ലെങ്കിൽ മറ്റേതെങ്കിലും എക്സിക്യൂട്ടീവ് മജിസ്ട്രേട്ടിനോ ഒരു ഡെപ്യൂട്ടി പോലീസ് സൂപ്രണ്ടിന്റെ പദവിയിൽ താഴെയല്ലാതെയുള്ള ഏതെങ്കിലും ഒരു പോലീസ് ഉദ്യോഗസ്ഥനോ വിവരം ലഭിക്കുന്നതിൻമേലും ആവശ്യമെന്ന് അയാൾക്ക്. തോന്നാവുന്ന, അങ്ങനെയുള്ള അന്വേഷണത്തിനുശേഷവും തന്റെ അധികാരിതയുടെ പ്രാദേശിക പരിധികൾക്കുള്ളിലുള്ള ഏതെങ്കിലും സ്ഥലത്ത് താമസിക്കുകയോ, അല്ലെങ്കിൽ അടിക്കടി വന്നുപോവുകയോ ചെയ്യുന്ന, പട്ടികജാതിയിലോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലോ പെടാത്ത ഒരാളോ അല്ലെങ്കിൽ ആളുകളുടെ ഒരു ഗ്രൂപ്പോ, ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്യാൻ ഇടയുണ്ടെന്നോ, അല്ലെങ്കിൽ ചെയ്യുന്നതാണെന്ന് ഭീഷണിപ്പെടുത്തിയിട്ടുണ്ടെന്നോ, വിശ്വസിക്കുവാൻ ന്യായമായ കാരണമുണ്ടായിരിക്കുകയും നടപടി എടുക്കുന്നതിന് മതിയായ കാരണമുണ്ടെന്ന് അഭിപ്രായമുണ്ടായിരിക്കുകയും ചെയ്യുന്നപക്ഷം, അങ്ങനെയുള്ള ഒരു പ്രദേശത്തെ ഒരു അതിക്രമോൻമുഖ പ്രദേശമായി പ്രഖ്യാപിക്കേണ്ടതും സമാധാനവും നല്ല നടപ്പും പാലിക്കുന്നതിനും പൊതു സമാധാനവും പ്രശാന്തിയും നിലനിറുത്തുന്നതിനും ആവശ്യമായ നടപടികൾ സ്വീകരിക്കുകയും നിവാരക പ്രവൃത്തികൾ സ്വീകരിക്കുകയും ചെയ്യാവുന്നതാണ്.

(2) നിയമസംഹിതയിലെ VIII, X, XI എന്നീ അദ്ധ്യായങ്ങളിലെ വ്യവസ്ഥകൾ ആകാവുന്നിടത്തോളം (1)-ാം ഉപവകുപ്പിന്റെ ആവശ്യങ്ങൾക്ക് ബാധകമാകുന്നതാണ്.

(3) സംസ്ഥാന സർക്കാരിന്, ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി, അതിക്രമങ്ങൾ തടയുന്നതിനും പട്ടികജാതിയിലെയോ പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയോ അംഗങ്ങൾക്കിടയിൽ സുരക്ഷിതത്വബോധം പുനഃസ്ഥാപിക്കുന്നതിനും ഒന്നോ അതിൽ കൂടുതലോ സ്കീമുകൾ, അങ്ങനെയുള്ള സ്കീമിലോ സ്കീമുകളിലോ വിനിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ള സമുചിത നടപടി, (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൽ പരാമർശിക്കപ്പെട്ടിട്ടുള്ള ഉദ്യോഗസ്ഥൻമാർ സ്വീകരിക്കേണ്ട രീതി വിനിർദ്ദേശിച്ചുകൊണ്ട് തയ്യാറാക്കാവുന്നതാണ്.

ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്യുന്ന ആളുകൾക്ക് നിയമ സംഹിതയിലെ 438-ാം വകുപ്പ് ബാധകമാകുന്നതല്ലെന്ന്

18. നിയമസംഹിതയിലെ 438-ാം വകുപ്പിലുള്ള യാതൊന്നും, ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്തതായുള്ള ആരോപണത്തിൻമേൽ ഏതെങ്കിലും ആളുടെ അറസ്റ്റ് ഉൾക്കൊള്ളുന്ന ഏതെങ്കിലും കേസിനെ സംബന്ധിച്ചിടത്തോളം ബാധകമാകുന്നതല്ല.

ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റത്തിന് അപരാധിയായുള്ള ആളുകൾക്ക് നിയമ സംഹിതയിലെ 360-ാം വകുപ്പോ കുറ്റക്കാരുടെ പ്രൊബേഷൻ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകളോ ബാധകമാകുന്നതല്ലെന്ന്

19. ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള ഒരു കുറ്റം ചെയ്തതിന് അപരാധിയാണെന്ന് കാണപ്പെട്ട പതിനെട്ടുവയസിന് മുകളിൽ പ്രായമുള്ള യാതൊരാളിനും നിയമസംഹിതയിലെ 360-ാം വകുപ്പിലുള്ള വ്യവസ്ഥകളും, 1958-ലെ കുറ്റക്കാരുടെ പ്രൊബേഷൻ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകളും ബാധകമാകുന്നതല്ല. *1958-ലെ 20.*

ആക്റ്റിന് മറ്റു നിയമങ്ങളിൻമേൽ അധികപ്രഭാവം ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണെന്ന്

20. ഈ ആക്റ്റിൽ മറ്റുവിധത്തിൽ വ്യവസ്ഥ ചെയ്തിട്ടുള്ളവിധമൊഴികെ, ഈ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകൾക്ക്, തൽസമയം പ്രാബല്യത്തിലുള്ള മറ്റേതെങ്കിലും നിയമത്തിലോ അല്ലെങ്കിൽ ആചാരത്തിലോ അല്ലെങ്കിൽ വഴക്കത്തിലോ അല്ലെങ്കിൽ അപ്രകാരമുള്ള ഏതെങ്കിലും നിയമത്തിന്റെ ബലത്തിൽ പ്രഭാവമുള്ള ഏതെങ്കിലും പ്രമാണത്തിലോ അതുമായി അസംഗതമായ എന്തുതന്നെ അടങ്ങിയിരുന്നാലും, പ്രഭാവമുണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്.

ആക്റ്റിന്റെ ഫലപ്രദമായ നടത്തിപ്പ് ഉറപ്പു വരുത്തുവാൻ സർക്കാരിനുള്ള ചുമതല

21. (1) ഇതിലേക്ക് കേന്ദ്രസർക്കാർ ഉണ്ടാക്കുന്ന അങ്ങനെയുള്ള ചട്ടങ്ങൾക്ക് വിധേയമായി ഈ ആക്റ്റിന്റെ ഫലപ്രദമായ നടത്തിപ്പിന് ആവശ്യമായ അങ്ങനെയുള്ള നടപടികൾ സംസ്ഥാന സർക്കാർ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

(2) പ്രത്യേകിച്ചും, മേൽപറഞ്ഞ വ്യവസ്ഥകളുടെ സാമാന്യതയ്ക്ക് ഭംഗം വരാതെയും അപ്രകാരമുള്ള നടപടികളിൽ,—

(i) അതിക്രമങ്ങൾക്ക് വിധേയരാക്കപ്പെട്ട ആളുകൾക്ക് സ്വയം നീതി ലഭ്യമാക്കുന്നതിന് അവരെ കഴിവുള്ളവരാക്കിത്തീർക്കുന്നതിന് പര്യാപ്തമായ സൗകര്യങ്ങൾ, നിയമസഹായം ഉൾപ്പെടെയുള്ളത്, ഏർപ്പെടുത്തുന്നതിനും;

(ii) ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിലുള്ള കുറ്റകൃത്യങ്ങളുടെ അന്വേഷണത്തിന്റെയും വിചാരണയുടെയും കാലത്ത് അതിക്രമത്തിനിരയായവരുൾപ്പെടെയുള്ള സാക്ഷികളുടെ യാത്രാചെലവിനും സംരക്ഷണചെലവിനും വ്യവസ്ഥ ചെയ്യുന്നതിനും;

(iii) അതിക്രമത്തിനിരയായവരുടെ സാമ്പത്തികവും സാമൂഹ്യവുമായ പുനരധിവാസത്തിന് വ്യവസ്ഥ ചെയ്യുന്നതിനും;

(iv) ഈ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകൾ ഉല്ലംഘിച്ചതിനുള്ള പ്രോസിക്യൂഷൻ നടപടികൾ ആരംഭിക്കുന്നതിനോ അല്ലെങ്കിൽ പ്രോസിക്യൂഷന്റെ മേൽനോട്ടം നിർവ്വഹിക്കുന്നതിനോ വേണ്ടിയുള്ള ഉദ്യോഗസ്ഥൻമാരുടെ നിയമനത്തിനും;

(v) അങ്ങനെയുള്ള നടപടികളുടെ രൂപവൽക്കരണത്തിനോ അല്ലെങ്കിൽ നടത്തിപ്പിനോ സർക്കാരിനെ സഹായിക്കുന്നതിന് ഉചിതമെന്ന് സംസ്ഥാന സർക്കാർ കരുതുന്ന, അങ്ങനെയുള്ള സമുചിത തലങ്ങളിൽ കമ്മിറ്റികൾ ഉണ്ടാക്കുന്നതിനും;

(vi) ഈ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകളുടെ മെച്ചപ്പെട്ട നടത്തിപ്പിനു വേണ്ടിയുള്ള നടപടികൾ നിർദ്ദേശിക്കുക എന്ന ലക്ഷ്യത്തോടുകൂടി ഈ ആക്റ്റിലെ വ്യവസ്ഥകളുടെ പ്രവർത്തനത്തിന്റെ ഒരു ആനുകാലിക സർവ്വേ നടത്തുന്നതിന് വ്യവസ്ഥ ചെയ്യുന്നതിനും;

(vii) ഏതെല്ലാം പ്രദേശങ്ങളിലാണ് പട്ടികജാതിയിലെയും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗത്തിലെയും അംഗങ്ങൾ അതിക്രമങ്ങൾക്ക് വിധേയരാക്കപ്പെടാൻ ഇടയുള്ളതെന്ന് തിരിച്ചറിയുന്നതിനും അങ്ങനെയുള്ള അംഗങ്ങൾക്ക് സംരക്ഷണം ഉറപ്പുവരുത്തത്തക്കവിധത്തിലുള്ള നടപടികൾ സ്വീകരിക്കുന്നതിനും;

ഉള്ള വ്യവസ്ഥകൾ ഉൾപ്പെടാവുന്നതാണ്.

(3) (1)-ാം ഉപവകുപ്പിൻകീഴിൽ സംസ്ഥാന സർക്കാരുകൾ എടുത്തിട്ടുള്ള നടപടികൾ ഏകോപിപ്പിക്കുന്നതിന് ആവശ്യമായേക്കാവുന്ന അങ്ങനെയുള്ള നടപടികൾ കേന്ദ്രസർക്കാർ എടുക്കേണ്ടതാണ്.

(4) കേന്ദ്രസർക്കാർ അത് സ്വയമേയും സംസ്ഥാന സർക്കാരുകളും ഈ വകുപ്പിലെ വ്യവസ്ഥകൾ അനുസരിച്ച് എടുത്ത നടപടികളിൻമേലുള്ള ഒരു റിപ്പോർട്ട് ഓരോ വർഷവും പാർലമെന്റിന്റെ ഓരോ സഭയുടെയും മേശപ്പുറത്ത് വയ്ക്കേണ്ടതാണ്.

ഉത്തമവിശ്വാസപൂർവ്വം ചെയ്ത പ്രവൃത്തിക്ക് സംരക്ഷണം

22. ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിൽ ഉത്തമവിശ്വാസപൂർവ്വം ചെയ്തതോ ചെയ്യാൻ ഉദ്ദേശിച്ചതോ ആയ എന്തിനെങ്കിലും, കേന്ദ്രസർക്കാരിനോ, സംസ്ഥാന സർക്കാരിനോ സർക്കാരിന്റെ ഏതെങ്കിലും ഉദ്യോഗസ്ഥനോ അധികാരിക്കോ അല്ലെങ്കിൽ മറ്റേതെങ്കിലും ആളിനോ എതിരായി വ്യവഹാരമോ, പ്രോസിക്യൂഷനോ മറ്റ് നിയമനടപടികളോ നിലനിൽക്കുന്നതല്ല.

ചട്ടങ്ങൾ ഉണ്ടാക്കുന്നതിനുള്ള അധികാരം

23. കേന്ദ്ര സർക്കാരിന്, ഔദ്യോഗിക ഗസറ്റിൽ വിജ്ഞാപനം വഴി, ഈ ആക്റ്റിന്റെ ആവശ്യങ്ങൾ നിറവേറ്റുവാൻ ചട്ടങ്ങൾ ഉണ്ടാക്കാവുന്നതാണ്.

(2) ഈ ആക്റ്റിൻകീഴിൽ ഉണ്ടാക്കപ്പെടുന്ന ഏതൊരു ചട്ടവും അത് ഉണ്ടാക്കിയതിനുശേഷം ആകുന്നത്ര വേഗത്തിൽ, പാർലമെന്റ് സമ്മേളനത്തിലിരിക്കുമ്പോൾ അതിന്റെ ഓരോ സഭയുടേയും മുമ്പാകെ, ഒരു സമ്മേളനത്തിലോ തുടർച്ചയായുള്ള രണ്ടോ അതിലധികമോ സമ്മേളനങ്ങളിലോ ആയി ആകെ മുപ്പത് ദിവസക്കാലത്തേക്ക് വയ്ക്കേണ്ടതും, മുൻപറഞ്ഞ സമ്മേളനത്തിനോ തുടർച്ചയായുള്ള സമ്മേളനങ്ങൾക്കോ തൊട്ടടുത്തുവരുന്ന സമ്മേളനം അവസാനിക്കുന്നതിനു മുമ്പ്, ഇരുസഭകളും, ആ ചട്ടത്തിൽ എന്തെങ്കിലും രൂപഭേദം വരുത്തുന്നതിൽ യോജിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ ഇരുസഭകളും, ആ ചട്ടം ഉണ്ടാക്കരുത് എന്നതിൽ യോജിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നുവെങ്കിൽ, അതിനുശേഷം ആ ചട്ടത്തിന്, അതതു സംഗതിപോലെ, അങ്ങനെ രൂപഭേദപ്പെടുത്തിയ രൂപത്തിൽമാത്രം പ്രഭാവം ഉണ്ടായിരിക്കുകയോ അല്ലെങ്കിൽ പ്രഭാവം ഇല്ലാതിരിക്കുകയോ ചെയ്യുന്നതും ആകുന്നു. എന്നാൽ അങ്ങനെയുള്ള ഏതെങ്കിലും രൂപഭേദപ്പെടുത്തലോ പ്രഭാവശൂന്യമാക്കലോ ആ ചട്ടത്തിൻകീഴിൽ മുമ്പ് ചെയ്തിട്ടുള്ള എന്തിന്റെയെങ്കിലും സാധുതയ്ക്ക് ഭംഗം വരാത്ത വിധത്തിൽ ആയിരിക്കേണ്ടതാണ്.

THE SCHEDULED CASTES AND THE SCHEDULED TRIBES (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT, 1989

(Act No. 33 of 1989)

1989-ലെ പട്ടികജാതികളും പട്ടികഗോത്രവർഗ്ഗങ്ങളും (അതിക്രമങ്ങൾ തടയൽ) ആക്റ്റ്
(1989-ലെ 33-ാം നമ്പർ ആക്റ്റ്)

GLOSSARY

1.	Atrocities	അതിക്രമങ്ങൾ	Short title and various other sections
2.	Entice	പ്രലോഭിപ്പിക്കൽ	Section 3(1) (vi)
3.	Prevention	തടയൽ	Short title
4.	Screening	ഛാദനം	Section 3(2) (vi)

Kerala Gazette No. 32 dated 7th August 1990.

PART I **Section i**

GOVERNMENT OF KERALA

Law (Legislation-Publication) Department

NOTIFICATION

No. 19210/Leg.Pbn. 2/89/Law. *Dated, Trivandrum, 1st December,* 1989.

The following Act of the Parliament, published in a Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 1, dated the 12th September, 1989 is hereby republished for general information. The Bill as passed by the Houses of Parliament received the assent of the President on the 11th September, 1989.

By order of the Governor
T. P. SAROJAM,
Special Secretary (Law).

THE SCHEDULED CASTES AND THE SCHEDULED TRIBES (PREVENTION OF ATROCITIES) ACT 1989

(Central Act 33/89)

AN

ACT

to prevent the commission of offences of atrocities against the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, to provide for Special Courts for the trial of such offences and for the relief and rehabilitation of the victims of such offences and for matters connected therewith or incidental thereto.

BE it enacted by Parliament in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. *Short title, extent and commencement.*—(1) This Act may pe called the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989.

(2) It extends to the whole of India except the Sate of Jammu and Kashmir.

(3) it shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. *Definitions.*—(1) In this Act, unless the context otherwise requires,—

(a) "atrocity" means an offence punishable under section 3;

(b) "Code" means the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) ;

(c) "Scheduled Castes and Scheduled Tribes" shall have the meanings assigned to them respectively under clause (24) and clause (25) of article 366 of the Constitution ;

(d) "Special Court" means a Court of Session specified as a Special Court in section 14 ;

(e) "Special Public Prosecutor" means a Public Prosecutor specified as a special Public Prosecutor or an advocate referred to in section 15 ;

(f) words and expressions used but not defined in this Act and defined in the Code or the Indian Penal Code (45 of 1860) shall have the meanings assigned to them respectively in the Code, or as the case may be, in the Indian Penal Code.

(2) Any reference in this Act to any enactment or any provision thereof shall, in relation to an area in which such enactment or such provision is not in force, be construed as a reference to the corresponding law, if any, in force in that area.

CHAPTER II

Offences of Atrocities

3. *Punishments for offences of atrocities.*—(1) Whoever, not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,—

(i) forces a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to drink or eat any inedible or obnoxious substance ;

(ii) acts with intent to cause injury, insult or annoyance to any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe by dumping excreta, waste matter, carcasses or any other obnoxious substance in his premises or neighbourhood ;

(iii) forcibly removes clothes from the person of a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or parades him naked or with painted face or body or commits any similar act which is derogatory to human dignity ;

(iv) wrongfully occupies or cultivates any land owned by, or allotted to, or notified by any competent authority to be allotted to a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or gets the land allotted to him transferred ;

(v) wrongfully dispossesses a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe from his land or premises or interferes with the enjoyment of his rights over any land, premises or water ;

(vi) compels or entices a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to do 'begar' or other similar forms of forced or bonded labour other than any compulsory service for public purposes imposed by Government ;

(vii) forces or intimidates a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe not to vote or to vote to a particular candidate or to vote in a manner other than that provided by law ;

(viii) institutes false, malicious or vexatious suit or criminal or other legal proceedings against a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;

(ix) gives any false or frivolous information to any public servant and thereby causes such public servant to use his lawful power to the injury or annoyance of a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;

(x) intentionally insults or intimidates with intent to humiliate a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe in any place within public view ;

(xi) assaults or uses force to any woman belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe with intent to dishonour or outrage her modesty;

(xii) being in a position to dominate the will of a woman belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and uses that position to exploit her sexually to which she would not have otherwise agreed ;

(xiii) corrupts or fouls the water of any spring, reservoir or any other source ordinarily used by members of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes so as to render it less fit for the purpose for which it is ordinarily used ;

(xiv) denies a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe any customary right of passage to a place of public resort or obstructs such member so as to prevent him from using or having access to a place of public resort to which other members of public or any section thereof have a right to use or access to ;

(xv) forces or causes a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to leave his house, village or other place of residence,

shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to five years and with fine.

(2) Whoever, not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe,—

(i) gives or fabricates false evidence intending thereby to cause, or knowing it to be likely that he will thereby cause, any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to be convicted of an offence which is capital by the law for the time being in force shall be punished with imprisonment for life and with fine; and if an innocent member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe be convicted and executed in consequence of such false or fabricated evidence, the person who gives or fabricates such false evidence shall be punished with death;

(ii) gives or fabricates false evidence intending thereby to cause, or knowing it to be likely that he will thereby cause, any member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe to be convicted of an offence which is not capital but punishable with imprisonment for a term of seven years or upwards, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years or upwards and with fine;

(iii) commits mischief by fire or any explosive substance intending to cause or knowing it to be likely that he will thereby cause damage to any property belonging to a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;

(iv) commits mischief by fire or any explosive substance intending to cause or knowing it to be likely that he will thereby cause destruction of any building which is ordinarily used as a place of worship or as a place for human dwelling or as a place for custody of the property by a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, shall be punishable with imprisonment for life and with fine;

(v) commits any offence under the Indian Penal Code (45 of 1860) punishable with imprisonment for a term of ten years or more against a person or property on the ground that such person is a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or such property belongs to such member, shall be punishable with imprisonment for life and with fine;

(vi) knowingly or having reason to believe that an offence has been committed under this Chapter, causes any evidence of the commission of that offence to disappear with the intention of screening the offender from legal punishment, or with that intention gives any information respecting the offence which he knows or believes to be false, shall be punishable with the punishment provided for that offence; or

(vii) being a public servant, commits any offence under this section, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than one year but which may extend to the punishment provided for that offence.

4. *Punishment for neglect of duties*.—Whoever, being a public servant but not being a member of a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe, wilfully neglects his duties required to be performed by him under this Act, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than six months but which may extend to one year.

5. *Enhanced punishment for subsequent conviction*.—Whoever, having already been convicted of an offence under this Chapter is convicted for the second offence or any offence subsequent to the second offence, shall be punishable with imprisonment for a term which shall not be less than one year but which may extend to the punishment provided for that offence.

6. *Application of certain provisions of the Indian Penal Code*.—Subject to the other provisions of this Act, the provisions of section 34, Chapter III, Chapter IV, Chapter V, Chapter VA, section 149 and Chapter XXIII of the Indian Penal Code (45 of 1860), shall, so far as may be, apply for the purposes of this Act as they apply for the purposes of the Indian Penal Code.

7. *Forfeiture of property of certain persons*.—(1) Where a person has been convicted of any offence punishable under this Chapter, the Special Court may, in addition to awarding any punishment, by order in writing, declare that any property, movable or immovable or both, belonging to the person, which has been used for the commission of that offence, shall stand forfeited to Government.

(2) Where any person is accused of any offence under this Chapter, it shall be open to the Special Court trying him to pass an order that all or any of the properties, movable or immovable or both, belonging to him, shall during the period of such trial, be attached, and where such trial ends in conviction, the property so attached shall be liable to forfeiture to the extent it is required for the purpose of realisation of any fine imposed under this Chapter.

8. *Presumption as to offences*.—In a prosecution for an offence under this Chapter, if it is proved that—

(a) the accused rendered any financial assistance to a person accused of, or reasonably suspected of, committing, an offence under this Chapter, the Special Court shall presume, unless the contrary is proved, that such person had abetted the offence ;

(b) a group of persons committed an offence under this Chapter and if it is proved that the offence committed was a sequel to any existing dispute regarding land or any other matter, it shall be presumed that the offence was committed in furtherance of the common intention or in prosecution of the common object.

9. *Conferment of powers.*—(1) Notwithstanding anything contained in the Code or in any other provision of this Act, the State Government may, if it considers it necessary or expedient so to do,—

(a) for the prevention of and for coping with any offence under this Act, or

(b) for any case or class or group of cases under this Act,

in any district or part thereof, confer, by notification in the Official Gazette, on any Officer of the State Government, the powers exercisable by a police officer under the Code in such district or part thereof or, as the case may be, for such case or class or group of cases, and in particular, the powers of arrest, investigation and prosecution of persons before any Special Court.

(2) All officers of police and all other officers of Goverment shall assist the officer referred to in sub-section (1) in the execution of the provisions of this Act or any rule, scheme or order made thereunder.

(3) The provisions of the Code shall, so far as may be, apply to the exercise of the powers by an officer under sub-section (1).

CHAPTER III

EXTERNMENT

10. *Removal of person likely to commit offence.*—(1) Where the Special Court is satisfied, upon a complaint or a police report that a person is likely to commit an offence under Chapter II of this Act in any area included in 'Scheduled Areas' or 'Tribal Areas', as referred to in article 244 of the Constitution, it may, by order in writing, direct such person to remove himself beyond the limits of such area, by such route and within such time as may be specified in the order, and not to return to that area from which he was directed to remove himself for such period, not exceeding two years, as may be specified in the order.

(2) The Special Court shall, along with the order under sub-section (1), communicate to the person directed under that sub-section the grounds on which such order has been made.

(3) The Special Court may revoke or modify the order made under sub-section (1), for the reasons to be recorded in writing, on the representation made by the person against whom such order has been made or by any other person on his behalf within thirty days from the date of the order.

11. *Procedure on failure of person to remove himself from area and enter thereon after removal.*—(1) If a person to whom a direction has been issued under section 10 to remove himself from any area,—

(a) fails to remove himself as directed ; or

(b) having removed himself enters such area within the period specified in the order

otherwise than with the permission in writing of the Special Court under sub-section (2), the Special Court may cause him to be arrested and removed in police custody to such place outside such area as the Special Court may specify.

(2) The Special Court may, by order in writing, permit any person in respect of whom an order under section 10 has been made, to return to the area from which he was directed to remove himself for such temporary period and subject to such conditions as may be specified in such order and may require him to execute a bond with or without surety for the due observation of the conditions imposed.

(3) The Special Court may at any time revoke any such permission.

(4) Any person who, with such permission, returns to the area from which he was directed to remove himself shall observe the conditions imposed, and at the expiry of the temporary period for which he was permitted to return, or on the revocation of such permission before the expiry of such temporary period, shall remove himself outside such area and shall not return thereto within the unexpired portion specified under section 10 without a fresh permission.

(5) If a person fails to observe any of the conditions imposed or to remove himself accordingly or having so removed himself enters or returns to such area without fresh permission the Special Court may cause him to be arrested and removed in police custody to such place outside such area as the Special Court may specify.

12. *Taking measurements and photographs, etc., of persons against whom order under section 10 is made.*—(1) Every person against whom an order has been made under section 10 shall, if so required by the Special Court, allow his measurements and photographs to be taken by a police officer.

(2) If any persons referred to in sub-section (1), when required to allow his measurements or photographs to be taken, resists or refuses to allow the taking of such measurements or photographs, it shall be lawful to use all necessary means to secure the taking thereof.

(3) Resistance to or refusal to allow the taking of measurements or photographs under sub-section (2) shall be deemed to be an offence under section 186 of the Indian Penal Code (45 of 1860).

(4) Where an order under section 10 is revoked, all measurements and photographs (including negatives) taken under sub-section (2) shall be destroyed or made over to the person against whom such order is made.

13. *Penalty for non-compliance of order under section 10.*—Any person contravening an order of the Special Court made under section 10 shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to one year and with fine.

CHAPTER IV

SPECIAL COURTS

14. *Special Court.*—For the purpose of providing for speedy trail, the State Government shall, with the concurrence of the Chief Justice of the High Court, by notification in the Official Gazette, specify for each district a Court of Session to be a Special Court to try the offences under this Act.

15. *Special Public Prosecutor.*—For every Special Court, the State Government shall, by notification in the Official Gazette, specify a Public Prosecutor or appoint an advocate who has been in practice as an advocate for not less than seven years, as a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting cases in that Court.

CHAPTER V

MISCELLANEOUS

16. *Power of State Government to impose collective fine.*—The provisions of section 10A of the Protection of Civil Rights Act, 1955 (22 of 1955), shall, so far as may be, apply for the purposes of imposition and realisation of collective fine and for all other matters connected therewith under this Act.

17. *Preventive action to be taken by the law and order machinery.*—(1) A District Magistrate or a Sub-divisional Magistrate or any other Executive Magistrate or any Police Officer not below the rank of a Deputy Superintendent of Police may, on receiving information and after such inquiry as he may think necessary, has reason to believe that a person or a group of persons not belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes, residing in or frequenting any place within the local limits of his jurisdiction is likely to commit an offence or has threatened to commit any offence under this Act and is of the opinion that there is sufficient ground for proceeding, declare such an area to be an area prone to atrocities and take necessary action for keeping the peace and good behaviour and maintenance of public order and tranquillity and may take preventive action.

(2) The provisions of Chapters VIII, X and XI of the Code shall, so far as may be, apply for the purposes of sub-section (1).

(3) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make one or more schemes specifying the manner in which the officers referred to in sub-section (1) shall take appropriate action specified in such scheme or schemes to prevent atrocities and to restore the feeling of security amongst the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

18. *Section 438 of the Code not to apply to persons committing an offence under the Act.*—Nothing in section 438 of the Code shall apply in relation to any case involving the arrest of any person on an accusation of having committed an offence under this Act.

19. *Section 360 of the Code or the Provision of Probation of Offenders Act not to apply to persons guilty of an offence under the Act.*—The provisions of section 360 of the Code and the provisions of the Probation of Offenders Act, 1958 (20 of 1958) shall not apply to any person above the age of eighteen years who is found guilty of having committed an offence under this Act.

20. *Act to override other laws.*—Save as otherwise provided in this Act, the provisions of this Act shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other law for the time being in force or any custom or usage or any instrument having effect by virtue of any such law.

21. *Duty of Government to ensure effective implementation of the Act.*—(1) Subject to such rules as the Central Government may make in this behalf, the State Government shall take such measures as may be necessary for the effective implementation of this Act.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing provisions, such measures may include,—

(i) the provision for adequate facilities, including legal aid, to the persons subjected to atrocities to enable them to avail themselves of justice ;

(ii) the provision for travelling and maintenance expenses to witnesses, including the victims of atrocities, during investigation and trial of offences under this Act ;

(iii) the provision for the economic and social rehabilitation of the victims of the atrocities ;

(iv) the appointment of officers for initiating or exercising supervision over prosecutions for the contravention of the provisions of this Act ;

(v) the setting up of committees at such appropriate levels as the State Government may think fit to assist that Government in formulation or implementation of such measures ;

(vi) provision for a periodic survey of the working of the provisions of this Act with a view to suggesting measures for the better implementation of the provisions of this Act ;

(vii) the identification of the areas where the members of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes are likely to be subjected to atrocities and adoption of such measures so as to ensure safety for such members.

(3) The Central Government shall take such steps as may be necessary to co-ordinate the measures taken by the State Governments under sub-section (1).

(4) The Central Government shall, every year, place on the table of each House of Parliament a report on the measures taken by itself and by the State Governments in pursuance of the provisions of this section.

22. *Protection of action taken in good faith.*—No suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against the Central Government or against the State Government or any officer or authority of Government or any other person for anything which is in good faith done or intended to be done under this Act.

23. *Power to make rules.*—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before each House of Parliament, while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.